वरदानं हि वार्धक्यं, स्नेहाशीर्वाददायकम् । जीवयात्राशिरोभूतम्, आयुर्विद्यायशोमयम्॥

(वृद्धावस्था देखें जानें तो, सच में एक वरदान है, आयु–विद्या–यश से सजा, ये प्रकृति का आशीर्वाद है।।)

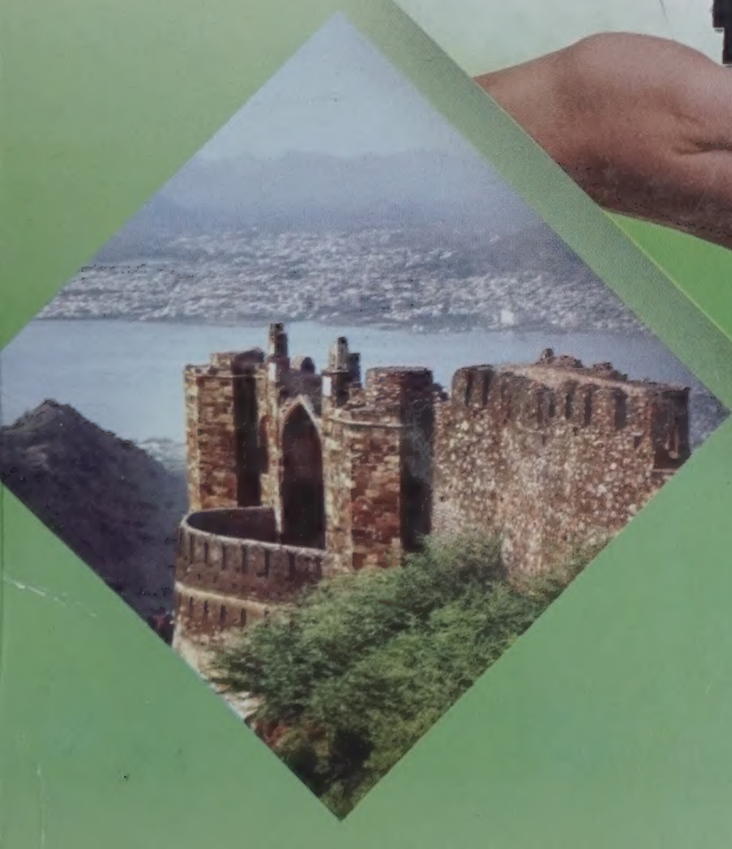
सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर

वरिष्ठजनों के कल्याणार्थ संस्था



चरैवेति चरैवेति





स्मारिका

2019

विश्वमित्र जन सेवा समिति (रजि.) के अन्तर्गत संचालित

लाडली घर





विश्वमित्र जन सेवा समिति अजमेर अपने स्थापना वर्ष 1992 से निरन्तर आध्यात्म एवं समाज सेवा कार्यों के निर्वहन में तल्लीन रहते हुये अन्य वर्गो के निमित प्रेरणापथ प्रदर्शक के रूप में प्रचलित है। समाज की सबसे कमजोर कड़ी दृष्टि बाधित (नेत्रहीन) कन्याओं के समग्र विकास के अन्तर्गत विश्वमित्र दृष्टि बाधित कन्या शिक्षण संस्थान एवं छात्रावास ''लाडली घर'' का संचालन (निःशुल्क) पिछले दो वर्षो से प्रगति के पथ पर अग्रसर है। ये शीर्षस्थ प्रकल्प के रूप में विशिष्ठ उपलब्धि है। संस्थान के समस्त कार्यक्रम सहयोग आयकर की धारा '' 80जी'' के अन्तर्गत कर मुक्त है। मुक्त हस्त संस्थान को सहयोग देकर इस सेवा रथ के सारथी बने।

नोट - लाडली घर में आपके द्वारा किसी भी आयोजन के अन्तर्गत जन्म दिवस, वर्षगाठ व पावन स्मृति में भोजन करवाने एवं छात्राओं की उपयोगी आवश्यकताओं में सहयोग प्रदान करे पुण्य लाभ कमाने के क्रम में सहयोगी बने।

(Non-Profit Org. Registered Under Act 1958. No. 85-/A92-93)

आयकर अधिनियम की धारा 80 - G (5) VI के अधीन पंजीकृत

सम्पर्क दूरभाष : 9414415343, 9462665787

Website : www.vishvamitras.org, E-mail santkrishnand@gmail.com

(पंजीयन क्र. 55/अजमेर/95-96)

चरैवेती चरैवेती

स्मारिका - 2019

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर

(बुजुर्गों के कल्याण एवं सेवार्थ संस्था)

प्रार्थना

दया कर, दान भक्ति का हमें परमात्मा देना।
दया करना, हमारी आत्मा में शुद्धता देना।।

हमारे ध्यान में आओं प्रभो, आँखो में बस जाओं
अंधेरे दिल में आकर के, परम ज्योति जगा देना।।

बहा दो प्रेम की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर।
हमें आपस में मिल-जुलकर, प्रभो रहना सिखा देना।।

हमारा कर्म हो सेवा, हमारा धर्म हो सेवा।
सदा ईमान हो सेवा, व सेवकचर बना देना।।

वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना।
वतन पर जाँ फ़िदा करना, प्रभो हमको सिखा देना।।

दया कर दान.....................................।
दया करना हमारी ....।।

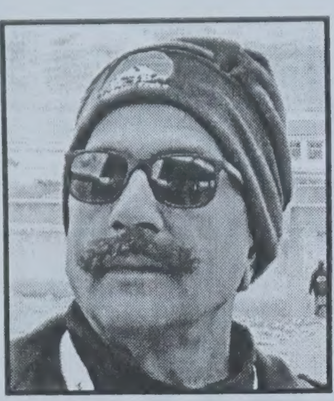
प्रकाशक : महासचिव, सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर

कार्यलय B.-19 माया मेंशन चन्द्रवरदायी नगर, अजमेर मो. 9414669001

मुद्रक : सुन्दर प्रिंटिंग प्रेस, अजमेर (फोन : 0145-2626901, 9351510022)

सदस्यों में वितरण हेतु

सम्पादकीय



सोसायटी की वार्षिक स्मारिका 2019 प्रस्तुत करते हुए बहुत हर्ष हो रहा है। संतुष्ट हूँ कि पिछले कई वर्षो से लगातार नुकसान में छपती हुई स्मारिका इस वर्ष पहली बार लाभ में छप रही है तथा स्मारिका कहलाने का अर्थ सार्थक कर रही है। स्मारिका का अर्थ ही संस्था द्वारा अपने तथा अपनी परियोजनाओं के बारे में बताकर विज्ञापन आदि के माध्यम से आर्थिक सहयोग से छपाई इत्यादि का खर्च निकाल कर संस्था के परियोजना के निमित्त कुछ धन राशि एकत्रित करना होता है। मुझे पूर्ण संतुष्टी है कि मैं अपने इस प्रथम प्रयास में सफल रहा हूँ।

वरिष्ठ नागरिकों के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, चिकित्सकीय, विधिक, सामाजिक, आर्थिक व अन्य कल्याणकारी कार्यों हेतु हमारी संस्था (प क्रमांक /55/ अजमेर / 1995-96) दो दशाब्दी से अधिक समय से निरन्तर कार्यरत है। पूरे अजमेर के चप्पे -चप्पे को 23 समूहों में बांटा हुआ है तथा प्रत्येक समूह में 100 से 500 के लगभग सदस्य होते हैं, कुल सदस्य संख्या 4590 है। प्रत्येक मास हर समूह की बैठक होती है तथा संस्था समाज को क्या प्रदान कर सकती है तथा क्या समाज से अपेक्षा रखती है, उन सभी कार्यों को क्रियान्वित किया जाता है। जैसे- आपस में मिलजुल कर जन्मदिन मनाना, जन समस्याओं पर जनप्रतिनिधीयों का ध्यान आकर्षित करना, चिकित्सा शिविर लगाना, वाचनालय चलाना, प्याऊ चलाना, गरीब व स्त्रियों में विभिन्न सामान वितरण जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहयता करना, तथा गौशाला में चारा आदि डलवाना, ऐसे समाज उपयोगी कार्य निरंतर सचालित होते रहते है।

संस्था के मुख्य आयोजन - वरिष्ठजन सम्मान समारोह, होली व दिवाली स्नेह मिलन और वर्षाकालीन भ्रमण आदि होती हैं जिससे वरिष्ठजन अपनी प्रतिभा का परिचय देते हैं । ऐसे ही इनमें से कुछ वरिष्ठजनों ने आयु के इस मुकाम पर भी अपनी कलम उठाई और कई सारी रचनाएं व लेख प्रस्तुत कर दिये जो स्मारिका में प्रकाशित हैं।

भविष्य का प्रोजेक्ट-

आज अपनो से उपेक्षित, पीड़ित वरिष्ठ जनों की सहायतार्थ '' डे केयर सेन्टर '' चलाने की योजना है जहाँ ऐसे वरिष्ठजन सुबह से आकर नाश्ता, दोपहर का खाना, चाय तथा शाम का खाना खा सके तथा रोजगार मुलक कार्य (जिसमे उनकी दक्षता है) कर के अपना जेब खर्च ले कर घर जा सकें। इससे उनके आत्मविश्वास व संतोष में निरंतर वृद्धी होगी और वे फिर से समाज की मुख्यधारा में आ जायेगें।

इसके लिए स्मारिका के माध्यम से आप से, नगर निगम, अजमेर विकास प्राधिकरण समाज कल्याण विभाग, अजमेर स्थानिय प्रशासन, राज्य व केन्द्र सरकार तथा NGO व उद्योगपतियों से सुझाव आमंत्रित हैं। स्मारिका प्रकाशन में संस्था अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल, महासचिव श्री जे.पी. शर्मा की मुख्य भूमिका रही तथा संपादक मण्डल अथवा स्मारिका समीति का भी प्रशंसनीय योगदान रहा। प्रूफ रीडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य के लिए श्री. पी. एन. शर्मा एवं श्रीमती प्रेरणा गौड़ ने खूब मेहनत करके इसे पूर्ण किया। आप सभी को साधुवाद।

स्मारिका को लाभ में छापना इस उद्देश्य से आगे बढ़े और सफल भी रहे परन्तु साथ – साथ इस बात का दुःख भी रहा कि हमारे वो मुठ्ठी भर सदस्य, जो संस्था के शुभचिंतक होने का ढोंग इस हद तक करते हैं कि न्यायालय जाने से भी नहीं हिचकते है, उनका इस स्मारिका में वृद्धजन व समारोह में नगण्य योगदान है। इससे हम क्या समझें, यह चिंतन करना प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य है। साथ ही, 22 समूह संयोजक तथा 9 निर्वाचित सदस्यों में से आधे से भी कम का आर्थिक योगदान रहा है व संस्था की गतिविधियों को सुचारु चलाने के लिए आर्थिक सहयोग एकत्रित करना क्या केवल मुठ्ठिभर सदस्यों का ही कार्य है सबका नहीं ? ? ? इस पर भी आत्म मंथन करना जरुरी है।

अजमेर के महाराणा प्रताप स्मारक व तारागढ़ का चित्र उपलब्ध करवाने के लिए श्री दीपक शर्मा का हार्दिक आभार।

मैं उन सभी का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से इस स्मारिका के प्रकाशन में कहीं न कहीं योगदान दिया है। विशेष रूप से विज्ञापन दाताओं का हृदय से आभारी हूँ। सुन्दर प्रिंटिंग प्रेस के कर्ताधर्ता श्री जय करना तथा उनकी यशस्वी टीम का भी बहुत आभार। सम्पादक मंडल प्रत्येक रचना, लेख, फोटो, विज्ञापन आदि को बहुत गहराई से जांचता- परखता है फिर भी कोई त्रुटि यदि रह गई हो तो आप विशाल हृदय रख कर क्षमा करेंगें, इसी आशा के साथ

शुभकामनाओं सहित ।



आपका
कृष्ण कुमार गौड़
प्रधानसंपादक
एवं अध्यक्ष
स्मारिका समिति

बीते दिन बीतते नही,
पीछे चले जाते है, याद बन जाते है,
अच्छा लगता है उनसे जुड़ना, वो ठंडी सुबह सूर्य की
हल्की तपिश, वो बेफिक्र ठहाकों का कोलाहल आज
बहुत मसरूफ है, बहुत अकेले भी चाहिये तो समय,
उनका जो अपने हैं पुराने दिन याद कर लेते है,
मेरी यादों में दीमक न लगे मैं सच कहता हूँ, मैं जो था वही हूं
जो आज हूं, वो मैं नही, कह दिया ताकि सनद रहे

कलराज मिश्र
राज्यपाल, राजस्थान

सत्यमेव जयते

Kalraj Mishra
Governor, Rajasthan



संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि सीनियर सोसायटी, अजमेर वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित करता रहा है और उनके हितार्थ संस्थान द्वारा वरिष्ठ नागरिक स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

वरिष्ठ नागरिक अनुभव का भण्डार होते है वे अपने जीवन में कई अनुभव प्राप्त किये हुए होते हैं तथा उन्हें जीवन के विभिन्न पहलुओं की गहराई से समझ होती है। जीवन के इस दौर में वे अपना संकलित ज्ञान युवाओं के साथ साझा कर उन्हें मार्गदर्शित कर सकते हैं।

युवाओं को आवश्यकता है कि वे वरिष्ठ नागरिकों के अनुभवों को इस्तेमाल कर अपने जीवन को नई दिशा प्रदान करें। युवा पीढी को चाहिए कि वे अपनी ऊंर्जा वरिष्ठ नागरिकों की सेवा और देखभाल में लगाएं ताकि बुजुर्गो के चेहेरों पर मुस्कान आ सके।

मैं स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

कलराज मिश्र
(कलराज मिश्र)

राज भवन, सिविल लाइन्स, जयपुर - 302006
Raj Bhawan, Civil Lines, Jaipur - 302006
दूरभाष : 0141-2228716-19, 2228611-12, 2228722

सत्यमेव जयते



मुख्य मंत्री
राजस्थान

अ.शा.पत्र / मुम. / ओएसडीएफ / 2019
जयपुर, 23 सितम्बर, 2019

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर द्वारा "वरिष्ठ नागरिक स्मारिका" का प्रकाशन किया जा रहा है।

वरिष्ठ नागरिक समाज के महत्वपूर्ण अंग हैं। उनके ज्ञान, अनुभव एवं उपलब्धियों से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। यह शुभ है कि अजमेर जिले की इस संस्था से जुड़े 4500 सदस्य अपनी रचनात्मक सोच के साथ समाज सेवा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मनोरंजन शिविर, पिकनिक आदि गतिविधियों में सक्रिय हैं।

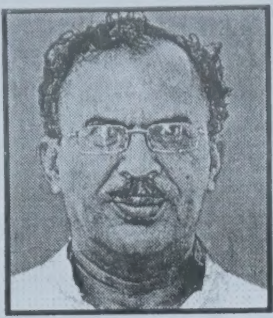
आशा है स्मारिका में वरिष्ठ नागरिकों के स्वरचित आलेख, संस्मरण, गद्य एवं पद्य रचनाओं के अलावा जीवन के विभिन्न अनुभवों से ओतप्रोत सामग्री के साथ राज्य सरकार की वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी कराने वाली सामग्री का समावेश किया जायेगा।

मैं सभी वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन की कामना करते हुए इस प्रकाशन की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

(अशोक गहलोत)

श्री जे.पी. शर्मा,
महासचिव, सीनियर सिटीजन सोसायटी,
बी–19 माया मेंशन,
चंदबरदाई नगर, अजमेर (राज.)

□□□



वासुदेव देवनानी

विधायक अजमेर उत्तर एवं
पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

28, संत कंवरराम कॉलोनी,
फॉयसागर रोड़, अजमेर
दूरभाष : 0145-2601601

1/1, विधायक नगर, पश्चिम जयपुर
Email : prof.vdevnani@gmail.com

संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर द्वारा गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी ''वरिष्ठ नागरिक स्मारिका'' का प्रकाशन किया जा रहा है।

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर अपने लगभग 4500 संस्था सदस्यों के साथ सर्वजन हिताय की भावना से वरिष्ठ नागरिकों की सेवार्थ कार्यरत एक अप्रतिम संस्था है। वृद्धावस्था में जीवन बोझिल, व्यर्थ व आकर्षण विहीन ना लगे इसके लिए संस्था अपने सदस्यों में जीवन्तता व व्यस्तता बनायें रखने के लिए शहर को 23 समूह में बांट कर प्रतिमाह मासिक बैठकें आयोजित कर उनमें एक - दूसरे की कुशलक्षेम का संवाद स्थापित करना, मनोरंजन, आध्यात्मिक कार्यक्रमों के प्रति उन्मुख करना, सदस्यों के सामुहिक जन्मदिवस मनाने आदि कार्यक्रमों के आयोजन करती है। संस्था सदस्य असहाय, गरीब व बुजुर्गो की सेवा के कार्य भी करते हैं।

संस्था द्वारा 1 अक्टूबर को वृद्धजन दिवस, वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण, मनोरंजन शिविर, पिकनिक, आमसभा सांस्कृतिक समागम आदि कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। वरिष्ठ नागरिक जो कि हमारे समाज के आधार स्तम्भ व मार्गदर्शक होते हैं उनके कल्याण व सेवार्थ किये जा रहे कार्यो के लिए सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर निश्चित रूप से साधुवाद की पात्र है।

मैं आशा करता हूँ कि वरिष्ठ नागरिकों की स्वरचित रचनाओं व अन्य उपयोगी लेखों व जानकारियों के समावेश से स्मारिका वरिष्ठ नागरिकों, युवावर्ग व समाज के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

आपका

वासुदेव देवनानी

श्री जे. पी. शर्मा
सहासचिव
सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर

श्रीमती अनिता भदेल
विधायक अजमेर (दक्षिण)
भारतीय जनता पार्टी

सत्यमेव जयते

निवास :
672/28, विक्रम मार्ग,
नई बस्ती भजनगंज, अजमेर
☎(नि.) 0145-2663438
मो. 9829270288



संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता है कि सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित करता रहा है और उनके हितार्थ द्वारा ''वरिष्ठ नागरिक स्मारिका'' का प्रकाशन किया जा रहा है।

वरिष्ठ नागरिक अनुभव का भण्डार होते है वे अपने जीवन में कई अनुभव प्राप्त हुए होते हैं तथा उन्हें जीवन के विभिन्न पहलुओं की गहराई से समझ होती है। युवाओं को आवश्यकता है कि वे उन अनुभवों का इस्तेमाल अपने जीवन को नई दिशा देने में करें। युवा पीढ़ी को चाहिए कि वे अपनी ऊर्जा उनकी सेवा और देखभाल में लगाएं ताकि बुजुर्गों के चेहरों की मुस्कान आ सके।

मैं स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

(अनिता भेदल)

धर्मेन्द्र गहलोत
महापौर
नगर, निगम, अजमेर

निवास : 221, पगति नगर, कोटड़ा
अजमेर - 305001 (राज.)
फोन : 0145-2427953 (कार्यालय)
0145 - 2620912 (कार्या. फैक्स)
ई.मेल : dgehlot1966@gmail.com



संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता है कि सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सोसायटी द्वारा किये गये कार्यों एवं सोसायटी के सदस्यों की एक वरिष्ठ नागरिक स्मारिका प्रकाशन किया जा रहा है।

मैं इस स्मारिका के माध्यम से कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को बधाई देता हूँ तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

आपकी स्मारिका के प्रकाशन पर मेरी हार्दिक शुभकामनाऐं। मुझे विश्वास है कि स्मारिका आमजन एवं पदाधिकारियों हेतु उपयोगी सिद्ध होगी।

शुभकामनाओं सहित

शुभेच्छु

(धर्मेन्द्र गहलोत)

श्री के. के. गौड
प्रधान संपादक स्मारिका समीति,
सीनियर सिटिजन सोसाइटी, अजमेर
email- kkgaur1@gmail.com

चिन्मयी गोपाल
I.A.S
आयुक्त
(नगर, निगम, अजमेर)

सत्यमेव जयते

फोन नं. 0145-2429953 (o)
ई.मेल : ajmermc@gmail.com
D.O.No. PA/CMC/142



संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर लगभग 25 वर्षो से अपने कार्यो से निस्वार्थ समाज सेवा कर रही है। सोसायटी के लगभग 4900 सदस्यों ने 23 समूह के माध्यम से पूरे शहर के कोने कोने में किये गये उत्तम सेवा कार्यो से जो छवि स्थापित की है वो सराहनीय है। इस क्रम में सोसायटी द्वारा ''वरिष्ठ नागरिक स्मारिका'' का भी प्रकाशन किया जा रहा है।

यह सर्व विदित है कि वरिष्ठ नागरिक समाज के मार्गदर्शक तथा वटवृक्ष हैं जिनके पास ज्ञान व अनुभवों का विशाल भंडार है। इसका लाभ यदि नई पीढी उठाये तो वह समाज व देश के लिए उपयोगी व हितकारी होगा।

मैं आशा करती हूं कि स्मारिका में प्रकाशित सामग्री आमजन के लिए उपयोगी व हितकारी होगी। मैं संस्था के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए स्मारिका की सफलता की कामना करती हूँ।

शुभकामनाओं सहित

महासचिव
सीनियर सिटीजन सोसायटी,
अजमेर

चिन्मयी गोपाल
आयुक्त
नगर, निगम, अजमेर

वन्दना नोगिया



जिला अध्यक्ष

संदेश

मुझे यह जाकर प्रसन्नता है कि सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी वरिष्ठ नागरिक स्मारिका का प्रकाशन करने जा रही। आपकी संस्था वर्ष 1995 से वरिष्ठ नागरिकों की सेवार्थ कार्य कर रही है, जो कि अत्यन्त सराहनीय कार्य है। वरिष्ठ नागरिक जन हमारे प्रेरणास्त्रोत है। संस्था वरिष्ठ नागरिकों के जीनव में मनोरंजन, आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन माह में जन्में सदस्यों का सामुहिक जन्मदिवस मनाना इत्यादि कार्यक्रमों के माध्यम से जीवन में नयी चेतना का संचार करती है।

मैं इस क्रम में आपकी सोसायटी के इस सराहनीय प्रयास के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ।

-:: जय हिन्द जय भारत ::-

शुभेच्छु

(वन्दना नोगिया)

प्रतिष्ठा में -

श्री सुनील सक्सेना
सचिव (प्रशासन)
सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर।

विश्वमित्र जन सेवा समिति (रजि.) के अन्तर्गत संचालित

लाडली घर

विश्वमित्र दृष्टि बाधित कन्या शिक्षण संस्थान एवं छात्रावास

ई-336, मेहन्दी खोला माता रोड़, शास्त्री नगर, अजमेर

संत श्री डॉ. कृष्णानन्द "गुरुदेव" संस्थापक सचिव



संदेश

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि आपकी गौरवपूर्ण संस्था वर्ष 2019 की वरिष्ठ नागरिक स्मारिका प्रकाशन करने जा रही है।

संस्था केवल राजस्थान अपितु राष्ट्रीय स्तर पर वरिष्ठजनों के हितार्थ सेवाए एवं अन्य क्रियान्वयन हेतू अपना विशिष्ठ स्थान रखती है। निरन्तर संस्थान के समूह में वृद्धि (कुल 23) इस सहयोग कार्य प्रगती के पथ पर प्रेरणा दायक प्रकल्प की अभिव्यक्ति करती है। आपकी संस्था इसी प्रकार वरिष्ठजनों के सेवार्थ विभिन्न कार्यक्रमों में निरन्तर वृद्धि करती रहे।

मैं संस्थान के समस्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके एवं आपकी संस्था के उज्जवल भविष्य की कामना व्यक्त करता हूँ। स्मारिका का यह अंक आपकी संस्था द्वारा इस युग में चल रहे सभी प्रकल्पो में सार्थक सिद्ध हो एवं प्रेरणादायक हो ऐसी मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ हैं।

डॉ. कृष्णा नन्द 'गुरूदेव'

वरिष्ठ नागरिक संस्थान, राजस्थान

45, गणेश नगर, विश्वविद्यालय मार्ग, उदयपुर (राजस्थान)
मो. 9414757406



संदेश

आदरणीय सुरेश जी अग्रवाल

अध्यक्ष

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर

आपके महासचिव श्रद्धेय जे.पी. शर्मा सा. का पत्र प्राप्त हुआ। मुझे प्रसन्नता है कि आपकी सोसायटी वरिष्ठ नागरिक स्मारिका का प्रकाशन करने जा रही है। मुझे आपकी पूर्व में प्रकाशित स्मारिकाओं को पढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ। आप द्वारा अब तक प्रकाशित स्मारिकाओं से आपके संगठन की निरन्तर बढ़ती शक्ति का आभास होता है। राज्य में आपका एक मात्र जिला है जहां बड़ी संख्या में अलग क्षेत्रवार संगठन की गतिविधियां संचालित हो रही हैं।

आप द्वारा संचालित सांस्कृतिक, साहित्यिक, स्वास्थ्य चंर्चा, खेल प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, होली, दीपावली एवं निरन्तर अनेक विधाओं में आयोजित कार्यक्रम केवल अजमेर नहीं वरन् संपूर्ण राजस्थान के लिए विशेष पहचान बनाये हुए हैं।

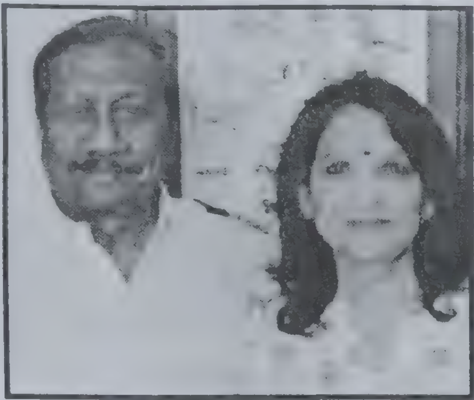
मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप द्वारा प्रकाशित स्मारिका 2019 समाज को नई ऊर्जा एवं प्रेरणा प्रदान करने वाली होगी।

आपका

(भंवर सेठ)
प्रदेश अध्यक्ष
वरिष्ठ नागरिक संस्थान, राजस्थान

कैप्टन शंकर शरण श्रीवास्तव
कैप्टन मर्चेन्ट नेवी

91/3 जय जवान कॉलोनी
जवाहर लाल नेहरू मार्ग
जयपुर (राज.)



शुभकामना संदेश

जानकर हर्ष हुआ कि ''सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर'' स्मारिका प्रकाशित कर रही है। मैं स्वयं अजमेर में जन्मा बड़ा हुआ और पढ़ा हूँ अतः मेरा इस शहर से विशेष लगाव रहा है।

1969 में मर्चेन्ट नेवी जॉइन करी ।1981 से 2017 तक कैप्टन के रैंक में सेल किया और अनेकों बार विश्व भ्रमण किया।सारीदुनिया घूम कर'' सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा'' गीत सार्थक किया।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि स्मारिका में संस्थान की गतिविधियों के साथ अजमेर के गौरव पूर्ण इतिहास का भी समावेश होगा।

इस अवसर पर मैं सीनियर सिटीजन सोसायटी के सभी महानुभावों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए स्मारिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

भवदीय

(कैप्टन शंकर शरण श्रीवास्तव)

श्री के. के. गौड
प्रधान संपादक स्मारिका समिति ,
सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर
email- kkgaur1@gmail.com

HelpAge India | Fighting isolation, povetry, neglect



Plot No. 1093, Rani Sati Nagar, Near Mansarovar
Metro Station, Infront of Pillar No. 13 Nirman Nagar,
Ajmer Road, Jaipur - 302019

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि सिनीयर सिटीजन सोसायटी, अजमेर प्रति वर्ष की भाति इस वर्ष 2019 की ''वरिष्ठ नागरिक स्मारिका'' का प्रकाशन करने जा रही है।

मैं हेल्पेज इंडिया के माध्यम से समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूँ तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

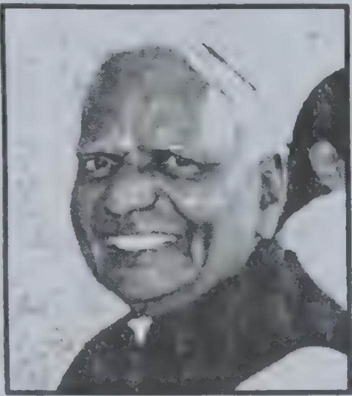
आपकी स्मारिका के प्रकाशन पर मेरी हार्दिक शुभकामनाऐं। मुझे विश्वास है कि स्मारिका आमजन एवं पदाधिकरियों हेतु उपयोगी सिद्ध होगी।

शुभकामनाओं सहित

भवदीय
(निलेश जी. नलवाया)

राज्य प्रभारी हैल्पेज इंडिया
राजस्थान व गुजरात

अध्यक्षीय उद्बोधन......



सुरेश अग्रवाल

सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर की स्थापना जिंदगी के उसूलों को फौलादी पटरियाँ देने के उद्देश्य से हुई। सेवा व्यवसाय कारोबार में रहते चुस्ती फूर्ति और स्वास्थ्य ठीक रहता है। सेवा देना बन्द होते ही जिंदगी थम सी जाती है। शायद इन्हीं बातों से फाउण्डर्स को प्रेरित कर इस संस्था को बेलफेयर के लिए खड़ा किया होगा। ताकि जिन्दगी की गति कम न होवे। जीव पर सत्व, रज व तम को नेभि(लोहे का घेरा)चढ़ा रहता है।इसका नाभि अज्ञान है।पाप-पुण्य इस चक्र को देवयान,पितृयान और मनुष्य लोक में आरे की भांति बंधे जीव को घुमाता है।

जब तक मर्म नहीं समझ पड़ता तब तक कुछ समझ नहीं पड़ता। जिन्दगी बेपटरी न हो इस उद्देश्य से यह संस्था सदस्यों को सक्रिय रखकर ऊर्जा देती है। संस्था का गठन 1995 में 31 सदस्यों द्वारा हुआ। आज इस संस्था के सदस्यों की संख्या 4600 है। जिसे 23 समूह संयोजक संचालित करते है। प्रत्येक समूह सेवा संकल्प के माध्यम से जुड़ा है। समूह संयोजक अधिशाषी परिषद के सक्रिय सदस्य है। निर्णय में इनकी अहम् भूमिका होती है। यह संस्था Indian Federation of Ageing, Helpage India, जिला प्रशासन, Aii India Association of Sr. Citizen Forum, Banglore, All India Sr.Citizen Federation, Mumbai, वरिष्ठ नागरिक संस्थान,जयपुर, राजस्थान से मान्यता/सम्बद्धता प्राप्त है। इस संस्था में शीर्षस्थ पदाधिकारी श्रेष्ठता के लिए निरन्तर चिन्तन, विचार-विमर्श और भेंटवार्ता करते रहते हैं। संस्था दीपावली,होली स्नेह मिलन, चिकित्सा भ्रमण,पिकनिक शिविर, आमसभा इत्यादि के माध्यम से सदस्यों से सीधा संवाद भी करती है। श्री प्रेमनारायण गालव अध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान ने तो कार्यकलाप एवं गतिविधियों को देखकर ब्राण्ड ऐम्बेस्डर तक कहा है। 24 वर्षो में जिन-जिन अधिकारियों ने इस संस्था में अपना अहम् योगदान दिया है उनकी एक झलक At a Glance को सूचि में देखे जा सकते हैं। मैं संस्थान के इन आधार स्तम्भों को सत् सत् नमनकर आभार व्यक्त करता हूँ।

जिंदगी की निर्मलता व्यस्थता की गति के कारण है। जो पुरूषार्थ करते है। उनके चेहरे पर श्रम,सेवा,सहायता और दया का दर्प रहता है। प्रकृति ने जीव को पुरूषार्थ के आश्रित कर सब कुछ दिया है। दीर्घायु वह है जो निरन्तर पुरूषार्थ कर रहा है। इन्दियां तभी तक कार्य करती है। जब तक हम इनका उपयोग करते है। यह संस्था बिना भेद-भाव और धर्म के समान अवसर प्रदान करती है। संस्था के सदस्य एक दूसरे से सेवा भावना से जुड़े हैं

गौ सेवा, आई बैंक, चिकित्सा, रोगी-सेवा, दिव्यांग,बच्चों की शिक्षा, पशु-पक्षियों की सेवा, स्वच्छता अभियान, वृद्धाश्रम, स्कूल के निर्धन विद्यार्थियों के गणवेश,प्याऊ इत्यादि के योगदान में साम्यार्थानुसार सहयोग देते है।

जिंदगी में सेवा का अपना मैजिक है। इससे शत्रु मित्रवत् व्यवहार करने लगते है। ईर्ष्या,घृणा,क्रोध,तनाव और अशान्ति पोलुटेड,अतृप्त मानसिकता का घोतक है। संस्था एकरूप समान व्यवहार से ऊर्जा को संचालित करदेहाभिमान से परे जाने का अवसर देती हैं।

यही कारण है कि प्रत्येक समूह के सदस्य समय पड़ने पर सम्पूर्ण क्षमता के साथ खड़े होकर सहयोग करते हैं। यह जज्बा संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा घोषित 1 अक्टूबर के अन्तर्राष्टीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर देखा जा सकता है जब वरिष्ठतम सदस्यों व शहर के 90 वर्ष से अधिक की आयु के व्यक्तियों का भव्य सम्मान होता है। इस वर्ष नगर के गणमान्य व्यक्तियों के साथ परिवाजनों ने भी पर्दे पर अपने स्वजनों का सम्मान होते गर्वानुभूति का अनुभव किया। जिन वृद्धजनों को घर में सम्मान न मिले और उन्हे शाही सम्मान मिल जाय तो खुशी से अश्रुओं का आ जाना स्वाभाविक हो जाता है। ऐसे रोमांच के क्षण संस्था को नई ऊर्जा और प्रेरणा देते है।

संस्था अपने मासिक मुखपत्र 'सेवा संकल्प' से सभी-समूहो से संवाद ही सीमित नहीं करती वरन् उनकी मासिक गतिविधियों का मुद्रण कर रिकार्ड संधारित करती है। संपादकीय कलम के माध्यम से महत्वपूर्ण व आवश्यक सूचनाओं को प्रचारित -प्रसारित भी किया जाता है। वार्षिक गतिविधियों को स्मारिका के रूप में प्रकाशित कर सभी को निःशुल्क वितरित किया जाता है। इस स्मारिका में सदस्यों की अमूल्य स्वरचित रचना के साथ महत्वपूर्ण जानकारियों का भी उल्लेख रहता है। इस संस्था का स्वरूप निर्धारित संविधान से संचालित है। चुनाव प्रक्रिया से निर्धारित अवधि तक सभी पदाधिकारी पूर्ण क्षमता से अपने कर्त्तव्य ईमानदारी और निष्ठा से संस्था कार्य करते हैं। सभी समूह बेकबोन बनकर अपने उत्तरदायित्वों का वहन कर गतिविधियों को आगे बढ़ाते हैं। इन्हीं समूहों से सेवाभावी उत्तराधिकारी तैयार होते हैं और संस्था का कार्यभार सम्भालते हैं।

संस्था स्थाई कार्यालय हेतु प्रयासरत है। स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत इस संस्था को भी स्थायित्व मिलने के संकेत मिले हैं। यह कार्य सरकार, जनप्रतिनिधि व सीनियर प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग के बिना संभव नहीं। इस दिशा में प्रयास जारी है। संस्था चाहती है कि शहर के मध्य में कार्यालय हो जिससे संस्था सदस्य सुगमता से पहुँच सकें। स्थानीय प्रशासन ने समय-समय पर हमारी इस आवश्यकता का निराकरण कर हमारी गतिविधियों को स्तरीय ऊचाईयाँ दी है। जिसके लिए हम उनके आभारी है।

स्मारिका का कार्य भी कम महत्वपूर्ण नहीं श्री के.के.गौड़ की अध्यक्षता में यह कार्य कराया जा रहा है। इसमें सुन्दर प्रिन्टिंग प्रेस के समस्त कार्यकर्त्ताओं के साथ सीनियर मीडिया कर्मी, राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, दैनिक नवज्योति, सरेराह, स्वामी चैनल इत्यादि के भी हम आभारी है जो हमारी एक्टिविटी को पूरा कवरेज देकर सदस्यों व कार्यकर्त्ताओ का सदैव उत्साह बर्द्धन करते रहे हैं। सभी सदस्यों से विनम्र अपील है कि वे संस्था कार्यों के साथ सीनियर प्रशासन का सहयोग कर हेरिटेज सिटी, स्मार्ट सिटी, स्वच्छता अभियान इत्यादि में अपना पूर्ण योगदान देकर राष्ट्र विकास और उसकी उन्नति में सहायक होवें। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ सभी सदस्य दीर्घायु, स्वस्थ व निरोग रहें।

धन्यवाद सहित।
सुरेश अग्रवाल
संस्था अध्यक्ष

वार्षिक प्रतिवेदन



जे.पी.शर्मा

सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर की वर्तमान कार्यकारिणी 26 मई 2019 रेलवे बिसेट इस्टीट्यूट की आमसभा व चुनाव का परिणाम है। किसी भी संस्था में कार्यकर्त्ता को पद पर बने रहने के लिए संस्था हित, सामर्थ्य और एक टीम वर्क को ध्यान में रखना पड़ता है। प्रत्येक सदस्य यों तो अपने आपको किसी न किसी पद के लिए दावेदार समझता है और जब चुनावी बिगुल बजता है तो साथियों को लेकर तालठोंक मैदान में आ जाता है। आप कितने सक्षम, निपूर्ण, सेवाभावी,व्यवहारी और सार्थक हैं इसका निर्णय संस्था सदस्य करते है। एक तुलनात्मक अध्ययन होता है। उसी आधार पर चुनावी दंगल में सक्षम दावेदार पर मुहर लगती हैं। जीत-हार होती रहती है। जिस पर विश्वास गहरा होता है उन्हें ही कमान सौंपी जाती है। संस्था सदस्यों ने हमारी टीम पर विश्वास किया जिसके लिए हम उनके तहदिल से शुक्रगुजार हैं।

मैंने इस संस्था को वर्ष 2013 से विभिन्न पदों पर रहते हुए करीब से देखा है। यह भी अनुभव किया कि जिन्हें पद पर रहना मलाई खाने जैसा लग रहा,उन्हें जब समय,गांठ का पेट्रोल और पैसा खर्च करना पड़ा तो वे दुबारा इस सेवा में नहीं आये। सच्चाई तो यह है कि जो समय, सेवा और कुछ खर्च करने की भावना रखता हो उन्हें ही इस क्षेत्र में आना चाहिये। चुनाव एक प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में लुभावने वादे, प्रलोभन के मंत्र नहीं चलते। निश्चित समयावधि में कौन सही है और कौन नहीं है का फैसला हो जाता है। निर्णय सामूहिक हित को ध्यान में रखकर करना पड़ता है। व्यक्ति विशेष को ध्यान में रखकर नहीं लिया जा सकता। इससे कुछ सदस्य नाराज भी होकर न्यायालय तक पहुंच जाते हैं। हम उन्हें तथ्य, परिस्थिति सब कुछ स्पष्ट करते हैं। किन्तु वे वास्तविकता पर ध्यान नहीं देते, औरों को भी मिसगाईड कर देते है। मेरा सभी से आग्रह है कि ऐसी शंका,शिकायत को मन में नहीं लावें। आप आकर शंका का निवारण कर लेवें। इस टीम में सभी कार्यकर्त्ता आपकी शंकाओं का समाधान करेगें। सबका मकसद संस्था हित है। कोर्ट में जा रहे सदस्य का मकसद गलत कार्य को टोकता है तो पद पर बैठे प्रत्येक अधिकारी का यह भी कर्त्तव्य है कि वे शंकाओं का समाधान करें। इस भागदौड़ की जिंदगी में बहुत कम ऐसे लोग बचे है जो औरो के लिए अपना समय, स्वास्थ्य और तन-मन खर्च करने को तैयार हैं। अन्यथा लोग किसी का पता भी बताने को तैयार नहीं है। जो भाई कोर्ट गये उनसे हमारे साथियों ने क्षमा भी मांगी, पैर छुये जैसी भी बात कहीं पर उनका अहंकार तो गलने को तैयार ही नहीं हुआ। जरा सोचिये, ऐसी छोटी-छोटी बातों पर बड़ा दिल बुजुर्ग नहीं रखेगें तो कौन रखेगा। बचपन चला गया है तो इस प्रकार की हट को भी छोड़ देना चाहिए।

हमें पॉजीटिव रहना होगा। सभी को साथ रखने के काम किये जा रहे है। श्री के. के. गौड़ समूह संयोजक 18 को यह जिम्मेदारी सौंपी। उनकी श्रीमती प्रेरणा गौड़ महिला उपाध्यक्ष चुनकर टीम में शामिल हुई फिर तो इन दोनों की जोड़ी में सांस्कृतिक कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये। संस्था की समस्त महिला सदस्य अब बहुत अच्छा महसूस कर रही हैं और उनकी गतिविधयां अब बढ़ने लगी है।

हमने पिकनिक - भ्रमण, आमसभा, होली-दीपावली स्नेह मिलन में सदस्यों की नाश्ते व भोजन की झपटामार शैली में परिवर्तन कर रोकना चाहा। निर्णय लिया कि अनुशासनात्मम तरीके से लाईन व कुर्सी-टेबुल लगाकर सम्मान से परोसगारी की जावेगी। खर्च बढ़ेगा किन्तु हमारे अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल ने खुशी और व्यवस्था को ध्यान में रखकर इसकी स्वीकृति दे दी। हम उनके और टीम के शुक्रगुजार हैं कोई भी कार्य तत्काल यो ही नहीं होता, उसमें राज्य सरकार प्रशासन, नगरनिगम, सांसद, विधायक, पार्षद व मीडिया का भी योगदान रहता है। हम ए. डी. ए. के भी आभारी है नगर के बीचो - बीच जवाहर रंग मंच पर स्थान रिक्त होने पर सस्था को मिल जाता है। अन्यथा आसपास स्थान खोजा जाता है। ताकि कार्य सही हो और कोई असुविधा न होवें। इस संस्था के 23 समूह है और प्रत्येक माह किसी न किसी क्षेत्र में संस्था की गतिविधिया होती रहती है इन सबका ब्यौरा मासिक मुख्य पत्र सेवा - संकल्प में मुदित होता रहता है। वार्षिक स्मारिका में सम्पूर्ण गतिविधियों का विस्तृत उल्लेख होता है, जिसे एक सम्पादकीय टीम करती है। इस वर्ष इस टीम की जिम्मेदारी श्री के. के. गौड़ को दी गई है। सदस्यों को स्मारिका में नवीनता, ऊर्जा और कुछ खास मिले ऐसा हमारा पूर्ण प्रयास है। सभी स्वस्थ, ऊर्जावान, शतायु व प्रसन्न रहें। ऐसी मेरी कामना है।

धन्यवाद!

महासचिव

जे. पी. शर्मा

"अगर आप सही हो तो कुछ भी साबित करने
की कोशिश मत करो बस सही बने रहो
गवाही वक्त खुद दे देगा।"

संस्था की वार्षिक आम सभा दिनांक 27 जनवरी 2019 – एक रिपोर्ट

आज दिनांक 27.01.2019 को सोसायटी की वार्षिक आम सभा पूर्व सूचना अनुसार जनकपुरी में संस्था अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

प्रातः 10.00 बजे अल्पाहार प्रारम्भ किया गया। अल्पाहार का आयोजन ए.यू. स्माल फाइनेन्स बैंक के सौजन्य से हुआ। सभा भवन में चूंकि कोरम पूरा नहीं हुआ, अतः घोषणा की गई कि कोरम के अभाव में आम सभा फिलहाल स्थगित की जाती है और आधे घण्टे बाद ठीक 11.00 बजे इसी सभा भवन में प्रारम्भ की जायेगी।

ठीक 11.00 बजे सभा प्रारम्भ की गई। महासचिव चिरंज़ीलाल शर्मा ने समस्त पदाधिकारियों एवं अधिशाषी परिषद के सदस्यों (समूह संयोजकों) को स्टेज पर आमंत्रित किया और सभी ने माँ सरस्वती के तिलक लगाकर दीप प्रज्जवलन किया तथा माल्यार्पण किया गया।

श्रीमती कुसुम गौतम महिला उपाध्यक्ष, श्रीमती राधिका अग्रवाल महिला सदस्य, श्रीमती स्नेहलता मंगल, श्रीमती आशा गुप्ता एवं श्रीमती कैलाश पाराशर ने ईश प्रार्थना करवाई। श्रीमती कुसुम गौतम ने ओम् का उच्चारण कराया। महासचिव द्वारा तालीवादन और हास्यासन कराया गया।

सर्वप्रथम संस्था अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल ने आमसभा में भाग ले रहे सदस्यों का स्वागत किया और सोसायटी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इसके गठन से लेकर आज तक के सफर के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सोसायटी के 22 समूह अपनी-अपनी गतिविधियाँ करते ह। कुछ समूह सामाजिक कार्य भी कर रहे है जैसे समूह-2 गौशाला में चारा डलवाते हैं, समूह-12 प्याऊ चलाते हैं, समूह-16 अनाथ बच्चों को भोजन करवाते हैं, समूह -18 चिकित्सा शिविर चलाते हैं आदि।

आमसभा का कार्यक्रम बहुत शानदार तरीके से मनाया जाता है। आज सचिव (वित्त) अपनी ओर से संस्था का लेखा-जोखा प्रस्तुत करेंगे। संस्था की 7 लाख की फिक्स डिपॉजिट है परन्तु उसका ब्याज इतना कम आता है कि उससे संस्था का वर्ष भर का खर्चा नहीं चल सकता। कुछ सदस्य कहते हैं कि संस्था खर्च एफ.डी. से चलाना चाहिए तो बतावें कि यह कैसे संभव है कुछ स्मारिका के बारे में कहते है कि इसमें संस्था खर्च क्यों करती है। जबकि विज्ञापन से खर्चा निकल सकता है। विज्ञापन इतनी मात्रा में नहीं मिलते कि पूरा खर्च चल जावें। इसमें संस्था को खर्चा करना ही होगा।

इसके बाद महासचिव ने पिछली आमसभा जो दिनांक 30.1.2018 को नाका मदार में हुई थी, की रिपोर्ट (Proceeding) पढ़कर सुनाई। सभी से पूछा गया कि किसी को कोई आपत्ति तो नहीं। इस पर सदन ने पुष्टि कर दी और सभी ने तालियाँ बजाई।

इस बीच श्री रामपुरिया जी ने अवगत कराया कि घुटने की बीमारी आम हो गई है लोग घुटनों की सर्जरी कराते हैं परन्तु हम एक ऐसा इलाज करते हैं जिसमें सर्जरी की आवश्यकता नही। मैं मेरे घर पर ही यह इलाज करता हूँ। दो जगह भी ऐसी हैं जहां हमारा चिकित्सालय है, एक चन्द्रवरदाई नगर में समूह में भी आकर प्रस्तावना बता सकता हूँ।

इसके बीच आज के अल्पाहार के आयोजक ए.यू. स्माल फाइनेन्स बैंक के श्री अंशु शर्मा ने इस बैंक के बारे में पूरी जानकारी दी। उन्होंने श्रोताओं की आशंकाओं का भी समाधान किया। इसके बाद खुला सत्र चालू हुआ। सबसे पहले समूह-2 से श्री किशन आर.खुराना ने कहा कि 1. आमसभा में सबसे जूनियर और सबसे सीनियर का परिचय कराया जावे। 2. समूह में किसी की मृत्यु पर अनिवार्य रूप से जाना चाहिए। 3. पेंशन को इन्कम टेक्स से मुक्त करने के लिए ठोस कार्यवाही की जायें। समूह -1 से श्री नरेन्द्र मंगल ने कहा 1. पिछली आमसभा में मैंने मुद्दा उठाया कि उठाये गए मामलों में क्या कार्यवाही की गई, इसकी जानकारी दी जानी चाहिए और इस बार यह जानकारी दी गई मुझे खुशी है।

2. हमारी सोसायटी के विरूद्ध जो मुकदमा किया गया है उसे वापस लेने की मैं अपील करता हूं ताकि संविधान में संशोधन किये जा सके। इसमें एक महत्वपूर्ण संशोधन तो यही है कि जो एक बार पद पर चुन लिया गया है, वह उसी पद पर दुबारा चुनाव नहीं लड़ सकता। अतः जिन्होंने मुकदमा कर रखा है वो Withdraw करें। समूह-21 से श्री रामगोपाल जांगिड ने कहा कि जिन्हें पेंशन सरकार दे रही है उन्हें कोई दिक्कत नहीं है परन्तु जिन्हें कोई भी विभाग की ओर से पेंशन नहीं मिलती उनकी बड़ी दयनीय स्थिति है। एस.डी.एम. उन्हें बुलाता है क्लास लेते है फिर भी 6-6 महिने लग जाते हैं उनके बच्चों को समान तालीम नही होती उनके लिये सोसायटी को कुछ करना चाहिए।

समूह -13 से श्री चिरंजीलाल शर्मा ने कहा कि 1. मैंने पिछली आमसभा में भी यह कहा था कि समूह संयोजक पदाधिकारी बन गए हैं उन्हें संयोजक का पद छोड़ देना चाहिए। महासचिव, सचिव (प्रशासन) एवं सचिव (विकास) ने अपने संयोजक पदों से त्यागपत्र दे दिया था परन्तु वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री जे.पी. शर्मा ने अभी तक समूह-15 से संयोजक पद नहीं छोड़ा। 2. सोसायटी को सामाजिक कार्यों को हाथ में लेना चाहिए। हमें ऐसा लगता है कि सोसायटी का झुकाव राजनीति की तरफ हो रहा है यह नहीं होना चाहिए।

समूह-7 के श्री रणजीमतल लोढ़ा ने कहा कि संस्था को कोर्ट में नहीं जाना चाहिए । मुझे समूह से कोई सूचना नहीं मिलती, कोई नहीं मिलता। संस्था में राजनीति नहीं लानी चाहिए। मैं एडीए में जाने को तैयार हूं। सी.एम. के पास भी जा सकता हूं। सोसायटी को आर्थिक सहयोग जरूरी है। हमें मिलकर चलना चाहिए। मीटिंग केन्द्रीय स्थान पर होनी चाहिए। मैं एक व्यक्ति एक पद का समर्थन नही करता क्योंकि जो दो जगह काम कर सकता है तो वह उसकी क्षमता है।

समूह-16 से श्री रतनलाल ऐरन ने कहा कि एक व्यक्ति एक पद की बात वर्तमान में संविधान में नही है यदि कोर्ट केस निपट जाये तो संशोधन हो सकता है कोर्ट में केस करने से पूर्व कार्यकारिणी में लाना चाहिए, क्योंकि कार्यकारिणी में चुने हुए होते हैं और सभी समूहों के संयोजक भी उसके सदस्य होते हैं और सबकी सलाह से ही निर्णय होता है, अतः कोई भी मनमानी नहीं हो सकती है। जैसा कि महासचिव जी ने बताया कि हमारी समूह में जिन सदस्य के पास में गए, हम भी उनसे मिलते रहते हैं परन्तु हमें दुःख है कि हम उनकी सहायता नहीं कर सके।

समूह-15 से श्री जयप्रकाश गुप्ता ने कहा कि वर्तमान में समूह-13 के लिए जो जगह मिली है उसके बारे में बताना चाह रहा हूँ। पहले हमारी मीटिंग किन्हीं माहेश्वरीजी के मकान पर होती थी उन्होनें खाली करवा लिया तब मैं वर्तमान स्थान के मालिक के पास जे.पी. शर्मा को लेकर गया चाबी दिलवा दी, अब यहाँ बहुत अच्छी सभा हो रही है। यहाँ रोज सुबह शाम 20-25 लोग अखबार पढ़ने व कैरम खेलने आते हैं। मेरा विचार था कि हमारी सोसायटी में बहुत पढ़े लिखे एवं अध्यापक पद से रिटायर्ड लोग हैं, हम चाहें तो गरीब बच्चों को पढ़ाने की व्यवस्था कर सकते हैं। सोसायटी को इस योजना को लागू करना चाहिए।

समूह - 18 की सुश्री सुरेन्द्र कुमारी ने कहा कि मैं 80 वर्ष की हो चुकी हूँ और समूह-18 मे 1999 से हूँ बराबर चन्दा भी दिया परन्तु 1 अक्टूबर को मेरा 80 वर्षीय सम्मान नहीं हुआ। मेरा कई जगह सम्मान हुआ परन्तु किसी ने भी पैसा नहीं मांगा। मेरे साथ पक्षपात हुआ है।

इस बीच चिकित्सा शिविर के किन्ही सज्जन ने आकर बताया कि स्वाइन फ्लू का काढ़ा तैयार है तो मंच से बताया गया कि दो-दो, चार-चार सदस्य काढ़ा पीकर वापस सभा मैं बैठते जायें जिससे सभा बाधित नहीं हो परन्तु आधे से ज्यादा लोग चले गए। फिर पता चला कि काढ़ा अभी आया ही नहीं है, अतः वापस सभागार में बुलाने की अपील की गई परन्तु 15-20 मिनट का व्यवधान हो गया और सभा रोकनी पड़ी पुनः 15 मिनट बाद सभी को अन्दर बुलाया गया। इस बीच श्री प्रेम शंकर शर्मा समूह-11 ने बताया कि जब सरकार 8 लाख तक आय वालों को आर्थिक आधार पर आरक्षण दे रही है तो फिर हमें 4-5 लाख सालाना मिलने वालों को तो आयकर से मुक्त करना ही चाहिए।

इसके लिए सोशल मीडिया से काम नही चलेगा, हम सभी को खूब पत्र सरकार को लिखने चाहिए। सचिव (वित्त) श्री बलवीर सिंह गहलोत ने लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। किसी ने भी कोई आपत्ति प्रस्तुत नही की।

समूह-2 से श्री के.जी. मोदानी ने कहा कि जो बातें आमसभा में उठाई जाती हैं उन पर क्या कार्यवाही हुई यह अगली सभा में नहीं बताया जाता। नवम्बर के सेवा संकल्प में छापा था कि इन्दौर में अधिवेशन होगा और उसकी रिपोर्ट छपी जायेगी परन्तु ऐसा नही हुआ। स्मारिका में टेलीफोन डायरेक्टरी क्यों नहीं छपी गई ? हमारे तीन समूह Sick हैं उन तक हमारी सूचनायें पहुंचती ही नहीं हैफिर मई में चुनाव होंगे उनको पता भी नहीं चलेगा। न्यायालय के प्रकरण के बारे में बताया जावे कि यदि कोर्ट से स्थगन है तो हम किस संविधान के तहत कार्य कर रहें हैं। हमें 2nd Line भी तैयार करनी चाहिए। केन्द्र की भी और समूह संयोजक की भी जो 15/20 वर्ष से संयोजक बने हुए हैं उन्हें दूसरी व्यवस्था करनी चाहिए। कुछ सूचनायें जो हम संयोजक से मांगते है वे हमें नहीं मिलती।

इस बीच श्री जयचन्द जैसवार जिन्हें समूह -22 ने नया संयोजक चुना है का अध्यक्ष जी ने स्वागत किया। उन्होंने अपना परिचय दिया। दिनांक 1 अक्टूबर 2018 को वृद्धजन दिवस पर श्री राजेन्द्र शिवहरे ने शॉल उपलब्ध कराये थे उनका सम्मान किया गया। श्री कुलदीप व्यास ने इस बात पर आपत्ति प्रकट की कि सभा के बीच में काढ़े की सूचना दी गई परन्तु काढ़ा तैयार ही नहीं था, यह गलत हुआ। ऐसी सूचना नहीं दी जानी चाहिए थी।

महासचिव ने सभी वक्ताओं के प्रश्नों का समाधान किया और उत्तर दिए। व्यवधान होने पर खेद प्रकट किया। ज्ञात अज्ञात दिवगंत सदस्यों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धाजंलि दी गई। राष्ट्रगान के बाद सभी को भोजन के लिए आंमत्रित किया गया। जिन सदस्यों ने अपनी सेवायें प्रमुखता के साथ दी उनके नाम निम्नानुसार है: रजिस्ट्रेशन-श्री आर.एल.ऐरन, श्री रामचन्द्र बंसल, श्री निर्मल कुमार भार्गव, श्री भगवानदास, श्री रामसिंह पंवार मंच सज्जा, भोजन व्यवस्था में श्री बलवीर सिंह गहलोत, श्री सुनील सक्सेना, श्री कैलाश जोशी, श्री चन्द्र नारायण अग्रवाल सबका आभार।

– महासचिव

साधारण आम सभा (मई 2019)

दिनांक 26 मई 2019 को रेल्वे बिसिट इन्स्टीट्यूट में सोसायटी की आमसभा हुई। आमसभा का समय 9.30 बजे का निर्धारित था परन्तु कोरम के अभाव में 10.00 बजे इसी स्थान पर प्रारम्भ की गई।

आम सभा की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल ने की। ईश प्रार्थना श्रीमती कुसुम गौतम (महिला उपाध्यक्ष), श्रीमती मंजु माहेश्वरी एवं श्रीमती राधिका अग्रवाल ने कराई। परम्परानुसार ओम् उच्चारण, हास्यासन और तालीवादन कराया गया। महासचिव ने पिछली आमसभा दिनांक 27.01.2019 की रिपोर्ट पढ़ी। रिपोर्ट को सदन द्वारा ताली बजाकर पुष्टि की गई।

श्री जे.एम. राजावत समूह -4 के संयोजक एवं श्री के.जी.मोदानी समूह-2 के द्वारा कुछ जानकारियाँ चाही गई जो उपलब्ध कराई गई। उन्होंने समूह-18 की सदस्या सुरेन्द्रा कुमारी का 80 वर्षीय सम्मान नहीं करने की वजह जानकारी चाही जो उपलब्ध कराई गई।

सचिव (वित्त) श्री बलवीर सिंह गहलोत द्वारा वित्त वर्ष 2018-19 का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। समूह - 2 के सदस्य श्री कुलदीप व्यास द्वारा सदन से अपील की गई कि सेवा संकल्प में पूरा हिसाब छापा गया है, सबकी राय हो तो स्वीकृत मान लिया जावे। तब सदन ने ताली बजाकर स्वीकृति दी। इस तरह सदन द्वारा लेखा जोखा अनुमोदित किया गया।

राष्ट्रगान पश्चात् आम सभा सम्पन्न हुई।

– महासचिव

होली स्नेह मिलन समारोह 2019

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर द्वारा जनकपुरी गंज, अजमेर में संस्था के अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल की अध्यक्षता में होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम संस्था के पदाधिकारियों द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण कर, दीप प्रज्जवलन किया। ईश वन्दना श्री मती कुसुम गौतम, श्रीमती राधिका अग्रवाल, श्रीमती मंजू माहेश्वरी, श्रीमती शकुंतला बाघमार एवं श्रीमती स्नेहलता मंगल तथा संस्था के सभी सदस्यों के द्वारा खड़े होकर समवेत स्वर में की गई। श्रीमती कुसम गौतम ने ओम उच्चारण करवाया। श्री लज्जा शंकर गोयल द्वारा हास्यासन एवं 21 बार तालीवादन कराया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में संस्था के पदाधिकारियों एवं अधिशाषी परिषद के सदस्य (समूह संयोजक) को ताज पहनाकर होली से सम्बन्धित विभिन्न टाईटलों से सुशोभित किया गया। श्री सुरेश अग्रवाल अध्यक्ष को प्यासा सावन, श्री जे.पी. शर्मा-छोटा पैकेट बड़ा धमाका, श्रीमती कुसुम गौतम - एक चतुर नार बड़ी होशियार, श्री चिरंजीलाल शर्मा महासचिव-बोलो भारत माता की जय, वन्दे मातरम्, श्री वी.पी. कपूर-अभी तो मैं जवान......खाँसी....हूँ, श्री सुनील सक्सेना-विकास.....किसका विकास, श्री बलवीर सिंह गहलोत-खाता बोलता है, श्रीमती राधिका अग्रवाल - भागदौड़ की छूट है, श्रीमती मंजू माहेश्वरी-व्यवस्था सबकी जिम्मेदारी है, श्री पी. एन. शर्मा-अल्लाह की कामधेनू गाय, श्री नरेन्द्र मंगल-रायचंद जी, श्री कैलाश जोशी-मैं शायर बदनाम.....हो ओ, श्री एस.के.विजय-मेरे से नहीं पूछा, श्री जे.एस.राजावत-तीस मार खाँ, श्री चन्द्र नारायण अग्रवाल -भोला महाजन, श्री जे.पी.विजय मन मन भावे मूंड हिलावे, श्री भंवरलाल गोयल-सबका मालिक एक, श्री पी.डी. अग्रवाल-गोल चक्कर, श्री भगवानदास असमादिया, काल भैरव, श्री कल्याण राय शर्मा-चाचा चौधरी, श्री मानकरण अग्रवाल-मस्त रहो मस्ती में, आग लगे बस्ती में, श्री यतीश झा-हरफन मौला, श्री बी.आर.दोहरे-पुराने चावल, श्री कृष्ण शर्मा-सुझाव पेटी, श्री जे.पी. शर्मा-2 नावों में सवार, श्री आर.एल. ऐरन - मैं भी चौकीदार, श्री आर.सी. माहेश्वरी -भगवान भला करे, श्री के.के.गौड-प्रेरणा का लल्लू, श्री राजेन्द्र शिवहरे-प्रभु आपकी जय हो, श्री एस.एन.सिंह-स्वयंभू कप्तान, श्री जयचंद जैसवार नया रंगरूट।

अध्यक्ष द्वारा सभा में उपस्थित सभी सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन किया और होली की शुभकामनाएँ प्रेषित की। अध्यक्ष द्वारा अपने उद्‌बोधन में सदस्यों को अवगत कराया कि मार्च माह के अन्तर्गत भगवान महावीर विकलांग सेवा समिति एवं सीनियर सिटीजन सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में जनरल इंश्योरेन्स ऑफ इंडिया के आर्थिक सहयोग से 260 कानों से कम सुनने के मशीनों का समूह संख्या 15 द्वारा संचालित 'दिवा केन्द्र' रामगंज में वितरण किया गया। इसी प्रकार समूह संख्या 6 द्वारा गौतम स्कूल हाथी भाटा में शिविर आयोजित कर घुटनों का इलाज एवं डायबिटीज से सम्बन्धित परामर्श दिया गया। अध्यक्ष ने यह भी बताया कि पुलवामा में शहीद हुए सैनिकों के परिवारों के लिए 56000 रूपयें की राशि 9 समूहों के द्वारा एकत्रित की जा चुकी है एवं बाकी समूहों से राशि एकत्रित कर आना बाकी है। अध्यक्ष ने यह भी बताया कि महासचिव श्री चिरंजी लाल शर्मा जी से आपसी सहमती से 100000 रूपये का लक्ष्य रखा गया है, जिसको प्राप्त करने के लिए भरपूर प्रयास किया जायेगा।

अध्यक्ष ने सभा में उपस्थित सभी सदस्यों का तथा संस्था के पदाधिकारियों एवं अधिशाषी परिषद के सदस्यों की तरफ से एवं स्वयं की तरफ से सभा में उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया, कि आप सभी के सहयोग से मैं अपने कार्यकाल को भली भांति पूर्ण कर सका हूँ। क्योकि आप सभी ने कन्धे से कन्धा मिलाकर कार्यो को सम्पादन करने में सहयोग प्रदान किया है।

अध्यक्ष ने यह भी बताया कि उनके कार्यकाल की आज आख्रिरी सभा है जहाँ आप और हम मिल रहे है इसलिए हमारे लिए यह जानना आवश्यक हो जाता है कि इस कार्यकाल में संस्था ने क्या किया।

सब से मुख्य बात यह है कि संस्था ने भूमि एवं भवन से संबंधित प्रयासों के अन्तर्गत 12 फरवरी 2017 को वृद्धजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य सम्मान करने के साथ-साथ मुख्य अतिथियों तक हमारी बात को पहुंचाने का उद्देश्य भी था। इसलिए राजस्थान वरिष्ठ नागरिक बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रेम नारायण जी गालव, लोकायुक्त श्री एस. एस. कोठारी, राजस्थान वरिष्ठ नागरिक बोर्ड के सदस्य श्री कालीचरण जी खण्डेलवाल, अजमेर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री शिव शंकर हेडा एवं अन्य अतिथियों को आंमत्रित किया गया। हमारा भूमि एवं भवन से संबंधित जो आशय था की भीलवाड़ा में जैसा भवन नगर सुधार न्यास ने बनाकर दिया है वैसा ही अजमेर में भी दिया जाए। भवन का स्वामित्व प्राधिकरण का रहेगा। हमे तो केवल आयोजन करने हेतु चाहिए। दूसरा सुझाव यह था कि अजमेर में किसी भी सामुदायिक विकास भवन में एक हॉल बनाकर दे दिया जाए जहाँ हम अपने कार्यक्रम कर सके। इसके साथ-साथ ही अजमेर विकास प्राधिकरण में भूमि एवं भवन से संबंधित आवेदन पत्र जिसमें प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं अन्य दस्तावेजों के साथ दाखिल कर रखा है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम निम्न प्रकार सम्पन्न हुये:-

समूह के साथ होलिया में उड़े रे गुलाल, जय जय शिव शंकर, पीली लूगड़ी का झाला एवं रंग बरसे-रंग बरसे गीत प्रस्तुत किये गए। श्री अशोक शर्मा द्वारा-'होली में उड़े रे गुलाल, आई रूत वोटारी, आया थारे देश में चुनाव' गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। श्रीमती सुशीला राठौर द्वारा 'पिया तू कमाल का, भाभी भी कमला की एवं प्रेमरतन धन पायो,' गाने के साथ नृत्य प्रस्तुत किया। श्रीमती शारदा जिन्दल ने 'आज का दिन कुर्बान करती हूं एवं नेता गिरा रे वोटो के बीच बाजार में' व्यंग्य गीत प्रस्तुत किया। श्रीमती स्नेहलता ने 'मच रही रणक भवन में होली खेले गणपत जी महाराज'। श्री जयदेव सांखला ने 'आज ब्रिज में होली रे रसिया एवं झोलियां भर दो अबीर गुलाल' से गीत प्रस्तुत किये। श्री छीतरमल प्रजापत ने 'थाली भरकर लाई खीचड़ो ऊपर घी की बाटकी' आध्यात्मिक भजन प्रस्तुत किया। श्री मोहनलाल, श्री खुशवन्त सिंह एवं श्री के.के. गौड़ ने वीर रस का गीत 'एक है अपनी जमीं, एक है अपना चमन, आवाज दो हम एक है' प्रस्तुत किया। श्रीमती पुष्पा क्षेत्रपाल ने 'पुलवामा में वीरों का ये अंजाम नही होता' गीत प्रस्तुत किया। श्री गोविन्द हरजानी ने धार्मिक गीत 'बम बम बोले, ओम नमः शिवाय, ऊँ शिव की महिमा सब से न्यारी' गीत प्रस्तुत किया। श्री भंवरलाल गोयल ने 'नखरालो देवरियों भाभी पर जादू कर गयो, सब खेलन चलो आयो फागणियो' गीत प्रस्तुत किया। श्रीमती छाया गर्ग एवं छः महिलाओं की पार्टी ने समूह गीत 'होलिया में उड़े रे गुलाल, डालो रंग केसरिया एवं बरसाने में धूम मची है' प्रस्तुत किये।

श्रीमती कुसुम गौतम ने 'अंखियों के झरोखे से तुझे देखा जो साँवरे' गीत प्रस्तु किया। श्री रामकरण राव ने फिल्मी गीत 'सदा खुश रहें तू' अंत में श्रीमती किरण विजय ने गीत मित्र मण्डल में फॉग कान्हा आज थाने आनो प्रस्तुत किये है। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का परिणाम निम्न प्रकार रहा:-1. गीता श्लोक जानकारी - श्री कैलाशचंद त्रिपाठी, 2. अधिकतम अंगूठी दिखाने में - श्री विजय कुमार गर्ग, 3. टूथपिक बताने में - श्रीमती संतोष वर्मा, 4. दो रूप दो रंग धर्म व्याख्या में - श्री दिनेश गोयल, 5. नाम बताओं प्रतियोगिता में -प्रथम-श्रीमती स्वर्ण मालेवर, द्वितीय-श्रीमती स्नेहलता एवं तृतीय-श्रीमती पुष्प शर्मा, 6. अपने पार्टनर की खोज प्रतियोगिता में - श्री नरेन्द्र कुमार व श्री सुगनचन्द प्रथम, श्री अजय सिंह राठौड़ व श्रीमती वीना मूंदड़ा द्वितीय, तथा श्रीमती सुरेन्द्र बाला व श्रीमती प्रमोदनी मिश्रा तृतीय रहे।

शपथ ग्रहण समारोह

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह दिनांक 05.06.2019 बुधवार को संस्था के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल की अध्यक्षता में राधिका विला कैम्पस, (वैली पॉइन्ट स्कूल) भजन गंज, अजमेर में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संत श्री कृष्णानंद जी महाराज एवं विशिष्ट अतिथि श्री अजय शर्मा जिला न्यायिक अधिकारी के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।

संस्था के निवर्तमान महासचिव श्री चिरंजीलाल शर्मा द्वारा ईश प्रार्थना, ओम उच्चारण, हास्यासन एवं तालीवादन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। तत्पश्चात् मुख्य व विशिष्ट अतिथि एवं अध्यक्ष द्वारा श्री गणेश जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया गया। संस्था के अध्यक्ष अग्रवाल द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. कृष्णानंद जी महाराज का तिलक लगाकर, माल्यार्पण कर, शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। विशिष्ठ अतिथि श्री अजय शर्मा का भी तिलक लगा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। बधाई गीत श्रीमती राधिका अग्रवाल, श्रीमती छाया गर्ग एवं श्रीमती अरूणा गुप्ता द्वारा गाया गया।

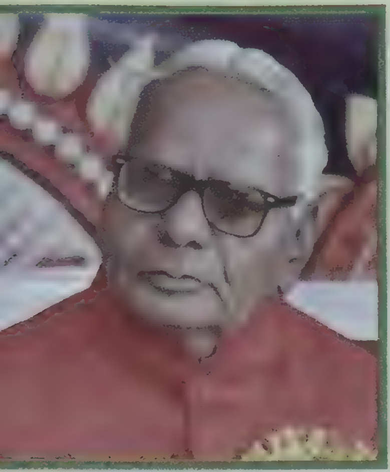
संत कृष्णानन्द महाराज जी द्वारा संस्था के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों सुरेश अग्रवाल-अध्यक्ष, चिरंजीलाल शर्मा-वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जे. पी. शर्मा - महासचिव, सुनील सक्सेना-प्रशासन सचिव, जयदेव सांखला - सचिव विकास, बलबीर सिंह गहलोत-सचिव वित्त का माल्यार्पण कर स्वागत किया। श्रीमती राधिका अग्रवाल ने श्रीमती प्रेरणा गौड़-उपाध्यक्ष महिला, श्रीमती मंजू माहेश्वरी एवं श्रीमती पुष्पा कच्छावा का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि डॉ. कृष्णानन्द जी ने नवनिर्वाचित टीम को निष्ठा एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई। संस्था अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल ने सभा में उपस्थित मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यों, अधिशाषी परिषद के सदस्य, अतिथिगण एवं परिवार के सदस्य मय स्कूल स्टॉफ का हार्दिक स्वागत किया गया।

संस्था के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने सभा को सम्बोधित करते हुए अधिशाषी परिषद के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया एवं उन्हें विश्वास दिलाया कि जिस विश्वास के साथ आप ने एवं आपके समूह के सदस्यों द्वारा नई कार्यकारिणी को चुनने में जो विश्वास प्रकट किया हैं, मैं आपको उसके लिए यह विश्वास दिलाना चाहूंगा कि हम लोग तन-मन-धन तथा लगन व परिश्रम से संस्था की सेवा करेंगे। हम लोग ऐसा कोई भी कार्य नहीं करेंगे जिससे संस्था को आर्थिक क्षति हो प्रतिष्ठा पर आँच आएं। इसके लिए मैं व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदारी लेता हूँ। इसी के साथ सभी का आभार व्यक्त किया तथा भावी योजनाओं के संबंध में सभा को अवगत कराया गया। डॉ. संत कृष्णानन्द जी गुरूदेव ने सभा को सम्बोधित करते हुए सर्वप्रथम नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए शुभ कामनाएँ प्रेषित की। उन्होंने अपने प्रवचन में आत्मा से परमात्मा को जोड़ने का एवं लगन के साथ कार्यकरने हेतु रोचक प्रसंग भी प्रस्तुत किए। श्री अजय शर्मा, जिला न्याययिक अधिकारी, ने भी नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभ कामनाएँ देते हुए कार्य के प्रति आस्था एवं लगन बनाएँ रखने के लिए प्रेरित किया। संस्था के नवनिर्वाचित महासचिव श्री जे. पी. शर्मा ने सभा में उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया एवं उन्हें विश्वास दिलाया कि शीघ्र ही हमारे द्वारा घोषित भावी योजनाओं के साथ सभी मिल जुलकर कार्य करेंगे, जिसमें आपके सहयोग एवं भागीदारी की आवश्यकता होगी। महासचिव ने यह भी अवगत कराया कि संस्था का कार्यालय रामगंज में दिवा केन्द्र के नाम से पंजाब नेशनल बैंक के पास संचालित किया जायेगा, जो प्रात: 11 बजे से 1 बजे तक खुला रहेगा। इसी के साथ सभा में उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

उल्लेख है कि कार्यक्रम में संस्था के नवनिर्वाचित पदाधिकारी, निवर्तमान पदाधिकारी, अधिशाषी परिषद के सदस्य, संस्था के विशिष्ट सदस्य, अग्रवाल समाज के पदाधिकारी, अतिथिगण एवं परिवार एवं शाला के स्टॉफ उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ तत्पश्चात् स्वादिष्ट सहभोज का आनन्द लिया गया।

जे.पी.शर्मा महासचिव

अधिशाषी परिषद्



सुरेश अग्रवाल
अध्यक्ष



चिरंजीलाल शर्मा
महासचिव



श्रीमती प्रेरणा गौड़
उपाध्यक्ष (महिला)



जे. पी. शर्मा
महासचिव



सुनील सक्सेना
सचिव प्रशासन



जयदेव साँखला
सचिव विकास



बलबीर सिंह गहलोत
सचिव वित्त



श्रीमती मन्जू माहेश्वरी
महिला सदस्य



श्रीमती पुष्पा कच्छावा
महिला सदस्य

समूह संयोजक



नरेन्द्र मंगल
समूह - 1



कैलाश जोशी
समूह - 2



सुरेन्द्र विजयवर्गीय
समूह - 3



जे. एस. राजावत
समूह - 4



जे. पी. विजय
समूह - 5



चन्द्रनारायण अग्रवाल
समूह - 6



भँवरलाल गोयल
समूह - 7



पी. डी. अग्रवाल
समूह - 8



भगवान दास
समूह - 9



कल्याणराय
समूह - 1



मानकरण अग्रवाल
समूह - 11



यतिश झा
समूह - 12



बी. आर. दोहरे
समूह - 13



श्रीकृष्ण शर्मा
समूह - 14



मुरारीलाल सिंह
समूह - 15



रतनलाल ए
समूह - 1



आर.सी. माहेश्वरी
समूह - 17



के.के. गौड़
समूह - 18



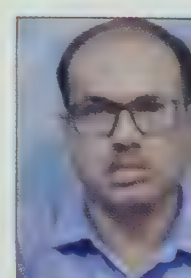
राजेन्द्र शिवहरे
समूह - 20



सत्यनाराण सिंह
समूह - 21



जयचन्द जैसवार
समूह - 22



देवेन्द्र पाल
समूह - 2

संरक्षक मंडल



डॉ. एस. के. सिंह



श्री रमेशचन्द्र अग्रवाल

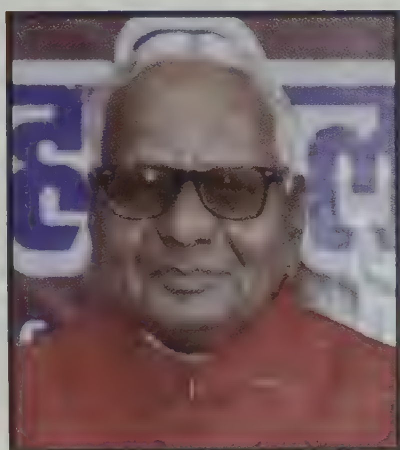


श्रीमती हेमन्त मिश्रा

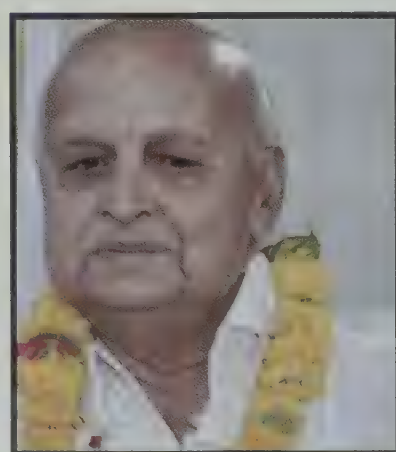
संपादक मंडल



के. के. गौड़



सुरेश अग्रवाल



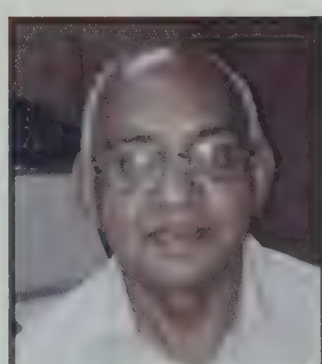
जे. पी. शर्मा



जयदेव साँखला



बलबीर सिंह गहलोत



राजेन्द्र शिवहरे



पी. एन. शर्मा

होली मिलन समारोह 2019 (जनकपुरी)

























आमसभा 27.1.2019 (जनकपुरी)









होली मिलन समारोह 2019 (जनकपुरी)

























आमसभा 26.5.2019 व मतदान दिवस










27.5.2019 मतदान परिणाम

















अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन सम्मान समारोह
1 अक्टूबर 2018, सोमवार

सीनियर सिटीजन सोसायटी का दिनांक 01 अक्टूबर 2018 सोमवार को दोपहर 3 बजे से सभागार माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर के संस्था का अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। आयोजन में संस्था के 47 वरिष्ठतम सदस्य एवं अजमेर शहर के 90 वर्ष से अधिक 17 सदस्यों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलन किया गया।

तत्पश्चात् श्रीमती कुसम गौतम, श्रीमती राधिका अग्रवाल, श्रीमती मंजू महेश्वरी, श्रीमती शकुन्तला बाघमार, श्रीमती बीना रानी एवं श्रीमती स्नेहलता मंगल ने उपस्थिति समूह को सरस्वती एवं ईश वन्दना करायी। श्री रामसिंह निर्बान ने ओम उच्चारण व श्री लज्जा शंकर गोयल ने एक्यूप्रेशर की ताली एवं हास्यासन कराया। संस्था के अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल ने सभी गणमान अतिथियों का, अधिशाषी परिषद के पदाधिकारियों,कार्यकारिणी के सदस्यों, समूह संयोजको का एवं संस्था के सभी सम्मानीय सदस्यों,माताओं बहनों को नमन करते हए अभिवादन किया। इसके अतिरिक्त 90 वर्ष से अधिक सभी सम्मानीय सदस्य एवं उनके साथ में आये हुए परिजनो, सभा में उपस्थित सभी अतिथिगणों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया। अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्बोधन में आज के कार्यक्रम की उपयोगिता एवं आवश्यकता पर बल देते हुए वयोवृद्धों के प्रति आस्था, समाज में उनके प्रति प्रतिबद्वता एवं सम्मान बनाये रखना होता है। अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन सम्मान समारोह के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ में एक प्रस्ताव पारित किया गया था जिसके अन्तर्गत 1अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस घोषित किया गया। प्रत्येक वर्ष इस दिवस को एक थीम के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष 1 अक्टूबर 2018 को Celebrating older human rights champions की थीम रखी गई। संस्था अपने गठन से लेकर आज दिन तक प्रतिवर्ष इस प्रकार का आयोजन करती आ रही हैं। संस्था का सहकारी विभाग में पंजीकरण एवं आयकर विभाग से एटीजी एवं 12 ए पंजीकरण किया हुआ है। वर्तमान में सदस्यों की संख्या लगभग 4300 से अधिक है जो शहर के सभी क्षेत्रों में निवास करने के कारण 22 समूहों में प्रशासनिक दृष्टि से विभाजित है। प्रत्येक समूह में मुखिया के रूप में एक व्यक्ति को चुना जाता है, जिसे समूह संयोजक कहा जाता हैं। वह संस्था की अधिशाषी परिषद का सदस्य भी होता है। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष निर्धारित कार्यक्रम दिपावली स्नेह मिलन समारोह, होली स्नेहमिलन समारोह,पिकनिक एवं भ्रमण तथा आमसभा आयोजित करती है। आम सभा में वर्ष में किए गए कार्यो का प्रतिवेदन एवं लेखो का अनुमोदन किया जाता हैं, साथ ही खुला अधिवेशन के अन्तर्गत संस्था सदस्य अपने विचार एवं सुझावों को रखते हैं जिनका यथानुसार क्रियांवित करने का प्रयास किया जाता है। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष स्मारिका का प्रकाश एवं प्रत्येक माह मासिक मुख्य पत्र ''सेवा संकल्प'' का प्रकाशन किया जाता है जिसमें सभी समूहों की गतिविधियों का भी उल्लेख होता है। अध्यक्ष द्वारा संस्था की गतिविधियों से अवगत कराते हुए संस्था के लिए भूमि व भवन की आवश्यकता के लिए व्यथा प्रकट की तथा अतिथियों से पुरजोर निवेदन किया कि भरपूर किराया देने के बावजूद भी संस्था को उचित स्थान उपलब्ध नहीं हो पाता है, जहां संस्था अपने कार्यक्रमों को संपादित कर सके।

आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो.वासुदेव देवनानी शिक्षा राज्य मंत्री, समारोह अध्यक्ष डॉ. कृष्णानन्द जी गुरूदेव, संस्थापक, विश्वमित्र जनसेवा समिति एवं लाडली घर अजमेर तथा विशिष्ट अतिथि श्री शिव शंकर हेडा, अध्यक्ष, अजमेर विकास प्राधिकरण, इसके साथ ही आमंत्रित अतिथि श्री राजेन्द्र शिवहरे समाज सेवी उपस्थित थे। समारोह के अध्यक्ष अन्तर्राष्ट्रीय संत डा. कृष्णानन्द जी गुरूदेव, संस्थापक, विश्वमित्र जन सेवा समिति एवं लाडली घर का स्वागत संस्था के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल द्वारा माल्यार्पण कर, बेज लगाकर किया गया। अध्यक्ष महोदय ने गुरूदेव का परिचय देते हुए अवगत कराया कि आप द्वारा प्रत्येक वर्ष इसी संस्था के लिए किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान करते रहे हैं इसके अतिरिक्त आप द्वारा पुष्कर में वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजनों के लिए प्रतिमाह पेंशन का भी आयोजन आप द्वारा किया जाता रहा है। आप द्वारा एक वर्ष पूर्व दृष्टि बाधित बालिकाओं के लिए शिक्षा व आवास के लिए कदम उठाया था जिसे "लाडली घर" के नाम से जाना जाता है। यह एक बहुत ही सराहनीय कदम है, राजस्थान में इस प्रकार का प्रथम विद्यालय आप द्वारा संचालित किया जा रहा है। संस्था के सदस्य आपके इस कार्य में सहयोग प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर हैं एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित करते हैं।

श्री कृष्णानंद जी ने अपने आर्शीवचन में कहा कि सत्य क्या है? मैं कौन हूँ कि व्याख्या करी। श्रद्धा प्रेम का ही विस्तार है। शुद्ध व निःस्वार्थ प्रेम का नाम ही श्रद्धा है, और श्रृद्धा से भरा से भरा मन निष्पाप हो जाता है, श्रद्धा में विश्वास भी पूर्णतया छुपा होता हैं। जब हम ईश्वर की उपासना श्रद्धापूर्वक करते है, तो किसी कोने में हमारे ईश्वर के प्रति विश्वास का भी भाव निहित होता है। हमे विश्वास हमें बल देता है, शक्ति देता हैं, विश्वास की नौका में बैठकर हम श्रद्धा की पतवारों से लहरों भरी जीवन रूपी सरिता को सहजता से पार कर लेते है।

मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमान् वासुदेव देवनानी, शिक्षा राज्य मंत्री का स्वागत महासचिव श्री चिरंजी लाल द्वारा माल्यापण कर एवं बेज लगाकर किया। श्री देवनानी जी ने अपने आर्शी वचन में कहा कि आप सब लोग वृद्धजन नहीं हैं स्वस्थ रहने के लिए युवा बने रहे आप लोग दीर्घायु हो व अपना शरीर स्वस्थ रखे, व्यक्ति निर्माण का कार्य करते रहे अच्छा कार्य करे, सहयोग करे, मन को सुखद अनुभूति दे, तनाव बीमारी की जड़ है। मीठा बोले, जिन्दगी में आखरी सांस तक मुस्कराते रहे।

विशिष्ट अतिथि श्री शिव शंकर जी हेडा, अध्यक्ष, अजमेर विकास प्राधिकरण का स्वागत संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री जे.पी. शर्मा द्वारा माल्यार्पण कर एवं बेज लगाकर किया। श्री हेडा जी ने अपने आर्शीवचन में कहा कि मनुष्य को 60 वर्ष के पश्चात् ही जीने का आनन्द आता है। उस समय तक समस्त जिम्मेदारियां, पारिवारिक व आजीविका से संबंधित पूर्ण हो चुकी होती हैं। किसी प्रकार का कोई भय नहीं होता और ना ही किसी प्रकार का दबाब रहता है। ऐसी स्थिति में स्वयं को स्वस्थ बनाकर रखे

आमंत्रित अतिथि श्री राजेन्द्र शिवहरे समाजसेवी का स्वागत श्री प्रकाश नारायण शर्मा द्वारा माल्यार्पण कर एवं बेज लगाकर किया। श्री शिवहरे जी ने अपने शब्दों द्वारा विचार व्यक्त किया कि मुझे प्रेरणा मिली कि, क्यों नहीं सभी वृद्धजनों का आशीर्वाद प्राप्त करूं?, सेवा कार्य में व्यस्त रहे, धार्मिक कार्यो में मन लगाये, सहयोग दे, यही प्रसन्न रहने का मूल मंत्र दिया।अध्यक्ष महोदय ने उनका परिचय देते हुए सभा को अवगत कराया कि श्री शिवहरे द्वारा आज के

सभी सम्मानीय सदस्यों को उढाये जाने वाले शॉल प्रायोजित किये है। पूर्व में भी श्री शिवहरे जी द्वारा वृद्धाश्रम में दो कमरे बनाये गये हैं एवं अन्य संस्थाओं को भी सहयोग प्रदान करते रहते हैं सभी अतिथितियों को संस्था के पदाधिकारियों द्वारा स्मृत्ति चिन्ह भेंट किये गये। सम्मान स्वरूप 90 वर्ष से अधिक सदस्यों को मंच पर विराजमान किया जाकर उनके साथ आए परिजनों को मंच पर उचित स्थान देकर बैठाया गया था। सभी सम्मानीय सदस्यों को अतिथियों द्वारा शॉल उढाकर, माल्यार्पण कर साथ में श्रीफल भेंट कर प्रशस्ति पत्र दिया गया। सम्मानित होने वाले सदस्यों के नाम एवं निवास स्थान निम्न प्रकार है श्री गुलाबचन्द अग्रवाल-माकडवाली रोड़, वैशाली नगर, अजमेर, श्री भंवरलाल गोयल- शारदा भवन, सर्किल के पास, अजमेर, श्रीमती रूकमणी देवी-ग्यारह कोठरी, राबड़िया मौहल्ला, अजमेर, श्री हिम्मत सिंह-पलटन बाजार, अजमेर श्री बस्तीराम रांकावत- कोटडा रोड, रामनगर, अजमेर, श्री थावंरमल रूपचन्दानी-पसन्द नगर कोटडा, अजमेर, श्रीमती कौशल्या देवी-नया बाडा पुलिस लाईन, अजमेर, श्रीमती जमुना देवी-सांखला बिल्डिंग, हाथी भाटा, अजमेर, श्री यादराम-न्यू राजीव नगर, धोला भाटा, अजमेर, श्री अमर सिंह क्षत्री-मधुबन कॉलोनी, नाका मदार, अजमेर, श्री हीरालाल सोलंकी, श्रीनगर रोड, अजमेर श्रीमती आशा देवी गुप्ता-पालबीचला, अजमेर, श्रीमती मिश्री देवी शर्मा-माया मेंशन, रामगंज, अजमेर, श्रीमती मूली देवी-पीपल का बेरा, धोलाभाटा, अजमेर, श्री सेवाराम-पीपल का बेरा, धोला भाटा, अजमेर, श्रीमती देवीबाई लालवानी-कंचन नगर, दौराई, अजमेर, श्रीमती धापू बाई-नया घर गुलाब बाड़ी अजमेर महासचिव श्री चिरंजी लाल शर्मा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संस्था की विभिन्न जानकारी प्रदान करते हुये अवगत कराया कि संस्था का प्रत्येक सदस्य किसी न किसी रूप में सेवा भाव से जुड़ा हुआ है। उसी प्रकार प्रत्येक समूह समाज से संबंधित किसी न किसी प्रकार से सेवा प्रकल्प से जुडा हुआ है जैसे प्रतिमाह गौशाला में गायों को चारा खिलाना, प्याऊ की सेवायें प्रदान करना या चिकित्सा शिविरों का आयोजन करना है।

तत्पश्चात् संस्था के वरिष्ठतम सदस्य जिनका सम्मान होना था उनको समूह संयोजको के साथ विभिन्न समूहों में मंच पर आमंत्रित कर अतिथियों द्वारा शॉल उढाकर माल्यार्पण कर साथ में श्रीफल भेंट कर प्रशिस्त पत्रदिया गया। सम्मानित होने वाले सदस्यों में समूह सं. 1-पूरण चंद पंत, समूह सं. 2 श्री चान्दकरण पालीवाला, श्री नेमीचंद पाराशर, श्री मोतीलाल पटोदिया, कमांडर बी.एम.जोशी, समूह सं. 3- श्री रामेश्वर लाल तापड़िया, समूह सं. 4- श्री राधाकिशन जोधा, समूह सं. -5 श्री झम्मन सिंह, डॉ. एस.सी. ओझा, श्रीमती मनोहर विजय, समूह सं. 9 - श्रीमती सुशीला देवी शर्मा, डॉ कीर्ति कुमार तामरा, समूह सं. 10- श्री ओमप्रकाश कछावा, श्रीमती कमलेश चौहान, श्री तेजसिंह राव, श्री गजराज सिंह चौहान, समूह सं. 11- श्री मदन सिंह चौहान, श्री मानकरण अग्रवाल, समूह सं.12 - श्री मदनलाल सैनी, श्री गोपीकिशन अग्रवाल, श्री बाबूलाल शर्मा, श्री ओमप्रकाश भारद्वाज, समूह सं. 13- श्री ओमप्रकाश शर्मा, श्री किरोड़ीलाल गुप्ता, श्रीमती उर्मिला शर्मा, समूह सं.14-श्री बृजमोहन असमालिया, श्री लादूराम कछावा, डॉ. श्रीमती इन्दा दीक्षित, समूह सं. 15- श्री दिलीप सिंह शर्मा, श्री जयप्रकाश गुप्ता, श्रीमति उर्मिला सिंह, समूह सं. 17- डॉ. पी.बी. एल माथुर, श्री समीर मल जैन, समूह सं. 18-श्री डालचंद जनुठिया, श्री हीरालाल, डॉ. दयाल वाधानी, श्रीमती कमला देवी टांक, श्री सोहनलाल, श्रीब्रह्मदत्त चौधरी, श्री निहालचंद टांक, श्री विनय कुमार भारद्वाज, समूह सं. 20- श्री के.एल. सुखाडिया, श्री भीष्म कुमार बाधवा, समूह सं. 22- श्री महेन्द्र देव शर्मा, श्री रविन्द्र वर्मा, श्रीमती कान्ता शर्मा श्री राधेलाल शर्मा थे।

पंजीकरण एवं कूपन वितरण समिति- कार्यक्रम को व्यवस्थित करने के लिये समितियों की साधारण किया गया, जिसमें श्री रतन लाल ऐरन, समूह 16 के संयोजक को पंजीकरण एवं कूपन वितरण समिति का संयोजक बनाया गया। उनके सहयोगी समूह संख्या 1 से श्री टी.आर. फागना, श्री खूब चन्दानी, समूह संख्या 2 से श्री ब्रजलाल शर्मा, श्री कैलाश जोशी ,समूह संख्या - 3 से श्री सुरेन्द विजय, समूह संख्या 5 से श्री दिनेश गोयल , समूह संख्या 16 से श्री जे.सी. ऐरन,श्रीमहेश जोशी, समूह संख्या 17 से श्री .आर.के. चतुर्वेदी, समूह संख्या 9 से श्री भगवानदास, समूह संख्या 20 से श्री महेन्द जी, श्री विनोद माथुर, समूह संख्या 4 से श्री सुरेश चन्द मित्तल, समूह संख्या 6 से श्री बी.एन. सारस्वत, श्री चन्द्रनारायण अग्रवाल, समूह संख्या 07 से श्री अर्जुन सिंह मकवाना, समूह संख्या 10 से श्री ओमप्रकाश चौरसिया, समूह संख्या 8 से श्री प्रेमचन्द सिंघल, श्री अजय मेहरा,समूह संख्या 15 से श्री आर.एम.अरोड़ा, श्री सी.एल. खोरवाल, समूह संख्या 21 से श्री अशोक कुमार मिश्रा, समूह संख्या 22 से श्री हुकुम सिंह वर्मा, श्री दीनदयाल शर्मा, समूह संख्या 12 से श्री महेश शर्मा, श्री के.जी.वैष्णव समूह संख्या 13 से श्री रामसिंह पंवार,श्री सुगन चन्द जोनवाल, समूह संख्या 14 से श्री रामसिंह जयसवाल, श्री बलवन्त सिंह,समूह संख्या 18 से हरलाल एवं श्री धनसिंह ने सेवाएँ प्रदान की। आयुक्रम में वरिष्ठतम सम्मानित होने वाले सदस्यों के लिए समूह संख्या 3 से श्री सुरेन्द सिंह एवं समूह संख्या 16 से श्री अशोक गोयल ने सेवाएँ प्रदान की। दान दाताओं एवं सहयोगियों के लिए समूह संख्या 01 से श्री नरेन्द्र मंगल समूह संख्या 2 से श्री जयदेव सांखला समूह संख्या 4 से श्री जे.एस.राजावत ने सहयोग प्रदान किया।

अल्पाहार सामग्री, क्रय एवं व्यवस्था समितिः- श्री गोपाल शंकर शर्मा को संयोजक एवं उसके सहयोगियों श्री महेन्द देव मुरारी,श्री राजेन्द्र श्रीवास्तव, श्री जी.के.कपिल, श्री मांगीलाल देवल, श्री बैजनाथ शर्मा, श्री भगवान लालवानी, श्री पुरूषोत्तम शर्मा एवं श्री पी.एल.चौधरी द्वारा अल्पाहार की सुगम व्यवस्था के अनुरूप कार्यक्रम के प्रारम्भ में सभी आगुन्तकों को चाय व बिस्कुट तथा सभा के समापन पर सभी को अल्पाहार के पैकेट वितरित किये गये। जिसको व्यवस्थित करने के लिए सभी सदस्यों को पंजीकरण समिति द्वारा कूपन प्रवेश द्वार पर उपलब्ध करा दिये गये थे।

बैठने का स्थान एवं व्यवस्था समितिः- समूह 18 के संयोजक श्री के.के.गौड़ को संयोजक बनाया गया जिसके साथ समूह के सहयोगियों में श्रीमती प्रेरणा गौड़, श्रीमती पूनम सरना, श्रीमती नीलम धीर, श्रीमती एस.के.सोहल,श्रीमती मंजू मिश्रा, श्रीमंती वीना रामसिंघानी, श्रीमती शारदा यादव, श्रीमती सुनिता आर्य, श्रीमती मिथलेश चौहान, श्रीमती दीपा साजनानी,श्रीमती वृन्दा जलोटा, श्रीमती चम्पा भाटिया, श्रीमती संगीता डोडानी,श्री कैलाश टेकवानी,श्री सुधीर माथुर,श्री महेश शिराल्कर, श्री अर्जुन डोडानी, श्री राजकुमार गुप्ता, श्री नारायण लाल ने सहयोग प्रदान कर व्यवस्था बनाये रखी।

महिलाओं के द्वारा मेहरून कलर की साड़ी धारण किये हुए वहीं पर पुरूष द्वारा सफेद कमीज व काली पेंट पहनकर सभागार में सभी सदस्यों को बैठाने की व्यववस्था में अपनी कुशलता का परिचय दिया।

मंच एवं साज सम्मान व्यवस्था समितिः- मंच एवं साज सम्मान व्यवस्था श्री जे.पी.शर्मा, श्री प्रकाश नारायण शर्मा, श्री रामेश्वर सिसोदिया, श्री सुनील सक्सेना एवं श्री बलबीर सिंह गहलोत द्वारा सुचारू रूप्से व्यवस्थित कर कार्यक्रम को सम्पन्न कराया।

सभा के अंत में सामुहिक राष्ट्रगान से पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री जे.पी.शर्मा द्वारा सभा में उपस्थित सभी सदस्यों, कार्यकर्ताओं, सहयोगियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया कि उनके द्वारा अथक प्रयास के कारण ही आज का कार्यकम भली भांति सुचारू रूप से व्यवस्थित होकर सफल हो सका है। जिसके लिए पुनः धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन महासचिव चिरंजी लाल शर्मा द्वारा किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन सम्मान समारोह
1 अक्टूबर 2019, मंगलवार

सीनियर सिटीजन सोसायटी का दिनांक 1 अक्टूबर 2019 मंगलवार को दोपहर 3 बजे से जवाहर रंग मंच, लोहागल रोड, अजमेर में संस्था का अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से देखा जा सके जिसके लिए सभागार में एल.ई.डी. स्क्रीन बड़े साईज की लगायी गई थी। आयोजन में संस्था के 43 वरिष्ठतम सदस्य एवं अजमेर शहर के 90 वर्षीय से अधिक 21 सदस्यों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलन किया गया।

तत्पश्चात् संस्था के सदस्यों द्वारा अपने स्थान पर खड़े होकर सामुहिक रूप से ईश वन्दना, ओम् उच्चारण, एक्यूप्रेशर ताली एवं हास्यासन कराया गया।

संस्था के अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल ने सभी गणमान अतिथियों का, अधिशाषी परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी के सदस्यों, समूह संयोजको का एवं संस्था के सभी सम्मानीय सदस्यों एवं माताओं व बहनों को नमन करते हुए अभिवादन किया। इसके अतिरिक्त 90 वर्ष से अधिक सभी सम्मानीय सदस्य एवं उनके साथ में आये हुए परिजनों का एवं सभागार में उपस्थित सभी अतिथिगणों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया। अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्बोधन में आज के कार्यक्रम की उपयोगिता एवं आवश्यकता पर बल देते हुए वयोवृद्ध के प्रति आस्था, समाज में उनके प्रति प्रतिबद्धता एवं सम्मान बनाये रखने को बतलाया। वृद्धजन चलते फिरते एनसाईक्लोपिडिया होते हैं। उनके पास अनुभव, ज्ञान होता है, उनका समाज में योगदान रहता है। अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन सम्मान समारोह के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ में एक प्रस्ताव पारित किया गया था जिसके अन्तर्गत 1 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस घोषित किया गया। संस्था अपने गठन से लेकर आज दिन तक प्रतिवर्ष इस प्रकार का आयोजन करती आ रही है। वर्तमान में सदस्यों की संख्या लगभग 4500 से अधिक है जो शहर के सभी क्षेत्रों में निवास करने के कारण 23 समूहों में प्रशासनिक दृष्टि से विभाजित है। संस्था के लिए गर्व का विषय है कि इस वर्ष समूह संख्या 23 का गठन किया गया, जो पंचशील के सदस्यों के लिए समूह के रूप में काम करेगा। प्रत्येक समूह में मुखिया के तौर पर एक सदस्य को चुना जाता है, जिसे समूह संयोजक कहा जाता है। वह संस्था की अधिशाषी परिषद का सदस्य भी होता है। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष निर्धारित कार्यक्रम दीपावली स्नेह मिलन समारोह, होली स्नेह मिलन समारोह, पिकनिक एवं भ्रमण तथा आमसभा आयोजित करती है। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष स्मारिका का प्रकाशन एवं प्रत्येक माह मासिक मुख्य पत्र "सेवा संकल्प" का प्रकाशन किया जाता है। जिसमें सभी समूहों की प्रत्येक माह की सभा का उल्लेख होता है। इस प्रकार अध्यक्ष महोदय ने संस्था की गतिविधियों को सूक्ष्म रूप से अवगत कराया। आज के कार्यक्रम के समारोह अध्यक्ष डॉ. कृष्णानन्द जी गुरूदेव, संस्थापक, विश्वमित्र जनसेवा समिति एवं लाडली घर, अजमेर तथा विशिष्ठ अतिथि श्री पी.एल दईया, विपणन अधिकारी, जीवन बीमा निगम, अजमेर एवं श्री विष्णु प्रकाश गर्ग, अध्यक्ष, अपना घर लोहागल रोड, अजमेर थे।

समारोह के अध्यक्ष अन्तर्राष्ट्रीय संत डॉ. कृष्णानन्द जी गुरूदेव का स्वागत संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री चिरंजी लाल शर्मा द्वारा माल्यार्पण कर किया गया। अध्यक्ष महोदय ने गुरूदेव का परिचय देते हए अवगत कराया कि आप द्वारा प्रत्येक वर्ष इस संस्था के लिए किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान करते रहे है। अध्यक्ष महोदय ने गुरूदेव का परिचय देते हए अवगत कराया कि आप द्वारा प्रत्येक वर्ष इस संस्था के लिए किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान करते रहे हैं।

इसके अतिरिक्त आप द्वारा पुष्कर में वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजनों के लिए प्रतिमाह पेंशन का भी आयोजिन किया जाता रहा है। आप द्वारा एक वर्ष पूर्व दृष्टि बाधित बालिकाओं के लिए शिक्षा व आवास के लिए कदम उठाया है जिसे "लाडली घर" के नाम से जाना जाता है। यह एक बहुत ही सराहनीय कदम है व राजस्थान में इस प्रकार का प्रथम विद्यालय आप द्वारा संचालित किया जा रहा है। संस्था के सदस्य आपके इस कार्य में सहयोग प्रदान करने लिए सदैव तत्पर हैं एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित करते हैं।

विशिष्ट अतिथि श्री पी.एल.दईया, विपणन अधिकारी, जीवन बीमा निगम का स्वागत संस्था के महासचित श्री जे.पी. शर्मा द्वारा माल्यार्पण कर किया गया है। अध्यक्ष महोदय ने अवगत कराया कि आज के कार्यक्रम में समस्त वृद्धजनों को दिये जाने वाले शॉल की व्यवस्था जीवन बीमा निगम द्वारा की गई है विशिष्ठ, अतिथि श्री विष्णु प्रकाश गर्ग, अध्यक्ष,अपना घर, लोहागल रोड, अजमेर का स्वागत संस्था के वित सचिव श्री बलवीर सिंह गहलोत द्वारा माल्यार्पण कर किया गया। अध्यक्ष महोदय ने यह भी अवगत कराया कि आप के अल्पाहार में श्री गर्ग साहब का योगदान रहा है अपना घर में ऐसे लावारिस, असहाय बीमारजनों को भर्ती कर सेवाऐं प्रदान की जा रही हैं जो रेलवे प्लेटफार्म, बस स्टेण्ड, धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थानों पर असीम गन्दगी एवं वेदनायुक्त स्थिति में पड़े जीवन एवं मौत से संघर्ष कर रहे होते हैं अतिथियों ने अपने उद्बोधन में बुर्जुग समाज में परिवार की शान है बतलाया, उनके अनुभव, अनुशासन, सामाजिक मूल्यो से बच्चों, युवाओं व आमजन को सीख लेनी चाहिए। असली तीर्थ माता-पिता होते हैं। उनकी सेवा से बढ़कर कोई तीर्थ नहीं होता। यह हमारे घर में निवास करते हैं। आज संयुक्त परिवार की महती आवश्यकता है। इस मौके पर युवाओं को बुजुर्गों के अनुभव का लाभ लेकर जीवन में आगे बढ़ने की सीख लेनी चाहिए। परिवार में बुजुर्ग वटवृक्ष की भांति सिद्ध होते है। कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से देखा जा सके जिसके लिए सभागार में एल.ई.डी.स्क्रीन बड़े साईज की लगायी गई थी। सम्मान स्वरूप 90 वर्ष से अधिक सदस्यों को मंच पर विराजमान किया गया और उनके साथ आए परिजनों को उचित स्थान देकर बैठाया गया। सभी सम्मानीय सदस्यों को अतिथियों द्वारा शॉल उढ़ाकर, माल्यार्पण कर साथ में श्रीफल, प्रशस्ति पत्र, भेंट दिया गया। सम्मानित होने वाले सदस्यों के नाम निवास स्थान निम्न प्रकार है- श्री लालचन्द डोसी-पुष्कर रोड़, श्री खेमचन्द चतुर्वेदी-कुन्दन नगर, श्रीमती मंगली बाई बैरवा-सिन्धी तोपदड़ा, श्री किशनलाल-आर्य नगर, कुम्हार मौहल्ला, श्रीमती बुगली देवी-अशोग नगर, भट्टा नगरा, श्रीमती लज्जावती, चन्दवरदाई नगर, श्री यू.तुकाराम-नाका मदार, श्री प्रसन्न कुमार जैन-माकड़वाली नगर, श्री मांगीलाल गुर्जर-आनन्द नगर, श्री भैरूबक्ष साहू-कृष्ण गंज, श्रीमती भंवरी देवी-तोपदड़ा, श्रीमती लाली कच्छावा-भोपो का बाड़ा, श्रीमती गंगा देवी सोनी-दौराई, श्रीमती कमला देवी व्यास-एचएमटी के पास, श्री छोटेलाल-पलटन बाजार, श्री नाथूलाल-भजनगंज, श्री देवीलाल-धोलाभाटा, पं. कैलाश नारायण शर्मा-तोपदड़ा, श्री पवन शंकर कपूर-तोपदड़ा, श्री कुंज बिहारी सिंह पालरिया-मेयोलिंक रोड़, श्रीमती रामेश्वरी देवी - नगीना बाग तत्पश्चात् संस्था के वरिष्ठतम सदस्य जिनका सम्मान होना था उनको व्यक्तिगत रूप से मंच पर आमंत्रित कर अतिथियों द्वारा शॉल उढ़ाकर माल्यार्पण कर साथ में श्रीफल भेंट कर प्रशस्ति पत्र दिया गया । सम्मानित होने वाले सदस्यों के नाम एवं समूह संख्या निम्न प्रकार है-श्री जे.एन.माथुर, श्री मानसिंह वर्मा, श्रीमती शान्ता पंत समूह-1, डॉ. हरिदास गुप्ता समूह- 2, श्री भंवरलाल मून्दडा, श्री महेशचन्द सक्सेना, श्री प्रहलाद लाल मालू, श्री गोविन्द प्रसाद असावा समूह -3, श्रीमती सुन्दर भार्गव, श्री बाबूलाल शर्मा, श्री जवाहर बी.

नानकानी, श्री रामपाल सांखला, श्री ब्रजमोहन शर्मा समूह-4, श्रीमती आशा कटियार, श्रीमती सत्या यादव समूह-5, श्री सुरेन्द्र नारायण मेहरा, श्री रामस्वरूप खण्डेलवाल समूह-6, श्री सत्यप्रकाश शर्मा, डॉ. हीरालाल मैसी समूह-8, श्री कमलचन्द सिंघवी, श्री राधेश्याम गर्ग समूह -9, श्री मदनलाल रवि, श्री गोपाल मित्तल समूह-12, श्री बाबूराम दोहरे समूह-13, श्री सोहनलाल भारती समूह-14, श्री कुंज बिहारी, श्री लक्ष्मण मटाई, श्री भीमसिंह गहलोत समूह-15, श्री जगमाल सिंह यादव, डॉ. कैलाशचन्द त्रिपाठी, श्रीरामचन्द्र बंसल समूह -16, श्री हरिकिशन अजमेरा, श्री बद्री प्रसाद अग्रवाल, श्री मदनलाल बाफना समूह -17, श्री हरिशंकर सारस्वत, श्रीमती निर्मला कौल, श्री के.सी. पंत, श्रीमती शांति देवी बचलस, श्रीमती मोन्दिरा दत्ता, श्री हरिशंकर काम्बोज, श्री महेशचन्द गुप्ता समूह-18, श्री छीतरमल मण्डरावलिया समूह-22, श्री मधु गुप्ता समूह-23

<u>पंजीकरण एवं कूपन वितरण समिति-</u> कार्यक्रम को व्यवस्थित करने के लिये समितियों का सधारण किया गया जिसमें श्री रतनलाल ऐरन समूह 16 को संयोजक एवं श्री नरेन्द्र मंगल समूह 1 को सहायक संयोजक बनाया गया। जिनके द्वारा आयुक्रम में वरिष्ठ जनों का दुपट्टा पहनाने का कार्य भी किया गया। श्री बलबीर सिंह गहलोत वित्त सचिव द्वारा 90 वर्ष से अधिक सम्मानित सदस्यों को दुपट्टा पहनाना, कूपन व वाहन व्यय के भुगतान का कार्य समूह के पंजीकरण एवं कूपन वितरण के लिए सभी समूह संयोजकों द्वारा 2-2 सदस्य से लेकर एक समिति बनायी गई।

<u>अल्पाहार सामग्री, क्रय एवं व्यवस्था समिति:-</u> श्री गोपाल शंकर शर्मा संयोजक एवं उनके सहयोगियों द्वारा अल्पाहार वितरण की सुगम व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के प्रारम्भ से लेकर अंत तक चाय एवं कार्यक्रम के समापन पर सभी को अल्पाहार के पैकेट वितरण का कार्य सभी सदस्यों को कूपन पंजीकरण समिति द्वारा प्रवेश द्वार पर उपलब्ध करा दिये गये थे।

<u>बैठने का स्थान एवं व्यवस्था समिति :-</u> समूह 18 के संयोजक श्री के.के.गौड़ को संयोजक बनाया गया जिनके साथ उनके समूह के सहयोगियों ने सभागार में बैठाने की उत्तम व्यवस्था कर कुशलता का परिचय दिया <u>मंच एवं साज सम्मान व्यवस्था समिति :-</u> मंच एवं साज सम्मान व्यवस्था श्री जयदेव सांखला सचिव विकास, श्री सुनील सक्सेना सचिव प्रशासन, श्री बलवीर सिंह गहलोत वित्त सचिव, महिला सदस्य श्रीमती मंजू माहेश्वरी, महिला सदस्य श्रीमती पुष्पा कच्छवा, श्री प्रकाश नारायण शर्मा एवं श्री रामेश्वर सिसोदिया द्वारा सुचारू रूप से व्यवस्थित कर कार्यक्रम को सम्पन्न कराया।

समारोह अध्यक्ष डॉ. कृष्णानन्द जी महाराज को सचिव प्रशासन सुनील सक्सेना ने स्मृति चिन्ह भेंट किया, विशिष्ठ अतिथि श्री पी.एल.दईया, विपणन अधिकारी को श्री जयदेव सांखला, सचिव विकास ने श्री विष्णु प्रकाश गर्ग को श्री चिरंजी लाल शर्मा वरि. उपाध्यक्ष द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

सभा के अंत में सामुहिक राष्ट्रगान से पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री चिरंजीलाल शर्मा द्वारा सभा में उपस्थित सभी सदस्यों, कार्यकर्ताओं, सहयोगियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया कि उनके द्वारा अथक प्रयास के कारण ही आज का कार्यक्रम भली भांति सुचारू रूप से व्यवस्थित होकर सफल हो सका है। मंच का संचालन महासचिव जे.पी.शर्मा एवं समूह संयोजक श्री के.के. गौड़ द्वारा कुशलता पूर्व किया गया। -

जे.पी.शर्मा, महासचिव

वृद्धजन सम्मान समारोह पर सोसायटी द्वारा सम्मानित हमारे वरिष्ठजन - संक्षिप्त परिचय

संस्था द्वारा सम्मानित 90 वर्ष की आयु से अधिक का संक्षिप्त विवरण

श्रीमती गंगादेवी सोनी जन्मतिथि 10 फरवरी 1926



आपका परिवार सन् 1947 के देश विभाजन के समय करांची से अजमेर आये। स्व.श्री टोपनदास सरेनी के निधन के बाद मेहनत कर तीन पुत्र,व पुत्रियों को पढ़ा-लिखाकर योग्य बनाया। आप कंचन नगर दौराई अजमेर में रहती है।

श्री छोटेलाल जन्मतिथि 1928



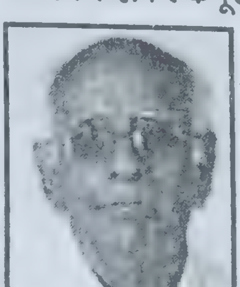
आप रेलवे के स्टोर विभाग से सेवानिवृत्त है। आपके दो पुत्र में से बड़े का निधन हो गया। आपके पौत्र, पौत्रियों के साथ भरापूरा परिवार में रहते है। आपका निवास पलटन बाजार अजमेर में है।

श्री देवीलाल जन्मतिथि 17.04.1929



आपके छः पुत्र, दो पुत्रियां, नौ पौत्र, आठ पौत्रियां, चार प्रपौत्र व आठ प्रपौत्री का भरापूरा परिवार है। आप धोला भाटा अजमेर में रहते है।

श्री पवन शंकर कपूर जन्मतिथि 02.02.1926



आपने कन्सट्रक्शन में रहकर मेयो कॉलेज, सोफिया कॉलेज, हाईस्कूल,मिडिल स्कूल हॉस्टल इत्यादि बनवाये। आपके दो पुत्रियों से एक प्रपौत्र व दो प्रपौत्रियो का भरापूरा परिवार है। आप तोपदड़ा अजमेर में रहते है।

श्रीमती कमला देवी व्यास जन्मतिथि 1 जून 1929



पति स्व.श्री कन्हैयालाल व्यास के निधन के पश्चात् चार बेटो व एक बेटी को पढ़ाया व उनकी परवरिश कर शादी विवाह किया। आप एच. एम.टी पावर हाऊस ब्यावर रोड, अजमेर में रहती है।

श्री नाथूलाल जन्मतिथि 13.10.1927



आप के दो पुत्र,दो पुत्रियां, चार पौत्रियां व एक प्रपौत्र का भरापूरा परिवार है। आप भजनगंज अजमेर में निवास करते है।

पंडित कैलाश नारायण शर्मा जन्मतिथि 27.01.1924



आपने 50 साल नीति पत्र लेखन का कार्य किया। सावित्री स्कूल में व गौत्तम आश्रम में कमरे बनवाये। धार्मिक कार्यो में तन-मन व धन से सहयोग करते रहते है। आपके एक पुत्र,तीन पुत्रियां,चार पौत्री व 4 प्रपौत्र व चार प्रपौत्री का भरापूरा परिवार है। आप तोपदड़ा अजमेर में रहते है।

श्री कुंज बिहारी सिंह पालरिया जन्मतिथि 05.06.1929



आप से.नि. उपनिदेशक कृषि से है। से.नि. के पश्चात् हाईकोर्ट में वकालात की है। आर्यसमाज आदर्शनगर के प्रधान पद पर भी रहे। आर्यसमाज के नेच्यूरोपेथी अस्पताल में सेवायें देने के साथ समाज सेवा भी की है। आपके एक प्रोफेसर बेटा है व चार बेटियो का भरापूरा परिवार है। आप मेयो कॉलेज लिंक रोड अजमेर में रहते है।

श्री खेमचन्द्र चतुर्वेदी **जन्मतिथि 2 जनवरी 1929**



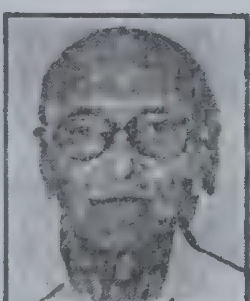
आप प्रधानाचार्य पद से 31 जनवरी 1984 को से.नि. हुए। आपका छः आध्यात्मिक पुस्तको का लेखन किया। जिनमें शाश्वत जीवन की व्याख्या,गीता अत्यधिक पापुलर है। आपके तीन पुत्र व एक पुत्री तथा चार पौत्र-पौत्री का भरापूरा परिवार है। आप कुन्दन नगर अजमेर में रहते है।

श्रीमती बुगली देवी **जन्मतिथि 01.01.1927**



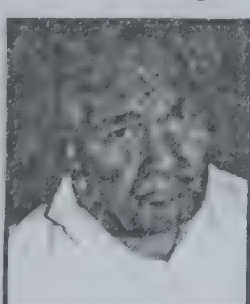
आपके पति स्व.श्री भोंरीलाल है। जिससे चार पुत्र, चार पुत्रियां,ग्यारह पौत्र,एक पौत्री,दो प्रपौत्र हुए।आपका अशोकनगर भट्टा नगरा अजमेर में निवास है।

श्री यू.तूकाराम **जन्मतिथि 26.10.1929**



आप धार्मिक प्रवृति के है।दो पुत्र,तीन पुत्रियां,एक पौत्र,छः पौत्री का परिवार है। आपका शक्तिनगर नाकामदार अजमेर में निवास है।

श्री मांगीलाल गुर्जर **जन्मतिथि 28.02.1915,**



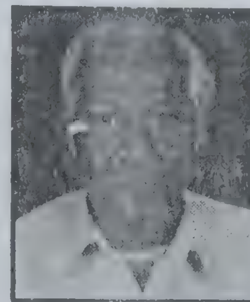
सात पुत्र,14 पौत्र,10 पौत्री,8 प्रपौत्री, 6 प्रपौत्री का परिवार है। आपका आनंदनगर अजमेर में निवास है।

श्रीमती मंगली बाई बैरवा **जन्मतिथि 13.01.1929**



आपके पति श्री नारायण है। जिनसे तीन पुत्र चार पुत्रियां, चार पौत्र ,दो पौत्री व एक प्रपोत्र का परिवार है। आप बैरवा बस्ती, सिन्धी तोपदड़ा अजमेर में रहती है।

श्री किशनलाल **जन्मतिथि 20.03.1927**



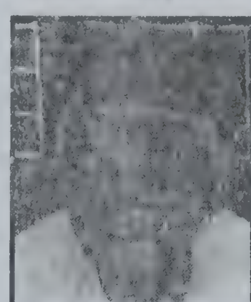
आपने 5वी. तक शिक्षा प्राप्त कर रेल्वे वर्कशॉप में नौकरी की MCF पद से से.नि. हुए। आपके आठ पुत्र चार पुत्रियां, पन्द्रह पौत्र व चार पौत्री, चार प्रपौत्र व एक प्रपौत्री का परिवार है। आपका आर्यनगर कुम्हार मौहल्ले अजमेर में निवास है।

श्रीमति लज्जावती **जन्मतिथि 27.12.1925**



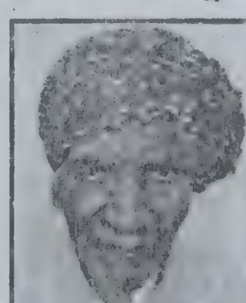
आपका 1947 में लाहौर पाकिस्तान से विस्थापित पति स्व.श्री विद्याप्रकाश से विवाह हुआ। आपके दो पुत्र ,तीन पुत्रियां,एक पौत्र,तीन पौत्री,एक प्रपौत्र चन्दवरदाईनगर अजमेर में निवास है।

श्री प्रसन्न कुमार जैन **जन्मतिथि 15.11.1927**



आपका ग्राम बीर (नसीराबाद) में जन्म हुआ।बचपन में माता-पिता का देहान्त से ताऊ जी के साथ ठेकदारी का व्यवसाय कर PWD में सप्लायर बने। चार पुत्र पांच,पौत्र,छः पौत्री, दो प्रपौत्र, चार प्रपौत्री का परिवार है। आपका जी-ब्लॉक माकड़वालीरोड़अजमेरमेंनिवासहै।

श्री भैरूबक्ष साहू **जन्मतिथि 01.09.1919**



आपके तीन पुत्र,तीन पुत्रियां,आठ पौत्र, एक पौत्री,दो प्रपौत्र,दस प्रपौत्री का परिवार है। आपका कृष्णगंज शिवमंदिर के पास अजमेर में निवास है।

श्रीमति भंवरीबाई **जन्मतिथि 01.01.1920**



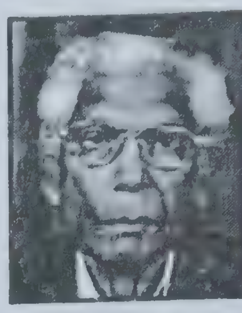
आपके पति स्व. बालूराम से 2 पुत्र,7 पौत्र,5 पौत्री,4 प्रपौत्र,2 प्रपौत्री का परिवार है। आपको भजन-गीत का शौक है। आपने स्वतंत्रता संग्राम की घटनाये देखी है। आपका कृष्ण मंदिर गली चूनाभट्टा रोड़ तोपदड़ा अजमेर में निवास है।

श्रीमती लाली कच्छावा जन्मतिथि 21.06.1925



आपके पति श्री किशनलाल कच्छवा ने गढ्ढी मालियान स्कूल 9 नम्बर पेट्रोल पम्प पर दो लाख में स्टेज निर्माण, कोचिंग संस्थान में कम्प्यूटर व 15000 का गऊशाला में दान दिया है। आपके 2 पुत्र,1 पुत्री 5 पौत्र,2 पौत्री,1 प्रपौत्र, 4 प्रपौत्री सिविल लाईन थाने के सामने जयपुर रोड अजमेर में निवास है।

श्रीलाल चंद दोसी जन्मतिथि 15.09.1929



आप 2 बार शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के कारण सम्मानित हुए तथा सचिव मा. शि. बो. रहते है। 11 M अहमदाबाद के तत्वाधान में प्रोजेक्ट लर्निंग व्याई डूईंग किया। आपके 1 पुत्र, 3 पुत्रियां दो पौत्री, 14 महावीर कॉलोनी पुष्कर रोड़ अजमेर है।

संस्था के एक प्रतिशत वरिष्ठतम आयुक्रम से सम्मानित सदस्यों का विवरण

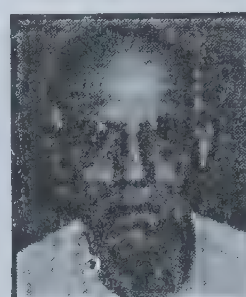
संस्था द्वारा सम्मानित 80 वर्ष की आयु से अधिक का संक्षिप्त विवरण

श्री बाबूलाल दोहरे जन्मतिथि 1.06.1939



आप रेलवे स्टेशन अधीक्षक के पद से विशिष्ठ सेवा करते हुए 31.05.1997 को सेवा निवृत्त हुए। आपकी पत्नी 11.02.2000 में हृदयगति रूकने से दिवंगत हुई। गत 19 वर्षो से समूह-13 के संयोजक पद पर विराजित है। आपके तीन पुत्र जिनमें से एक चिकित्सा क्षेत्र में है पुत्री शिक्षक संस्थान में है पौत्र बैंक प्रबन्धक व दूसरा गैर सरकारी संस्थान में तथा तीन पौत्र शिक्षणरत है। दो पौत्री शिक्षणरत, एक प्रपौत्री, दो दोहिती इंजिनियरिंग में है। आप संस्था के कर्मठ, सेवाभावी कर्त्तव्यपारायण जुझारू कार्यकर्त्ता के साथ-साथ समाज सेवी भी है। आपका तानाजी नगर अजमेर में निवास है।

श्री हरिशरण काम्बोज जन्मतिथि 19.05.1939



आपके तीन पुत्रो में से दो पुत्र है। चार पौत्र व एक पौत्री का भरापूरा परिवार है। धौलाभाटा अजमेर में निवास है।

श्रीमती मोन्द्रिरा दत्ता जन्मतिथि 11 अगस्त 1939



आपके अजमेर निवास पर स्वामी श्री विवेकानन्द जब उनका नाम नरेन्द्र दत्ता था प्रथम बार ठहरे थे। आपकी 200 वर्ष में से 8वी. पीढ़ी चल रही है। पिता श्री स्वतंत्रता को सैनानी ताम्रपत्र भी मिले है। आपके तीन पुत्रियां, तीन नाती व तीन नातिन का भरापूरा परिवार है। आप धौलाभाटा अजमेर में निवास है।

श्रीमती मधुगुप्ता जन्मतिथि 12.03.1939



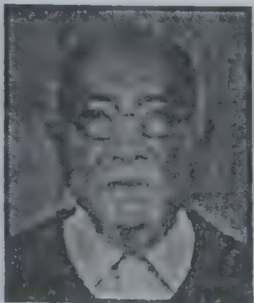
आपने जीवन की सभी चुनौतियों, कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए जीवटता का जीवन जिया। संस्था में सक्रियता से भाग लेकर, प्रबन्धन का कार्य किया। आपके तीन पुत्र व चार पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार है। आपका पंचशील नगर अजमेर में निवास है।

श्रीमती शान्तीदेवी बचलस जन्मतिथि 02.07.1939



आपके दो पुत्र एक पुत्री का भरापूरा परिवार है। आपके पति स्व. श्री सतीश बचलस ने संस्था क हित के लिये महत्वपूर्ण कार्य भी किये है। आपका धौलाभाटा अजमेर में निवास है।

श्री के. सी. पंत जन्मतिथि 6 अक्टूबर 1939



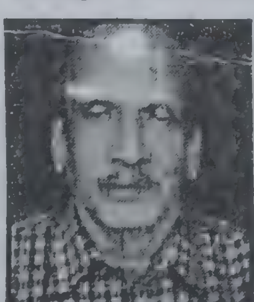
आप राज.सीनियर सैकण्डरी स्कूल अजमेर प्रिन्सीपल पद से से.नि. है। आपने इंग्लिश ग्रामर पर पुस्तक लिखी है। आप 1961 में हिन्दी कविता में प्रथम पुरूस्कार तथा 1966 में बाद्ययंत्र प्ले में ख्याति प्राप्त है। आपके एक पुत्र व दो पौत्र का भरापूरा परिवार है। धौलाभाटा हाऊसिंग बोर्ड अजमेर में निवास है।

श्री गौविन्द प्रसाद असावा जन्मतिथि 27 अगस्त 1939



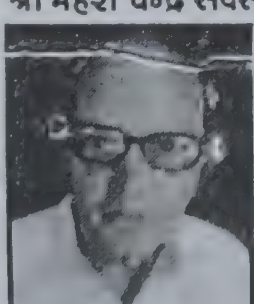
आप कृषि विपणन के संयुक्त निदेशक के पद से 31 अगस्त 1997 में 38 वर्ष सेवा देकर से.नि.हुए है। माहेश्वरी समाज की संस्थाओं में कार्यरत है। आपके दो पुत्र, तीन पुत्रियां, तीन पौत्र व एक पौत्री का भरापूरा परिवार है। नगीनाबाग अजमेर में निवास है।

श्री प्रहलाद लाल मालू जन्मतिथि 15.09.1939



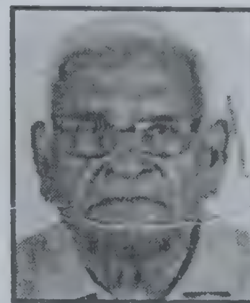
आपके एक पुत्र दो पुत्रियां, दो पौत्र व एक पौत्री का भरापूरा परिवार है। वैशाली नगर अजमेर में निवास है।

श्री महेश चन्द्र सक्सैना जन्मतिथि 07.12.1938



आपके दो पुत्रियों का भरापूरा परिवार है। नगीना बाग में निजी निवास में रहते है।

श्री भंवरलाल मूंदड़ा जन्मतिथि 02.05.1939



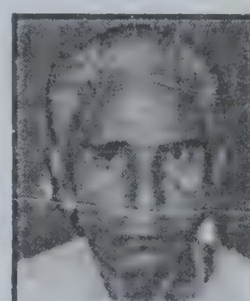
आप यू.को.बैंक में 40 वर्ष की सेवाएँ देकर 1999 में से.नि. हुए है। माहेश्वरी संस्थाओं के गरिमामय पदों को सुशोभित कर चुके है। दो पुत्र, दो पुत्रियां, तीन पौत्र व एक पौत्री का भरापूरा परिवार है। ब्लू केसर अजमेर में निवास है।

डा. हीरालाल मैसी जन्मतिथि 01.08.1939



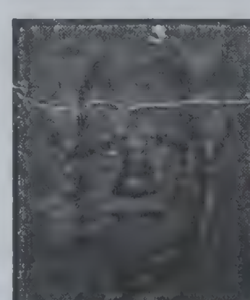
आपकी पत्नी का ओवरएज में नियुक्ति पाना तथा केमल सफारी ड्राईवरो को हेल्पकरना आश्चर्य में डालने वाला है। एक पुत्र दो पुत्रियां, एक पौत्र व एक पौत्री का भरापूरा परिवार है। आशागंज अजमेर में निवास है।

श्री सत्य प्रकाश शर्मा जन्मतिथि 08.07.1939



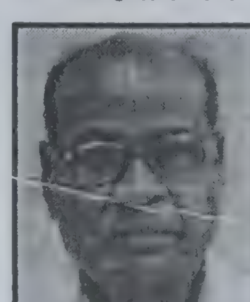
आपके दो पुत्र, दो पुत्रियां, एक पौत्र दो पौत्री, एक पौत्र व एक प्रपौत्री का भरापूरा परिवार है। आप आशागंज अजमेर में निवास है।

श्री हरी शंकर सारस्वत जन्मतिथि 4 नवम्बर 1937



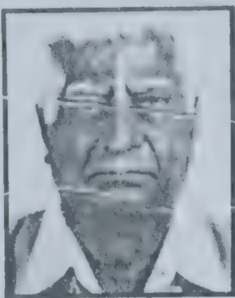
आप ट्रेन चालक से से.नि. है आपने एक बुढ़िया को पूरे ब्रेक लगाकर बचाने की घटना को अविस्मरणीय कहते है। एक पुत्र, चार पुत्रियां, एक पौत्र एक पौत्री व चार प्रपौत्री का भरापूरा परिवार है। हाऊसिंह बोर्ड धौलाभाटा अजमेर में निवास है।

श्री राधेश्याम गर्ग जन्मतिथि 29.10.1939



आप ईमानदार छवि से है आपका संघर्षमय जीवन रहा। एक पुत्र, चार पुत्रियां व दो पौत्री का भरापूरा परिवार है। दादाभाई कॉलोनी अजमेर में निवास है।

श्री लक्ष्मण मटाई जन्मतिथि 10.06.1939



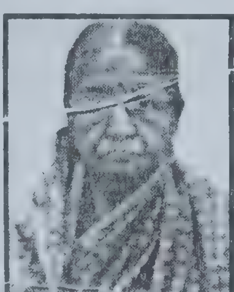
आप मेल ड्राईवर की 35 वर्ष सेवा देकर 30.06.1997 को से.नि. हुए। आपके दो पुत्र, तीन पुत्रियां, दो पौत्र व एक पौत्री का भरापूरा परिवार है। आशागंज अजमेर में निवास है।

श्री भीमसिंह गहलोत जन्मतिथि 17.08.1939



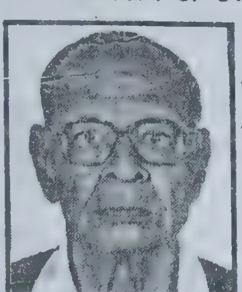
आपने अपनी स्व. पत्नी के तथा स्वयं के नाम से 21115 व 21000 हजार की राशि से बोर्ड तैयार करवाये। तीन पुत्र, दो पुत्रियो, चार पौत्र, दो पौत्री व दो प्रपौत्री का भरापूरा परिवार है। गद्दी मालियान अजमेर में निवास है।

श्रीमती आशा कटियार जन्मतिथि 05.07.1939



इनके पति श्री बी.एल कटियार रेल सेवा से निवृत्त है इनके तीन पुत्र, चार पौत्र व दो पौत्री है। धार्मिक, सामाजिक आदर्श गृहणी है। इनका निवास घूघरा हर्ष बिहार कॉलोनी जयपुर रोड अजमेर पर है।

श्री रामस्वरूप खण्डेलवाल जन्मतिथि 26.12.1938



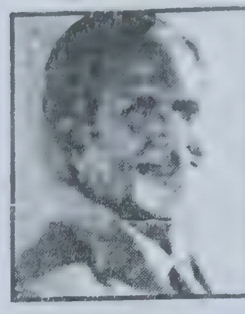
आपके एक पुत्र, पांच पुत्रियां, एक पौत्र है रामभवन किशनगढ़ कोठी जयपुर रोड़ अजमेर में निवास है।

श्री गोपाल मित्तल जन्मतिथि 14.11.1939



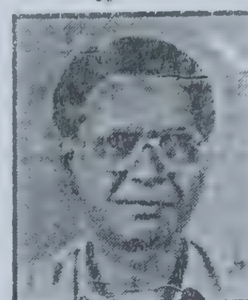
आपके एक पुत्र, तीन पुत्रियां, एक पौत्र है। आपका अवधपुरी जोन्सगंज अजमेर में निवास है।

श्री कुंज बिहारी जन्मतिथि 08.02.1940



आपके एक पुत्र, दो पुत्रियां, तीन पौत्री है बाद व DFCC की घटना से प्रभावित रहे है। आपका सुभाषनगर अजमेर में निवास है।

श्री बाबूलाल शर्मा जन्मतिथि 01.07.1939



आपके तीन पुत्र है। आपका शास्त्रीनगर अजमेर मे निवास है।

श्रीमती सुन्दर भार्गव जन्मतिथि 01.11.1939



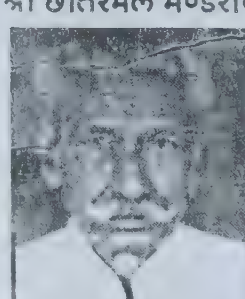
इनके पति स्व. श्री हरिशंकर भार्गव है। आप से.नि. शिक्षिका है। इनके दो पुत्र, दो पुत्रियां, एक पौत्र, एक पौत्री आपका शास्त्रीनगर अजमेर में निवास है।

श्री रामपाल सांखला जन्मतिथि 19.07.1938



आप जे.एल.एन अस्पताल से 1996 में से.नि. है। इनके दो पुत्र, तीन पुत्रियां, तीन पौत्र व एक पौत्री है। आपका भोपो का बाड़ा अजमेर में निवास है।

श्री छीतरमल मण्डरावलिया जन्मतिथि 10.08.1933



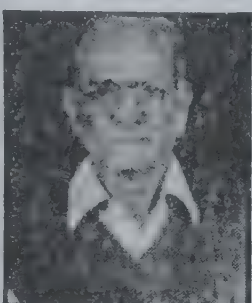
आपके तीन पुत्र, एक पुत्री, चार पौत्र है। आप चन्दरवरदायीनगर अजमेर में निवास करते है।

श्री कमल चन्द सिंघवी जन्मतिथि 17.06.1939



आप LIC से सेवा निवृत्त हैं। आपकी पत्नी शिक्षिका से से.नि. हैं। आपके एक पुत्र, चार पुत्रियां, दो पौत्र, पांच दोहिते, चार दोहितियां है। आपका अलवर गेट अजमेर में निवास है।

श्री बृजमोहन शर्मा जन्मतिथि 15.03.1938



आप रेल्वे वर्कशॉप से से.नि. है। आपके चार पुत्र में से दो ही जीवित है। आपके तीन पुत्रियां, पांच पौत्र, छः पौत्री का परिवार है। आपका भोपो का बाड़ा अजमेर में निवास है।

श्री जे.एन.माथुर जन्मतिथि 16 सितम्बर 1939



आप कमाण्डेंट पद से 1994 में सेवानिवृत हुये। पंजाब कश्मिर गुजरात नॉर्थ ईस्ट में उत्कृष्ठ सेवायें दी। 1971 में पाक युद्ध में भी भाग लिया। अनेक मेडल प्राप्त है। आपके दो पुत्रियां, दो दोहिती एक दोहिता है। आप वैशालीनगर अजमेर में निवास है।

श्री मानसिंह वर्मा 30.जन्मतिथि 04.12.1939



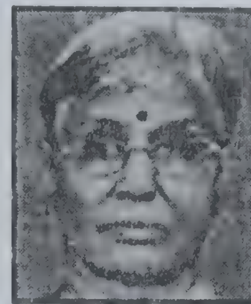
आप तहसीलदार के पद से से.नि. है। आपने अनेक पदो पर कार्य किया है। उत्कृष्ट सेवा हेतु गण्तंत्र दिवस पर सम्मानित भी हुये। आपके तीन पुत्रियां, एक पौत्र, एक पौत्री है आपका जीवन विहार वैशालीनगर अजमेर में निवास है।

श्रीमती शांता पंत जन्मतिथि 01.01.1940



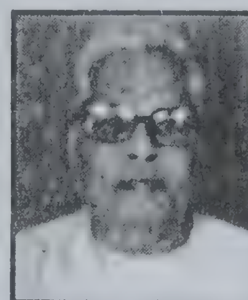
आपने श्री पूरनचंद पंत से विवाह किया। इनके तीन पुत्र, तीन पौत्र, एक पौत्री है। आपको भजन कीर्तन का शौक है। आपका राम विहार वैशालीनगर अजमेर में निवास है।

श्रीमति सत्या यादव जन्मतिथि 01.11.1939



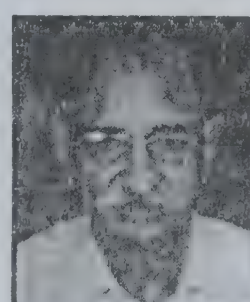
आपके पति श्री गजसिंह यादव है। आपके तीन पुत्र, एक पुत्री है। आपका सम्पन्न परिवार है। आपका निवास मुकुल यादव मार्ग कुन्दननगर अजमेर में है।

श्री बद्री प्रसाद अग्रवाल जन्मतिथि 15.10.1939



आप कर्म को श्रेष्ठ मानते है। आपके पांच पुत्रियां शिक्षा व समाज सेवा में है। आप सूर्य नगरी पुष्कर रोड अजमेर में निवास है।

श्री मदन लाल बाफना जन्मतिथि 05.08.1939



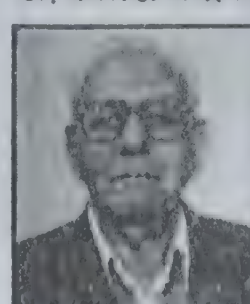
आप राज.शिक्षा विभाग से से.नि.है तथा रेनी क्रर पद्धति के चिकित्सक, भी है। आपको अनेक सम्मानित पदो का अनुभव है। आपके तीन पुत्र एक पुत्री, तीन पौत्र, तीन पौत्री, दो प्रपौत्र है। आप हरिभाऊ उपाध्याय नगर अजमेर में निवास है।

श्री जगमाल सिंह यादव जन्मतिथि 05.01.1940



आप थानेदार पद से से.नि. है। आपके एक पुत्र, एक पुत्री है। आपको उत्कृष्ट सेवाके लिये सम्मानित किया गया है। आप नामचीन शख्सियत है। आपका मानसरोवर कॉलोनी रामनगर अजमेर में निवास है।

डा. कैलाश चन्द्र त्रिपाठी जन्मतिथि 01.09.1939



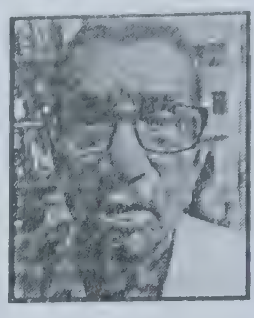
आप हिन्दी संस्कृत के उच्च विद्वान, है। आपके दो पुत्र, एक पुत्री, एक पौत्र एक पौत्री है। आपका बी.के कॉल नगर अजमेर में निवास है।

श्री सुरेन्द्र नारायन मेहरा जन्मतिथि 09.02.1940



आपके दो पुत्र, एक पौत्र, दो पौत्री का भरापूरा परिवार है। आपका श्यामगली हाथीभाटा अजमेर में निवास है।

डॉ. हरिदास गुप्ता जन्मतिथि 14.06.1939



आपकी मध्यप्रदेश में शिक्षा हुई। आपने रेलवे में डॉक्टर अधिक्षक पद से से .नि. हुयें। अपके दो पुत्र,एक पुत्री, दो पौत्री है। आप सिविल लाईन्स अजमेर में रहते है।

श्री मदन लाल रवि जन्मतिथि 23.02.1940



आप 20 वर्ष से समूह 12 के संयोजक है। आपके दो पुत्र, एक पुत्री,दो पौत्री, एक प्रपौत्री, एक प्रपौत्र का भरापूरा परिवार है। आपका निवास आदर्शनगर अजमेर में है।

श्री सोहनलाल भारती जन्मतिथि 15.05.1940



आप शारीरिक शिक्षक के पद से 2000 में से.नि.,हुये। तथा कब्बड्डी कोच 1970,1971 में बनें एवं इन्दौर शिल्ड लेकर आये। आपने 1972 में हैदराबाद शिल्ड कब्बड्डी में अर्न्तराष्ट्रीय नेतृत्व किया। 1984 में राज.मा.शि.बो. से सम्मानित, हुये। कांग्रेस से पार्षद 1990 से 1995 तक रहे। आपके दो पुत्र, तीन पौत्र एक पौत्री का परिवार है। आपका निवास अशोक नगर भट्टा अजमेर में है।

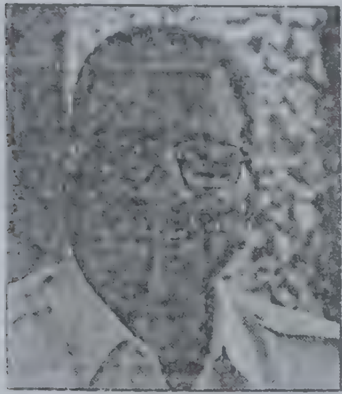
श्री रामचन्द्र बंसल जन्मतिथि 04,06.1939



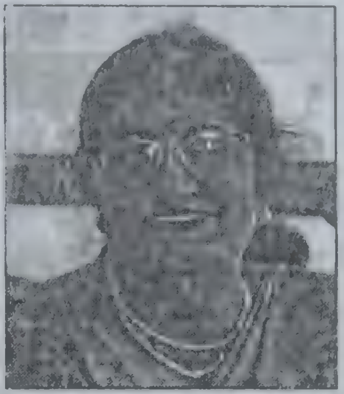
आप राज.सेवा से से.निवृत्त है। आपके एक पुत्र,दो पुत्रियां है। आपका हरिभाऊ उपाध्याय (मुख्य) अजमेर में निवास है।



वार्षिक पिकनिक एवं भ्रमण
24.07.2019



श्री के. के. गौड़



श्रीमती प्रेरणा गौड़

सीनियर सिटीजन सोसायटी की भ्रमण एवं पिकनिक पद्मिनी रिसोर्ट माखूपुरा अजमेर में आयोजित की गई। संस्था के सभी सदस्य लगभग प्रातः 9 बजे तक रिसोर्ट पर पहुंच गये थे। आगमन पर उन्हें चाय एवं बिस्कुट का नाश्ता कराया गया। तत्पश्चात् सदस्यों ने सर्वप्रथम स्लाइडों का आनन्द लिया, द्वितीय चरण में रेन डांस एवं पूल में कूदकर, तृतीय चरण में वेव पूल में जल क्रीड़ा का आनन्द लिया। उसके पश्चात् अल्पाहार लेकर सदस्य वातानूकूलित हॉल में उपस्थित हुए। सभी सदस्यों ने खड़े होकर ईश वन्दना, हास्यासन एवं तालीवादन किया। कार्यक्रम के मध्य में पदाधिकारियों द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रीमती स्नेहलता मंगल ने "कानुड़ा थारी बांसुरी की तान", श्री जयदेव सांखला द्वारा " मैं एक राजा हूँ तू एक रानी हैं", श्रीमती शारदा जिन्दल " मैं स्त्री हूँ" ,डॉ.एस.एन. महेश्वरी "नेत्रदान कर गया संघर्ष ही जीवन हैं", डॉ.एन.के.माथुर " रहा गर्दिशों मे हरदम ", श्री छीतरमल प्रजापति "थाली भरकर लायो रे खिचड़ो", श्रीमती मनोहर विजय "भोले कर दो दया की एक नजर", डॉ.जी.डी.शर्मा " ऐ मेरे वतन के लोगों ", डॉ. श्रीमती पुष्पा क्षेत्रपाल "हारे रे रिटायर जब से हुए हैं", श्री महेश जोशी "मिले न फूल तो काँटो से दोस्ती कर ली" श्री शिव चरण शर्मा एवं श्रीमती मधुलिका शर्मा ने "सारा प्यार तुम्हारा मैंने बाँध लिया हैं आँचल में" की प्रस्तुति दी। श्री देवेन्द कुमार ने देश भक्ति पर एवं श्री सोहनलाल सोलंकी ने फिल्मी गीत प्रस्तुत किया। श्री चिरंजीलाल शर्मा ने हरयाणवी चुटकले सुनाये। संस्था के समूह संख्या18 धोला भाटा के द्वारा " श्री राधे राधे बरसाने वाली राधे ", पर सामूहिक नृत्यपेश किया। श्रीमती पुष्पा कच्छावा ने अपने सहयोगी के साथ "पीली लुगड़ी का झाला" पर नृत्य प्रस्तुत किया। संस्था अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल ने समूह संख्या 20 के सदस्य श्री मुकेश भार्गव, जो आबकारी अधिकारी से संवानिवृत्त हुए, उनके द्वारा मुकदमें जीतने पर लिखी गई पुस्तिका का परिचय देते हुए बधाई प्रेषित की गई।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार की प्रश्नोत्तरी/तत्काल सवाल -जबाब/आओ पाओ, ले जाओ जैसे खेल खिलाये गये जिसमें शारदा कंवल, आशा गुप्ता, श्री नटवर लाल, श्रीमती पुष्पा जयसवाल श्रीमती राधिका अग्रवाल, श्रीमती किरण विजय इत्यादि को पुरूस्कार वितरण किये गये। संस्था द्वारा लक्की नं. गेम एवं नि:शुल्क हाऊजी का गेम खिलाकर विजेताओं को पारितोषिक दिये गये।

संस्था अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल ने सभा को अवगत कराया कि हलवाई व्यवस्था को दुरूस्त करने के प्रयास में सांस्कृतिक कार्यक्रम विलम्ब से शुरू किया जा सका। जिसके लिए अध्यक्ष महोदय ने व्यक्तिगत रूप से होने वाली असुविधा के लिए खेद प्रकट किया। इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय ने आगामी कार्यक्रम 1 अक्टूबर को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन सम्मान समारोह के लिए सभा को अवगत कराया कि संस्था के 1 प्रतिशत सदस्य अर्थात 45 सदस्य एवं 90 वर्ष से अधिक शहर में किसी भी जाति एवं धर्म का पुरूष या महिला हो, जिनका पूर्व में सम्मान नहीं हुआ हो का सम्मान किया जायेगा।

इसके साथ ही यह भी निवेदन किया कि पूर्व की भांति इस आयोजन हेतु जिस प्रकार से आप सहयोग प्रदान करते आए उसी प्रकार से इस बार भी भामाशाह बनकर सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही यह भी निवेदन किया कि संस्था की स्मारिका शीघ्र ही प्रकाशित होने जा रही हैं। अतः इसके लिए आप अपने प्रतिष्ठान का विज्ञापन या अन्य किसी परिवारजन को श्रृद्धाजंलि देकर संस्था को आर्थिक सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त स्वरचित कविता लेख, भजन आदि अपने समूह संयोजक के माध्यम से भिजवाने का कष्ट करेंगे। अतं में संस्था महासचिव श्री जे.पी. शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया और राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा हुई उसके कुशल संचालन के लिए संस्था की महिला उपाध्यक्ष श्रीमती प्रेरणा गौड़ एवं समूह 18 के संयोजक श्री के.के.गौड़ बधाई के पात्र है। तदर्थ आभार।

पिकनिक भ्रमण एंव मनोरंजन 2018

सीनियर सिटीजन सोसायटी का पिकनिक-भ्रमण एवं मनोरंजन कार्यक्रम दिनांक 29. जुलाई 2018, रविवार को परबतपुरा बाईपास पर स्थित बिरला सिटी वाटर, पार्क अजमेर में संस्था अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 9-10 बजे तक चाय नाश्ता तत्पश्चात् सदस्यों ने जल क्रीड़ा व स्नान आनन्द 11.45 से 12 बजे तक लिया। द्वितीय नाश्ते पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम 3.00 बजे तक होना था। उसी क्रम में सभी सदस्यों ने सभा स्थल पर मनोरंजन कार्यक्रम हेतु अपना स्थान ग्रहण किया। महासचिव श्री चिरंजीलाल शर्मा ने अधिशाषी परिषद के पदाधिकारियों को मंचासीन कराते हुए सरस्वती माता के चित्र पर संस्था के पदाधिकारियों के द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन करवाया एवं ईश वन्दना, समवेत स्वर में श्रीमती गौतम कुसुम, श्रीमती राधिका अग्रवाल, श्रीमति मंजू महेश्वरी, श्रीमति कौशल्या अग्रवाल एवं श्रीमति मंजू शर्मा द्वारा की गई। श्रीमति कुसुम गौतम द्वारा ओम ध्वनि का उच्चारण कराकर उसकी महतत्ता एवं प्रक्रिया से अवगत कराया। श्री लज्जा शंकर गोयल द्वारा हास्यासन एवं 20 बार ताली वादन करवाया गया।

संस्था अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल ने सभा में उपस्थित सभी सदस्यों का, अधिशाषी परिषद के पदाधिकारियों वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री जे.पी. शर्मा, महिला उपाध्यक्ष श्रीमती कुसुम गौतम, महासचिव श्री चिरंजीलाल शर्मा, सचिव प्रशासन श्री वी.पी.कपूर, सचिव वित्त श्री बलबीर सिंह गहलोत, महिला सदस्य श्रीमती राधिका अग्रवाल, श्रीमती मंजू महेश्वरी अधिशाषी परिषद के समस्त सदस्य यथा समूह संयोजकगण, स्नेहमही माताएँ एवं बहनों का हृदय से स्वागत करते हुए अभिवादन किया गया।

संस्था अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में आयोजकों का सुन्दर एवं व्यवस्थित कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए आभार व्यक्त किया। स्मारिका के प्रकाशन की विस्तृत चर्चा करते हुए सदस्यों से निवेदन किया गया प्रकाशित होने वाली स्मारिका में अपने दुकान, फर्म, प्रतिष्ठान का या अपने पूर्वजों को श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुए किसी न किसी रूप में विज्ञापन देकर सहयोग प्रदान करें। भूमि एवं भवन से संबंधित जानकारी में अवगत कराया कि भीलवाड़ा की तर्ज पर वरिष्ठ नागरिक भवन बनाने हेतु राजस्थान वरिष्ठ नागरिक बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष श्री प्रेम नारायण जी गालव से प्रार्थना कर फाईल को आगे बढ़ाया गया है। इसके साथ-साथ ही यह भी प्रयास किया गया है कि पुलिस लाईन अथवा पुष्कर रोड विश्राम स्थली के पास स्थित सामुदायिक विकास भवन पर एक हॉल बनाकर दिया जाए जिससे संस्था की गतिविधियों का संचालन किया जा सके। इसके अतिरिक्त यह भी प्रयास किया गया है कि अजमेर विकास प्राधिकरण के निर्धारित प्रारूप में 1000 गज के लिए भूमि के लिए निवेदन किया गया है।

एक अक्टूबर को वृद्धजन सम्मान समारोह में संस्था के वरिष्ठतम सदस्य एवं शहर के 90 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग किसी भी वर्ग के या किसी भी जाति, धर्म के हों सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा। इस हेतु उपस्थित सदस्यों को जानकारी प्रदान करते हुए निवेदन किया कि सभी सदस्य प्रयास करके अपने आस-पास कोई 90 वर्ष के आयु वाले हो तो ध्यान रखकर सम्मानित करायें। अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्‌बोधन में कुछ समूह संयोजकों का धन्यवाद भी ज्ञापित किया कि उनके द्वारा संस्था के कार्यो के अतिरिक्त कुछ अन्य कार्य भी किये जा रहे हैं, जैसे समूह संख्या 2 द्वारा गौ शाला को चारा उपलब्ध कराना, समूह संख्या 12 द्वारा रोडवेज बस स्टेण्ड, आदर्श नगर अजमेर पर प्याऊ का संचालन करना, समूह संख्या 16 द्वारा गरीब बच्चों को भोजन एवं स्टेशनरी की व्यवस्था तथा समूह संख्या 17 द्वारा वृद्धाश्रम से सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। साथ ही साथ सभी को अवगत कराया गया कि संस्था के लेखे व्यापारिक पद्धति पर संधारित किये जाते हैं। 31 मार्च 2018 के लेखे बनाकर आंतरिक अंकेषक सुश्री संतोष शर्मा द्वारा आतंरिक अंकेषण करवाकर श्री महेश गर्ग चार्टेर्ड अकाउटेंट द्वारा सामयिक अंकेषण कराकर आयकर विभाग में रिर्टन दाखिल की जा चुकी है। मनोरंजन कार्यक्रम के प्रारम्भ में बिरला सिटी वाटर पार्क के निदेशक श्री पवन जैन ने भजन प्रस्तुत किया जिसके बोल थे ''भला किसी का कर न सको तो बुरा किसी का मत करना'', इसके साथ ही फिल्मी गीत ''जो तुम को हो पसन्द वही बात कहेंगे'', ''जान का मारा वापस आ ही सकता अहसान का मारा सिर उठा न पायेगा'' प्रस्तुत किया। श्री जैन का संस्था के अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया एवं स्मृत्ति चिन्ह भेंट किया। खेलकूद एवं मनोरंजन कार्यक्रम के संयोजक श्री के. के. गौड एवं श्रीमती प्रेरणा गौड़ ने सर्वप्रथम संस्था के युगल वरिष्ठ नागरिकों को उनके बीच गुब्बारे को रखकर नृत्य करवाया। जिसमें विजेता श्री सुरेश अग्रवाल एवं श्रीमती राधिका अग्रवाल, श्री रतन लाल ऐरन एवं श्रीमती कृष्णा अग्रवाल, श्री जे. पी. शर्मा एवं श्रीमती मंजू शर्मा, श्री जे. एस. राजावत एवं श्रीमती राजावत, श्री आर. सी. माहेश्वरी एवं श्रीमती मंजू माहेश्वरी आदि विजयी रहे जिन्हें पुरूस्कार दिया। पति को पत्नी द्वारा शॉपिंग लिस्ट में लिखने की शीघ्रता से संबंधित खेल खिलवाया। जिंसके विजेता श्री अनिल अग्रवाल-श्रीमती पुष्पा अग्रवाल एवं श्री सुरेश अग्रवाल एवं श्रीमती राधिका अग्रवाल रहे जिन्हें पुरूस्कार दिया गया। वरिष्ठ नागरिक महिलाओं द्वारा आँखो पर पट्टी बांधकर सलमान खान के चित्र पर मूंछे लगाना खेल खेला गया। इसी प्रकार वरिष्ठ नागरिक पुरूषों के द्वारा आँखो पर पट्टी बांधकर रानी मुखर्जी अभिनेत्री के चित्र पर बिंदी लगाकर खेल खिलवाया गया। साथ ही एक और मनोरंजन खेल आओ-पाओ-ले जाओ खेल भी खिलाया गया। जिसे सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आनन्द उठाया। मनोरंजन की कडी में श्रीचिंरजीलाल शर्मा ने घोडे पर, श्री जे.पी. शर्मा ने हास्य कविता ''मुसाफिर झुका हुआ बैठा है'', श्री रतनलाल ऐरन ने वर्तमान परिपेक्ष्य में कविता पाठ, श्री रामस्वरूप शर्मा ने ''जानकी नाथ साथ हो तो कौन बिगाडे काम'', डॉ. जे. डी. शर्मा ने ''ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आँख में भर लो पानी'', डॉ. वीर रत्न आर्य ने पदमिनी व खिलजी पर जानकारी प्रदान की। श्री ओ. पी. पीपल ने बहू, दामाद और तरबूज कैसे निकले पता नही। श्रीमती कुसुम गौतम ने ''आगे भी जाने न तू पीछे भी जाने ना तू'' गजल पेश की। श्री रामकरण राम ने ''चौदवी का चांद हो या आफताब हो'' गाना पेश किया, श्री जयदेव सांखला ने ''पत्ती गुलाब हो जाती है'', श्री रतनलाल ऐरन ने कविता, श्री लज्जा शंकर गोयल ने ''जिन्हे नाँज हैं हिन्द पर वो कहा है'' प्यासा फिल्म का गीत प्रस्तुत किया, श्री राजेन्द्र स्वरूप शर्मा ने रोडवेज टिकट पर व्यंग्य प्रस्तुत किया। सभी को महासचिव श्री चिंरजीलाल शर्मा, श्री जे. पी. शर्मा, श्री वी. पी. कपूर, श्री बलवीर सिंह गहलोत द्वारा पुरूस्कार वितरण किया गया। डॉ. जे.डी.शर्मा को भावभीनी प्रस्तुति के लिये सभा में खड़े होकर सम्मानित किया गया।

समय अभाव के कारण हाऊजी एवं 80 वर्ष से अधिक बुजुर्गो को सदस्यों द्वारा रथ में बैठाकर भ्रमण कराने का निर्धारित कार्यक्रम नहीं हो सके।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह 2019

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर का दीपावली स्नेह मिलन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम संस्था के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल की अध्यक्षता में जनकपुरी गंज, अजमेर में दिनांक 06.11.2019, बुधवार को प्रातः 9.30 बजे से आयोजित किया गया। सर्वप्रथम डॉ. के.एम. लवाणिया एवं श्री यतीश झा ने हारमोनियम व ढोलक पर गणेश वन्दना, सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना श्रीमती गीता रवि, श्रीमती प्रभारानी शर्मा, श्रीमती गीता तिवारी द्वारा प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात् संस्था के पदाधिकारियों संस्था अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री चिरंजीलाल शर्मा, महिला उपाध्यक्ष श्रीमती प्रेरणा गौड़, महासचिव श्री जे.पी.शर्मा, सचिव वित्त बलबीर सिंह गहलोत, सचिव प्रशासन श्री सुनील सक्सेना, सचिव विकास श्री जयदेव सांखला, महिला सदस्य श्रीमती मंजू महेश्वरी द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलन किया गया। श्री लज्जा शंकर गोयल ने ओउम का उच्चारण ताली वादन एवं हास्यासन कराया गया।

संस्था अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में समारोह में उपस्थित अधिशाषी परिषद के पदाधिकारीगण, अधिशाषी परिषद के सदस्य (समूह संयोजक) संस्था के सभी सम्मानीय सदस्य, स्नेहमयी माताओं एवं बहनों को नमन करते हुए अभिवादन किया। सभी को दीपावली शुभकामनाएँ एवं मंगलकामनाएँ प्रेषित की। श्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में संस्था की गतिविधियों का वर्णन किया।

अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम के भोजन संयोजक श्री चिरंजीलाल शर्मा, श्री जे.पी.शर्मा, श्री सुनील सक्सेना, श्री बलवीर सिंह गहलोत, श्री जयदेव सांखला, सांस्कृतिक कार्यक्रम के संयोजक श्री के.के. गोड़, श्रीमती प्रेरणा गौड़ एवं श्री जयदेव सांखला को सफल बनाने में किये गये प्रयासों के रास्तेलिए धन्यवाद देते हुए सभी सदस्यों से निवेदन किया कि वे अपना योगदान देकर कार्यक्रम को सफल बनाकर आयोजकों का मनोबल बनाये रखे। श्री यतीश झा एवं डॉ. लवाणिया को उनके साज सज्जा के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रीमती उमा शर्मा ने मुसीबत में शरीफों की शराफत कम नही होती गजल पेश की, श्री विजय कुमार जोशी ने फिल्मी गीत यू बेकार कर के हमें भूल न जाइये आपको हमारी कसम लौट आइये, श्री जयदेव सांखला ने उड-उड रे म्हारा काला रे कागला जद म्हारो पीर जी आसी, श्रीमती बीना रानी ने तुम हो गोकूल का नन्दलाला मै जाटनी हरियाणा की, श्री लक्ष्मी नारायण भारती ने यह इक वो भी दिवाली थी ओर एक ये भी दीवाली है उजडा हुआ गुलशन है रोता हुआ माली है, श्री चिरंजीलाल शर्मा ने शव यात्रा पर हास्य व्यंग खम्बा बचा करके खम्बा बचा करके, श्रीमती कृष्णा जैन ने अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो दर पर सुदामा गरीबा आ गया है, श्री कैलाश जोशी ने या खुदा अब तो दिल में तमन्ना ही नही याद रखता हूँ तुम्हें भूल सकता है मेरा दिल, श्रीमती छाया गर्ग एवं पार्टी ने आज तुलसाजी की पूजा हमारे अंगना पूजा में गणपति जी आये, शंकर जी आये गौरी भी आये आकर ठुमके बजाए हमारे अंगना सामूहिक गीत, श्री जे.पी.शर्मा ने लक्ष्मी संवाद पर मेरी सारी पीडा छीन लो की प्रस्तुती दी, श्रीमती मधुलिका शर्मा ने मुझको अपने गले लगा लो ऐ मेरे हमराही तुमको क्या बतलाओं मुझे तुमसे कितना प्यार है, श्री एवं श्रीमती ब्रज सिंह ने हम तुम युग-युग गीत मिलन के गीत गाते रहेंगे जब -जब हमने जीवन पाया, श्री भंवर लाल गोयल ने जगमग दीपल झलमल उठे चहुं ओर फेली उजियाली नई उमंगे फिर से जाग उठी आयी दीवाली आयी दीवाली कविता, श्रीमती कुमुद भटनागर ने मेरे वाइफ के भैया कब तक जायेगा तू यहा पड़ा कब तक खायेगा तू चले जा चले जा पैराडी, श्री तेज सिंह कच्छावा ने चलते चलते

रास्ते में दिल भटक गया ना जाने किसकी जुल्फो में अटक गया, डॉ.एन.के.माथुर ने चाहूंगा मैं तुझे सांज सवेरे नाम को तेरे आवाज नहीं दूंगा देख मुझे सब है पता सुनता है तू मन की सदा, श्रीमती पुष्पा क्षेत्रपाल ने छोड़ो पढ़ाई, पकड़ों कढ़ाई मिलकर तलो पकौड़ा, श्री एम.एल.बारिया उस सरहद को कोई छू नहीं सकता वक्त आने पर बता देंगे हमारे दिल में क्या है, श्री दिनेश गोयल ने आत्मा व परमात्मा को जोडने के लिए गायत्री मंत्र का जाप करो सब बंधन दूर हो जायेगे गीत प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में अनेक प्रकार के प्रश्नोत्तरी-कार्यक्रम में सवाल-जबाव के हीरे-मोती की लड़ियों को इस अन्दाज में पिरोया कि अधिक से अधिक संस्था सदस्य जुड़ सके। उनका ब्रेन नई ऊर्जा, याददाश्त के मेमोरी ट्रेक पर लौट सके। उत्साह, एनर्जेटिक अनुभव कर सके। इस प्रोग्राम का उद्देश्य स्थिति, परिस्थिति ओर आस-पास की घटना से वाकिफ तैयार करना है, जिन्होंने भी भाग लिया उन्हें विजेता घोषित कर उसी समय पुरूस्कृत किया गया।

कार्यक्रम का संचालन श्री के.के.गौड़ , श्रीमती प्रेरणा गौड़ एवं श्री जे.पी.शर्मा ने किया, भोजन व्यवस्था श्री जयदेव सांखला, श्री रतनलाल ऐरन एवं श्री जे.पी.शर्मा, श्री चिरंजीलाल शर्मा, श्री सुनील सक्सेना, श्री बलबीर सिंह गहलोत एवं कमाण्डर जे.एस. राजावत द्वारा किया गया। सभी को टेबल कुर्सी पर बैठाकर स्वादिष्ट भोजन परोसा गया।

संस्था के महासचिव श्री शर्मा के अनुसार मंच की व्यवस्था श्री जयदेव सांखला, श्रीमती मंजू महेश्वरी द्वारा की गई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत, कविता, भजन, नृत्य आदि प्रस्तुत किये गये। प्रश्नोत्तरी जैसे खेल व हाऊजी का खेल भी खिलाया गया जिसमें विजेताओं को तत्काल पुरूस्कार वितरित किये गये।

सेमिनार का आयोजन योग से आनन्दमय जीवन

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर तथा विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी "योग से आनन्दमय जीवन" पर एक कार्यशाला का आयोजन राणा प्रताप सामुदायिक भवन, धोलाभाटा में सोमवार 25.11.19 दोपहर 3 बजे 6 बजे तक 96 सदस्यों की उपस्थिति में हुई।

सेमिनार में मुख्य वक्ता श्री दीपक खैरे थे। धोलाभाटा के नजदीकी समूह संयोजक कार्यशाला के निवेदक थे। जिनमें से श्री सुरेश अग्रवाल, श्रीमती प्रेरणा गौड स्वयं व 22 महिला सदस्य, श्री के.के. गौड स्वयं व 52 सदस्य समूह 18 के, श्री कृष्ण शर्मा स्वयं व 2 सदस्य समूह 14 के, श्री राजेन्द्र शिवहरे स्वयं व 5 सदस्य समूह 20 के, श्री मुरारीलाल समूह 15 से एवं श्री भगवानदास समूह 9 से उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण कार्यक्रम समूह 18 द्वारा प्रायोजित था तथा संयोजक ने सभा का संचालन किया और उपस्थित निवदेको को सम्मानित किया। अन्त में चाय व बिस्कीट के अल्पाहार के बाद कार्यशाला का विसर्जन हुआ।

के. के. गौड़

दीपावली स्नेह मिलन समारोह 2018

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर का दीपावली स्नेह मिलन समारोह संस्था के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल की अध्यक्षता में मणिपुंज सेवा संस्थान में दिनांक 25 नवम्बर 2018 रविवार को प्रात:9.30 बजे से आयोजित किया गया। सर्वप्रथम डॉ. के. एम.लवानिया एवं श्री यतीश झा ने हार्मोनियम एवं ढोलक पर गणेश वन्दना, सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की तत्पश्चात् संस्था के पदाधिकारियो द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलन किया गया एवं 51 दीपों से लक्ष्मी माता की आरती की गई। ईश वन्दना श्रीमती कुसुम गौतम, श्रीमती मंजू महेश्वरी, श्रीमती गीता रवि, श्रीमती गीता तिवारी, प्रभारानी शर्मा द्वारा समारोह में उपस्थित सभी सदस्यों के साथ की गई। श्रीमती कुसुम गौतम ने ओम् उच्चारण, हास्यासन एवं तालीवादन कराया। लक्ष्मी माता घर में पधारों लक्ष्मी मैया समवेद, स्वरों में श्रीमती कुसुम गौतम, श्रीमती गीता रवि, श्रीमती गीता तिवारी, प्रभारानी शर्मा एवं श्री.जे.सी. शर्मा द्वारा की प्रस्तुति दी गई।

अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने समारोह में उपस्थित संस्था के पदाधिकारिगण श्री जे.पी. शर्मा-वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्रीमती कुसुम गौतम- महिला उपाध्यक्ष, श्री चिरंजीलाल शर्मा-महासचिव, श्री वी.पी.कपूर सचिव प्रशासन, श्री सुनील सक्सेना-सचिव विकास, श्रीमती मंजू माहेश्वरी- महिला सदस्य, कार्यकारिणी के सदस्य/ समस्त समूह संयोजक, सभी गणमान्य सम्मानीय सदस्य, स्नेहमयी माता-बहनों व अतिथियों को नमन करते हुए हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया एवं इसके साथ ही सभी को दीपावली की शुभकामनाएं व मंगलकामनाएं प्रेषित की। अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्‌बोधन में इस बात की पीड़ा व्यक्त की कि संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सदस्यों की संख्या आशातीत उपस्थिति नहीं होने से कार्यक्रमों के आयोजकों का उत्साह कम होता है, साथ ही मनोबल भी गिरता है। अध्यक्ष महोदय का मुख्य कारण या आशय इस ओर भी था कि संस्था की गतिविधियां संस्था के सदस्यों तक पहुंचाना समूह संयोजकों का एक सशक्त कड़ी के रूप में माध्यम होता है। जो वर्तमान में कुछ समूह संयोजकों द्वारा पूर्ण रूप से निभाया नहीं जा रहा है। वस्तु स्थिति यह भी है कि कुछ समूह संयोजक अपनी समूह की मासिक सभा मे संस्था के कार्यो से सदस्यों को अवगत नहीं कराते। इसके अतिरिक्त कुछ समूह संयोजक तो अधिशाषी परिषद की सभाओं में भी भाग नहीं लेते। अत: इस दिशा में सभी को मिलजुल कर सकारात्मक पहल करनी होगी इसी के साथ उपस्थित सभी सदस्यों को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आभार व्यक्त किया।

अध्यक्ष ने अपने उद्‌बोधन में कार्यक्रम के भोजन संयोजक श्री सुनील सक्सेना, सांस्कृतिक कार्यक्रम के संयोजक श्री के.के. गोड, श्रीमती प्रेरणा गौड़ एवं उनके टीम को इस समारोह को सफल बनाने में किए गए प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हुए सभी से निवेदन किया कि शांतिपूर्वक योगदान देकर कार्यक्रम को सफल बनाकर आयोजकों का मनोबल बनाये रखें। आज के कार्यक्रम में संस्था को संस्था सदस्यों द्वारा किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान किया है उनका भी सम्मान किया जायेगा। समारोह में मणिपुंज सेवा संस्थान की दानदाता श्रीमती प्रेमलता जैन का अध्यक्ष द्वारा शॉल उढ़ाकर एवं श्रीमती कुसुम गौतम द्वारा माल्यार्पण किया गया तथा अध्यक्ष महोदय ने श्रीमती प्रेमलता जैन के अभिनन्दन पत्र का वाचन कर उन्हें भेंट किया श्रीमती जैन का श्री जे.पी.विजय एवं श्रीमती मनोहर विजय ने स्वयं की ओर से शॉल उढ़ाकर सम्मानित किया एवं मणिपुंज सेवा संस्थान को ग्यारह हजार रूपये की राशि सहयोग दिये जाने हेतु घोषणा करी।

संस्था के समूह संख्या 20 की सदस्य श्रीमती चन्दर ऐबट द्वारा अपने पति स्व. श्री सुभाष चन्द ऐबट, भूतपूर्व नौ सेना, अधिकारी की पुण्य तिथि दिनांक 17.08.2018 पर शव रखने हेतु डीप फ्रिजर जन सेवार्थ आदर्श शमशान गृह, नाका मदार अजमेर को भेंट किया जिसके लिए श्रीमती कुसुम गौतम द्वारा माल्यार्पण कर शॉल उढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस पुनित कार्य के लिए श्रीमती प्रेमलता जैन ने श्रीमती चन्दर ऐबट को शॉल उढ़ाकर सम्मानित किया। समूह संख्या 20 के संयोजक श्रीमान् राजेन्द्र शिवहरे को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर सम्मानित किये गये समस्त सदस्यों के लिए शॉल का सहयोग प्रदान करने के लिए श्री जे.पी. शर्मा द्वारा माल्यार्पण एवं श्री सुनील सक्सैना द्वारा शॉल उढ़ाकर सम्मानित किया। श्री मंगल सिंह रावत -एडवोकेट को संस्था के विरूद्ध न्यायालय में दायरवाद की निःशुल्क पैरवी के लिए श्री वी.पी.कपूर द्वारा माल्यार्पण एवं अध्यक्ष महोदय द्वारा शॉल उढ़ाकर सम्मानित किया गया। गर्ग हियरिंग सेंटर के निदेशक श्री अमन गर्ग को महासचिव श्री चिरंजीलाल शर्मा द्वारा माल्यार्पण किया गया। श्री अमन गर्ग ने लेपटॉप के सहयोग से कान की बीमारियों के लिए सभा को विस्तृत रूप से अवगत कराया एवं प्रारम्भिक तौर पर सावधानियां बरतने के लिए हिदायत देते हुए उपचार से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान करी। सदस्यों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का सहजता से उत्तर दिया। इसके साथ ही कार्यक्रम के दौरान पीड़ित सदस्यों के कान की जांच की गई। इसके साथ ही उनके वैशाली नगर स्थित सेंटर पर दिनांक 20.12.2018 तक निःशुल्क जाँच की सुविधा कि जानकारी प्रदान करी। समूह संख्या 18 के डॉ. अरोड़ा का अध्यक्ष महोदय द्वारा एवं श्रीमती कल्पना अरोड़ा का श्रीमती प्रेरणा द्वारा सम्मान किया गया। मणिपुंज सेवा संस्थान के न्यासी श्री नाथूलाल जी का सम्मान किया गया उन्होने मधुर कण्ठ से एक भजन मानव से ''मानव हो न जुदा'' प्रस्तुत किया। अल्पाहार में सहयोग प्रदान करने के लिए एवं निःशुल्क कानों के परीक्षण के लिए श्री नरेश गर्ग, शिखा गर्ग एवं राजीव गर्ग को माल्यार्पण कर सम्मानित एवं आभार व्यक्त किया गया। नृत्य,गीतों एंवं भजनों के कार्यक्रम में सर्वप्रथम समूह संख्या 18 द्वारा सामूहिक नृत्य में श्रीमती ममता बबानी के नेतृत्व में ''दिल से बंधी एक डोर जो दिल तक जाती है'' सुरिन्दर कौर सोहल, प्रेरणा गौड़, संगीता डोडानी, वीना रामसिंघानी,दीपा साजनानी,सोनी हासानी, चेतन कौर, सुनीता आर्या, वीना जालोटा एवं कृष्णा अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। उसके पश्चात् समूह संख्या 17 के श्री अशोक शर्मा एवं श्रीमती प्रीति द्वारा ''झूला झूला'' गीत पर नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति दी गई। महासचिव श्री चिरंजीलाल शर्मा ने मालिक-नौकर पर चुटकला प्रस्तुत किया। समूह संख्या 1 से श्रीमती शांता पंथ द्वारा ''बतादे मन को, हे तेरा साथी'' गीत प्रस्तुत किया गया। समूह संख्या 2 से श्री जयदेव सांखला ने ''रामचन्द्र कह गये सिया से ऐसा कलयुग आयेगा'', समूह संख्या 4 से श्री जे.एस.राजावत ने चुटकले सुनाये, समूह संख्या 5 से श्रीमती मनोहर विजय ने ''गुरू महिमा राम नाम की नैया'' का भजन प्रस्तुत किया, श्रीमती पुष्पा क्षेत्रपाल ने ''संसार में आकर देख लिया'' गीत प्रस्तुत किया, समूह संख्या 7 से श्री भंवर लाल गोयल ने ''बुजुर्गो आओ बुझे दीप जलाओं'' स्वरचित कविता प्रस्तुत की। समूह संख्या 9 से श्रीमती कुसुम गौतम ने ''तेरी दुनिया से दूर होके मजबूर'' गीत प्रस्तुत किया, समूह संख्या 11 से श्री प्रेम

शंकर शर्मा द्वारा चुटकले सुनाए व दीपावली दिल में उजाला लायी एवं बड़े-बड़े नेताजी माफ करना कविता एवं गीत प्रस्तुत किया।

समूह संख्या 12 से श्री जे.सी.गुप्ता द्वारा दोस्त ही ''दोस्त से मिला करता है'' एवं ''जीवन चलने का नाम चलते रहो सुबह-शाम'' गीत प्रस्तुत किया। समूह संख्या 12 के श्रीमती गीता तिवारी, श्रीमती प्रभारानी शर्मा, श्री जे.सी.गुप्ता श्री अनिल बेदरकर ने सामूहिक गीत ''जीवन चलने का नाम'' आदि फिल्मी गीत व भजन प्रस्तुत किए, समूह संख्या 15 से श्री शिव चरण शर्मा एवं श्रीमती मधुलिका शर्मा ने युगल गीत दिल लूटने वाले जादूगर आज मैने तुझे पहचाना है- फिल्मी गीत प्रस्तुत किया, समूह संख्या 16 से श्री राजकुमार जैन ने ''जब कोई चिड़िया रेत में नहाती है'' कविता प्रस्तुत करी, समूह संख्या 20 से डॉ. एन.के.माथुर ने आज पुरानी राहो से कोई मुझे आवाज न दे फिल्मी गीत गाया, समूह संख्या 22 से श्रीमती कृष्णा जैन ने कैसे प्रभु ने पेड़ो की कनात बांधी है आदि सदस्यों ने गीत, भजन प्रस्तुत किये।

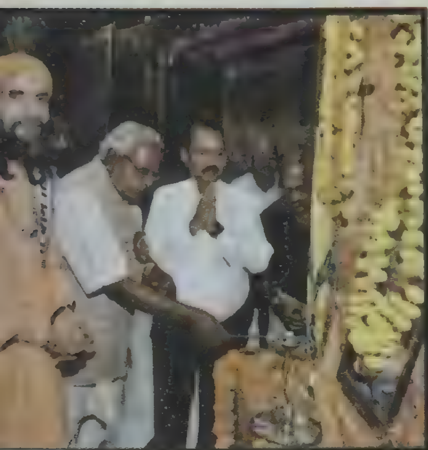
प्रश्नोत्तरी में अपने देश की संस्कृति , सभ्यता धरोहर इत्यादि पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के संयोजक श्री के. के. गौड़ ने बहुत से प्रश्न पूछे और जिन्होने सही उत्तर दिये उन विजेताओं को तत्काल पुरूस्कृत किया गया।

अखबार के खेल में एक दिवस के तीन के तीन पन्ने की तारीख से सदस्य द्वारा आपस में जोड़ने पर श्री नरेन्द्र मंगल, श्री लोकमन दास गोयल, श्रीमती कमला राठी, श्रीमती गीता तिवारी आदि को विजेता घोषित कर पुरूस्कृत किया गया। एक मिनट में ट्रे का सामान देखने एवं बिना देखे लिस्ट बनाने के लिए कपल गेम में श्रीमती एवं श्री जे.सी.गुप्ता प्रथम श्री एवं श्रीमती कल्पना अरोड़ा द्वितीय रहे।

माचिस की डिबिया के खेल में श्री पी.के.गोगावत, श्रीमती सुनीता आर्य, श्रीमती हेमलता जैन, श्रीमती शारदा अग्रवाल, श्रीमती कल्पना अरोड़ा एवं श्री रामेश्वर सिसोदिया विजेताओं को पुरूस्कार दिया गया। बिरला वाटर पार्क में आयोजित पिकनिक के दौरान कैरम, शतरंज में विजेता श्री मुकेश भार्गव, श्री ओ.पी.पीपल, श्री जे.पी.शर्मा, श्री रामेश्वर सिसोदिया एवं श्री वी.पी. कपूर को पारितोषिक पुरूस्कार वितरण किया गया। महासचिव श्री चिरंजीलाल शर्मा ने सभा में उपस्थित सभी सम्मानीय सदस्यों का कार्यक्रम को व्यवस्थित बनाये रखने के लिए सहयोग प्रदान करने हेतु संयोजको, द्वारा सुचारू रूप से प्रबन्ध करने हेतु श्री यतीश झा एवं डॉ.के.एम.लवानिया को साज-सम्मान पर कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने हेतु, श्री के.के.गौड़ एवं श्रीमती प्रेरणा गौड़ को सांस्कृतिक कार्यक्रम के संचालन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम की सम्पूर्ण व्यवस्था समूह संख्या 17 के श्री आर.के.माहेश्वरी एवं समूह संख्या 16 के आर. एल. ऐरन द्वारा की गई जिसके लिए ज्ञापित किया गया। श्री भगवान लालवानी-समूह -2 के द्वारा जूते-चप्पल, पानी, डिस्पोजल, सफाई इत्यादि की व्यवस्था बखूबी निभाई जिसके लिए धन्यवाद व आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम समापन के पूर्व राष्ट्रगीत गायन हुआ। महासचिव ने सभी सदस्यों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। स्वादिष्ट सहभोज हुआ। कार्यक्रम का संचालन महासचिव श्री चिरंजीलाल शर्मा, श्री के. के. गौड़, श्रीमती प्रेरणा गौड़ द्वारा प्रभावी रूप से किया गया।

वृद्धजन दिवस समारोह 1.10.2019 (जवाहर रंगमंच)



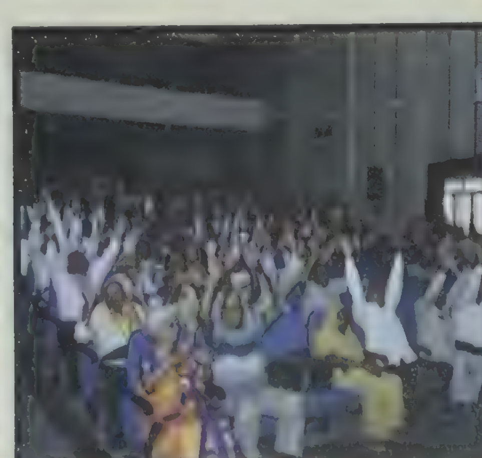






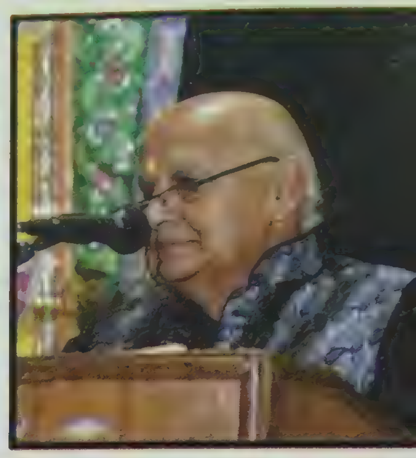




वृद्धजन दिवस समारोह 1.10.2019 (जवाहर रंगमंच)















वृद्धजन दिवस समारोह 1.10.2018 (शिक्षा बोर्ड)









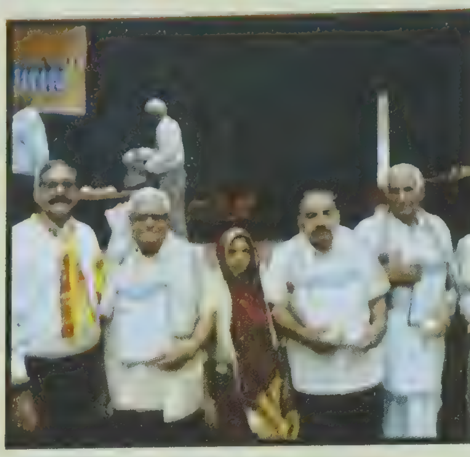


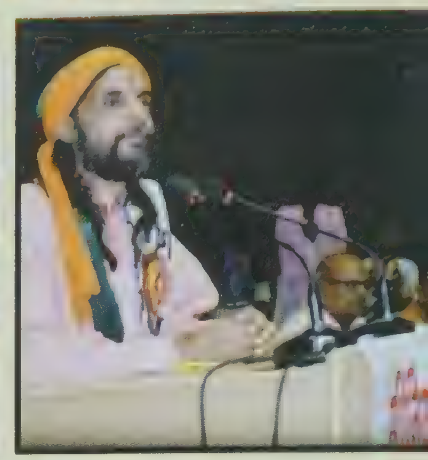


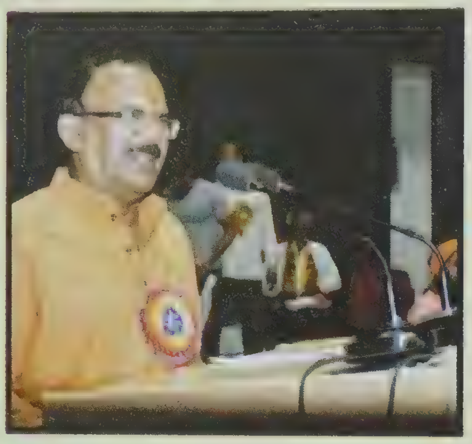



वृद्धजन दिवस समारोह 1.10.2018 (शिक्षा बोर्ड)

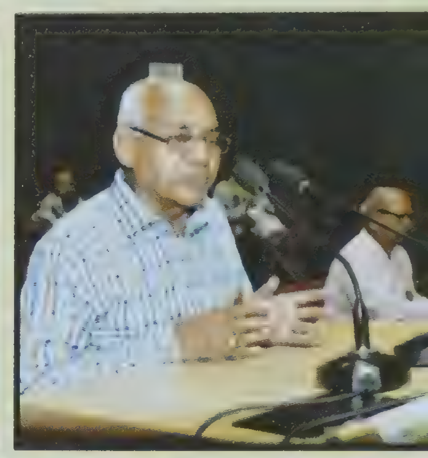
























पिकनिक पदमीनी रिसोर्ट वाटर पार्क 24.7.2019

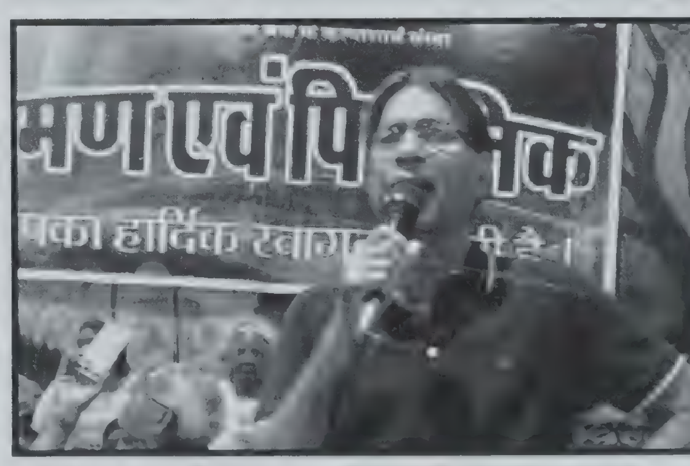
















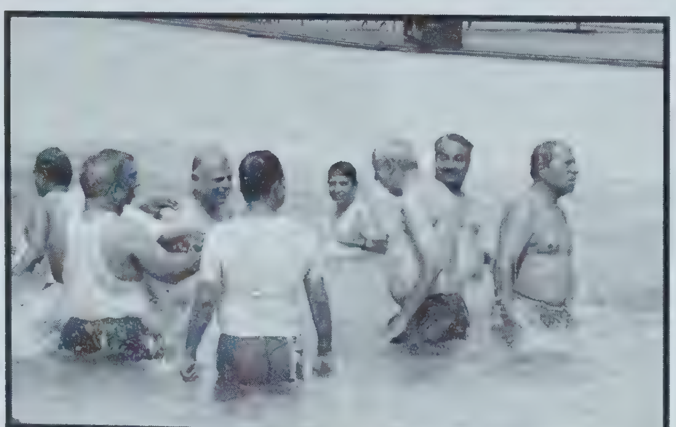
पिकनिक बिरला सिटी वाटर पार्क 29.7.2018



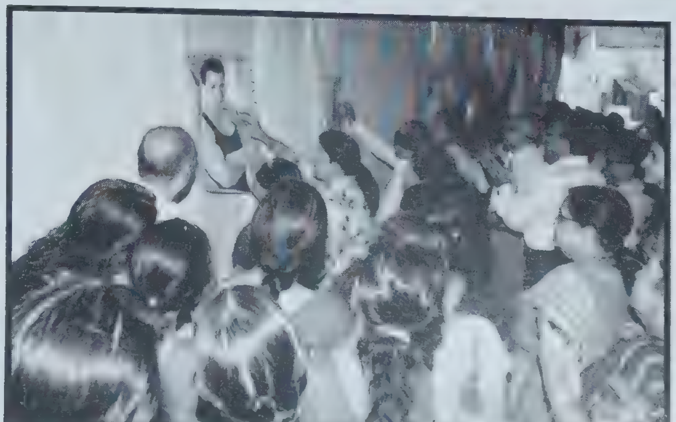








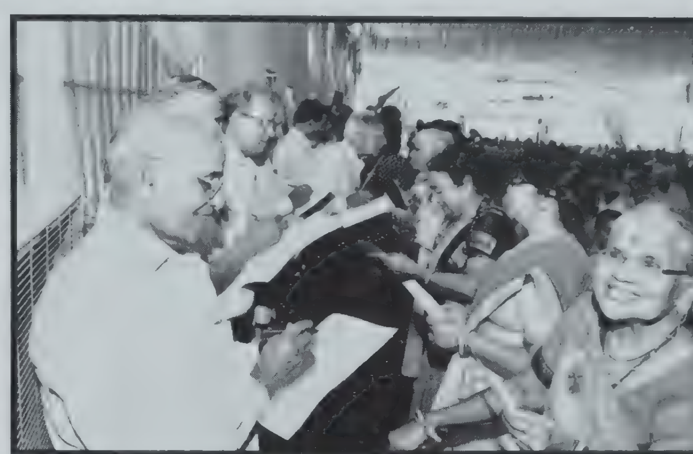




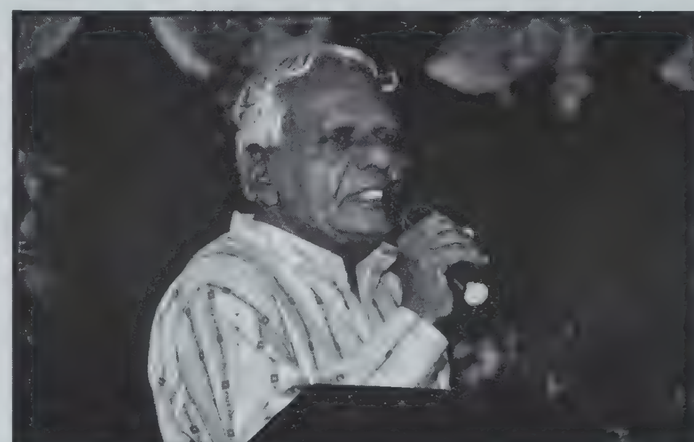


पिकनिक बिरला सिटी वाटर पार्क 29.7.2018

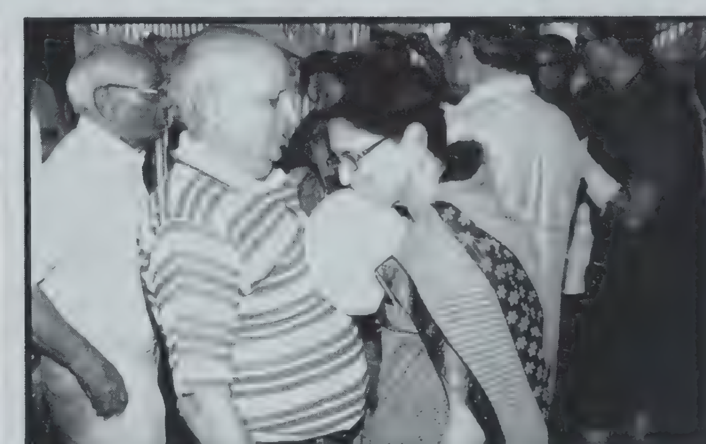








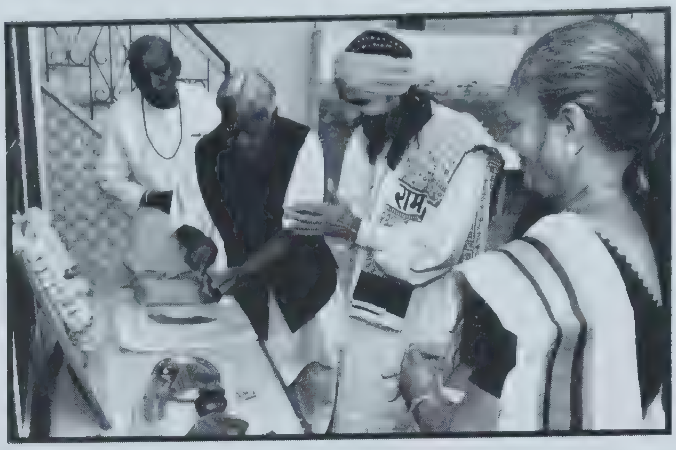


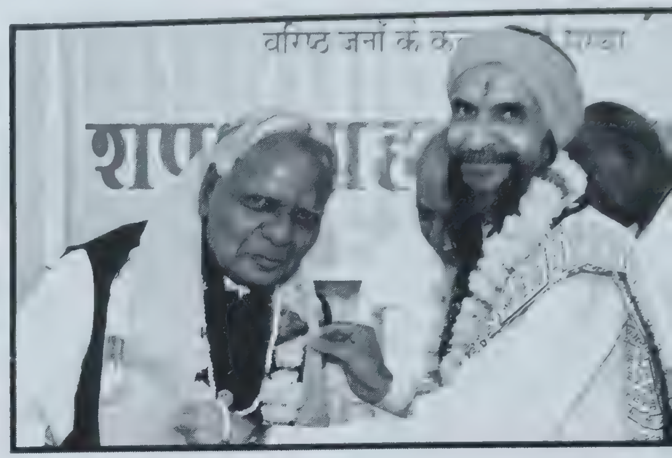


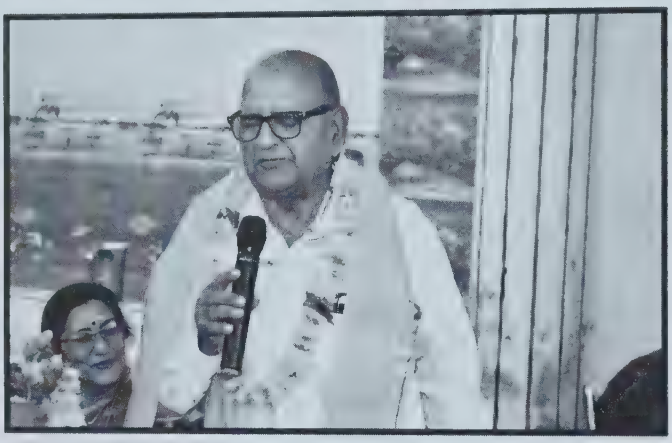




शपथ ग्रहण समारोह 5.6.2019 (राधिका विला)

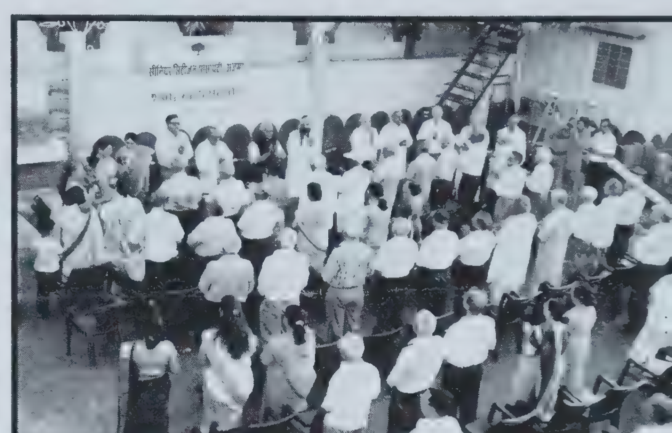










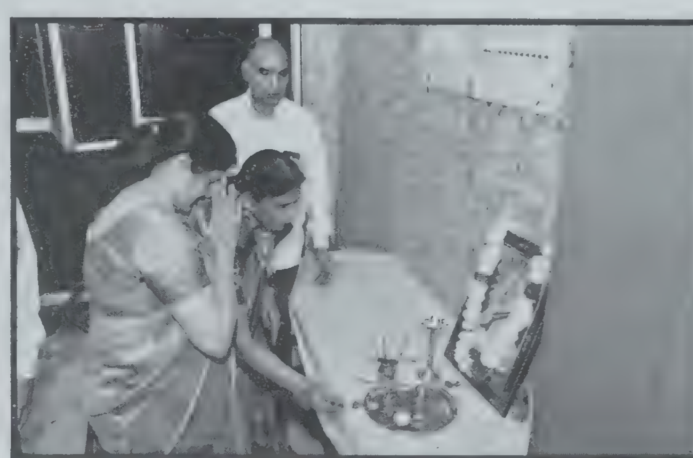






दिपावली मिलन समारोह 06. 11. 2019 (जनकपुरी)

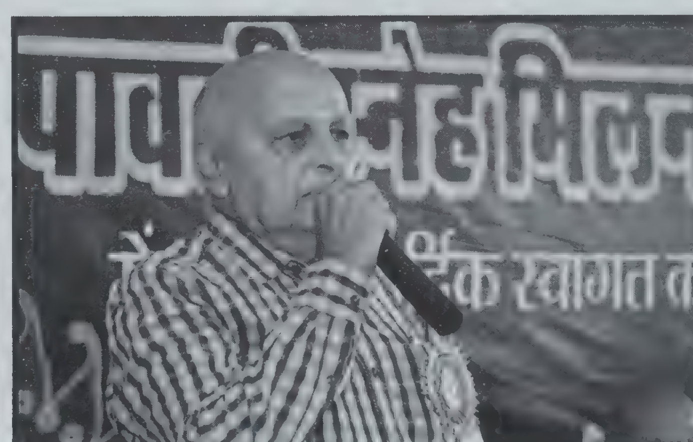


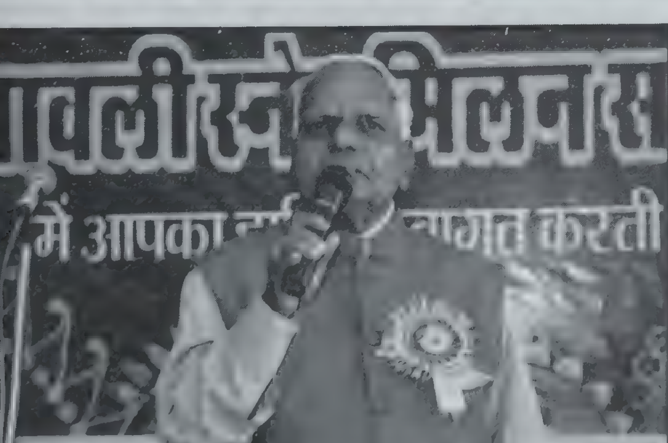


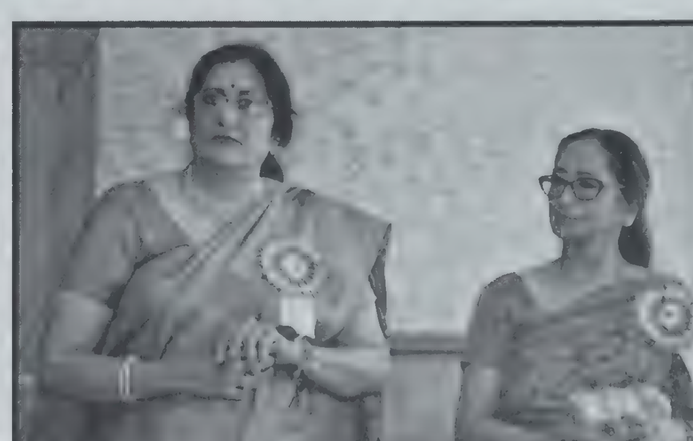




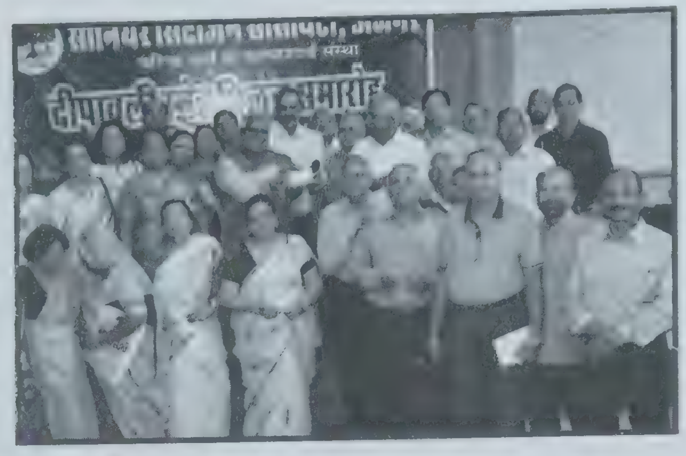


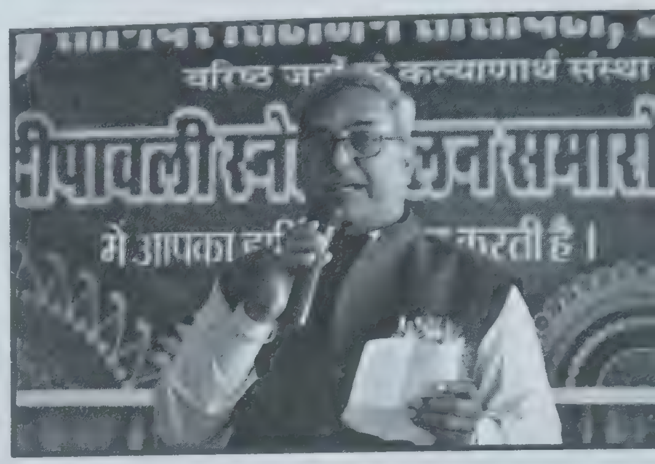






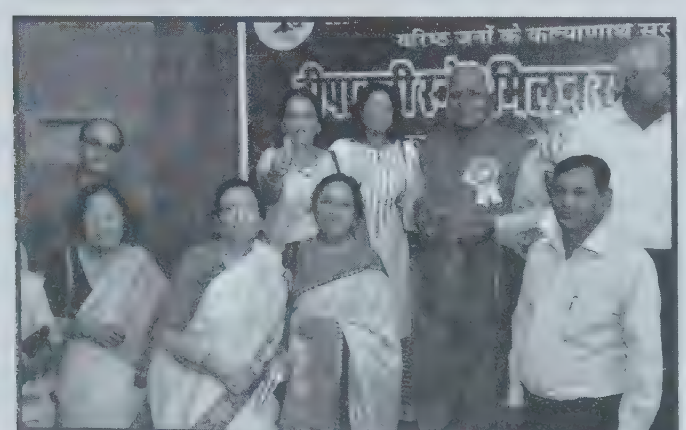
दिपावली मिलन समारोह 06. 11. 2019 (जनकपुरी)









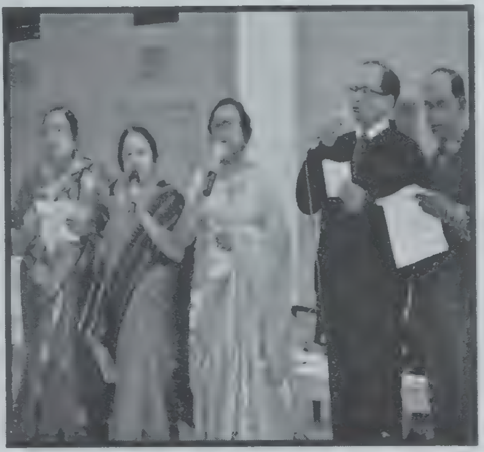






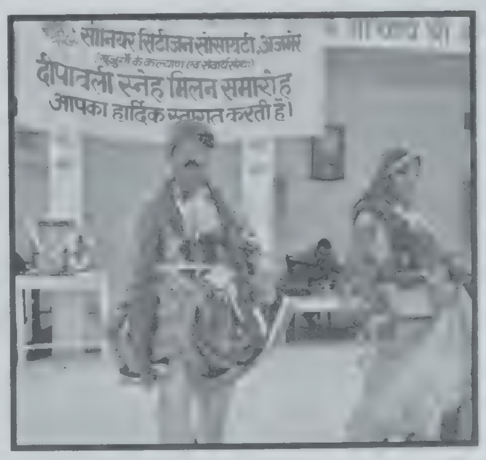


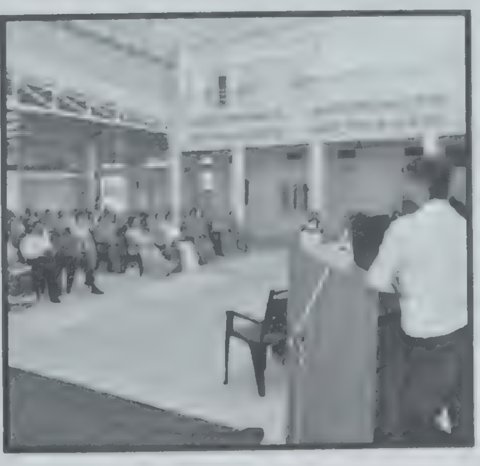
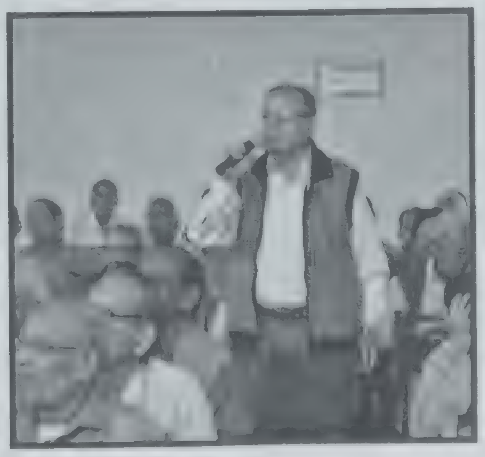
दिपावली मिलन समारोह 26. 11. 2018 (मणिपुंज धाम)



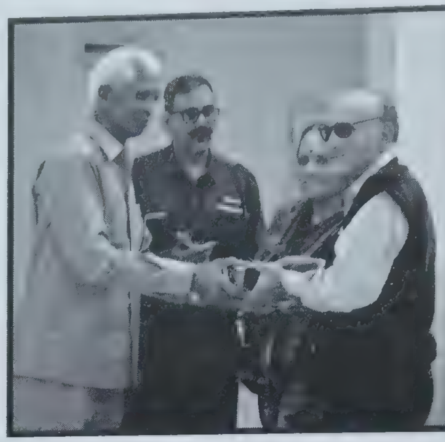


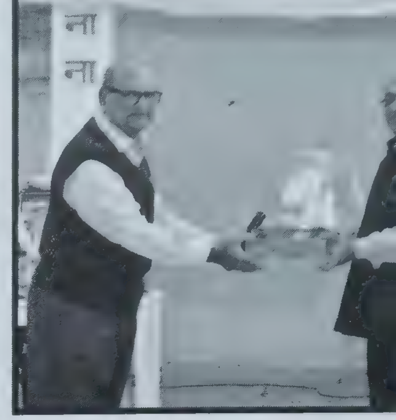



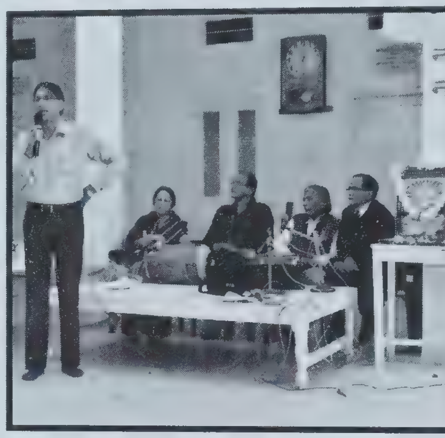
दिपावली मिलन समारोह 26. 11. 2018 (मणिपुंज धाम)



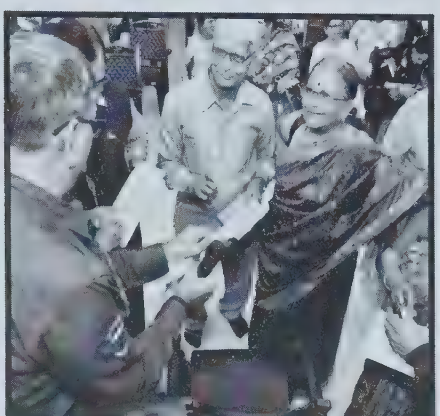


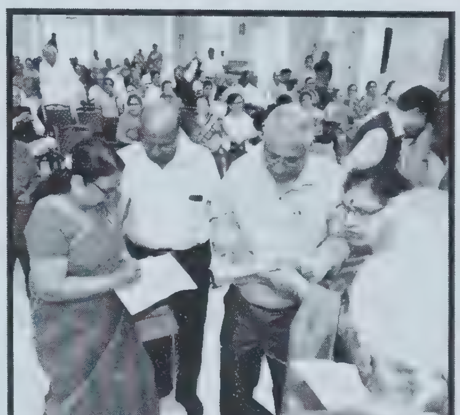




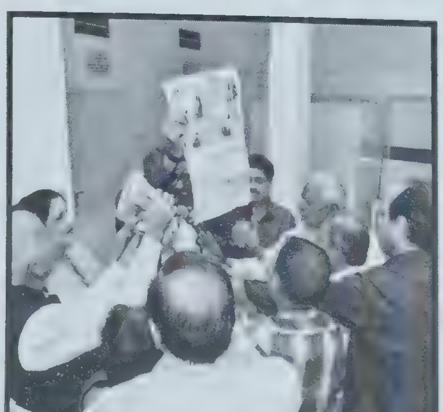


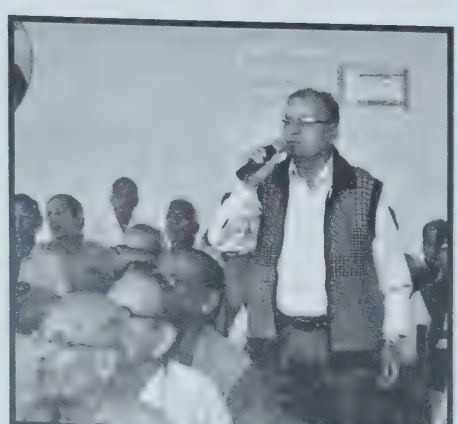










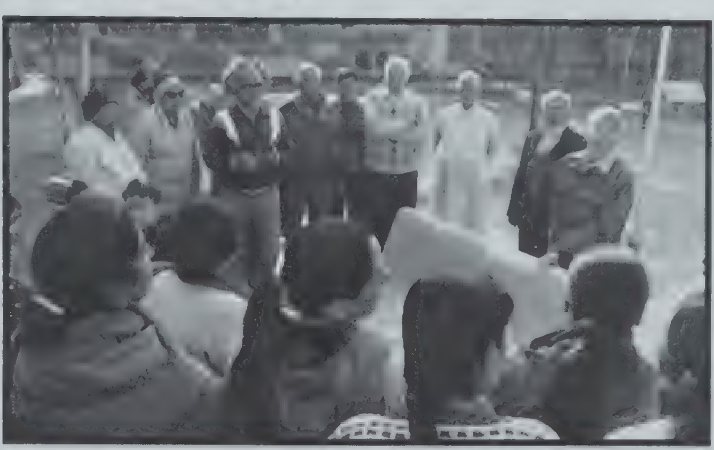




समूहवार विशेष गतिविधियाँ



समूह 18 – गणतंत्र दिवस समारोह



समूह 18 – गणतंत्र दिवस समारोह



समूह 18 – स्वतंत्रता दिवस समारोह



समूह 18 – स्वतंत्रता दिवस समारोह



समूह 18 – वृक्षारोपण



समूह 18 – मेडिकल केम्प

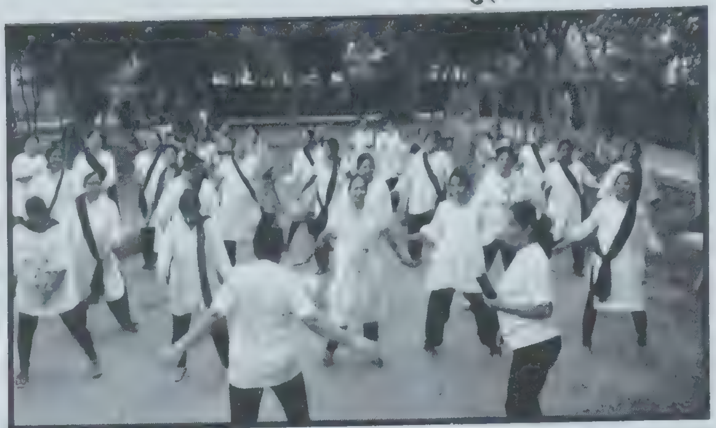


समूह 18 – योग दिवस



समूह 18 – योग दिवस

समूहवार विशेष गतिविधियाँ



समूह 18 - योग दिवस



समूह 18 - वन भ्रमण



समूह 18 - महिला खिलाड़ी सम्मान समारोह



समूह 18 - वृद्धजन दिवस समारोह



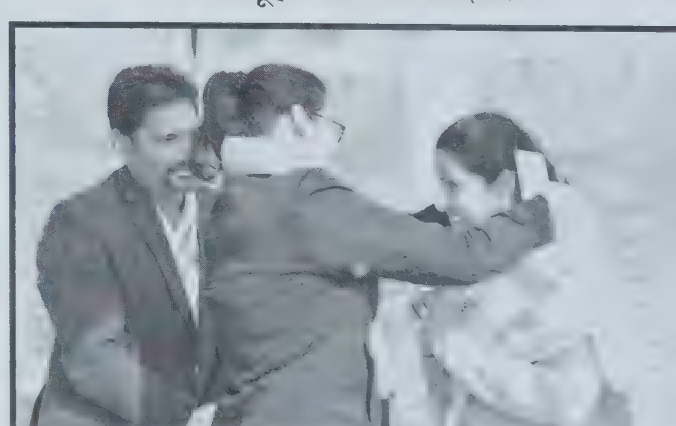
समूह 18 - योग दिवस



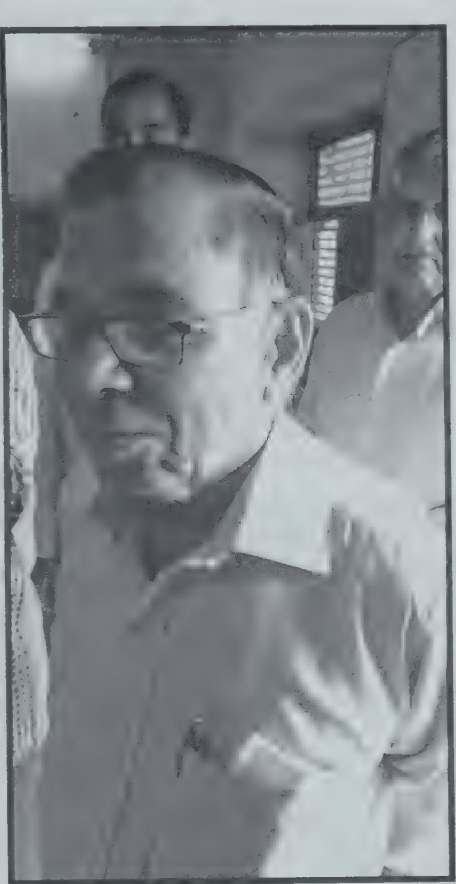
समूह 18 - योग दिवस



समूह 18 - अमृत महोत्सव



समूह 18 - अमृत महोत्सव


समूह 15 – निःशुल्क आयुर्वेदिक केम्प





समूह 15 – निःशुल्क आयुर्वेदिक केम्प

समूहवार विशेष गतिविधियाँ



समूह 20 – नि:शुल्क आयुर्वेदिक केम्प



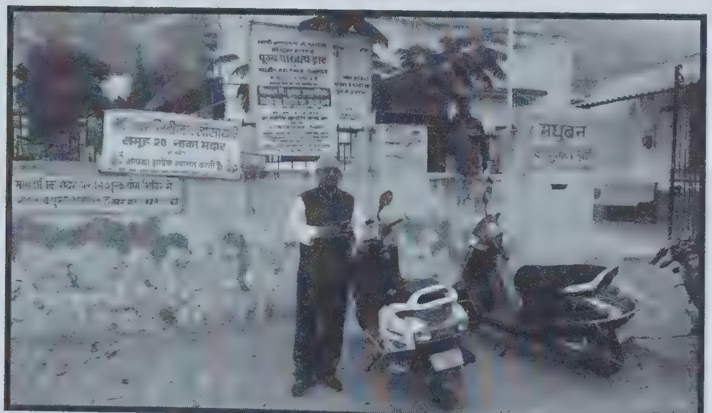
समूह 20 – नि:शुल्क आयुर्वेदिक केम्प



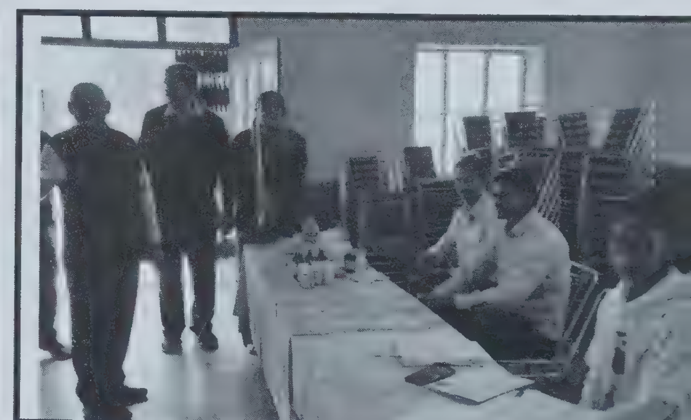
समूह 20 – नि:शुल्क आयुर्वेदिक केम्प



समूह 20 – नि:शुल्क आयुर्वेदिक केम्प



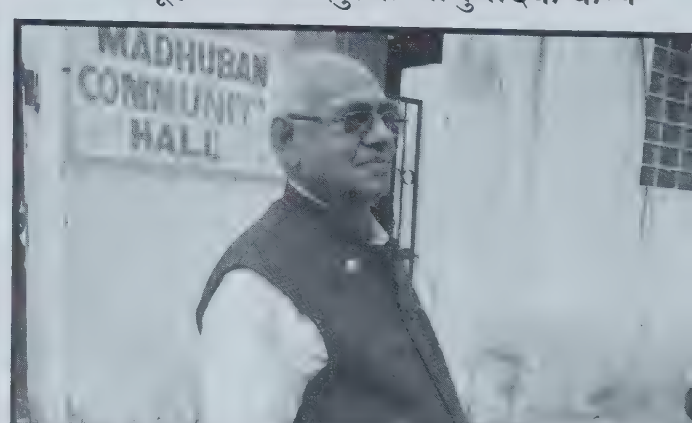
समूह 20 – नि:शुल्क आयुर्वेदिक केम्प



समूह 20 – नि:शुल्क आयुर्वेदिक केम्प



समूह 20 – नि:शुल्क आयुर्वेदिक केम्प



समूह 20 – नि:शुल्क आयुर्वेदिक केम्प

सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर के समूहों की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट - 2019

समूह सं. –01 (वैशाली नगर)



प्रतिमाह नियमित रूप से समूह की बैठकें आयोजित की गई जिनमें माह में जन्मदिन वाले सदस्यों द्वारा मनोरंजन ज्ञान अध्यात्म तथा सूचना से संबंधित कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। सोसायटी एवं समूह से संबंधित कार्यक्रमों में समस्याओं पर चर्चा की गई तथा अवसर अनुसार समूह के दिवंगत सदस्यों को श्रृद्धार्जंलि दी गई। इन बैठकों में बारी बारी से समूह के किन्ही आदरणीय सदस्य को अध्यक्षता के लिए अनुरोध किया जाता है, जो जलपान की व्यवस्था भी करते हैं। इस क्रम में अप्रैल 18 से जनवरी 19 तथा मार्च 19 में क्रमश: श्री रमेश धनोपिया, श्री पुरूषोत्तम शर्मा, श्रीमती प्रेमलता बाकलीवाल, श्री रामजीलाल अरोडा, श्रीमती मधु सक्सैना, श्री केशवराम सिंह, श्री गुलाब चंद अग्रवाल, श्री ओम नारायण माथुर, श्रीमती आई. एच. सैमुअल, श्री ज्ञानेश्वर खूबचंदानी तथा श्री अनिल कुमार अग्रवाल ने बैठकों की अध्यक्षता की।

01.04.18 की स्थिति के अनुसार केन्द्र और समूह के लिए वार्षिक सहयोग राशि देने तथा समूह की गतिविधियों में नियमित रूप से भाग लेने वाले सक्रिय सदस्यों की संख्या 54 थी। 01.4.19 को ऐसे सदस्यो की संख्या 61 हो गई। इस अवधि में समूह के सदस्यों की ओर से कुल 6650रू. की सहयोग राशि केन्द्र में जमा कराई गई।

1.1.18 को आयोजित वृद्धजन सम्मान समारोह के लिए समूह के 9 सदस्यो ने कुल 5100रू की सहयोग राशि दी। इस समारोह में समूह के सदस्यो, श्री गुलाब चंद अग्रवाल तथा श्री पूरन चंद पंत को भी सम्मानित किया। सोसायटी की स्मारिका 2018 के लिए समूह के सदस्यों श्री यू.सी.गुप्ता ने अपने प्रतिष्ठान पतंजलि चिकित्सालय तथा श्री रामजी लाल अरोडा ने अपने व्यवसाय से संबंधित विज्ञापन दिये। श्री सुधाकर बंधु श्री नरेन्द्र मंगल एवं श्रीमती दीप्ति वसु की रचनाएँ स्मारिका में प्रकाशित हुई।

फरवरी 19 में समूह का वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता समूह में आयुक्रम में वरिष्ठतम सदस्य श्री गुलाब चंद अग्रवाल ने की। सोसायटी के अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में तथा महासचिव श्री चिरंजी लाल शर्मा ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में भाग लिया। समारोह में वर्ष 2018 में 75 वर्ष की आयु प्राप्त समूह की सदस्यों श्रीमती शशि अग्रवाल एवं श्रीमती प्रेमलता बाकलीवाल का सम्मान किया गया। इसके अलावा 01.01.18 के वृद्धजन सम्मान समारोह के लिए आर्थिक सहयोग देने वाले उपस्थित सदस्यों, श्रीमती मधु गुप्ता, श्रीमती शशि अग्रवाल श्री सुधाकर बधु, श्री जे. एन.पुरोहित, श्री नरेन्द्र मंगल तथा श्री दिनेश तायल का अभिनंदन किया गया। इस समारोह के दूसरे भाग में मनोरंजन के कार्यक्रम तथा सहभोज आयोजित किए गए।

समूह की मासिक बैठकें बधिर विद्यालय वैशाली नगर में आयोजित की जाती है तथा समूह की ओर से विद्यालय को समय समय पर नगद या वस्तु के रूप में सहयोग दिया जाता है। इस कडी में इस वर्ष विद्यालय को रू. 4750 का चंदा दिया गया।

नरेन्द्र मंगल

समूह सं. –02 (कृष्ण गंज)



समूह सं.02 की मासिक बैठक प्रत्येक माह तृतीय शनिवार को रेम्बुल रोड शिवमन्दिर पर विधिवत आयोजित की जाती है। इस समूह में वैशाली नगर पंचशील का कुछ भाग कृष्ण गंज, कैलाशपुरी अशोक विहार, सागर विहार क्षेत्र के सदस्यों की उपस्थिति समूह में रहती है। वर्तमान में सदस्यों की संख्या 215 हो गई है। बैठक में प्रतिमाह औसतन 45-50 सदस्यों की उपस्थिति रहती है। समूह के सदस्य होली, दीपावली अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस वर्षाकालीन भ्रमण आदि कायक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। वृद्धजन दिवस पर समूह के 39 सदस्यों ने रू. 19600/-(उन्नीस हजार छः सौ) सहयोग राशि संस्था को दी गई। सभी सदस्यों द्वारा केन्द्र को जन्मदिन राशि रू. 100/- अग्रिम रूप से जमा कराई जाती है।

प्रतिमाह नियमित रूप से समूह की बैठक में जन्मदिन वाले सदस्यों का अभिनन्दन माला पहनाकर किया जाता है तथा बधाई कार्ड देकर लम्बी उम्र की कामना की जाती है। नये सदस्यों का स्वागत किया जाता है। दिवंगत हुए सदस्यों को श्रद्धांजलि प्रेषित की जाती है। वर्ष में समूह के सदस्य जिन्होंने स्वर्णिम 75 बसन्त पूर्ण किये हैं।

श्रीमती कौशल्या देवी, श्री रामस्वरूप शर्मा, श्री वी.पी. श्रीवास्तव, श्री एस, एस. ओझा, श्री के. जी. त्रपाठी, श्रीमती कमला देवी शर्मा, श्री उम्मेदराम काबरा सभी को शॉल, श्रीफल, माला, बधाई कार्ड देकर समूह स्तर पर कोटेश्वर महादेव मन्दिर में स्वरूचि भोजन कराया गया, एवं सभी को स्वस्थ एवं शतायु होने की कामना की गई।

पुलवामा में शहीद हुए सैनिक परिवारो की मदद हेतु 3850/- रू. समूह सदस्यों ने केन्द्र को सहयोग दिया।

मासिक बैठको में अल्पहार का आयोजन समूह कोष से नहीं किया जाता है बल्कि बारी-बारी से सदस्यों द्वारा ही कराया जाता है। श्री अशोक कुमार शर्मा समूह के कोषाध्यक्ष द्वारा प्रतिवर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत कर उसकी छायाप्रति समूह सदस्यों को उपलब्ध कराई जाती है। श्री गोपाल शंकर शर्मा, श्री गोपाल माथुर, श्री के. जी. मोदानी सेवा संकल्प वितरण से लेकर बैठक व्यवस्था तथा श्री बाबूलाल मीणा जी, श्री बैजनाथ शर्मा, श्री कुलदीप व्यास, श्री वी.पी. सारस्वत, श्री अशोक कुमार शर्मा अल्पाहार वितरण में सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं। श्री रोहिताश रोहिल्ला जो समूह के मीडिया प्रभारी कार्य में सहयोग कर सभी गति-विधियों की जानकारी देते हैं। समूह द्वारा प्रत्येक माह ''गौ सेवा प्रकल्प'' में राशि श्री के.जी.मोदानी द्वारा एकत्रित की जाती है।
प्रभारी श्री के.जी.मोदानी कुछ समूह सदस्यों को सूचना देकर तथा साथ ले जाकर प्रत्येक माह द्वितीय शनिवार को पंचशील स्थित नगर निगम गौशाला में बहुत ही कम दर पर चारे की गाडिया डलवाई जाती है। इसी प्रकार गौ शाला प्रकल्प में कुछ माह से श्री गिरधर गोपाल, गौ शाला प्रवक्ता (अजमेर) चारे के लिये श्री अशोक कुमार शर्मा द्वारा राशि एकत्रित कर सहयोग दिया जा रहा है।

कैलाश जोशी

समूह सं. -03 (सिविल लाईन्स)



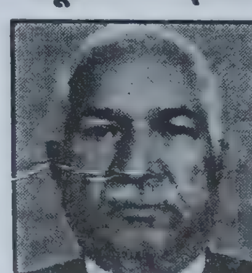
समूह की मासिक बैठक प्रतिमाह के अन्तिम सप्ताह में ''शिवकुण्ड'' सावित्री स्कूल चौराहा अजमेर में आयोजित की जाती है। समूह सदस्यों की सं. लगभग 70 है लेकिन 30-35 सदस्य ही बैठक में सक्रिय भाग लेते हैं। समूह में नवीन बनाये गये सदस्यों का माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया जाता है एवं उनका सभी से परिचय करवाया जाता है। जिन सदस्यों का माह में जन्मदिवस आता है उनका माल्यार्पण एवं बधाई कार्ड भेंट कर अभिनन्दन किया जाता है। माल्यार्पण पति-पत्नि के द्वारा ही करवाने की कौशिश की जाती है, जो सदस्य इस अवसर पर उपस्थित नहीं हो पाते उनके बधाई कार्ड घर भिजवाये जाते है। जन्मदिवस के अवसर पर सदस्यों द्वारा समूह को राशि जमा करवाई जाती है। बैठक में समूह सदस्यों द्वारा भजन गीत गायन महापुरूषो के उपदेश, धार्मिक कथायें, हास्यास्पद चुटकले इत्यादि सुनाकर सदस्यों का मनोरंजन किया जाता है। समूह सदस्यों द्वारा निर्मित विषयों पर सामाजिक सेवा, प्राकृतिक औषधि उपचार, योगा, आध्यात्मिक अनुभव का आपस में आदान-प्रदान करते हैं। बैठक में महिला सदस्यों की उपस्थिति भी सराहनीय रहती है एवं भजन गीत इत्यादि में बढ़-चढ़कर भाग लेती हैं।

समूह की पिकनिक दि. 18.09.18 को दिगम्बर जैन ज्ञानोदय तीर्थक्षेत्र ''नारेली'' में सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित की गई जिसका सभी सदस्यों ने आनन्द लिया।

मासिक सेवा संकल्प सदस्यों को भिजवाने में श्री सूरज नारायण लखोटिया, श्री भवंरलाल मूंदडा एवं श्री गोविन्द प्रसाद असावा का पूर्ण सहयोग रहता है। प्रत्येक माह की बैठक की समाप्ति पर अल्पाहार का आयोजन किया जाता है। अल्पाहार की व्यवस्था में श्री अनिल कपूर एवं अन्य सदस्यों का सहयोग रहता है।

सुरेन्द्र विजय

समूह सं. -04 (शास्त्रीनगर)



समूह 4 के सदस्यों की संख्या लगभग 320 है। इसी वर्ष 10 नये सदस्य सम्मिलित हुए वहीं 05 सदस्य देवलोक गमन हो गए।

दिवंगत हुए सदस्यों को समूह व सोसायटी की तरफ से श्रद्धांजली अर्पित की गई। नए सदस्यों द्वारा सोसायटी को लगभग 500/- रूपये जमा करवाए जन्म दिवस राशि 60सदस्यों ने 600/- रू. जमा करवाए व वृद्धजन जन्म दिवस को सोसायटी में व सदस्यों ने 4581 रू. जमा करवाए। जिन सदस्यों ने समूह व सोसायटी को राशि जमा करवाई उनको बहुत-बहुत धन्यवाद। इनके नाम सेवा संकल्प में प्रकाशित भी हुए।

समूह संयोजक डा. जे. एस. राजावत द्वारा 12 मासिकबैठक आयोजित की गई व समूह द्वारा 75 वर्ष

आयु होने वाले सदस्यों का समूह द्वारा आयोजन किया गया जिस में सभी 75 वर्ष आयु व 50 वर्ष वैवाहिक जीवन व्यक्ति करने वाले दम्पत्ति सदस्यों का सम्मान किया गया व इन्हं समूह द्वारा शॉल ओड़ा करस्मृति चिन्ह, नारियल, माल्यार्पण कर स्वागत किया गया है।

इस अवसर पर श्री जवाहर नान कानजी द्वारा सभी सम्मानित सदस्यों को अपनी तरफ से गीता पुस्तक भेट की गई इनका बहुत-बहुत आभार।

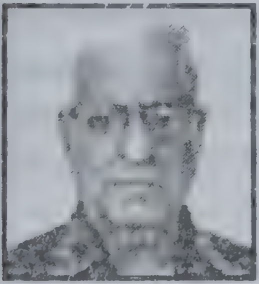
समूह द्वारा होली व दीपावली-स्नेह मिलन समारोह आयोजन किया गया व भोजन की अच्छी व्यवस्था की गई।

समूह संयोजक ने समय-समय पर मेडिकल, लाईफ इंश्योरेंस, पर्यावरण पर बैठक आयोजित की गई।

समूह 04 कि गतिविधि ठीक प्रकार से सालभर आयोजित होती रही है।

जे. एस. राजावत

समूह सं. -05 (कुन्दन नगर)



समूह का मैनेजमेंट अनुशासित एवं सुदृढ़ है। मासिक बैठकों का आयोजन सदस्यों की सुविधानुसार होता है। इसकी सदस्य संख्या 44 है। प्राय: दो वर्ष में चक्र प्रणाली के द्वारा प्रत्येक सदस्य को बैठक आयोजन का अवसर प्राप्त होता है। सदस्य भी इस अवसर पर गौरवान्वित अनुभव करता है। परिवार जनो के साथ समूह की गतिविधियों का संदेश घर-घर तक पहुंचता है। आत्मीयता तथा सौहार्द की स्वच्छ परम्परा के साथ अतिथि सत्कार का लाभ अच्छी आदतों का हिस्सा बनकर उभरता है। बैठक का प्रारंभ विधि एवं परम्परानुसार होता है। गत बैठक की कार्यविधिवृत्त का पाठन सदस्यों के सम्मुख होता है। जिससे अनुपस्थित रहे सदस्यों को भी जानकारी हो जाती है तथा पुष्टि सहमति द्वारा होती है। प्रत्येक बैठक में प्राय: संस्था कार्यकारिणी के किसी न किसी सदस्य को आमंत्रित किया जाता है। उनके स्वागत सत्कार के पश्चात् विशेष अतिथि/परिजन एवं माह में जन्म लिए सदस्यों को माल्यार्पण कराया जाता है तथा संस्था का बधाई कार्ड देकर स्वस्थ व शतायु होने की कामना की जाती है। पूर्व में जन्मलिए सदस्यों से इस अवसर पर संस्था की वार्षिक राशि ली जाती थी जिसे अब सत्र के प्रारंभ में ही सबसे लेकर 100 रूपये प्रतिसदस्य के हिसाब से संस्था कोष में जमा करा दिया जाता है। इस वर्ष 4400/-राशि संस्था कोर्ष में जमा कराई गयी है।

जिन सदस्यों की आयु 75 वर्ष पूर्ण होती है। उन सदस्यों को अमृतोउत्सव मनाकर सम्मानित किया जाता है जिसमें शाल, श्रीफल, प्रशस्तिपत्र, माल्यार्पण व संस्था का बधाई कार्ड देकर स्वस्थ व शतायु होने की शुभकामनायें दी जाती है। इस वर्ष इन सदस्यों का अमृत उत्सव मनाया गया हैं। श्री शिवप्रकाश कौशिक व श्रीमती सुशीला देवी पुरोहित एक अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर तथा समूह के अधिकांश सदस्य यथायोग्य, मुक्त हृदय से योगदान करते है। इस वर्ष 11500/- की राशि संस्था कोष में जमा कराई गई है। किसी वर्ष आपदा की स्थिती बनी हो और संस्था से आह्वान हुआ होतो उसमें भी सदस्यों द्वारा पूर्ण सहयोग किया जाता है। संस्था सदस्य अपने स्तर पर भी जन व लोककल्याण के कार्यो में सहयोग की भावना रखते हैं। मासिक बैठकों में ज्ञान, मनोरंजन एवं समसामयिकी-विषयों पर भी स्वस्थ चर्चायें, गीत, संगीत, भजन, चुटकले व हास-परिहास होते रहते हैं।

बैठकों में सदस्यो को अपने भाव, विचार प्रकट करने की पूर्ण स्वतंत्रता रहती है। इस समूह में अधिकांश सदस्य धीर, गम्भीर व अनुशासित प्रवृत्ति के हैं। इस कारण कभी भी छोटी-छोटी बातों पर किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आती। संस्था कार्यक्रमों में बढ़चढ़कर भाग लेना, मुदित सेवा संकल्प को त्वरित गति से सदस्यों तक पहुंचाना, प्रेस स्मारिका प्रकाशन व संस्था व्यवस्था इत्यादि में पूरा-पूरा सहयोग करना प्रत्येक सदस्य अपना उत्तरदायित्व व कर्तव्य समझता है। जिसे संस्था के सर्वोच्च अधिकारियों ने भी प्रशन्सा कर समूह का आभार जताया है।

जे. पी. विजय

समूह सं. -06 (हाथी भाटा)



समूह की मासिक बैठक का अयोजन गौतम पाठशाला में लगभग 30-35 सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित की जाती है। समूह की मासिक बैठक में उपस्थित सदस्यों में से क्रमबार एक सदस्य को अध्यक्षता का दायित्व सौंपा जाता है, बैठक की कार्यवाई ईशवन्दना के साथ प्रारम्भ की जाती है। समूह संरक्षक श्री लज्जाशंकर जी गोयल द्वारा समूह में उपस्थित सदस्यों को 5-5 बार ओम ध्यान, हास्यध्यान एवं 51 बार शरीर की ऊर्जा को जाग्रत करने तालिया बजवाई जाती हैं। संस्था के पदाधिकारियों में से किसी भी पद से अधिकारी को समूह में आमंत्रित किया जाता है

ताकि संस्था की सभी गतिविधियों की जानकारी सभी सदस्यों को मिलती रहे।

जिस माह में जिन सदस्यों का जन्मदिन पड़ता है उनको माल्यापर्ण कर बधाई कार्ड देकर उनके स्वस्थ एवं शतायु होने की कामना की जाती है, तथा जो सदस्य यदि किसी कारणवश उपस्थित नहीं होते है तो समूह के 4-5 सदस्य उनके निवास पर जाकर माल्यार्पण करते है। सत्र के प्रारंभ में प्रत्येक सदस्य से 100/- लेकर संस्था कोष में जमा कराया जाता है।इस वर्ष ? की राशि जमा कराई गई।

जिन सदस्यों की आयु 75 वर्ष पूर्ण होती हैं समूह द्वारा उनकी हीरक जयन्ति हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है, जिसमें शॉल, श्रीफल, माल्यार्पण व प्रशस्ति पत्र व संस्था का बधाई कार्ड देकर शतायु होने की कामना की जाती है इसी क्रम में श्री लज्जा शंकर गोयल व श्री ओम दास जी महाराज की हीरक जयन्ति मनाई गई। इस शुभअवसर पर श्री लज्जा शंकर जी द्वारा सभी उपस्थिति सदस्यों को एक एक हैन्ड बैग उपहार में दिया।

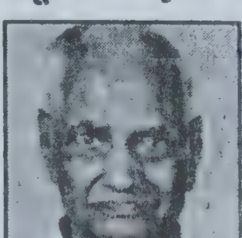
एक अक्टूबर अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर समूह के अधिकांश सदस्यों द्वारा 500/- योगदान दिया। इस वर्ष की राशि संस्था कोष में जमा कराई गई।

मासिक बैंठकों में ज्ञान, मनोरंजन एवं सम सामयिक विषयों पर स्वस्थ चर्चायें,हास परिहास, भजन गीत आदि होते रहते हैं।

अभी कुछ माह से समूह की मासिक बैठक "संस्कार स्कूल" में होती रही है। स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती स्नेहलता शर्मा जी के द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाता है। समूह उनके स्नेहिल भावना के लिए हृदय से आभार व्यक्त करती है।

चन्द्रनारायण अग्रवाल

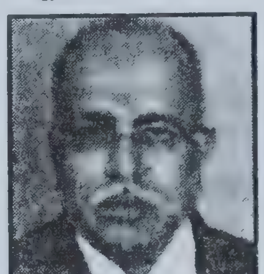
समूह सं. -07(नया बाजार)



समूह सं. - 07 की नियमित मासिक बैठके हर माह के दूसरे बुधवार को श्री राज राजेश्वर महादेव मंदिर खाई लैण्ड बाजार में आयोजित की जाती है। इस समूह के अधिक तक सदस्य व्यापारी वर्ग से है। वे अपने व्यापार से समय कम निकालते है। अत: बैठकों में उपस्थिति कम रहना स्वाभाविक है। परिसर में सेवानिवृत्त सदस्यो की कमी के कारण भी नये सदस्य नहीं बन पाते है। यह स्थिति इस समूह में गत कई वर्षो से चली आ रही है। काफी प्रयत्न करने बावजूद स्थिति में सुधार नही हो पा रहा है। तदोपरान्त प्रतिमाह नियत तिथि व समय पर बैठके आयोजित की जाती रही है। इन बैठकों में उपस्थित सदस्यों को संस्था की अधिशाषी परिषद द्वारा लिये गए निर्णयों व समय समय पर होने वाले आयोजनों का विस्तृत जानकारी दी जाती है। जिन सदस्यों का माह में जन्मदिन होता है और जो उपस्थित होते है। उनका माल्यार्पण कर बधाई कार्ड दे स्वाागत किया जाता है। गीत-भजन,कविता ,चुटकलें आदि सुनाकर सदस्यों का मनोरंजन किया जाता है। समूह को अन्य समूहों के स्तर पर लाने के प्रयास निरन्तर जारी है। सफलता सबके सहयोग पर ही सभंव है।

भँवरलाल गोयल

समूह सं. -08(केसरगंज)



समूह की बैठक सुविधानुसार सभी सदस्यों की सहमति से आयोजित की जाती है? समूह में सक्रिय सदस्यों की संख्या 15 से 20 तक है। समूह की मासिक बैठक में क्रमवार एक सदस्य को अध्यक्षता का दायित्व सौपा जाता है। बैठक की कार्यवाही शुरू करने से पहले ईश व्रन्दना की जाती है। जिन सदस्यों का माह में जन्मदिवस आता है उनका माल्यार्पण कर एवं बधाई कार्ड भेजकर अभिनन्दन किया जाता है तथा उन्हें आरोग्य,स्वस्थ एवं दीर्घायु होने की शुभकामनाएं दी जाती है स्वेच्छा से जन्मदिन सहयोग राशि समूह/केन्द्र को भेजी जाती है।

सदस्यगण सांस्कृतिक एवं मनोरंजन कार्यक्रमों के रूप में बैठक में भजन, गीत कविताएं,चुटकले आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते है जिनमें की अजय मेहरा,हीरालाल मैसी, गोपाल खन्ना,प्रेमचन्द सिंघल,सूरज नारायण कपूर, श्रीमान् अन्जू अग्रवाल, श्रीमती शशी सिंहल, पी.डी. अग्रवाल का योगदान रहता है। होली, दीपावली, अन्नकूट, संक्रान्ति,जन्माष्टमी जैसे बड़े महोत्सव आमोद-प्रमोद के साथ, सुखशांति व भाई-चारे के साथ धूम धाम से मनाया जाता है। यदि किसी सदस्य अथवा परिजन का स्वर्गवास होने पर उठावने वाले दिन शोक सन्देश प्रेषित किया जाता है तथा समूह की बैठक में उनकी आत्मा की शांति के लिए दो

मिनट का मौन रखकर श्रृद्धाजंलि अर्पित की जाती है। श्री ब्रह्मस्वरूप अग्रवाल, श्री बाल कृष्ण गर्ग, श्री हृदयनारायण कपूरा, श्री राजेन्द्र प्रसाद खांडेकर एवं श्रीमति रूक्मणी एम. मैसी के हुए स्वर्गवास उन सभी दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा जा जाकर श्रृद्धांजलि अर्पित की। प्रत्येक वर्ष की तरह पौष बड़ा महोत्सव मनाया जाता है मकरसंक्राति पर गायों को हरा चारा खिलाया जाता है दयानन्द बाल अनाथालय में वहां के बच्चों को खाने का सामान वितरित किया जाता है।

बैठक में कई विषयों पर चर्चा की जाती है। जैसे स्वच्छता अभियान, सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति, कपड़े के थैले का प्रयोग एवं मोटर वाहन अधिनियम के तहत नियमों के उल्लंघन पर जुर्माने की राशि को लेकर विचार विमर्श किया जाता है। 1 अक्टूबर को सम्पन्न हुए अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर समूह संयोजक पी.डी.अग्रवाल ने रूपये 500/- राशि बतौर सहयोग राशि दी। समूह से भी हीरालाल मैसी व श्री सत्य प्रकाश शर्मा को वयोवृद्ध से सम्मानित किया गया एवं उनके स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना की गई। 16 अगस्त को समूह संयोजक पी.डी.अग्रवाल का जन्मदिन केन्द्र की संस्था के पदाधिकारियों जिनमें श्री जे.पी.शर्मा, श्री बलवीर सिंह, श्री चिरंजी लाल शर्मा आदि अनेक वरिष्ठ सम्मानीय सदस्यों ने उनके निवास पर मनाया। अग्रवाल का माल्यार्पण कर उनकी फोटो वाला मोमेन्टो बतौर गिफ्ट दिया गया। श्री अग्रवाल ने अपने जन्मदिन पर रूपये 500/- संस्था को भेंट किये। सभी सदस्यों द्वारा फाग महोत्सव मनाया गया। जिसमें ,पुष्प, गुलाल व इत्र से होली खेली। माथे पर चंदन का टीका लगाया गया। फाग गीतों व भजनों की प्रस्तुति दी गई जिसमें अजय मेहरा, प्रेमसिंहल हीरालाल मैसी, अन्जू अग्रवाल, शशी सिंहल, पी.डी.अग्रवाल प्रमुख रहे। प्रत्येक माह की बैठक के अन्त में सभी सदस्यों को स्वादिष्ट अल्पाहार कराया जाता है। 29 अप्रैल 2019 को होने वाले लोकसभा के चुनाव के लिए प्रत्येक सदस्य ने अपने -अपने गली-मौहल्लो के वहाँ के निवासियों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। बाबू मोहल्ला केसरगंज में ग्यारह पौधे मय टी-गार्ड के पौधारोपण किया। क्योंकि इससे वातावरण प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण सुरक्षित रहेगा।

पी.डी.अग्रवाल

समूह सं. -9 (अलवर गेट)



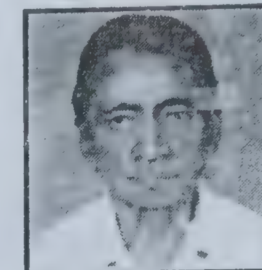
समूह की बैठक नियमित रूप से माह के द्वितीय रविवार को मार्टिन्डल ब्रिज के पास रेल्वे मजदूर संघ के कार्यालय पर आयोजित की जाती है। वर्ष में अप्रेल से सितम्बर ग्रीष्मकाल में 5.30 बजे अथवा 6.00 बजे एवं अक्टूबर से मार्च तक सर्दी के मौसम में 4.30 बजे आयोजित की जाती है। बैठक में सक्रिय सदस्य 30 के करीब उपस्थित होते है। मासिक बैठक की सूचना सेवा-संकल्प के साथ सदस्यों के निवास पर संयोजक पर दिवस व समय लिखकर पहंचा देते है। वर्ष में सदस्यों से क्रमशः रू.500/- समूह व रू.100/- संस्था के लिए प्राप्त किये जाते है। रू.100/- संस्था में जमा कर रसीद सदस्यों को वितरित की जाती हे। बैठक में ईशवन्दना, ओम का उच्चारण, एक्यूप्रेशर किया जाता है। मई 18 से छः माह तक प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम रहा। प्रश्न के सही उत्तर देने वालो को श्री पी.के.मिश्रा के सौजन्य से बॉलपेन का वितरण किया। मास मई 18 में श्री के.के.तामरा ने स्वास्थ्य व निरोग-औषधि पर विशेष व्याख्यान दिए। इन्होने जून 18 में भी एक्यूप्रेशर द्वारा जटिल रोगों के निदान व आयुर्वेदिक प्रद्धति से व योग द्वारा जटिल व्याधियों के निदान के लिए विस्तृत चर्चा की। माह अगस्त 18 में समूह की पिकनिक पुष्कर में मेवाड़ा कलाल धर्मशाला में आयोजित की गई। पिकनिक में कविता, चुटकलें एवं विशेष रूप से श्री ज्ञानचन्द गुप्ता एवं श्रीमती सुधा गुप्ता के मध्य पति-पत्नी विषय पर कटाक्ष कविताओं का आदान-प्रदान हुआ। वातावरण बड़ा ही खुशनुमा रहा। श्री भगवानदास असमादिया, श्री रोधश्याम गर्ग, श्री प्रेमकुमार मिश्रा ने भी भाग लिया। भजन आदि गाए गये। पिकनिक में नाश्ता कचौड़ी, मालपुआ से एवं भोजन में दाल, बाटी चुरमा, गट्टे की सब्जी, चावल, चटनी का सदस्यों ने स्वाद लिया। पिकनिक का सारा खर्चा यथा धर्मशाला का किराया नाश्ता व भोजन की व्यवस्था का खर्चा श्री कश्मीर सिंह जी ने वहन किया। धन्यवाद! बस का दोनो तरफ का किराया समूह ने वहन किया। सदस्यों से कोई भी राशि नही ली गई। 1अक्टूबर 2019 को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सभागार में अन्तर्राष्ट्रिय वृद्ध-दिवस समारोह मनाया गया। जिसमें समूह के सदस्य श्री के.के.तामरा एवं श्रीमती सुशीला शर्मा का 80 वर्ष पूर्ण होने पर संस्था की ओर से

सम्मान किया गया। समूह की ओर प्रस्तावित 90 वर्ष की आयु वाले स्वामी यादूदास महाराज का सम्मान भी होना था परन्तु वे यकायक तबीयत बिगड़ने के कारण उपस्थित नही हो सके। समूह की ओर से उनका निवास स्थान पर सम्मान किया गया किया, परिवारजन ने निवास पर लघु कार्यक्रम किया जिसमें क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति,स्वामी रामगिरी महाराज महन्त भागचन्द सांखल, रामस्नेही,श्री नारायण सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन समूह संयोजक श्री भगवानदास असमाहिया ने किया। विभिन्न वक्ताओं ने सम्मान समारोह में अपनेविचार व्यक्त किए एंव संस्था का आभार प्रदर्शित किया। स्वामी जी को शॉल, श्रीफल, टॉवल व फोटो फ्रेम सम्मान स्वरूप भेंट दिए। मास अक्टू. की बैठक में सभी सदस्यों को दशहरा व दीपावली की शुभकामना प्रदर्शित की गई। समूह की ओर से सभी सक्रिय सदस्यों को मिठाई का पैकेट दीपावली के उपलक्ष्य में उनके निवास पर वितरित किया गया। संस्था की 27.01.19 को आयोजित साधारण सभा में समूह के अधिकतर, सदस्य उपस्थित हुए। स्वरूचि पूर्ण भोजन का आनन्द उठाया जनवरी 19 की बैठक में श्री ज्ञानचन्द गुप्ता ने आम चुनाव में प्रदत्त होने वाली मशीन AVM की कार्यप्रणाली के बारे में बताया। श्री अनूपसिंह वर्मा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर समूह द्वारा शॉल उड़ाकर, श्रीफल-टॉवल व माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। श्री तामरा ने इलाज व सहज आसन पर अपने विचार व्यक्त किए। माह फरवरी 2019 बसंत पंचमी पर 10.02.19 प्रात: 10 बजे पर समूह की ओर से सेंट थामस स्कूल अलवरगेट के प्रकाश में श्री सुरेश अग्रवाल संस्था अध्यक्ष, श्री चिरंजीलाल शर्मा महासचिव श्रीमती राधिका अग्रवाल की पावन उपस्थिति में गरीब जरूरतमंद 25 महिलाओं को ब्रान्डेड साड़ियों का वितरण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के पार्षद, गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। इसी कड़ी में दिनांक 16.02.19 को अपरान्ह 3.30 बजे राज.उच्च प्राथमिक विद्यालय अलवरगेट के प्रांगण में श्री जे.पी.शर्मा उपाध्यक्ष, श्री कश्मीर सिंह अध्यक्ष अजमेर पेंशनर समाज की पावन उपस्थिति में जरूरतमंद 5 महिलाओं को साड़ियों का वितरण किया गया। साड़ियों के निर्मित सर्व श्री गिरीराज प्रकाश गुप्ता, ज्ञानचन्द गुप्ता, गंगासहाय शर्मा, प्रेमकुमार मिश्रा, भगवानदास असमारिया श्रीमती सुशीला शर्मा, राधिका अग्रवाल , श्रीमती संतोष वर्मा, श्रीमती सुधा गुप्ता, श्रीमती शशीकला रीजो ने आर्थिक सहयोग किया।

दिनांक 29.03.19 को संस्था द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह जनकपुरी में समूह के सदस्यगण उपस्थित थे। कार्यक्रम बहुत अच्छा रहा।

भगवानदास असमादिया

समूह सं. -10(पालबीचला)



मासिक मीटिंग में ग्रुप के सभी सदस्यों की गहन रूचि है,लेकिन कुछ व्यक्तिगत घरेलू परिस्थिति वश नियमित नहीं रह पाते है। फिर भी लगभग 30-35 के आस-पास संख्या में उपस्थिति रहती है। सामूहिक ईश वन्दना,औंकार ध्वनि,हास्यासन व तालियाँ बादन आदि से नई ऊर्जा का संचार हो जाता है।

इस ग्रुप की श्रीमती पुष्पा कच्छवा जो कार्यकारिणी की महिला सदस्या भी है, अन्य ग्रुप की कार्यप्रणाली से अवगत करा लाभान्वित करती है। हमारे ग्रुप की मीटिंग में भी श्री सुरेश जी अग्रवाल,अध्यक्ष तथा अन्य माननीय सदस्य पदाधिकारियों का सानिन्ध्य मिलता रहता है। 90 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों जिनकी संख्या 3 थी उन्हें 1 अक्टूबर 19 को जवाहर रंगमच पर सोसायटी द्वारा सम्मानित किया गया।

19 सदस्यों ने प्रति सदस्य 500/- का आर्थिक सहयोग दिया। वर्ष पर्यन्त सेवा संकल्प नियमित रूप से मिलते रहे। श्री ओमप्रकाश जी कच्छवा,त्रिलोक जी मिश्रा व प्रेमचन्द जी अग्रवाल को रहता है। श्री ओमप्रकाश चौरसिया का प्रतिमाह की मीटिंग में सक्रिय योगदान रहता है।

श्रीमती आशा गुप्ता, श्री रामकरण राव, श्री लक्ष्मण सिंह अखावत, श्री मदनलाल बारिया, श्री तानसिंह शेखावत आदि अपनी रचनाएं/गीत/कविता आदि प्रस्तुत कर सहयोग करते रहे हैं।

श्री रामनारायण जी चौहान के आभारी है कि अपने "चौहान पैलेस" पालबीचला मीटिंग आयोजित करने के लिए नि:शुल्क उपलब्ध करा रहे है। श्री चौरसिया जी ने जन्मदिवस पर 1000/- केन्द्र को तथा 300/- ग्रुप को भेंट किए जो बधाई के पात्र है। सेनसिट के हम आभारी है हमारे समूह के कई सदस्य केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहते है।

कल्याण राय शर्मा

समूह सं. -11 (गुलाबबाड़ी)



समूह संख्या 11 में कुल 90 सदस्य है। इस समूह की बैठक प्रतिमाह समिति भवन में आयोजित की जाती है। प्रतिवर्ष वार्षिक शुल्क 100 रू लिये जाते है।

समूह के सदस्यों द्वारा अपने जन्म दिवस पर केन्द्र को व समूह का भेट स्वरूप राशि दी जाती है जिसमें हर वर्ष 100 केन्द्र को तथा100 रू समूह को दिये जाते है।

प्रति माह जिनका जन्मदिन होता है उनको माल्यार्पण कर बधाई कार्ड देकर सम्मानित किया जाता है तथा इनके द्वारा प्रति माह स्वरूचि भोज का आयोजन किया जाता है।

प्रतिवर्ष माह दिसम्बर मे जिन सदस्यों की आयु 75 वर्ष कीपूर्ण होती है समूह मै उनकी हीरक जयन्ती मनाई जाती है। जाकर उनका माल्यार्पण कर प्रशस्ति पत्र पढ़कर श्रीफल, एवं शॉल ओढाकर सम्मानित किया जाता है।

समय समय पर 26 जनवरी, मकर-सक्रांति, 15 अगस्त, शिवरात्रि, होली, दीपावली, स्नेह मिलन मनाया जाता है। तथा बड़े नेताओं को याद कर उनके बारे में बताया जाता है।

नये सदस्य बनाने में समूह के सदस्यों द्वारा प्रयास किये जाते है समूह के सदस्य का देहान्त होने पर सदस्य को श्रद्धांजलि दी जाती है।

प्रति माह मनोरंजन की कड़ी के हाऊजी, चुटकुले, धार्मिक प्रवचन, व ज्ञानवर्धक बाते की जाती है जसमें सभी सदस्यों को मौका दिया जाता है।

जिसकी तबीयत खराब होती है उसके घर जाकर कुछ सदस्य गण उनका हाल पूछने जाते है।

मानकरण अग्रवाल

समूह सं. -12 (आदर्श नगर)



आदर्शनगर समूह संख्या -12 आरम्भ से ही अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाये हुए है। इसकी नींव में दिवंगत एवं पूर्व अध्यक्ष के.सी.गुप्ता एवं वर्तमान संरक्षक की मदन रवि का परिश्रम,कर्मठतां, अनुशासन और कर्तव्य परायणता की भावना सर्वोपरि रही है। उनकी प्रेरणा से ही समूह आगे प्रगति कर रहा है। पहले की तुलना में सदस्य संख्या मैं अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और यह आँकड़ा लगभग 120 सदस्यों तक पहुँच चुका है जिसमें से प्रत्येक माह लगभग 70 सदस्य सक्रिय रूप से भाग लेते है। समूह में इस बात का ध्यान रखा जाता है। जो सदस्य सक्रिय नही है और केन्द्रीय -समूह उन्हें मुख्य एवं सक्रिय धारा में पुनः जोडने के लिए लगातार, प्रयास किया जा रहा है। वर्तमान में जितने भी सदस्य सक्रिय है। अथवा जो लगातार मासिक बैठकों में भाग लेते है वे सभी विभिन्न प्रतिभाओं से युक्त है। वर्तमान सदस्यों में बौद्धिक रूप से , सांस्कृतिक रूप से, संगीत कला के रूप में और अन्य किसी भी क्षेत्र में दखल रखने वाले सदस्यों की संख्या ग्रुप में सर्वाधिक है। यह आदर्श नगर समूह -12 के लिए गर्व का विषय है।

समूह के क्रिया-कलाप में सभी सदस्यों का अनुशासन सहित पूर्ण सहयोग रहता है। समूह में 55 वर्ष की उम्र से लगभग 90 वर्ष तक की उम्र तक के सदस्यो का समावेश है। महिला सशक्तिकरण और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए, पूर्व की भांति स्वर्गीय श्री के.सी.गुप्ता के काल से शुरू की गई मीटिंग के उपरांत भोजन की व्यवस्था वर्तमान में भी, सभी सदस्यों के सहयोग से अनवरत चालू है। इसी प्रकार लगभग 17 वर्ष पूर्व शुरू की गई राजस्थान रोड़वेज आदर्शनगर स्टेन्ड पर प्याऊ का संचालन भी ग्रुप के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों के सहयोग से अनवरत चालू है। प्याऊ का संचालन सुचारू रूप से चलता रहे,इसके लिए समूह के वरिष्ठ सदस्य श्री हरिप्रसाद तिवारी,इसकी देख-रेख की जिम्मेदारी उठाते है। श्री तिवारी जी के सहयोग के लिए एक अन्य सक्रिय वरिष्ठ सदस्य श्री रामस्वरूप शर्मा को वर्तमान में नामित किया गया है। प्याऊ पर पानी पिलाने और अन्य देख-रेख के लिए एक सवेतन सेविका की व्यवस्था की जाती रही है। प्याऊ में दो वाटर कूलर से 24 घंटे, स्वच्छ एवं ठंडे पानी की व्यवस्था रहती है।

वर्तमान में समूह की मासिक बैठक "मुकुन्द गार्डन" नसीराबाद रोड़ पर होती है। इसका वातानुकूलित हॉल एवं खुला गार्डन , श्री मती सन्तोष भार्गव के द्वारा निःशुल्क उपलब्ध करवाया जाता है। समूह उनके स्नेहिल त्याग भावना के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता है।

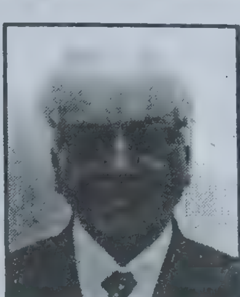
समूह की मासिक बैठक की तैयारी, सेवासंकल्प के वितरण और अन्य आवश्यक सहयोगो बतौर, सर्व श्री महेश शर्मा मदन रवि जी का योगदान महत्वपूर्ण रहता है। श्री

सुरेश बंसल ने समूह के आय-व्यय और रिकार्ड के रखरखाव की जिम्मेदारी निर्वाह कर रहे है। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालय में पहले से कार्यरत, श्रीमती गीता रवि एवं श्री पवनेश गोड़ के साथ एक अन्य प्रभावशाली नाम श्री जगदीश चन्द गुप्ता के द्वारा किया जाता है।

12 अगस्त, 2019 को समूह की मासिक बैठक,ब्यावर से लगभग 15 कि.मी. दूर नीलकण्ठ महादेव पर पिकनिक एवं भ्रमण के दौरान सम्पन्न हुई। सभी के सहयोग से यह पिकनिक अविस्मरणीय रही। विशेष अतिथि के रूप में सोसायटी अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल साथ रहे। समूह के लगभग 80 सदस्य बस, बैंक वेन एवं अपने निजी वाहनों से पिकनिक स्थल पहुंचे। पिकनिक सुबह के स्वादिष्ट चाय नाश्ते से शुरू हुई एवं भोजन के रूप में दाल,बाटी,चूरमे का सेवन किया गया। बीच में अत्यन्त सुन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रम नाच, गाने, सामूहिक नृत्य के साथ मनोरंजन कार्यक्रम हुये। इस माह जन्मे सदस्यों का जन्मदिन मनाया गया। वापसी के दौरान सभी सदस्यो द्वारा श्री सीमेंट स्थित प्रांगण में बालाजी के दर्शन, इसी व्यवस्था में शामिल थे पिकनिक के लिए साउंड सिस्टम, श्रीमती उमा शर्मा एवं श्री अरविन्द शर्मा द्वारा उपलब्ध करवाया गया। इनका आभार ग्रुप-12 के एक कर्मठ सेवाभावी एवं वरिष्ठ सदस्य दिलीप सिंह पीलकन्या का आकस्मिक निधन, समूह के लिए अपूर्णीयक्षति समूह स्व. पीलकन्या जी को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

यतीश झा

समूह सं.-13 (भजनगंज)



प्रत्येक माह-मासिक बैठक आयोजित की जाती है। ईश प्रार्थना - तीन बार ऊँ का उच्चारण 20 बार तालीवादन 3 बार अट्टासन के बाद बैठक की कार्यवाही शुरू की जाती है। समूह से अध्यक्ष का चयन महिला या पुरुष चुना जाता है। माला पहनाकर स्वागत किया जाता है। नये सदस्यों तथा अतिथियो का स्वागत किया जाता है। संस्था की कार्यकारिणी के (वित्त सचिव) श्री बलबीर सिंह गहलोत ने अवगत काराया की मुझे हर्ष है कि श्री बी. आर. दोहरे समूह संयोजक के पद पर 19 साल सीनियर सिटीजन सदस्यों की तन-मन-धन से सेवा दे रहे है। भवि में भी सेवायें देते रहेगे।

समूह 13 भजनगंज तानाजी नगर श्रीनगर बहुत बड़ी इकाई के रूप में संस्था के प्रति कर्त्तव्य परा एवं सहयोगकर्त्ता के रूप में कार्यरत है। इस क्षेत्र भजनगंजा तानाजी नगर, श्रीनगर श्रृँगार चँवरी बि गंज- हनुमान नगर अंगीरा नगर नसीराबाद रोड धौलाभ रोड - पूजा मार्ग प्रोफेसर कॉलोनी राजनगर शिवनगर अ शामिल है।

इस ग्रुप में कार्यकारिणी के तीन सदस्य है इनमें सुरेश अग्रवाल द्वितीयपारी , श्री बलवीर सिंह गहलोत वि सचिव द्वितीयपारी, बी.आर.दोहरे -संयोज़क समूह प्रयास से मासिक बैठक के लिए स्थानीय ड्रीम इंगि स्कूल के प्रशासक से मिलकर निःशुल्क उपलब्ध करव स्कूल प्रशासन का बहुत-बहुत आभार।

समूह के सभी सदस्यों को धन्यवाद। मनोर कड़ी में पुरूष-महिलाये सभी भाग लेती है। भजन-ग संगीत, मारवाड़ी गीत, हरियाणा के चुटकले, हरियाण गीत, स्वस्थ सम्बन्धी जानकारी प्रदान की जाती है। बचाओ-बेटी पढ़ाओं, मेडीटेशन योग आदि भी वि जाता है। यह संख्या वृद्धिजन कल्याण हेतु संचालित स बड़ी संस्था है इस संस्था में सदस्यो की संख्या 4500 कुल समूह सं. 13 में 159 सदस्यो की संख्या है 100 के क सक्रिय है। बैठक में 30-50-60 तक सदस्य शमिल हो उन सबको अंत में नाश्ता किया जाता हे।

यह संस्था सामाजिक संस्था है धार्मिक प्रेम चारा से चलती है यह संस्था धर्म जातिवाद से ऊपर उठ कार्य करती है। राजनैतिक नहीं है।

यह संस्था प्रत्येक साल 1 अक्टूबर वृद्धजन दिवस म है उसमें 90 साल या ऊपर के उम्र के सभी पुरूषों सम्मानित किया जाता है। किसी जाति के दो मेम्बर हो हो संयोजक को भी सम्मानित किया जाता है। 1 अक सारे संसार में वृद्धजन दिनवस मनाते है। 80 साल के य साल से ज्यादा सम्मानित किया जाता है।

बी.आर.ब

समूह सं. -14 (मेयो लिंक रोड़)

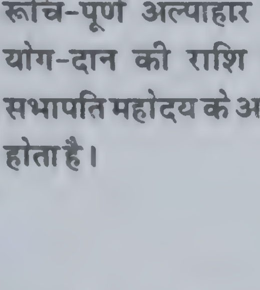


समूह-14 की मासिक बैठक प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रातः 11 बजे वृद्धजन-सत्संग भवन (दिवा केन्द) रघुनाथ मंदिर में ईश वंदना, ओउम उच्चारण, करतल ध्वनि (200 बार) एवं हास्य योग से होता है। संशोधित सूची (मार्च 2019) के अनुसार समूह -14 में 122 सदस्य संख्या है। मासिक बैठक में उपस्थित सदस्य संख्या औसतन 15-20 के मध्य रहती है। बैठक में सर्वप्रथम इस माह में जन्में सदस्यों को सभा में मनोनित सभापति द्वारा बधाई कार्ड देकर दीर्घायु एवं शुभकामनाएं देकर हर्ष उल्लांस से जन्मदिन मनाया जाता है। सभा में उपस्थित सदस्यों द्वारा समसामयिक विषय पर चर्चा एवं प्रश्नोत्तर सत्र रहता है। केन्द्रिय कोष में 35 सदस्यों ने सक्रियता-वार्षिक शुल्क जमा कराया है और एक नये सदस्य के रूप में नामांकन हुआ है। केन्द्रिय कार्यकारिणी द्वारा समय-समय पर किया गया निर्णय मासिक बैठक में सभी सदस्यों को अवगत करा दिया जाता है।

बैठक में अग्रिम रूप से आगामी चर्चा के लिए एक प्रमुख विषय उपस्थित सदस्यगण चुनते है उस पर अपने विचार सभा में सभी सदस्य रखते है। सभा के अंत में स्वेच्छा से जन्म-दिवस के वरिष्ठ जन, उपस्थित सभी सदस्यों को रूचि-पूर्ण अल्पाहार कराते है एवं स्वेच्छा से समूह को योग-दान की राशि जमा कराते है। सभा का समापन सभापति महोदय के आर्शीवचन पश्चात् शांति -पाठ के साथ होता है।

श्री कृष्ण शर्मा

समूह सं. -15 (रामगंज)



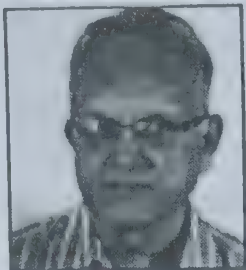
सीनियर सिटीजन सोसाइटी संस्था का अजमेर शहर समूह है। जिसके वर्तमान में सदस्य सं. 485 सदस्य है। यहाँ की मासिक बैठकें में 100-110 सदस्यों की उपस्थिति रहती है जो समूह की सक्रियता व कार्यशैली को प्रकट करता है। अजमेर शहर के सभी समूहों में अग्रणीय है। समूह के पास मासिक बैठकों के हेतु एक दिवा केन्द है जो स्थायी भवन में है। मासिक बैठकों में माह में जन्में समूह सदस्यों का जन्मदिन बधाई कार्ड व पुष्प प्रदान कर धूम - धाम से मनाया जाता है। स्वेच्छा से जन्म दिन सहयोग राशि समूह / केन्द्र को भेजी जाती है। जो ओसतन प्रतिमाह 800-100 रुपये है। सदस्यगण सांस्कृतिक एवं मनोरजंन कार्यक्रमों के रूप में बैठको में गीत, भजन, चुटकले व आप बीती घटनाऐं सुनाते है। संस्था की अन्य गतिविधियों जैसे वृद्धजन समारोह, स्मारिका में विज्ञापन आदि में काफी अच्छी सहयोग राशि एकत्रित कर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है।

हर वर्ष सदस्यो को 75 वर्ष पूर्ण करने पर 26 जनवरी को दिवा केन्द प्रांगण में शाल, श्रीफल रामचरितमानस भेंटकर स्वरूचि भोज का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष समूह कि वर्षाकालीन गोठ का आयोजन "बन्धे के बालाजी" विचून पर किया गया। जिसमें दो बसों में 110 सदस्यों ने उत्साह के साथ भाग लिया व वहां पर गीत संगीत व अन्य खेल जैसे हाऊजी का आयोजन किया गया जिसका सदस्यों ने भरपूर आनन्द लिया। समूह द्वारा वर्ष 2019 में वरिष्ट नागरिको हेतु दो बार मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें एक बार महावीर इन्टरनेशनल समिति द्वारा कान से कम सुनने वालो को 273 कान की मशीन का निःशुल्क वितरण किया गया जिसमें अजमेर शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने भी भाग लिया। इसके पश्चात दूसरे मेडिकल कैम्प में कई प्रकार की जांचो का लाभ वरिष्ठ नागरिकों द्वारा उठाया गया। पौधारोपण व तुलसी के पौधो का निःशुल्क वितरण किया गया।

इस प्रकार संस्था द्वारा कई प्रकार के कल्याणकारी कार्य किये जाते है। समूह के पास दिवा केन्द्र पर रोजाना सदस्यो हेतु तीन अखबार आते है तथा कैरम व ताश आदि खेलने हेतु सदस्य एकत्रित होकर अपना मनोरंजन कर आनन्दित होते है। रोजाना, 25-30 सदस्यो की दिवा केन्द्र पर उपस्थिति रहती है, दिवा केन्द सुबह 10.00-13.00 बजे तक सायंकाल 4.00 से 6.00 PM तक खुला रहता है। साथ ही नयी कार्यकारिणी का चुनाव होने के बाद सीनियर सीटीजन सोसायटी का स्थायी कार्यालय भी यहा स्थापित कर दिया गया है। सोसाइटी से इस दिवा केन्द को 400/- रू. का अनुदान प्रतिमाह भी मिलता है। समूह के दो तीन सदस्य प्रतिदिन पंजाब नेशनल बैंक में पेंशनर्स के लिये अपनी सेवायें भी देते है।

मुरारीलाल सिंह

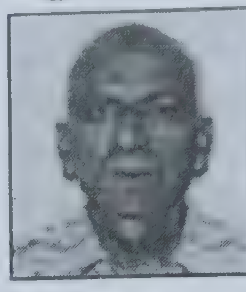
समूह सं. –16 (फॉयसागर रोड़)



समूह - 16 के सदस्य एक विस्तृत क्षेत्र पुष्कर रोड़, फायसागर रोड़, बी.के.कौलनगर, ज्ञानविहार, रामनगर,दयानन्द कॉलोनी नृसिंह पुरा, हरीभाऊ उपाध्याय नगर (मुख्य) आदि से सम्बंधित है। सदस्य संख्या 200 है जिसमे से लगभग 140 सदस्य अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे है। समूह की नियमित मासिक सभा माह के दूसरे रविवार को आयोजित होती है। मासिक सभा के सदस्यो के जन्मदिन पर उनको पुष्पहार पहनाकर,सोसायटी प्रदत्त बधाई देकर,सामूहिक स्वरों में उनको बधाई देकर शुभकामनाऐं दी जाती है। समसामायिक विषयों पर, अध्यात्म पर, आपसी समस्याओं व उनके निदान पर चर्चा की जाती है। स्वास्थ्य संबंधी चर्चाओ में एक्यूप्रेशर आयुर्वेदिक औषधियों व आजमाये हुए घरेलू नुस्खो पर भी चर्चा की जाती है मनोरंजन हेतु भजन,कविता,चुटकुले,गीत, प्रेरक प्रसंग सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किये जाते है! हाऊजी का खेल भी सदस्यों में अति लोकप्रिय है। वर्ष 2008 में समूह द्वारा सोसायटी को 9900/- का तथा वर्ष 2019 में सितम्बर 19 तक 19000/- का योगदान दिया गया है। समूह द्वारा होली महोत्सव,दीपावली अन्नकूट महोत्सव तथा पिकनिक भ्रमण आदि भी यथा समय आयोजित किये जाते है। प्रतिवर्ष जनवरी माह में समूह के 75 वर्ष पूरे करने वाले सदस्यो का सम्मान किया जाता है। समूह की मासिक सभा के लिये स्थान व सुविधायें उपलब्ध करने के लिये समूह की सदस्यां श्रीमति रमणीक जैन, धर्मपत्नि स्व. श्री भागवत सिंह जैन के प्रति आभारी है। मासिक सभाओं में श्री रामेश्वर लाल सुगंध स्वनिर्मित अमृत पिल्स व दर्दशामक तेल का निःशुल्क वितरण करते हैं तथा अल्पाहार की व्यवस्था भी सुचारू रूप से निभाते है। समूह के वरिष्ठतम सदस्य आदरणीय श्री लालचंद जी डोसी के अनुभवों व सद्वचनों से सदस्य लाभान्वित होते है। समूह की प्रगति में सदस्यों के सद्भावमय सहयोग व सक्रिय भागीदारी का विशेष योगदान रहा है।

रतनलाल ऐरन

समूह सं. –17 (हरिभाऊ उपाध्याय नगर)



समूह संख्या - 17 के सदस्य पुष्कर रोड़, हरिभाऊ उपाध्याय नगर (विस्तार) हाथीखेड़ा, प्रगतिनगर, रीजनल कॉलेज के आसपास, सूर्यनगरी व अन्य समूह क्षेत्र के आवासी समूह के सदस्य है। ग्रुप की मीटिंग दाहरसेन स्मारक 'चर्च' भवन, मणीपुंज, पुष्कर, बूढ़ापुष्कर व अन्य पर्यटक स्थलो पर आयोजित की जाती है। समूह के सदस्य सोसायटी के कार्यक्रमो में जैसे वृद्धजन दिवस, होली मिलन समारोह, दीपावली मिलन समारोह,पिकनिक व साधारण सभा आदि में बढ़-चढ़कर भाग लेते है। औसतन 12-15 लोगों का प्रतिमाह वार्षिक सहयोग सोसायटी को भेजा जाता है। ग्रुप स्मारिका हेतु विज्ञापन के लिए भी प्रयासरत है व दो विज्ञापन मिलने की आशा है। 1 अक्टूबर, वृद्धजन दिवस पर समूह के श्री आर.सी.माहेश्वरी, श्रीमती मंजू माहेश्वरी, ब्रजसिंह राठौर, श्रीमती पुष्पा, त्रिपाठी, श्रीमती सोम खटोरिया श्री हरीश कुमार प्रजापति व श्री एम.सी.बाछीवाल द्वारा प्रत्येक ने 500/- की राशि भेंट की। इस वर्ष समिति के 3 सदस्यों श्री एम.एल. वाफना,एच.के.अधमेश व बद्री प्रसाद अग्रवाल का 80 वर्ष पूर्ण होने पर सम्मान हुआ। 75 वर्ष पूर्ण होने पर समूह द्वारा उसी माह में विधिवत् सम्मान किया जाता है। समूह के सदस्य श्री आर.सी.माहेश्वरी, श्री जे. एन. शर्मा, चन्द्रसेनं गहलोत, आर. के. चतुर्वेदी, गोपीचंद अग्रवाल व श्री एच. एन. माथुर व श्रीमती शीला शर्मा नियमित रूप से ''वृद्धाश्रम'' में सेवाएं प्रदान करते है। सोसायटी द्वारा आयोजित मेडीकल,आईकैम्प,रक्तदान शिविर व स्कूल में यूनिफार्म वितरण व टोलफा संस्था को सेवाएँ प्रदान करते है। विर्मदित ''संस्था शुब्धा'' को आर्थिक सहायता प्रदान करते है। समिति के एस.के.अरोरा द्वारा योगाभ्यास द्वारा स्वस्थ जीवन के गुर सिखाऐ जाते है। वर्तमान में समूह की संख्या 220 है। ग्रुप के 5 सदस्यों ने स्मारिका हेतु लेख भेजे है। समिति के सदस्य श्री आर.के.गोयल, एच.के.एस व श्री मुन्नालाल जैन लायंस क्लब व महावीर इण्टरनेशनल जैसी संस्थाओं द्वारा दिये दायित्वों को निभा रहे हैं।

रमेश चन्द्र माहेश्वरी

समूह सं. –18 (धोलाभाटा)



यह समूह गाँधीनगर तिलकनगर, पूजा मार्ग बसंत बिहार, कृष्णा कॉलोनी, लक्ष्मी बाई नगर, कपिल बसंत कॉलोनी, बाबा रामदेव मंदिर, धोलाभाटा, गाँव तथा बस्ती परिसर तक फेला हुआ है।

सदस्यता

कुल सदस्य	-	171
सक्रीय सदस्य	-	136
नये सदस्य जुड़े	-	23

मीटिंग

कुल वर्ष में 12 मीटिंग हुई।

प्रत्येक मीटिंग ईश वन्दना ओम् उच्चारण, हास्यआसन व ताली वादन द्वारा प्रारंभ की जाती है। जन्मदिन व विवाह की वर्षगांठ विधिवत मनाई जाती है। नये सदस्यों का स्वागत किया जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भजन, गीत, कविता, लेख, चुटकले, गाने, प्रेरक प्रसंग आदि सुनाये जाते है। माह में किसी सदस्य अथवा परिजन का स्वर्गवास होने पर 2 मिनिट का मौन रखा जाता है तथा उठावनी वाले दिन शोक सन्देश भेजा जाता है। प्रत्येक बैठक में अल्पाहार/भोजन का आनन्द लिया जाता है।

औसत उपस्थिति

प्रतिमाह – 66 सदस्यों की रही।

बैंक खाता बैंक ऑफ बडौदा, मेयो गर्ल्स शाखा में बचत खाता खोला गया है तथा उसमें 70,000 रूपये की एफडीआर करवाई गयी है। तथा बचत खाते में इस समय 19848 रूपये है तथा Cash in hand करीब 12000/- रूपये हैं।

प्रतिभावान गरीब बच्चों को आर्थिक सहायता

क्षेत्र के स्कूलों में 4 बच्चों का चयन किया गया है तथा उन्हें आर्थिक सहायता देना तय हुआ है। एफडीआर के ब्याज से जो राशि मिलने वाली हैं। उसका उपयोग करना है तथा यह प्रतिवर्ष होता रहेगा।

केन्द्रीय सहयोग

केन्द्रिय सहयोग राशि –

23550.00

Elders day contribution

16400.00

कुल सहयोग 33950.00 समारोह

इस वर्ष 12 नियमित बैठकों के अलावा निम्न समारोह समूह ने आयोजित किये–

1. 21.06.2018 को सुबह 7 बजे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस धोलाभाटा पार्क में 118 सदस्यों की उपस्थिति में मनाया गया।
2. 15.08.2018 को सुबह 7 बजे धोलाभाटा पार्क में स्वतंत्रता दिवस श्रीमती सुरेन्द्र कौर सोहल के मुख्य आतिथ्य में 140 सदस्यों/परिजनो की उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया।
3. विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर :– एक से 3 जनवरी 2019 को सामुदायिक भवन, धोलाभाटा में नि:शुल्क एक्युप्रेशर, सुजोफ एवं फिजीयोथेरपी का शिविर राजस्थान के प्रसिद्ध 2 डॉक्टरो द्वारा लगाया गया जिसमें प्रतिदिन 50 से ऊपर मरीज लाभान्वित हुए।
4. 26.01.2019 की सुबह 7 बजे धोलाभाटा पार्क में गणतन्त्र दिवस समारोह 161 सदस्यों परिजनों की उपस्थिति में धूमधाम से मनाया जाता है।
5. 18.05.2019 को एक मेडिकल केम्प जोधपुर से आये डा.गुप्ता व श्रीमती चौधरी द्वारा सामुदायिक भवन में लगाया गया जिसमें 32 मरीज लाभान्वित हुए।
6. 26.05.2019 को संस्था के त्रिवर्षीय चुनाव में समूह सं. 138 सदस्यों ने अपने मत का उपयोग किया जो कि एक रिकार्ड है। हमारे समूह की श्रीमती प्रेरणा गौड महिला उपाध्यक्ष के पद पर अच्छे मतों से विजयी घोषित की गयी। प्रेरणा जी को बहुत बधाई।
7. 21.06.2019 को धोलाभाटा पार्क में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 142 सदस्यों परिजनों की उपस्थिति में मनाया गया।

समूह द्वारा संस्था की पिकनिक, होली एवं दीवाली मिलन में बहुत अच्छी संख्या में सक्रीय रूप से भाग लिया जाता है तथा पूरा अजमेर इसकी प्रशंसा भी करता है।

के. के. गौड़

समूह सं. –20 (नाका मदार)



वर्ष के दौरान 12 बैठके नियमित रूप से सामुदायिक भवन, मधुवन कॉलोनी नाका मदार में आयोजित हुई। इनमें सदस्यों की औसत उपस्थिति 50 रही। वर्ष में 12 नये

सदस्य बने और 3 सदस्य देवलोक गमन कर गये। वर्ष में हुई 12 बैठकों में से 12,11 और 10 बैठकों में उपस्थित होने वाले सदस्यों और अल्पाहार व्यवस्था में सहयोग करने वाले सदस्यो को पुरूष्कार स्वरूप डायरी दी गई। महासचिव ने आम सभा के आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सर्वश्री राजेन्द्र शिवहरे ,रामेश्वर सिसोदिया और श्री विनोद माथुर का आभार प्रकट किया। मार्च मास की बैठक ''होली स्नेह मिलन'' के रूप में हर्षाउल्लास के साथ सम्पन्न हुई। समस्त सदस्यों के चन्दन का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। मनोरंजन के कार्यक्रम के दौरान गुलाब पुष्प और गुलाब जल की वर्षा की गई। समूह द्वारा कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 12 सदस्यों ने भाग लिया। एकल प्रतियोगिता में श्री नरेन्द सिंह पंवार विजेता और श्री राजेन्द्र शिवहरे उपविजेता रहे, युगल प्रतियोगिता में श्री राजेन्द्र शिवहरे श्री रामेश्वर सिसोदिया विजेता और श्री मुकेश भार्गव श्री डी के जैन उपविजेता रहे विजेताओं को डा. श्री कृष्णा नन्द जी द्वारा पुरूष्कार दिया गया।

संयोजक की पहल पर भारतीय स्टेट बैंक शाखा नाका मदार द्वारा दिनांक 22.06.18 को पेंशनर्स की मिटिंग रखी गई। बैंक प्रबन्धन को कई सुझाव दिए गये और समस्याओं से भी अवगत कराया गया। प्रबन्धक ने सुझावों पर कार्यवाही करने और समस्याओं के निवारण का आश्वासन दिया।

जुलाई माह की बैठक में श्रीमती स्मृति पचौरी, आर्थिक व निवेश सलाहकार सेवी को निवेश सम्बन्धित जानकारी देने हेतु आमंत्रित किया गया। आपने बताया कि अपने पैसे को कहां निवेश किया जाय ताकि वह सुरक्षित रहने के साथ-साथ आयकर की छूट का लाभ भी प्राप्त हो सके।

संस्था द्वारा आयोजित पिकनिक एवं सामूहिक भ्रमण पर समूह का कोई भी सदस्य स्व. नरेन्द्र सिंह पंवार के स्वर्गवास के कारण उपस्थित नहीं हुआ था। श्रीमती चन्दर ऐबर द्वारा शव रखने के लिए एक डी फ्रिजर, आदर्श शमशान गृह, गांधीनगर , नाका मदार को भेंट किया गया जिसकी सेवा नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जावेगी। श्रीमती ऐबट को माल्यार्पण कर आभार प्रकट किया गया। संस्था द्वारा भी दीपावली स्नेह मिलन समारोह पर उन्हें माल्यार्पण कर और शॉल ओढ़ाकर हार्दिक अभिनन्दन किया गया।

समूह ने संस्था को वृद्धजनों के सम्मान हेतु रू. 14,700 /- का आर्थिक सहयोग प्रदान किया। सहयोग करने वाले सदस्य सर्वश्री विनोद माथुर, बी.आर.सांधी, एल.एन. राजपूत, जसवन्त सिंह, रामेश्वर सिसोदिया, भू. तुकाराम,वीडी.गुप्ता, सुबोध कुमार गर्ग, सुरेश चन्द गुप्ता, एस.एससिंघल, अमर सिंह क्षैत्रीय, के.एल. दुखाड़िया,पी. एन. मित्तल, एस. एम. जौहरी,बी. के. बाधवा, प्रतोद कुमार शर्मा, राधेश्याम सिंघल, एच.एन.भटनागर, सूरजमल अग्रवाल, महेन्द्र कनौजिया, एस. एन. कपूर, डी. के. जैन,. आर. के. शिवहरे, गोरधन वरमानी, शैलेन्द्र वर्मा, बी.आर. मौगा, सर्वश्रीमती चन्दर ऐबट, बीना रानी और श्रीमती मन्जू पंवार का आभार प्रकट किया। श्री राजेन्द्र शिवहरे ने समस्त सम्मानित होने वाले 70 सदस्यो हेतु शॉल उपलब्ध करवाये सम्मान समारोह में समूह के श्री के. एल. दुखाडिया और श्री बी. के बाधवा का सम्मान किया गया। समूह की नवम्बर माह की बैठक दीपावली स्नेह मिलन के रूप में आयोजित की गई जिसमें अतिथि संत डा. श्री कृष्णानन्द जी महाराज और अधिशाषी परिषद के सदस्य उपस्थित हुए। श्री डी.के जैन के 75 वर्ष पूर्ण होने पर गुरूवर द्वारा माल्यार्पण कर शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर दीर्घायु होने और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए सम्मानित किया गया श्री अमर सिंह वर्मा के भी 75 बसन्त पूर्ण होने पर दिसम्बर मास में माल्यार्पण कर शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर दीर्घायु होने और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई।

श्रीमती पियूषलता क्षत्री द्वारा रू. 5000/- और श्री डी.के.जैन द्वारा 1100/- दृष्टि बाधित कन्या विद्यालय (लाडलीघर) की सहायतार्थ भेंट किये।

पूर्व संयोजन श्री एम.एस.सिंगला और वरिष्ठतम सदस्य श्री अमर सिंह क्षत्रीय ने संयोजक श्री राजेन्द्र शिवहरे के संयोजक पद पर पांच वर्ष के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए माल्यार्पण और शॉल ओढाकर सम्मान किया। वर्ष के दौरान श्री जसवन्त सिंह ने 1500/- ,श्रीमती अर्चना रोहतगी पुत्री श्री अमर सिंह क्षत्रीय ने रू. 900/- और श्री सूरजमल अग्रवाल ने 600/-रू. का आर्थिक सहयोग दिया।

वर्ष में समूह की आय 66,959/- रही और व्यय रू 51,526/- हुआ। अत: अन्तिम शेष रू. 15,432/-रू. रहा जो कि पिछलेवर्ष से 6,849/-रू. अधिक है।

राजेन्द्र कुमार शिवहरे

समूह सं. -21 (दौराई)



समूह की मासिक बैठक प्रतिमाह के अन्तिम सप्ताह में आयोजित की जाती है। समूह में सदस्यों की संख्या 75 है।लेकिन 25-30 सदस्य ही बैठक में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।समूह में नवीन बनायें गये सदस्यों का माल्यार्पण करके उनका स्वागत किया जाता है। जिन सदस्यों का माह में जन्मदिवस आता है उनका माल्यार्पण एवं बधाई कार्ड भेंट कर अभिनन्दन किया जाता है। माल्यार्पण पति-पत्नी के द्वारा ही करवाने की कोशिश की जाती है जो सदस्य इस अवसर पर उपस्थित नहीं हो पाते है उनको बधाई कार्ड तथा माला उनके घर पर भिजवाये जाते है। जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सदस्यो द्वारा संस्था एवं समूह को राशि जमा कराई जाती है। बैठक में समूह सदस्यों द्वारा भजन, गीत, गायन, महापुरूषों के उपदेश धार्मिक कथा में, हास्यास्पद चुटकुले इत्यादि सुनाकर सदस्यों का मनोरंजन किया जाता है। समूह सदस्यों द्वारा विभिन्न विषयों पर सामाजिक सेवा, प्राकृतिक औषधि उपचार योगा, आध्यात्मिक अनुभव का आपस में आदान-प्रदान करते है, बैठक में महिलायें गीत, तथा भजनों को गाने में भाग लेती है। जिन सदस्यों की साल गिरह माह में होती है उन्हें भी सदस्यों द्वारा बधाई दी जाती है। तथा पति-पत्नी द्वारा माला पहनाई जाती है, रिटायर हुये सदस्यों को शॉल तथा साफा बांध कर ग्रुप द्वारा सम्मानित किया जाता है। 75 साल की आयु पूरी होने पर तथा शादी के 50 साल होने पर शॉल तथा साफा बांधकर सम्मानित किया जाता है। वृद्धजन समारोह में ग्रुप ने 500/- की राशि दी है। समूह की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती अमृता शुक्ला के 31 अगस्त 2019 को निधन होने पर तथा श्री राजेन्द व्यास जी की माताजी श्रीमती कमला देवी व्यास के दिनांक 18.10.2019 को निधन होने पर उन्हें भाव भीनी श्रद्धांजली दी गई तथा मीटिंग में 2 मिनट का शोक प्रकट किया गया। वर्ष 2018 में तीन बार साहिल वृद्धाश्रम वैशालीनगर में जाकर वृद्धजनों को भोजन करवाया गया है। तथा ग्रुप के सदस्य अशोक कुमार मिश्रा ने व्यक्तिगत रूप से दो बार वहां उन्हें खाना खिलाना,चाय क्रोकरी तथा स्टील की 18 थालियाँ भी वहाँ पर दी गई है। मीटिंग के अन्त में स्वादिष्ट अल्पाहार पश्चात् अध्यक्ष महोदय की अनुमति से राष्ट्रीय गीत व शान्ति पाठ के साथ मीटिंग समाप्त की जाती है।

सत्यनारायण सिंह

समूह सं. -22 (चन्द्रबरदाई नगर)



समूह संख्या 22 चन्दरबरदाई नगर अजमेर की मासिक बैठक नियमित तौर पर माह के तीसरे रविवार को मुधवन पार्क 'ए' ब्लॉक में होती है।

सर्वप्रथम ईश वन्दना में ओम् के उच्चारण के बाद आयोजित की जाती है। सभा की अध्यक्षता वरिष्ठतम सदस्य द्वारा की जाती है वर्तमान में समूह 22 की सदस्य संख्या 190 के लगभग है, प्रत्येक माह की बैठक में 60 से 70 व्यक्तियों की उपस्थिति रहती है। वर्तमान में समूह 22 के कोषाध्यक्ष श्री रामस्वरूप टाँक है। समूह के सभी सदस्य को सभी कार्यक्रम में मनोरंजन के साथ-साथ एक दूसरे के साथ मिलकर सुख शान्ति एवं भाई-चारे का अनुभव करते है। प्रत्येक माह में जन्में सदस्यों का जन्मदिवस पर बधाईपत्र एवं हार पहनाकर स्वागत किया जाता है।

स्वास्थ्य एवं दीर्घआयु होने की शुभकामना दी जाती है। अपने जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सदस्यगण समूह को सहयोग राशि प्रदान करते है। नये सदस्यों का उपस्थित सदस्यो से परिचय कराकर माल्यार्पण कर स्वागत किया जाता है। समूह हर वर्ष द्वारा वर्षाकालीन गोट/पिकनिक का आयोजन किया जाता है इस बार 8 सितम्बर 2019 को खोडा गणेश (गेगल) पर आयोजन किया गया समूह में

जिन सदस्यों की सालगिरह होती है, उन्हें उनके सुखमय जीवन की कामना की जाती है तथा माल्यार्पण कर उनका अभिनन्दन किया जाता है। समूह के सदस्य श्री जे.एल भाटी श्री हरिसिंह चौहान तथा श्री.एस.वी.माथुर चन्द्वरदाई के खेल मैदान में प्रत्येक दिन पशुपक्षियों को दाना पानी तथा पौधो को पानी पिलाने की व्यवस्था करते य भूमिका के लिए प्रयत्नशील रहता है।

महिला सदस्यो का समूह की प्रत्येक गतिविधिओं ,बैठको उत्सवो ,पिकनिक में पूर्ण योगदान रहता है। भजन गीत चुटकले,अन्ताक्षरि,हाऊ जी एवं अन्य गेम्स कराये जाते है। बैठक मे प्रत्येक सदस्य को अपनी बात रखने की पूर्ण स्वतन्त्रता रहती है।

समूह में दिवगंत सदस्यों के प्रति संवेदना सहित शोक-सभा आयोजित कर उनकी आत्मा को शन्ति हेतु श्रद्धांजलि दी जाती है।

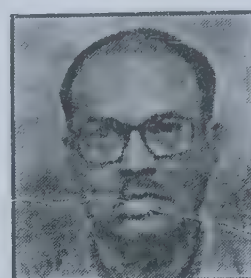
आंतकी हमले में शहीद हुए RPF जवानों को मोमबत्ती जलाकर समूह द्वारा श्रद्धाजंलि दी गई तथा जवानो के परिवार को समूह की ओर से रू 2000 सहयोग राशि दी गई।माह 25 मार्च की मीटिंग में पुष्प की होली खेलकर होली मिलन समारोह किया गया सभी ने हर्षोउल्लास से होली खेलकर उत्सव मनाया गया।

21 जुलाई की मीटिंग में श्रीमती ललिता सुराना द्वारा समूह के बालक जो 10वी. एवं 12वी. में 75% से अधिक अंक लाये उनको पारितोषिक वितरण कर उनका उत्साह बढ़ाया गया।केन्द्रीय समिति द्वारा किये जाने वाले कार्यक्रम जैसे होली मिलन, दीपावली मिलन, पिकनिक वयोवृद्ध जन समारोह आदि में हमारे समूह के अधिक से अधिक संख्या में लोग सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढाते है।समूह 22 चन्दरवरदाई नगर अजमेर का आकंलन एक अनुशासित एवं संस्था के प्रति पूर्ण सहयोग के रूप में जाती है।

समूह का प्रत्येक सदस्य आपसी सहयोग आत्मीयता हेतु सक्रिय भूमिका के लिए प्रयत्नशील रहता है।

जयचन्द जैसवा

समूह सं. -23 (पंचशील नगर) वार्षिक प्रगति रिपोर्ट



सि.सी. के सचिव विकास श्री जयदेव साँखला पंचशील निवासी ने अधिशाषी परिषद् से अनुमति प्राप्त कर पंचशील नगर निवासियो के पुराने सदस्यों की सुविधा के मध्यनजर रखते हुए समूह संख्या 23 के गठन किया।इस समूह गठन के प्ररेणा स्त्रोत श्रीमती मधुगुप्ता व श्री पी. आर. कोठारी रहे। श्री मुकेश शंकर भार्गव का भी सहयोग रहा।

समूह की प्रथम बैठक 22 अगस्त 2019 को चाणक्य स्मारक पंचशील में सम्पन्न हुयी। इस बैठक में सस्था अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल, के श्री उ.पा चिरंजीलाल शर्मा, म. सं. श्री जे.पी. शर्मा सचिव वित्त श्री बलबीर सिंह गहलोत व स. विकास श्री जयदेव साँखला उपस्थित रहे। समूह में समूह सं. 01 से 11 व 04 से 02 व नवीन सदस्य 34 कुल 47 सदस्य है।

माह अक्ट्बर में श्री नौरतमल बसंल सदस्य का 75 वर्षीय आयु प्राप्त होने का संस्था के नियमानुसार स्वागत किया गया।

समूह सं. 23 के सदस्य संख्या के उज्जवल भविष्य विकास की मंगल कामनाा करते है।

डी.पी.सिंह

''स्वाद'' छोड़ो तो शरीर को फायदा।
''विवाद'' छोड़ो तो संबंधों का फायदा।।



सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर

समूहवार एवं मदवार सहयोग प्राप्ति का विवरण (दिनांक 1.12.2018 से 30.11.2019 तक)

समूह संख्या व स्थान	समूह संयोजक का नाम	नये बने आजीवन सदस्यों से प्राप्तियाँ	वार्षिक सहयोग राशि	जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्राप्त सहयोग राशि	वृद्धजन दिवस पर प्राप्त सहयोग राशि	पुलवामा शहीदों के परिवारों के लिए प्राप्ति	कुल योग
1. वैशाली नगर	श्री नरेन्द्र कुमार मंगल	5400	7100	-	5900	4100	22500
2. क्रिश्चयन गंज/कृष्णगंज	श्री कैलाश चन्द जोशी	3800	10200	1000	23102	3850	41952
3. सिविल लाईन्स	श्री सुरेन्द्र कुमार विजयवर्गीय	2300	5100	-	500	-	7900
4. शास्त्रीनगर	कमांडेंट जगदीश सिंह राजावत	2900	5600	-	5581	-	14081
5. कुन्दननगर	श्री जगदीश प्रसाद विजय	950	4300	-	11500	-	16750
6. हाथीभाटा	श्री चन्द्र नारायण अग्रवाल	550	4600	-	4500	-	9650
7. नयाबाजार (निष्क्रिय)	श्री भंवरलाल गोयल	-	-	-	-	-	-
8. केसरगंज	श्री प्रहलाद दास अग्रवाल	-	600	200	500	-	1300
9. अलवरगेट	श्री भगवानदास असमादिया	1600	2600	100	3300	-	7600
10. पालबीचला/तोपदड़ा	श्री कल्याणराय शर्मा	-	1100	1100	9000	1600	12800
11. गुलाबबाड़ी	श्री मानकरण अग्रवाल	150	1900	-	500	-	2550
12. आदर्शनगर	श्री यतीश झा	5450	12200	100	6000	7000	30750
13. तानाजी नगर/भजनगंज	श्री बाबूराम दोहरे	4050	5900	9400	8200	17962	45512
14. मेयो लिंक रोड	श्री श्रीकृष्ण शर्मा	400	3600	950	700	3101	8751
15. रामगंज	श्री मुरारीलाल सिंह	9100	7300	1000	10200	5100	32700
16. फॉयसागर रोड	श्री रतनलाल ऐरन	3650	10000	500	6500	1500	22150
17. हरिभाऊ विस्तार/कोटडा	श्री रमेशचन्द माहेश्वरी	4650	9500	-	3500	5500	23150
18. धोलाभाटा	श्री कृष्ण कुमार गौड़	9950	12800	-	15900	-	38650
19. केकड़ी (निष्क्रिय)	-	-	-	-	-	-	-
20. नाका मदार	श्री राजेन्द्र शिवहरे	4200	9900	800	10600	16303	41803
21. दौराई	श्री सत्यनारायण सिंह राठौर	-	4500	-	500	-	5000
22. चन्द्रवरदाई नगर	श्री जयचन्द जैसवार	3900	6100	-	1500	-	11500
23. पंचशील नगर	श्री देवेन्द्र पाल सिं	11350	3700	-	2100	-	17150
अन्य से प्राप्तियाँ		-	-	-	41200	-	41200
योग		74350	128600	15150	171283	66016	455399

ह.
एडवोकेट संतोष शर्मा
ऑडीटर

ह.
सुरेशचन्द अग्रवाल
अध्यक्ष

ह.
जगदीश प्रसाद शर्मा
महासचिव

ह.
बलबीर सिंह गहलोत
वित्त सचिव

समूह संयोजक

क्र. सं.	नाम	समुह सं.	जन्म दिनांक	पता	सम्पर्क सूत्र
1	श्री नरेन्द्र मंगल	01	17.08.45	26, इन्कम टैक्स कॉलोनी, अजमेर	9351257000, 2641387
2	श्री कैलाश जोशी	02	02.12.52	539/26, मधुवन विहार, डॉ. करनावट के पास, क्रिश्यनगंज, अजमेर	9414259076
3	श्री सुरेन्द्र कुमार विजय	03	07.06.48	36, पलटन बाजार, अजमेर	8696954350, 2628284
4	श्री जे. एस. राजावत	04	15.08.48	ई- 213, शास्त्रीनगर, अजमेर	9461839111, 2425695
5	श्री जे.पी. विजय	05	03.01.37	6- ए, नाथजी मंदिर रोड़, कुन्दन नगर,अजमेर	9460612158, 2424672
6	श्री सी. एन. अग्रवाल	06	11.02.49	गौरी भवन, मॉडल स्कूल के पीछे, बापू नगर, अजमेर	9828042115
7	श्री भंवरलाल गोयल	07	01.05.28	शारदा भवन, सीताराम मंन्दिर के पास, अशोक मार्ग, अजमेर	9982362666, 2433653
8	श्री पी. डी. अग्रवाल	08	16.08.50	409/30, श्री गिरिराज भवन, प्लाजा टॉकिज के पास, अजमेर	9829427827, 2427827
9	श्री भगवानदास असमादिया	09	25.08.44	सेंट थॉमस स्कूल के पास, अलवर गेट, अजमेर	8764001257
10	श्री कल्याण राय शर्मा	10	25.08.44	219/12, राजेन्द्र पुरा, हाथी भाटा, अजमेर	9413870037, 2433152
11	श्री मानकरण अग्रवाल	11	13.04.38	अग्रवाल भवन, गुलाब बाड़ी अजमेर	9828829287, 2660758
12	श्री यतीश झा	12	29.04.50	सेक्टर न. E,14/15 गली न. 2, शालीमार कॉलोनी आदर्श नगर	9460705458, 2440325
13	श्री बी.आर. दोहरे	13	01.06.39	कमला निवास,तानाजी नगर, भजनगंज, अजमेर	9887436574, 9314477985
14	श्री श्रीकृष्ण शर्मा	14	05.07.47	प्लाट नं. 2, गणेश नगर मेयो कॉलेज के पीछे, अजमेर	7597722919
15	श्री मुरली लाल सिंह	15	23.11.54	44 लाजपत नगर, चौधरी होटल गली रामगंज	8619560347, 2693153
16	श्री आर.एल.ऐरन	16	25.06.44	256, ऐरन विला, बी.के. कॉल नगर, अजमेर	9460894799,3207972
17	श्री आर.सी.माहेश्वरी	17	10.01.46	596, हरिभाऊ उपाध्याय नगर, विस्तार कोटड़ा, अजमेर	9413300900, 2600900
18	श्री के.के. गौड़	18	21.07.52	1153/42, सेंट जोसफ प्राइमरी स्कूल के पास, धोला भाटा, अजमेर	9414007543
19		19			
20	श्री राजेन्द्र कुमार शिवहरे	20	22.12.49	सी-2 मधुबन कॉलोनी, नाका मदार, अजमेर	9414272722, 2671133
21	कैप्टन सत्यराण सिंह	21	02.05.52	प्लाट नं. 9, वीर तेजाजी नगर, ब्यावर रोड, दौराई	9928215700
22	श्री जयचन्द जैसवार	22	02.08.50	एफ-67 चन्दवरदाई नगर	9214631737

समूह संयोजक

Senior Citizen Society, Ajmer (At a Glance)

S.N. Year	President	Sr. Vice-President	Vice-President	Secretary	Joint Secretary	Treaurer
1. 1995-96	Col. K.D Upadhayay	Sh. N.S. Raj	Prof. (Smt.) Vimla Mishra	Sh. R.C. Bajaj	Sh. K.C. Sharma	Sh. O.P. Agarwal
	Member :- Sh. N.M. Boolhandani, CDR B.M. Joshi					
2. 1997	Col. K.D Upadhayay	Prof. (Smt.) Vimla Mishra		Sh. R.C. Bajaj	Sh. K.C. Sharma	Sh. O.P. Agarwal
	Member :- Sh. N.M. Booihandani CDR B.M. Joshi, Lt. Col. S.P. Kapoor, Cdt. J.S Chouhan, Dr. C.S. Metha					
3. 1998-99	Col K.D Upadhayay	Sh. M.G. Toshniwal	Smt. Sushma Mishra	Sh. R.C. Bajaj	Sh. K.C. Sharma Sh.N.M. Boolochandani	Sh. O.P. Agarwal
	Member :- Sh. N.M. Boolhandani, CDR B.M. Joshi, Lt. Col. S.P. Kapoor, Cdt. J.S. Chouhan, Dr. C.S. Metha CA Harish Chandra & Co.					
4. 2000-01	Col. K.D Upadhayay	Smt. Sushma Mishra	Cdt. J.S. Chouhan	Sh. R.C. Bajaj Sh. S.K. Mehra	Sh. K.C. Sharma Sh.N.M. Boolochandani	Sh. O.P. Agarwal
	Member :- Lt. Col. S.P. Kapoor, S.K.Bachlas, Sh. M.S. Singla, Sh. S.S. Gogawat, Sh. J.P. Vijay , Sh. S.K. Mehra					

S.N. Year	President	Sr. Vice-President	Vice-President	Secretary	Sec. (Adm.)	Sec. (Dev.)	Sec. (Fin.)
5. 2001-03	Dr. S.K. Singh	Smt. Hemant Mishra	Sh. S.S. Gogawat	Sh. R.C. Bajaj	Sh. K.C. Sharma		Sh. O.P. Agarwal Sh. S.M. Kaushik,
	Member :- Sh.S.K.Bachlas, Sh. G.H. Raisinghani, Dr. P.C. Deedwania, Sh. R.G. Agarwal , Sh. K.K. Khanna, Smt. Mithlesh Gupta						
6. 2004-06	Dr. S K. Sharma	Sh. S.S Gogawat	Dr. (Miss) D.K Agicha	Sh. K.C. Gupta	Sh. J.P. Vijay	Sh. S.K. bachlas	Sh. K.C. Sharma
	Member :- Sh.D.C.Pandey, Sh. L.S. Goyal, Sh. R.P. Singhal , Sh.B.R. Dohre, Sh. R.C. Gupta, Dr. P.C. Deedwania						
7. 2007-09	Dr. S.K. Sharma	Sh. S.S. Gogawat	Dr. (Miss) D.K. Agicha	Sh. K.C. Gupta	Sh. J.P. Vijay	Sh. S.K. bachlas	Sh. K.C. Sharma Sh.D.C.Pandey,
	Member :- Sh. L.S. Goyal, Sh. L.S. Goyal, Sh. R.G. Agarwal , Sh.B.R. Dohre, Sh. B.P. Mittal, Sh. R.G. Agarwal Smt. Sheela Saxena, Sh. J.N. Sharma, Sh. K.K. Gupta						
8. 2010-May 13	Sh. S.K. Gupta	Sh. J.P. Vijay	Smt. Sheela Saxena	Sh. R.K.Prasad Sh. R.S. Nirban	Sh.B.R. Dohre	Sh. R.S. Nirban Sh. K.K. Gupta	Sh. Suresh Agarwal Sh.P.C.Gupta,
	Member :- Sh.D.C.Pandey, Sh. J.N. Sharma, Sh. J.N. Lakhotiya , Sh.B.L. Agarwal, Sh. K.J. Gyani, Sh. H.L. Sankhla Mrs. Madhu Gupta, Sh. Subhash Chandna, Sh. K.K. Gupta, Sh. R.P. Singhal						
8 2013-16	Sh. K.C. Gupta,	Sh. R.S. Nirban	Smt. Kusum Gautam	Sh. Suresh Agarwal Cdr. J.S. Rajawat	Cdr. J.S. Rajawat	Sh.J.P Sharma Sh. G.K. Jirota	Sh. R.N. Vijayvargiya Sh. K.C. Agarwal Sh.H.P.Ojha
	Member :- Mrs. Madhu Gupta, Smt. Radhika Agarwal						
8. 201[illegible]	Sh. Suresh Agarwal	Sh.J.P Sharma	Smt. Kusum Gautam		Sh. V.P. Kapoor	Sh. Sunil Saxeena	Sh. B.S. Gahlot
	Member :- Smt.Manju Maheshwari						
[illegible]. 2019-	Sh.Chiranjilal Sharma	Smt. Prenna Gaur	Sh. J.P. Sharma	Sh. Sunil Saxeena	Sh.Jai Dev Sankhla		Sh. B.S. Gahlot
	Member :- Smt.Manju Maheshwari Smt. Pushpa Kachawa						

'स्मृति शेष' विनम्र श्रद्धांजलि

वर्ष 2019-2020 की स्मारिका में प्रकाशित के अतिरिक्त सत्र 2018-19 में देवलोक गमन हुए सदस्यों को सोसायटी हृदय से श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

क्र.सं.	नाम	एल एम नं.	स्वर्गवास की दिनांक	समूह संख्या
1.	श्रीमान् राजशर्मा	1761	28.04.1978	02
2.	श्रीमती गीता देवी शर्मा	1804	22.10.18	02
3.	श्रीमती किरण शर्मा	2847	06.12.18	02
4.	श्री प्रताप सिंह थोरी	440	28.07.19	02
5.	श्री हरीसिंह चौहान	1247	-	07
6.	डा. चन्द्रप्रकाश आहूजा	182	-	07
7.	डा. प्रेमचन्द डीडवानियाँ	249	-	07
8.	श्री वेद प्रकाश मलहौत्रा	102	-	07
9.	श्री पी.एन.माथुर	1323	-	07
10.	श्रीमती गीता देवी मारूकिया	845	-	07
11.	श्रीमती भगवन्ती डीडवानियाँ	901	-	07
12.	श्रीमती दिप्ती वसु	2331	06.08.19	01
13.	श्री महेश सिंह चौहान	3015	10.18	16
14.	श्रीमती विमला चौहान	3767	15.05.19	01
15.	श्रीमती ज्योति लाल महावर	3769	07.07.19	02
16.	नारायण दास वीरचंदानी	393	01.10.17	08
17.	मदन मोहन मेहरा	2826	21.11.17	08
18.	हृदय नारायण कपूर	956	25.10.18	08
19.	बाल कृष्ण गर्ग	1673	05.12.18	08
20.	राजेन्द्र प्रसाद खाण्डेकर	3172	04.1.19	08
21.	ब्रह्मस्वरूप अग्रवाल	2367	06.06.19	08
22.	श्रीमती रूकमणी सक्सैना	356	24.06.19	08
23.	श्री बाल मुकुन्द शर्मा	1833	16.06.18	18
24.	श्रीमती कमला मेहरा	1248	21.07.18	18
25.	सुश्री बृजेन्द्र कंवर मेहरा	507	29.07.18	18
26.	श्रीमती धनवंती केसवानी	2961	04.19	18
27.	श्री किशन सिंह चौहान	3431	17.05.19	18
28.	श्री मोहन लाल पाथरा	3784	07.19	18
29.	श्रीमती शकुन्तला देवी खटूमरा	1743	08.19	18
30.	श्री राधेलाल शर्मा	3371	25.02.19	18
31.	डा.बी.एस.रायजादा	1085	-	22
32.	श्री भूपेन्द्र मालेण्ट	3430	-	07
33.	श्रीमती सुधा माथुर	3264	30.09.19	07
34.	श्री के.के. खन्दा	731	23.12.18	07


With Best Compliments
From
PRERNA GAUR
Vice President
Senior Citizen Society Ajmer
M. : 9414258773
K. K. GAUR
Co-ordinator
Group-18, Dholabhata
M. : 9414007543


With Best Compliments From
Smt Sushila Sankhla
Group No. 2
M : 9413328481
Jaideo Sankhla
(Secy. Development)
M : 9414118481

।। श्री हनुमते नमः ।।

अजमेर जिला गौड़ ब्राह्मण सभा, अजमेर

रेल्वे डी. आर.एम. कार्यालय के पास, मालरोड़, अजमेर फोन नं. - 0145242424100







अध्यक्ष
अनिल भारद्वाज
ो. : 9414008699, 9214975199
निवास : 0145-2633699

सचिव
कैलाश चन्द्र शर्मा
मो. : 9460611254
निवास : 0145-2625831

ाज हित कार्य

- समाज के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान एवं आर्थिक रूप से कमजोर को उच्च तकनीकी अध्ययन हेतु आर्थिक सहयोग, विशेषकर बालिकाओं को प्राथमिकता।
- समाज के सभी विशेष योग्यता एवं 75 वर्ष से अधिक आयु वर्ग को विशेष अवसरों पर सम्मानित करना।
- समाज द्वारा बचत एवं साख समिति का समाज के सदस्यों की सुविधा को संचालन करना।
- निर्मित भवन में वृद्धि के सतत् प्रयास।
- प्रदेश भर से विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले ब्राह्मण बच्चों को ठहरने की निःशुल्क व्यवस्था।
- समाज के आर्थिक दृष्टि से कमजोर व्यक्ति की आपात काल में यथा संभव चिकित्सा सुविधा में सहयोग देना।

हमारा प्रयास समाज का पूर्ण विकास

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Ph : 0145-2633699,
9414008699, 9214975199 (Anil)
9414237853 (Arvind)
9414314295 (Vikas)

अनिल भारद्वाज, अरविन्द भारद्वाज

नीति पत्र लेखक

हमारे यहाँ जायदाद सम्बन्धी हर प्रकार के कानूनी दस्तावेज कम्प्यूटर एवं टाईप द्वारा तैयार किये जाते है।

निवासः "स्नेह", गेट - 2 के सामने, भगवान मेडिकल के पास, पुलिस लाईन, अजमेर
E-mail bhardwajanil02@gmail.com

With Best Compliments From : *Neeraj Khu*

Deepak Electricals & Sales Agenc

Dealers of Anchor, Elloy's, Bajaj Appliances, Philips Lighting & All Kinds of Electricals

Authorised Distributors of Finolex, R.R. Kable, Polycab R Kable Wire &
Cables Lagrand MCB & Switch Gears



Kutchery Road, Ajmer

Ph.: 0145-2621294, 0145-2622228 (R) Mob: 982919203

Email : deepakelectricalsajmer@gmail.com

विनम्र श्रद्धांजलि



जन्म तिथि
29 जून 1930

देवलोक गमन
6 अगस्त 201

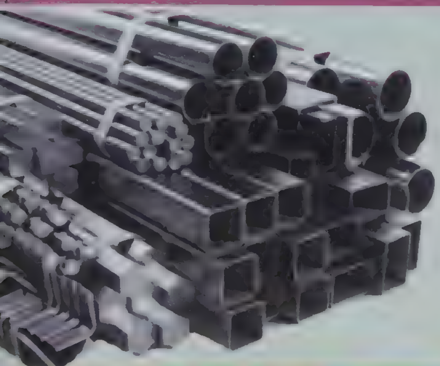
श्री राम मोहन टंडन

गरिमामय, विशिष्ठ व्यक्तित्व,
निष्ठावान, शिक्षाविद, पुरूषार्थी, कर्मठ,
मूर्धन्य एवं सेवाभावी स्वभाव के धनी
सभी को प्यार बाँटने वाले एक अविस्मरणीय
यादगार छोड़कर चले गये।

श्रद्धा-सुमन...

श्रीमती लक्ष्मी टंडन (धर्मपत्नी)
श्री विनोद टंडन- श्रीमती ललिता टंडन (भ्राता-भ्रातावधु)
श्री अनूप टंडन-श्रीमती नीता टंडन (पुत्र-पुत्रवधु)
श्री आलोक टंडन-श्री प्रीति टंडन (पुत्र-पुत्रवधु)
श्रीमती अमिता कपूर - श्री राज कृष्णा कपूर (पुत्री-दामाद)
श्रीमती शिवांगी-श्री एकांक मेहरा (पौत्री-दामाद)
विवेक कपूर, डॉ. गरिमा कपूर (नाती - नातिन)
उज्जवल, प्रज्जवल, मृदुल (पौत्र)

55, आदर्शनगर, अजमेर (राज.)
मो. : 9414097088



।। जय जिनेन्द्र ।।

जैन

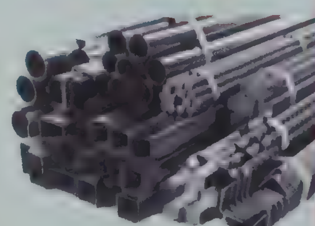
AJMER IRON INDUSTRIES

WHOLESALER & RETAILERS OF IRON & STEELS

With Best Compliments From

Ajmer Iron Industries





We Deal in
All under One Roof

- TESTED ISI TOR STEELS "TMT"
- G.P./ G.C./ C.R./ H.R. SHEETS
- M.S. PLATES & CHEQURED PLATES
- GIRDER OR JOINTS
- CHANNEL - GATE CHANNEL
- BINDING WIRE - BARBED WIRE
- ANGLES-PLATES-ROUND-SQUARE
- PIPE
- SHUTTER PATTI-SHUTTER CHANNEL
- SHUTTER BOTTOM - SHUTTER SPRING
- BAIL - PHOOL - TIKRI - KATORI
- OLD SHIP PLATES-CHANNELS - GIRDER
- RAIL - PIPE - ANGLE - SHEET ETC.

नोट : हमारी कोशिश रही है कि सभी साईजो का सेक्शन वजन इसमें समाहित हो और पूर्णतया सही हो। फिर भी किसी प्रकार का फर्क होने पर समबन्धित प्लांट एवं रोलिंग मिल्स की जानकारी को सही मानें।

भवदीय : अजमेर आयरन इण्डस्ट्रीज, अजमेर

H-1-34, New Ext. RIICO Ind. Area, Parbatpura, Makhupura, Ajmer - 305008
Mob. : 9414008631, 9414006631, 9414003681, 9414008681, 0145-2970681

MRF TYRES

Vishal Tyres

Tyres & Services Franchise

MRF TYRES

Tyre With Muscle

Salient Featu

- Complete Range of MRF Two-Wheeler, Ca SUV's
- Tractor Truck Tyres.
- High Definition Wheel Alignment Balancing Facilities by Hunter (No.1 Brand in Wheel Alignment World Wide)
- Tubeless tyre puncture repair by Mushroom Patches (to keep tyre safe and durable)
- Nitrogen Gas to get more mileage and ser from your tyres.
- Get your CAR air conditioner serviced & Refilled by World's best "TEXA" A.C. Recov Unit

MRF ZTX

MRF WANDERER
TREAD ANYWHERE

VISHAL TYRES Plot No. 6&7, Mukund Garden, Adarsh Nag
Opp. IOCL Petrol Pump, Nasirabad Road, Ajmer
Cont.: +91-9982685500, 9828170068, 0145-2441505
E-mail : tarunraghvanshi@gmail.com


English Medium
VALLEY POINT SCHOOL
Vision For Pride Success
Play Group / Nursery / L.K.G.
ADMISSION OPEN
Physical & Sports Activities
Spacious & Well Equipped Environment
Playground Facility
Teaching Through Montessori Method
Smart Classes With Digital Content
Creative Activities Every Week
Qualified & Well Experienced Faculty
RADHIKA VILLA CAMPUS, BHAJAN GANJ, AJMER
Contact : 9057741450, 9414281479, 9828172732

Sweet Memory



Shri K.C. Gupta
September 17, 1939
November 19, 2016

&

Born

Heavenly Abode

Smt. Manju Gupt
August 08, 1942
November 09, 2008

Gopal - Beena
Shail Mittal
Jyoti - Mithlesh ji Bansal
Preety - Anupama ji Gupta
Anjali - Sandeep Ji
Archana - Rahul Ji Singhal
Rachna - Vikas Ji Gupta
Abhinav Mittal

ADARSH CONFECTIONER'S AND GENERAL STORE
Adarsh Nagar, Ajmer

Dr. Deepak Gupt
Sandeep Gupta -
Snehlata Gupta
Alok Gupta - Ra
Vivek Gupta - Sh
Aditya, Kruti

Shreeraj, Kartik, Abhishek, Tanmay, Dhruv,
Vartika, Shivi, Ritisha



Lodha Dharmshala
Pride of Ajmer
लोढा धर्मशाला
Attached A.C. & Air Cooled Rooms with T.V.
Intercom, Parking Facility Available
Only Heritage Sharmshala Situated in the
Heart of the Holy City of Ajmer & 1/2 Km
from Railway Station
Prithviraj Marg, Ajmer - 305001
Ph. No. 0145-2429916, Email : info@lodhainn.com

Complete English Medium Sr. Sec. Day Scholar & Day Boarding School

Cambrizon International Scho

Session - 2019-20 Enrolling Now Pre Nursery





A Well Planned Curriculum

- Experiential and the innovative teaching techn
- Competent well qualified teachers with excelle communication skills.
- Rich Library with exclusive Reading Corner.
- 21st century learning through smart classes.
- Computer Language
- Online web portal for parents.



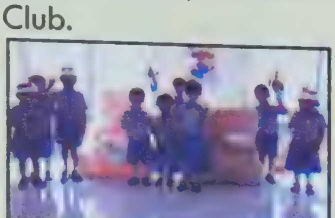
Distinguished Infrastructure

- Lush green campus spread over 10 bighas.
- Pollution & Noise free healthy environment.
- Convent educated highly qualified teaching staf
- Quality curriculum at per with international stand
- Yoga & Meditation.
- State of the art excellent infrastructure.
- Comfortable classroom.
- Art & Craft club (Developing the expertise in "Abstract Art")
- Buses with child tracking & GPRS system.
- A Strict Security System under CCTV surveillance

Energizing Activities

- Confidence building & personality development sessions.
- CCA Activities and clubs like photography /Cookery / spoken English Club / Readings Club
- Music & Dance Club / Skating Court / Basketball Ground / Karate Club / Cricket Club / Hockey Club / Football Club.









ADMISSION OPEN 2019-20

Visit : www.cambrizon.com, Email - cambrizon@gmail.com

Cambrizon International School, Mob. + 91 8764224422

Cambrizon Road, Transport Nagar T Point, Next to Daurai Railway Station, Beawar Road Ajmer Mob. +91 8764224422, 8764

Chandan Marble Cutting Factory

Bhagya Shree Stone



Rajesh Bhati
9460082001



Yogesh Saini
9829270758

Ind. Area Roopnagar,
Dist Ajmer
Concern Firm

Vith Best Compliments

St. Joseph's Bal Niketan

Sec. School, Dhola Bhata, Ajmer



ar Feature of our School

Primary Block

- Fully Hi-Tech School
- Well Educated. Qualified and Trained Staff
- Env ronment Friendly Classroom and Campus
- Well Eauipped Computer Lab with Wi-Fi Faciity
- Special Concession for Poc r, Needy and Bright Students
- Smart Classes from Play G roup to XII
- English Spoken Lab.
- Bus Facilities.
- Hindi/Engl sh Medium option available.
- Arts, Commerce & Scien e (Maths/Bio) Faculties available.
- NSS Unit & Scouts ar d Guide Carrier for Children Gargi & Inspire Awards.
- AIMPT, AIIMA S, ITI, ICWA. CS, CIVIL Services, Banking and other.
- Guidance Cour seling during schooling.



DHOLA BHATA, AJMER

Ph. : 0145-2662646, 2660485, Email : stjosephajmer@gmail.com
Contact Time : 08AM To 12 PM

चतुर्थ विनम्र श्रद्धांजलि



जन्म 13 मई 1949

देवलोक गमन
24 अप्रेल 2015

स्व. श्री घीसूलाल शर्मा
सेवानिवृत प्रधानाध्यापक (शिक्षा विभाग)

चतुर्थ पुण्यतिथि पर पूरे परिवार की ओर से अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते है।



बिछुड़ गए बीच राहों में
दिल से ना जा पाओगे।
आँखो में आंसू गम के
आप उम्र भर याद आओगे।



श्रद्धा सुमन ....

श्रीमती द्वारका देवी शर्मा (पत्नी)
योगेश शर्मा - कुसुम शर्मा (पुत्र-पुत्रवधु)
नीलम - हरिप्रकाश जी, अमृता - राजेश जी (पुत्री दामाद)
सक्षम, रिशिका (पौत्र'पौत्री)

कुम्हार गली, तानाजी नगर, भजनगंज, अजमेर मो. 9001194004



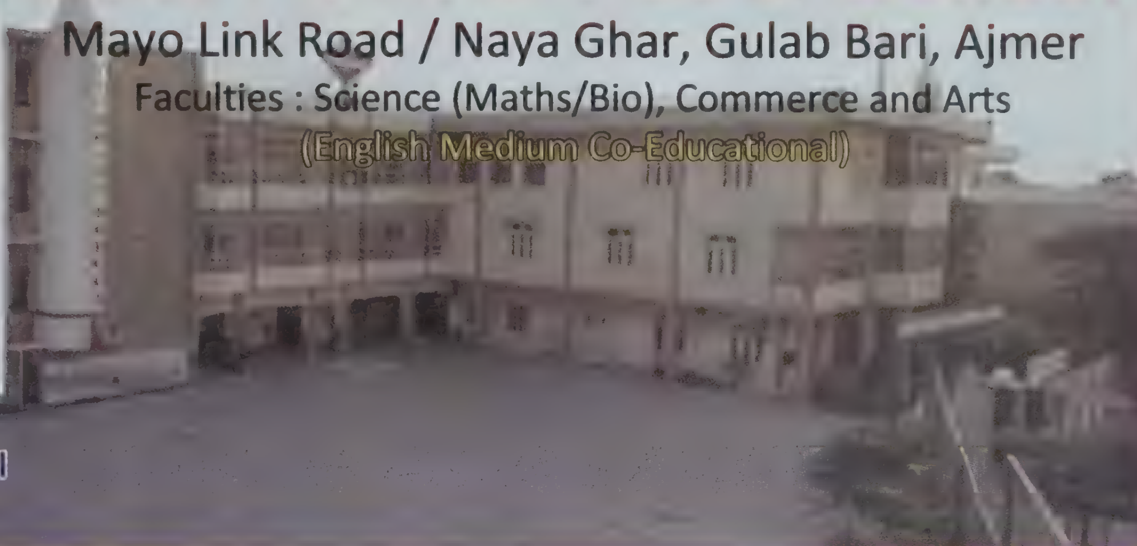
e Major R.S. Chauhan
der of East Point School

East Point Sr. Sec. School

Mayo Link Road / Naya Ghar, Gulab Bari, Ajmer

Faculties : Science (Maths/Bio), Commerce and Arts

(English Medium Co-Educational)



Features

Teaching through Digital Class Rooms
Well equipped Computer Lab and well stacked Library
CCTV Surveillance
Experienced and Dedicated Staff
Special focus on mental and physical grooming of a child
Activity based learning method
Regular Educational Tours, Camps, Excursions, Workshops, Seminars and Interactive Sessions
Bus facility available

Co-Curricular Activities

Excellent sports facilities for Gymnastic, Soft Ball, Hand Ball, Roll Ball, Skating, Badminton, Table Tennis
2 NCC Troupes (Army & Naval Wing) both for boys and girls and Scout Troupe
Kathak, Key Board, Tabla, Guitar, Piano, Congo, Bongo, Harmonium classes

Board Result 2018-19

Class 10th	**Result 100%**
Students Appeared	87
First Division	84
Second Division	03
Class 12th Science	**Result 100%**
Students Appeared	32
First Division	31
Second Division	01
Class 12th Commerce	**Result 100%**
Students Appeared	27
First Division	27
Class 12th Arts	**Result 100%**
Students Appeared	14
First Division	12
Second Division	02

Faculties : Science (Maths & Bio), Commerce and Arts

Discipline is the backbone of success.

With Best Compliment From



Anshu Paper Industries



Ritesh Ga

Mfg. : Exc. Note Book., Long Ex. Book
Files Etc. Self Adhesive
Tape & Masking Tape

Factory : C/o Aonok Slate Works, Pushkar Road, Ajmer (Raj) - 305
Residence : 11/ Ashoke Vihar, Colony, Opp. Shantipura,
Vaishali Nagar, Ajmer (Raj.)

Email : ritesh Garg 0404@gmail.com
Tel : 0145-2633233 (O) Mob : 9414252982, 9461052982

सुनने में कठिनाई ?

प्रयोग करें विश्वस्तरीय (सीमेन्स) सुनने की मशीनें

signia
Life sounds brillia







सुविधाएं :-

ऑडियोजिस्ट द्वारा परीक्षण
कम्प्यूटराइज्ड ऑडियोमेट्री
बेरा जांच
इयर मोल्ड एवं बैट्री की जैसी अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध
स्पीचथैरेपी
सभी प्रकार की डिजिटल कान के पीछे एवं न दिखाई देने वाली सुनने की मशीने उपल

एवेस्टसाउण्ड सेन्टर

गर्ग हियरिंग सेन्टर

101, प्रथम मंजिल, एम स्क्वायर, निकट स्टेट बैंक,
शांतिपुरा के सामने वैशाली नगर, अजमेर
मो. : + 91 9672982691, 9828509531
Email : garghearing@gmail.com

Hearing Solutions

Hearing Systems
SIEME

विनम्र श्रद्धांजलि



स्व. श्री मगराज शर्मा वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक

जन्म तिथी - 28 जुलाई 1944

ब्रह्मलीन दिनांक - 28 अप्रेल 2018

गुरू ब्रह्मा गुरू विष्णु गुरू देवो महेश्वर ! गुरूसाक्षात परम ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नम

एक ऐसे अपूर्व आनन्द का आदेश और कर्मनिष्ठा का मापदण्ड जिसकी समानता आपके राजकीय सेवा की प्रथम निष्पति से लेकर से
के अंतिम क्षण तक उल्लेखनीय सेवाओं,अनुभूतियों का शेष रह जानेवाला दस्तावेज यदि कोई है, तो सरल कुशल विचारो में उच्चता के धन
सहन में, स्नेह हर्षितस्वभाव,आत्मनिर्भर, मृदुभाषी,कोमलता,श्रद्धा, त्याग के अवतार है, सादगी संजोए रहे।

परिचय- श्रम से थकता न कभी पाता सिद्धी वही नरवर ! चलते रहो जगत में चलते रहो निरंतर ! ! एक गरीब परिवार में जन्म हुआ पिता
बड़ा होने के कारण 13वर्षअल्पआयु में सरार्फा एसोसिएन जोधपुर में कार्य करना शुरू कर दिया। माता-पिता का सहारा नही था, परिवार
जो कुछ भी किया स्वयं (हमारे माता-पिता दोनों) की बदौलत,कड़ी मेहनत से किया। शुरू से अंत तक संघर्षमय जीवन रहा।

प्रथम नियुक्त ALL INDIA BIRLA INSTITUTE DELHI 1968-1969 तक रही स्वास्थ खराब रहने के कारण वहॉ से फा
राजस्थान नागौर मेंअपनी सेवाए स्थाई तौर 1969-1971तक कुश्ती का खानदानी जामा पहने हुए परम्परागत नागौर जिले में कुश्ती की नीं
हुए 3 छात्रों को नेशनल से पार करवाया। इसके बाद कई बार नेशनल, जिले,राज्यस्तर खेलजगत में जहॉ भी रहे राजस्थान नेशनल राज्य
राजनेताओं द्वारा सम्मानित (अवार्ड) किया गया। 1992 में अजमेर जिले में भी अपनी कलाओं के ओत-प्रोत रहते हुए अपना सिक्का
2001 में अजमेर जिलेमें सम्मानित हुए 26 जनवरी 2001श्री खेतसिंह राठौड़द्वारा सम्मानित किया गया। राजस्थान के प्रथम व्यक्ति रहे
अपनी जवानी में 5 तलवार एक के बाद एक करके मुहं में डालकर वापस निकालने का कई बार प्रदर्शन किया उसके बाद HH MAHA
GAJ SINGH JI JODHPUR द्वारा हर साल आपको प्रदर्शन के लिये विशेष न्यौता दिया जाता रहा 1999 से 2000 में मुहं में 3 तल
के बाद एक डालना व वापस निकालना ये बखुबी अनुठी कला रही। श्री मगराज जी को जोधपुर राजघराने के (FOUR FATHER
सोने के कड़े की पद्धवी मिली हुई थी। फिल्म- रेशमा और शेहरा में सुनीलदत्त,वहीदारहमान के साथ काम किया। इनके परिवार में 3 पुत्रि
है। ये समाज सेवी के धनी रहे।

सुबह होती है, शाम होती है। उम्र यूं ही तमाम होती है।। एक कविता पिता के नाम- फूल कभी दोबार नहीं खिलते, जन्
दो बार नही मिलते, मिलते है, लोग हजारों मगर गलतियाँ माफ करने वाले मॉ बाप नहीं मिलते !!

हम सभी परिवार पुष्य आत्मा को अश्रुपुरित श्रद्धा सुमन पुष्पाजंलि अर्पित करते है।

श्रद्धावनत - श्रीमति विमला शर्मा (धर्मपत्नी), अरूणा, निर्मला, संतोष, महेन्द्र-मधु, सुरेन्द्र-सुमन, चारू, आयुष, मेहुल, पायल,
पीयुष, कृष्णा, नैनी एवं समस्त सांडेसर परिवार।


दीपावली पर्व के उपलक्ष पर हार्दिक शुभकामनाएं
जमेर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी
संघ लिमिटेड, अजमेर
सरस
तरी भारत की प्रथम कोल्ड चैन पद्धति पर संचालित दुग्ध संघ)
IS/ISO 22000:2005 प्रमाणित संगठन
की ओर से
पर्यावरण संरक्षण हेतु विनम्र अपील
प्लास्टिक वेस्ट (खाली प्लास्टिक की थैलियां, प्लास्टिक बोतल इत्यादि) पर्यावरण प्रदूषण का मुख्य कारक है।
सरस उपभोक्ताओ से निवेदन है कि पर्यावरण संरक्षण हेतु सरस दुग्ध व दुग्ध पदार्थों की खाली थैलिया, कप इत्यादि सरस बूथ पर उपलब्ध कचरा संग्रहण पात्र मे डाले अथवा कचरा संग्रहणकर्ता को जमा करावे।
हमारे शुद्ध एवं पौष्टिक उत्पाद
दही
CHHACH
लस्सी
शीघ्र ही
अजमेर जिले के उपभोक्ताओं को अजमेर डेयरी द्वारा अपने दुग्ध उत्पादों की नई रेंज में
स फ्लेवर्ड मिल्क
आईसक्रीम
चॉकलेट
टेबल बटर
उपलब्ध कराए जाएंगे
सरस
रामचन्द्र चौधरी
अध्यक्ष
गुलाब भाटिया
प्रबन्ध संचालक
र्क: एचएमटी के सामने, ब्यावर रोड, अजमेर फोन: 0145-2440013 / 2440027

हरि ॐ

न्यूट्रीचार्ज (वैलनेस विश्व स्तरीय फुड सप्लीमेंट)

यह कोई दवाई नहीं। इसके उपभोग से कोई दुष्प्रभाव नहीं

रोटी, कपड़ा, मकान के अलावा अच्छा स्वास्थ्य भी आवश्यक है।

हेल्थ सही तो लाईफ सही

उत्पाद : मैन, वूमेन, किड्स, स्लिम व फिट, बी.जे. (घुटनों के लिए) डी.एच.ए.(गर्भवती महिलाओं के लिए) प्रो डाइट (चॉकलेट/स्ट्रोबरी 73 प्रो प्रोटीन), प्री डायबिटिक (ग्लाइसेम), वेज ओमेगा–3 (हार्ट), व्यू (स्वस्थ आंख लिए), बायोऐज (लिवर), डी.एच.ए– टूविस्ट (बच्चे के मस्तिष्क विकास के लिए) केसर पिस्ता, एनर्जी ड्रिंक, विलनीकल प्रूवन इत्यादि समस्त भारत में उप

IPCA Lab : WHO, ICMR, RDA, NIN, FASSI approved







अजमेर जिले के लिए लक्ष्मण मूलचंदानी न्यूट्रीशन सलाहकार (निशुल्क) 9829423611, 7610

सिंधी तोपदड़ा, जीवतराम फर्नीचर के पास कचहरी रोड अजमेर 3

क शुभकामनाओं सहित ।। जय माँ शाकम्भरी ।।

ी गोयल कान नाक गला एवं जनाना हॉस्पिटल

73-ए, एसबीआई बैंक के सामने, बालुपुरा रोड़, आदर्श नगर, अजमेर (राज.)
मो. : 0145-2880888, 9460901448, 8432214377

डॉ. मनीष गोयल

M.B.B.S., M.S. (ENT)
कान, नाक, गला एवं सिर मुख
गला कैंसर रोग, विशेषज्ञ
रजि . नं. 9374

डॉ. ऋतु गोयल

M.B.B.S., M.S. (OBS & Gyn.)
स्त्री प्रसूति रोग एवं निःसंतानता
एवं लेप्रोस्कोपी विशेषज्ञ
रजि नं. 10324

विशेषतायें

- कॉक्लियर इम्पलाण्ट
- कान के पर्दे का दूरबीन से प्रत्यारोपण
- कान की हड्डी की सफाई व नयी हड्डी बनाना
- स्टेपीडेक्टोमी
- दूरबीन से नाक की हड्डी का ऑपरेशन
- दूरबीन से सायनस का ऑपरेशन (F.E.S.S.)
- दूरबीन द्वारा आँख के नासूर का निदान (D.C.R.)
- सिर, मुँह व गले के कैंसर की दूरबीन से जाँच व इलाज
- खरार्टे (Snoring) की समस्या का इलाज
- एलर्जी सम्बंधी समस्या का इलाज
- थायराइड व अन्य ग्रन्थियों का इलाज व ऑपरेशन
- भामाशाह योजना में नाक व गले की निःशुल्क ऑपरेशन सुविधा
- सोनोग्राफी सुविधा उपलब्ध है

स्त्री रोग परामर्श एवं ऑपरेशन

- गर्भावस्था की जाँच
- बांझपन व निःसन्तानता
- सफेद पानी आना
- माहवारी सम्बन्धित समस्याएं
- पेट में दर्द रहना
- अन्य स्त्री रोगों की जाँच
- नार्मल डिलेवरी एवं सिजेरियन
- बिना चीरे के बच्चेदानी का ऑपरेशन
- बच्चे बन्द करने का ऑपरेशन
- गर्भाशय व अण्डाशय की गाँठ के ऑपरेशन
- शिशु रोग विशेषज्ञ की सेवाएं उपलब्ध है
- D & C एव DL की सुविधाएं
- I.U.I (कृत्रिम गर्भाधान) की सुविधा

विशेषतायें

❖ सुनाई की जाँच (Audiometry) ❖ सुनाई की मशीन (हियरिंग ऐड) ❖ BERA
❖ चक्कर की जाँच (Vertigo Workup) ❖ आधुनिक सुविधायुक्त अस्पताल
आधुनिकतम ऑपरेशन थियेटर इलाज वहन योग्य, कम खर्च पर 24X7 एम्बूलेंस सुविधा AC Deluxe Rooms

विनम्र श्रद्धांजली



जन्म : 2 जुलाई 1961

स्वर्गवास : 21 सितम्बर 19

लेफ्टिनेन्ट स्व. श्री मुकुल यादव

आपका जन्म कमाडेण्ट सेवानिवृत श्री गजसिंह यादव एवं श्रीमती सत्या याद संभ्रात परिवार अजमेर मे हूआ। प्रारंभिक शिक्षा राष्ट्रीय मिलेट्री स्कूल अजमेर तथा कॉलेज बी.ए. ऑनर्स राजकीय महाविद्यालय, अजमेर में हुयी। 19 वर्ष की आयु में इण्डियन मिलेट्री एव मे चयन हुआ और 12 जून 1982 कमीशनर ऑफिसर बने। इनकी नियुक्ति 19वी. ग्रने रेजिमेण्ट जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा कजले में हुयी।

आप 'नागपोस्ट' की ऊँची पहाड़ी चोटी पर लाईन ऑफ कन्ट्रोल की कमाण हिफाजत में थे। यह स्थान वर्ष में चार माह बर्फ से ढका रहता है। यहां से पाकिस्तान की हरक कड़ी नजर रखी जाती है। 21 दिसम्बर 1983 को भंयकर बर्फीली तूफान आया जिसमें यह जाबांज साथियों के साथ राष्ट्र की चौकसी सुरक्षा में बर्फ की मोटी चट्टान की चपेट में आकर हो गये। राष्ट्र के इस जाबांज सपूत को नगर परिषद् अजमेर द्वारा कुन्दन नगर चौराहा तथा सड़ समर्पित नाम उनके नाम से कहे सम्मानित किया गया है। ऐसे कर्मनिष्ठ, कर्तव्यपरायण और रा समर्पित बलिदानी को उसके परिवार व ईष्ट मित्रों की ओर से विनम्र श्रद्धांजली अर्पित करते हु गौरवान्वित हैं।



कमांडेन्ट गजसिंह यादव एवं श्रमती सत्या यादव

समस्त परिवार एवंईष्ट मित्रगण

191-सी, लेफ्टि. मुकुल यादव मार्ग
कुन्दन नगर, अजमेर (राज.) - 3050
मो. : 9413040665, फोन : 0145-262







Best Wishes



R C Maheshwari.
Group Coordinator,
Group- 17. Ajmer

Manju Maheshwari
Member
Senior Citizen Society, Ajm

संस्था सदस्य जिन्होंने 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2019 के लिए भेंट की,संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।



दिनेशचन्द तायल
समूह-1



श्रीमती कुसुम अग्रवाल
समूह-1



श्री नरेन्द्र कुमार मंगल
समूह-1



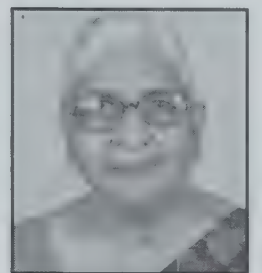
श्री हनुमान दयाल बंसल
समूह-1



श्री जगदीश नारायण पुरोहित
समूह-1



जे. एन. माथुर
समूह-1



श्रीमती आई. एच. सैम्युअल
समूह-1



श्री द्वारका प्रसाद माथुर
समूह-1



श्री पुरूषोत्तम शर्मा
समूह-1



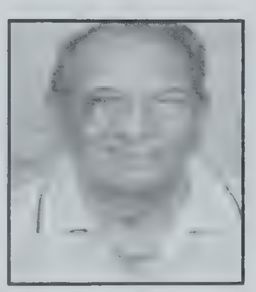
श्री सुधाकर बंधु शर्मा
समूह-1



मती हेमन्त मिश्रा
समूह-1



श्री आर.एस.अग्रवाल
समूह-1



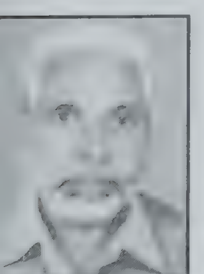
श्री भैरूलाल शर्मा
समूह-2



श्री चिरंजीलाल शर्मा
समूह-2



श्री कैलाश चन्द जोशी
समूह-2



शोक कुमार शर्मा
समूह-2



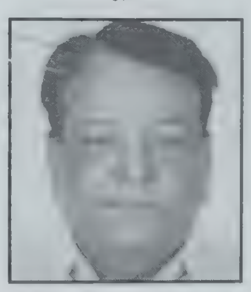
श्री गोपाल शंकर शर्मा
समूह-2



श्री ओमप्रकाश वर्मा
समूह-2



डॉ. एस. एन. माहेश्वरी
समूह-2



श्री बद्रीनारायण गर्ग
समूह-2



जगदीश कांकाणी
समूह-2



श्री नवरतन चौधरी
समूह-2



श्री दौलतराज कोठारी
समूह-2

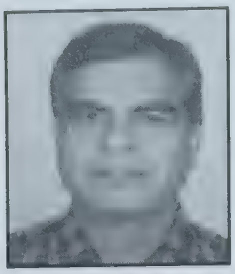


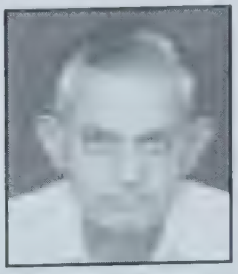
श्रीमती गोपी खबरानी
समूह-2



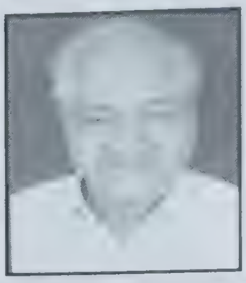
श्री नरेन्द्र कुमार बनवीर
समूह-2

संस्था सदस्य जिन्होंने 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2019 के लि
भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।


श्री राजेन्द्र जोशी
समूह-2


श्री बंसीलाल सतरावला
समूह-2


श्री कृष्ण कुमार टांक
समूह-2


श्री चांदकरण पालीवाल
समूह-2


श्री वी. पी. श्री
समूह-2

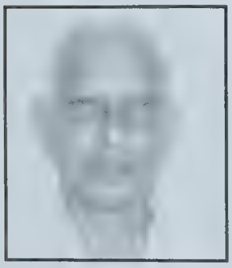

श्रीमती इन्द्रा गुप्ता
समूह-2


श्री आर. के. रोहिल्ला
समूह-2


श्री बाबूलाल साहू
समूह-2


श्री रमेश चन्द अग्रवाल
समूह-2


श्री डी. के. श
समूह-2


श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल
समूह-2

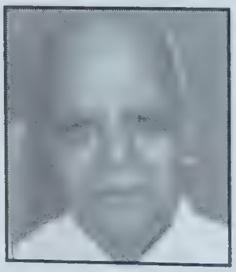

श्रीमती राजरानी सारस्वत
समूह-2


श्री कुलदीप व्यास
समूह-2


श्री किशन आर. खुराना
समूह-2

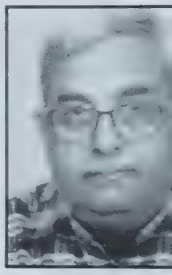

श्री उम्मेद राम व
समूह-2


श्री संतोष कुमार रावत
समूह-2

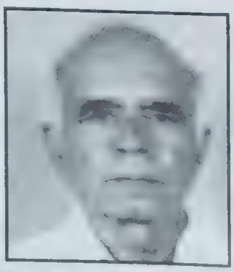

श्री कैलाश चन्द गोयल
समूह-2


श्री श्रीगोपाल अग्रवाल
समूह-2


श्री किशन चन्द बंसल
समूह-2


श्री जयदेव साँ
समूह-2


श्री नरेन्द्र कुमार अग्रवाल
समूह-2

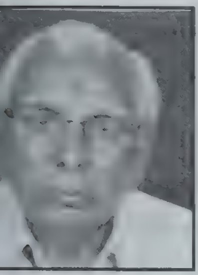

श्री मोतीलाल पाटोदिया
समूह-2


श्री बाबूलाल छीपा
समूह-2

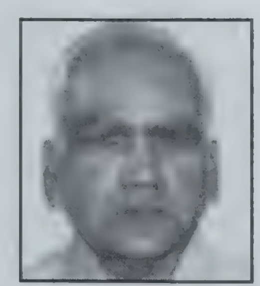

सुश्री संतोष शर्मा
समूह-2

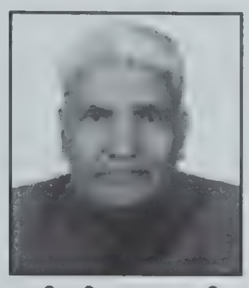

श्रीमती कृष्णा देवी
समूह-2

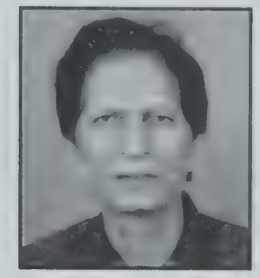
स्था सदस्य जिन्होंने 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2019 के लिए भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।

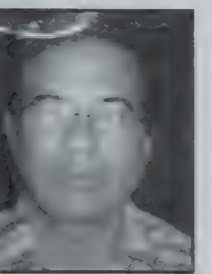

श्री शान्त कुमार शर्मा
समूह-2

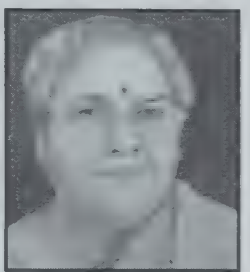

श्री गोपाल प्रसाद माथुर
समूह-2


श्री आर. एस. निर्बान
समूह-2

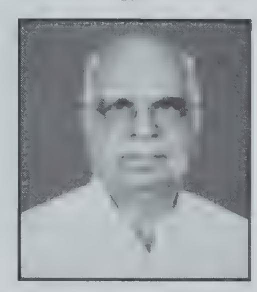

श्री सी. एम. राठी
समूह-2

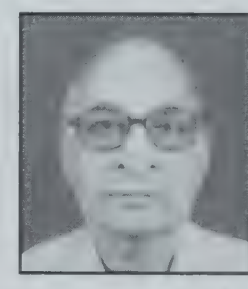

श्री रमेश चन्द उबाणा
समूह-2

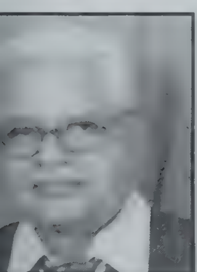

सुरेन्द विजयवर्गीय
समूह-3

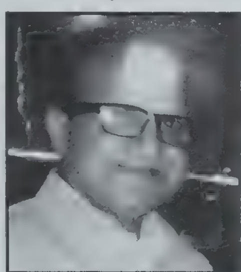

श्रीमती आशा तिवारी
समूह-4

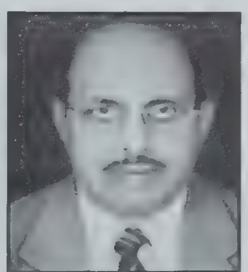

कमाण्डर जे. एस. राजावत
समूह-4


श्री जवाहर बी. नानकानी
समूह-4


श्री आर. के. भार्गव
समूह-4

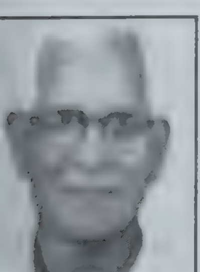

ी नन्दसिंह राठौड़
समूह-4


श्री त्रिलोक चन्द इन्दोरा
समूह-4

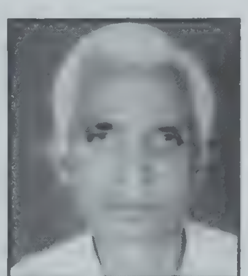

श्री लियाकत हुसैन
समूह-4

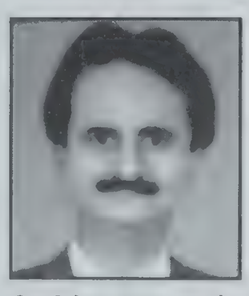

श्री मकतूल सिंह
समूह-4


श्री एन. सी. पारीक
समूह-4


ी गजसिंह यादव
समूह-5


श्रीमती सत्या यादव
समूह-5


श्री पी. एन. शर्मा
समूह-5


श्री वीरेन्द्र सिंह राठौड़
समूह-5


श्री दिनेश गोयल
समूह-5


श्री जे. पी. विजय
समूह-5

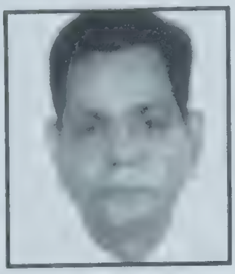

श्री मनोहर विजय
समूह-5


श्री अनिल आहूजा
समूह-5


श्री राजेन्द्र श्रीवास्तव
समूह-5

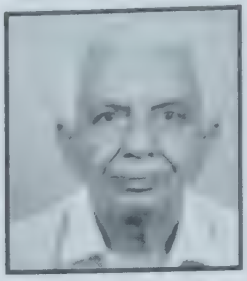

श्री सादत कबीर
समूह-5

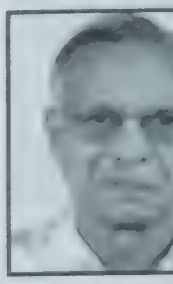
संस्था सदस्य जिन्होंने 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2019 के लिए भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।

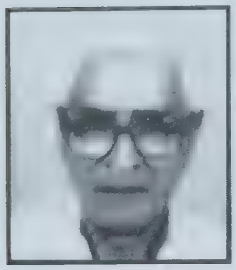

श्री अमरसिंह शेखावत
समूह-5


श्री जी. के. कपिल
समूह-5


श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
समूह-5

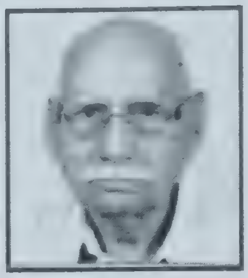

श्री शिवप्रकाश कौशिक
समूह-5


श्री आर. एन. ता
समूह-5

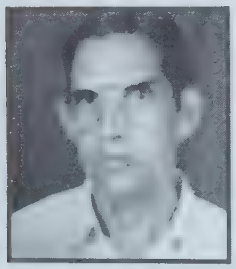

श्री धर्मीचन्द जैन
समूह-5


श्री झम्मन सिंह
समूह-5


डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय
समूह-5


श्री बी. एल. कटियार
समूह-5

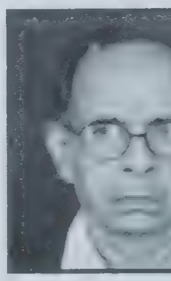

श्री अनिल सि
समूह-5


श्री कैलाश चन्द शर्मा
समूह-5

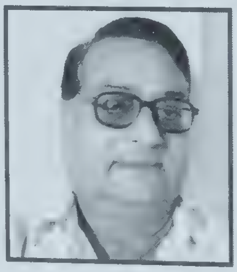

श्री सुरेश चन्द शर्मा
समूह-5

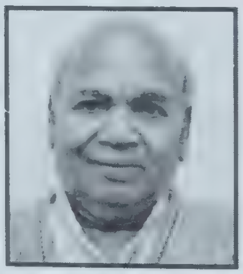

श्री रमेश चंद इनाणी
समूह-6

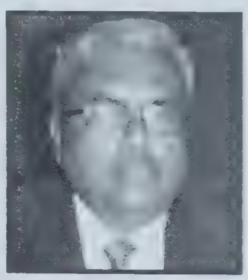

श्री लज्जाशंकर गोयल
समूह-6

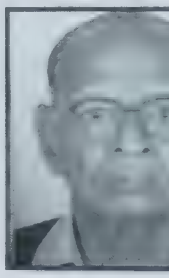

श्री सुरेन्द्र नारायण
समूह-6


श्री चन्द्रनारायण अग्रवाल
समूह-6

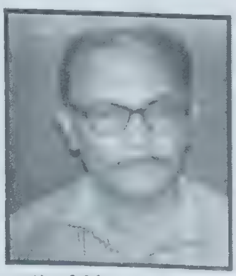

सुनील सक्सैना
समूह-6


श्री ओमप्रकाश सोगानी
समूह-6


श्री ब्रजनारायण सारस्वत
समूह-6

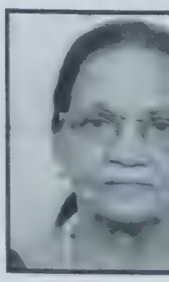

श्री रामस्वरूप खण
समूह-6


श्री पी.डी.अगवाल
समूह-8


डॉ. कीर्ति कुमार तामरा
समूह-9


श्री कमल चंद सिंघवी
समूह-9


श्री भगवानदास असमादिया
समूह-9


श्रीमती कुसुम
समूह-9

ंस्था सदस्य जिन्होंने 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2019 के लिए भेंट की,संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।



पी. के. मिश्रा
समूह-9



श्री बी. डी. चौधरी
समूह-10



श्रीमती विमला देवी टांक
समूह-10



श्री त्रिलोक कृष्ण मिश्रा
समूह-10



श्री ईश्वरलाल चौहान
समूह-10



ीकृष्ण भार्गव
समूह-10



श्री ओमप्रकाश कच्छावा
समूह-10



श्रीमती पुष्पा कच्छावा
समूह-10



श्री कल्याणराय शर्मा
समूह-10



श्री ओमप्रकाश चोरसिया
समूह-10



ती आशा गुप्ता
समूह-10



श्रीमती संतोष चौहान
समूह-10



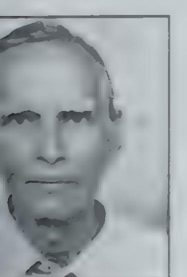
श्रीमती पुष्पा राव
समूह-10



श्री लक्ष्मण सिंह अखावत
समूह-10



श्री गजराज सिंह चौहान
समूह-10



ूरजकरन जैन
समूह-10



श्रीमती सुनिता बारिया
समूह-10



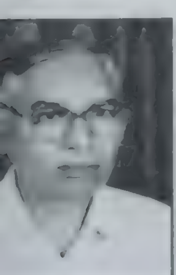
श्री मदन लाल बारिया
समूह-10



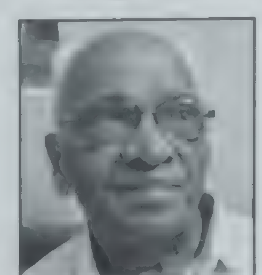
श्री त्रिलोक चंद टांक
समूह-10



श्री मानकरण अग्रवाल
समूह-11



ी महेश शर्मा
समूह-12



श्री मदन रवि
समूह-12



श्री यतीश झा
समूह-12



श्रीमती प्रभारानी शर्मा
समूह-12



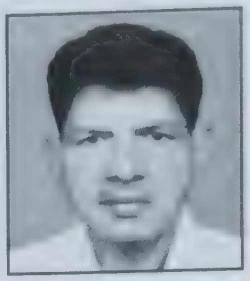
श्रीमती लक्ष्मी टण्डन
समूह-12

संस्था सदस्य जिन्होंने 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2019 के लि
भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।


श्री सुभाष चतुर्वेदी
समूह-12


श्रीमती स्वर्णकान्ता अरोड़ा
समूह-12


श्री के. जी. रवि
समूह-12


श्री त्रिवेदी प्रसाद शर्मा
समूह-12


श्री रामस्वरू
समूह-


श्रीमती गीता तिवारी
समूह-12


श्रीमती प्रभा शर्मा(पंचवटी)
समूह-12


श्री प्रकाश कुमार
समूह-13

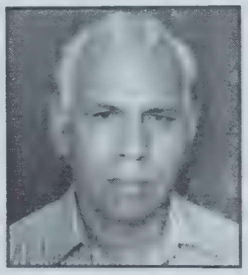

श्री बलबीर सिंह गहलोत
समूह-13

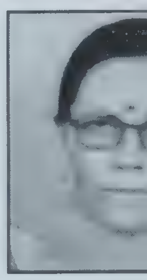

श्रीमती कैलाश
समूह-


श्री हरिमोहन शर्मा
समूह-13


श्री बी. आर. दोहरे
समूह-13


श्री नरेन्द्र कुमार सोलंकी
समूह-13

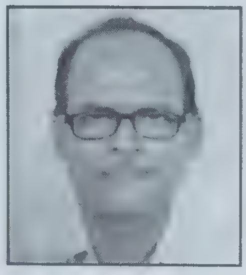

श्री राजेन्द्र कुमार संगेविया
समूह-13


सुश्री अरूण
समूह-1


श्री प्रभुदयाल नैना
समूह-13


श्रीमती राधिका अग्रवाल
समूह-13

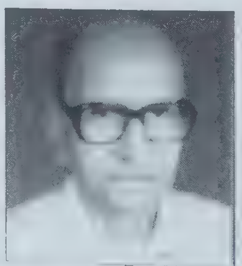

श्रीमती द्वारका देवी शर्मा
समूह-13


श्री विजय गर्ग
समूह-13


श्री यादराम
समूह-1


श्री सुरेश चन्द अग्रवाल
समूह-13

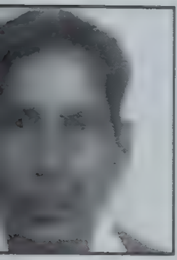

श्री श्री कृष्ण शर्मा
समूह-14


श्री पी.सी.गुप्ता
समूह-15


श्री सीताराम खण्डेलवाल
समूह-15


श्रीकुन्ज बि
समूह-1

संस्था सदस्य जिन्होंने 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2019 के लिए भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।

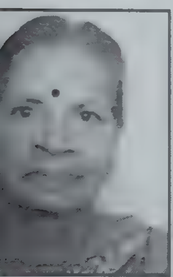

ी पी.एन.यादव
समूह-22


श्री लक्ष्मण मटाई
समूह-15


श्रीमती चन्द्रकला भटनागर
समूह-15


श्री महेशचन्द भटनागर
समूह-15

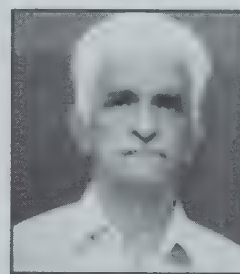

श्री प्रवीण कुमार शर्मा
समूह-15

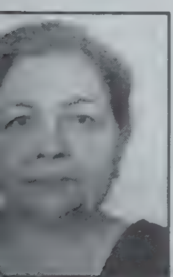

ती पुष्पा शर्मा
समूह-15


श्री मुरारी लाल सिंह
समूह-15


श्रीमती आशा खण्डेलवाल
समूह-15


डॉ राघवेन्द्र महर्षि
समूह-15

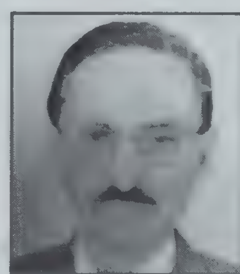

श्री चतुर्भुज उबाना
समूह-15


बीना मनचन्दिया
समूह-15

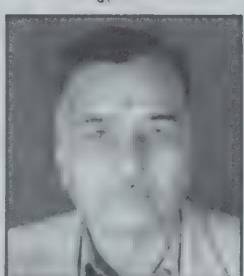

श्री हरीश पंजाबी
समूह-15

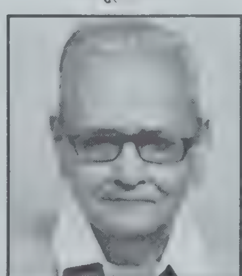

श्री विष्णुकान्त खण्डेलवाल
समूह-15

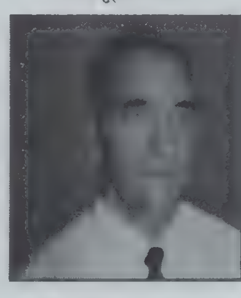

डॉ. सुभाष माहेश्वरी
समूह-15

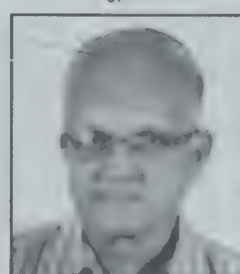

श्री सुभाष चन्द अरोड़ा
समूह-15


जे. पी. शर्मा
समूह-15


श्री गोविन्दनारायण तिवारी
समूह-16


श्री गणेशराम अग्रवाल
समूह-16


श्री ओमप्रकाश यादव
समूह-16

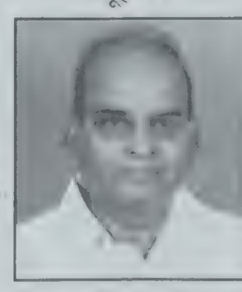

श्री रतन लाल ऐरन
समूह-16


नीलकमल गुप्ता
समूह-16

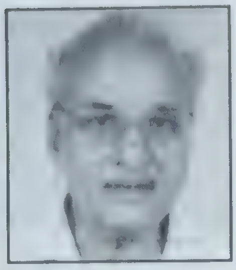

श्रीमती कुमुद भटनागर
समूह-16


श्रीमती रामकन्या जोशी
समूह-16

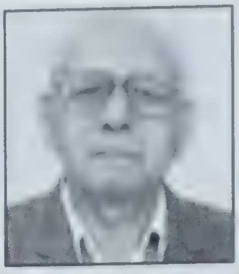

श्री जे. सी. ऐरन
समूह-16

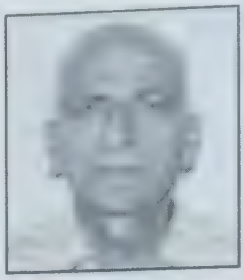

श्री अजय गर्ग
समूह-16

संस्था सदस्य जिन्होंने 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2019 के लि
भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।


श्री गोविन्द नारायण अग्रवाल
समूह-16


श्री महावीर प्रसाद प्रजापति
समूह-16

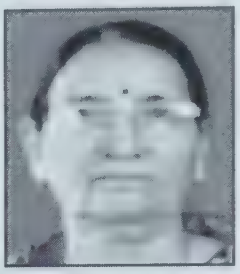

डॉ. कैलाश चन्द त्रिपाठी
समूह-16


श्री आर. सी. माहेश्वरी
समूह-17


श्री हरीश कुमार
समूह-17


श्रीमती मंजू माहेश्वरी
समूह-17


श्री ब्रजसिंह राठौड़
समूह-17


श्रीमती पुष्पा त्रिपाठी
समूह-17


श्रीमती सोम खतोरिया
समूह-17

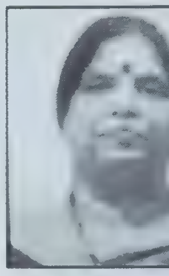

श्री एम. सी. बाचि
समूह-17


श्रीमती प्रेरणा गौड़
समूह-18


श्री के. के. गौड़
समूह-18

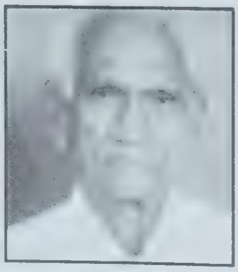

श्री हरिशंकर सारस्वत
समूह-18


श्री महेशचन्द गुप्ता
समूह-18

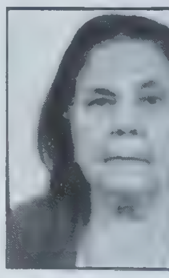

श्रीमती वीना रामी
समूह-18


श्रीमती शान्तीदेवी बचलस
समूह-18


श्री के. सी. पंत
समूह-18


श्री डालचन्द जनूठिया
समूह-18


श्री सी. के. उपाध्याय
समूह-18


श्रीमती निर्मला
समूह-18


श्रीमती भारती सुजनानी
समूह-18


श्रीमती राधा देवनानी
समूह-18

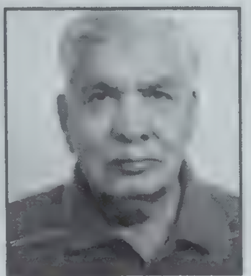

श्रीमती पूर्णशशि सरना
समूह-18

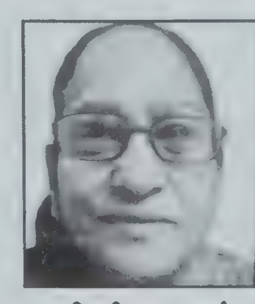

सुश्री चम्पा भाटिया
समूह-18


श्री सुधीर मा
समूह-18

संस्था सदस्य जिन्होंने 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2019 के लिए भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।


मती मंजीत कौर साहनी
समूह-18

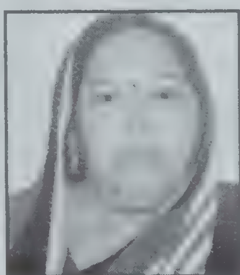

श्री अर्जुन डोडानी
समूह-18


श्रीमती प्रभा शर्मा
समूह-18


श्रीमती नीलम धीर
समूह-18


श्रीमती सुनिता आर्य
समूह-18


दलजीत सिंह मकवाना
समूह-18

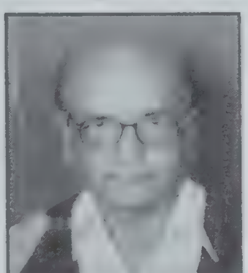

श्रीमती फूलवती प्रजापति
समूह-18


श्री नारायण लाल
समूह-18

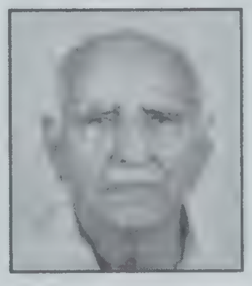

श्री अरूण कुमार अरोड़ा
समूह-18


श्री लक्ष्मीनारायण भारती
समूह-18


श्री तागाचन्द गर्ग
समूह-18


श्री डी.के. जैन
समूह-20


श्री विनोद कुमार माथुर
समूह-20


श्री एल. एन. राजपूत
समूह-20

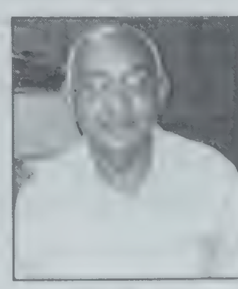

श्री बी. आर. सांघी
समूह-20


श्री वी. डी. गुप्ता
समूह-20


श्री एम. एस. सिंगला
समूह-20


श्री महेन्द्र कनोजिया
समूह-20


श्री एस. एम. जोहरी
समूह-20


श्री राजेन्द्र शिवहरे
समूह-20


श्रीमती मंजू पंवार
समूह-20


श्रीमती वीना रानी
समूह-20

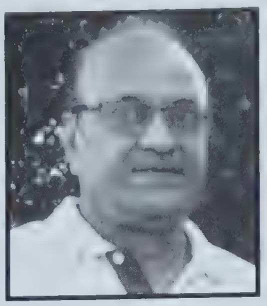

श्री एस. सी. गुप्ता
समूह-20

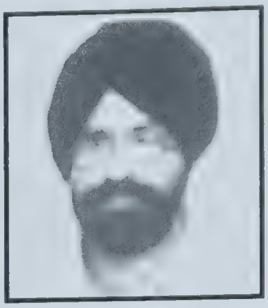

श्री महेन्द्र कुमार पँवार
समूह-20


श्री बी. के. वाधवा
समूह-20

संस्था सदस्य जिन्होंने 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2019 के लि भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।


श्री यू.तुकाराम
समूह-20

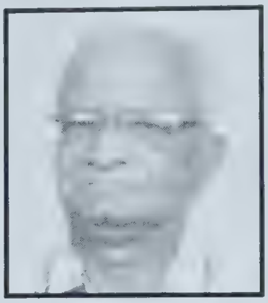

श्री रामेश्वर सिसोदिया
समूह-20

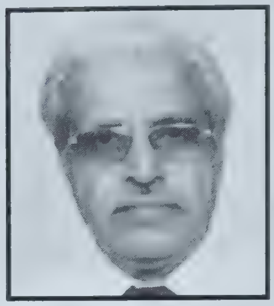

श्री जसवंत सिंह
समूह-20


श्री छीतरमल मण्डरावलिया
समूह-22

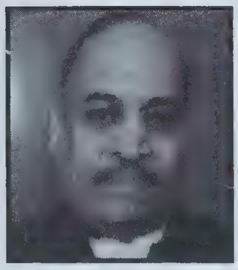

श्रीमती कृष्ण जैन
समूह-22


डॉ पी. आर. राठी
समूह-23


श्री बालकृष्ण जोशी
समूह-23


श्री अशोक शर्मा
समूह-23

संस्था सदस्य जिन्होनें 500 रू. या अधिक की राशि जन्मदिवस रूप में भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है। 1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक

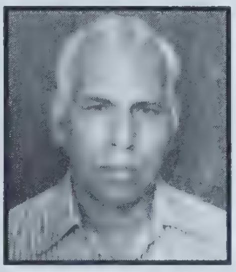

श्री विष्णु प्रकाश पालीवाला
समूह-2


श्री सुनील सक्सैना
समूह-6


श्री ओमप्रकाश उपाध्याय
समूह-6


श्री पी.डी.अग्रवाल
समूह-8


श्री ओमप्रकाश चौ
समूह-10

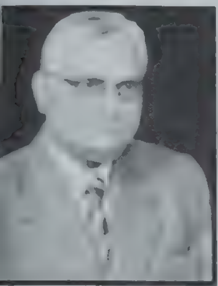

श्री राजेन्द्र कुमार संगेविया
समूह-13


श्री चिरंजीलाल शर्मा
समूह-13


श्री प्रकाश कुमार
समूह-13


श्री सुरेश अग्रवाल
समूह-13

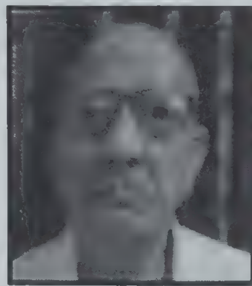

श्री बलवीर सिंह ग
समूह-13



जगदीश प्रसाद झा
समूह-13



श्री वी. के. शर्मा
समूह-13



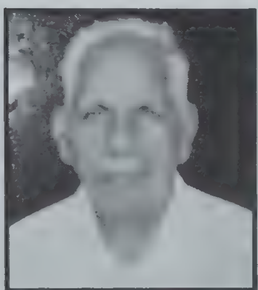
श्री रघुवीर सिंह शर्मा
समूह-13



श्री गौरीशंकर शर्मा
समूह-13



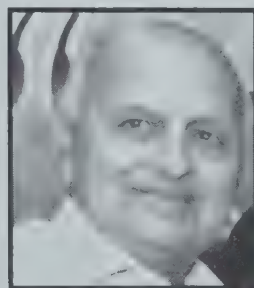
श्रीमती द्वारका देवी शर्मा
समूह-13



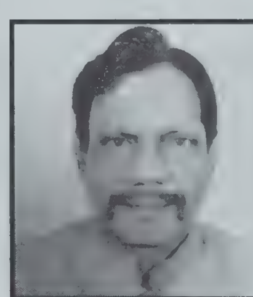
श्री बी. के. खेमराज
समूह-13



श्रीमती राधिका अग्रवाल
समूह-13



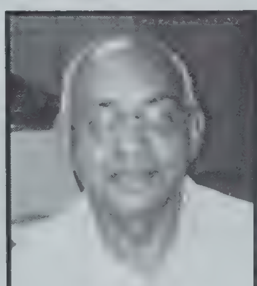
श्री जे. पी. शर्मा
समूह-15



श्री विष्णुकान्त खण्डेलवाल
समूह-15



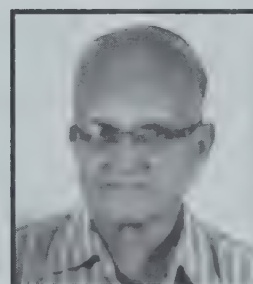
श्रीमती मधु भाटी
समूह-17



श्री राजेन्द्र शिवहरे
समूह-20



श्री विष्णु कुमार भाटी
समूह-13



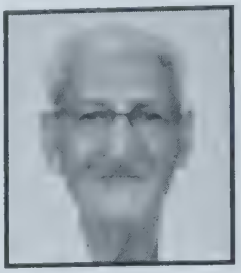
श्री रतनलाल ऐरन
समूह-16



संस्था सदस्य जिन्होनें 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2018 के लिए भेंट
संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।


श्री ओम नारायण माथुर
समूह-1


श्री सुधाकर बंधु
समूह-1


श्री जगदीश नारायण पुरोहित
समूह-1


श्रीमती शशी अग्रवाल
समूह-1


श्री नरेन्द्र कुमार
समूह-1


श्री पुरूषोत्तम शर्मा
समूह-1


श्री द्वारका प्रसाद माथुर
समूह-1

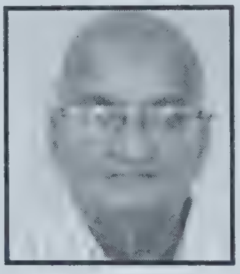

श्रीमती आई.एच.सैम्युअल
समूह-1


श्रीमती मधुगुप्ता
समूह-1


श्री दिनेश चन्द त
समूह-1

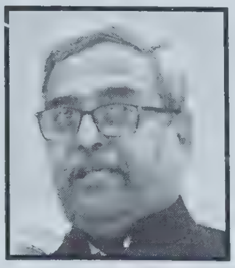

श्री संतोष कुमार रावत
समूह-2


श्री वी.पी.श्रीवास्तव
समूह-2

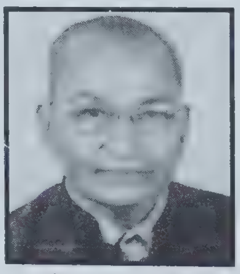

श्री उम्मेदराम काबरा
समूह-2

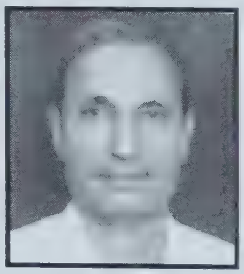

श्री गोपाल अग्रवाल
समूह-2


श्री कृष्ण कुमार
समूह-2

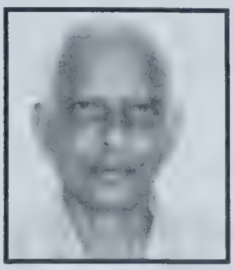

श्री जयदेव साँखला
समूह-2


श्री ओमप्रकाश वर्मा
समूह-2

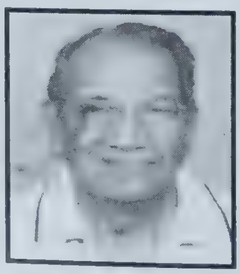

श्री दौलतराज कोठारी
समूह-2

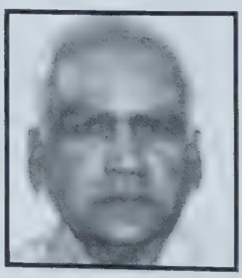

श्री गोपाल शंकर शर्मा
समूह-2


श्री जगदीश कां
समूह-2


श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल
समूह-2


श्री के. जी. त्रिपाठी
समूह-2


श्री भैरूलाल शर्मा
समूह-2


श्री आर.एस.निर्वाण
समूह-2

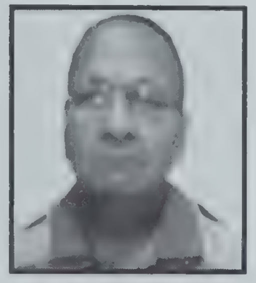

श्री नरेन्द्र कुमार अ
समूह-2

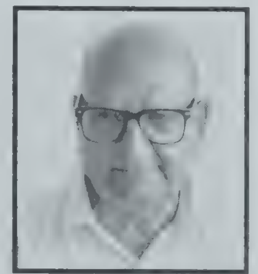
स्था सदस्य जिन्होनें 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2018 के लिए भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।


ांदकरण पालीवाल
समूह-2

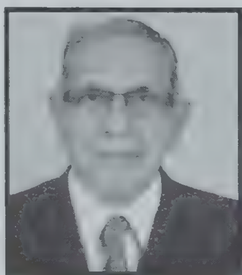

श्री अशोक कुमार शर्मा
समूह-2


श्री कैलाश चन्द जोशी
समूह-2


श्री डॉ. के.जी.गोयल
समूह-2

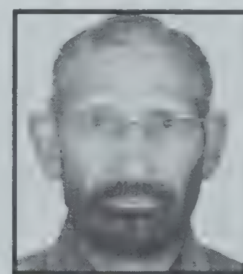

श्री चिरंजीलाल शर्मा
समूह-2

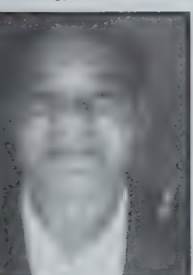

ोपाल प्रसाद माथुर
समूह-2


श्री कुलदीप व्यास
समूह-2


श्री प्रताप सिंह धोरी
समूह-2

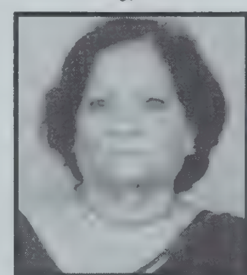

श्री जे.के.राघानी
समूह-2

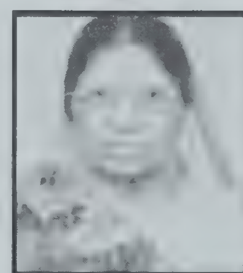

श्री नरेन्द्र कुमार बनवीर
समूह-2


मंगल सिंह रावत
समूह-2


श्री कैलाशचन्द गोयल
समूह-2


श्री डॉ.एस.एन.माहेश्वरी
समूह-2

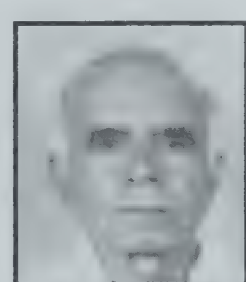

श्री सुश्री संतोष शर्मा
समूह-2

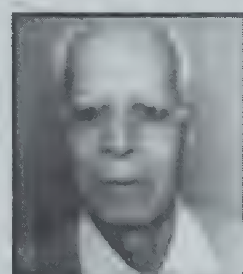

श्रीमती कैलाश उपाध्याय
समूह-2

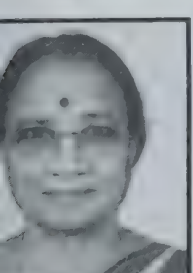

कृष्णा देवी अग्रवाल
समूह-2


श्रीमती शकुन्तला बाघमार
समूह-2


श्री आर.के.रोहिल्ला
समूह-2

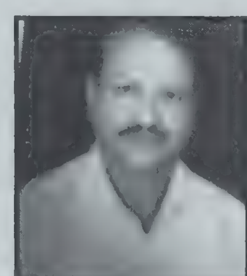

श्री मोतीलाल पटौदिया
समूह-2


श्री नेमीचंद पाराशर
समूह-2


मती हेमन्त मिश्रा
समूह-2

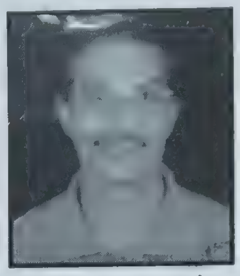

श्री ब्द्रीनारायण गर्ग
समूह-2


श्री नवरतन चौधरी
समूह-2

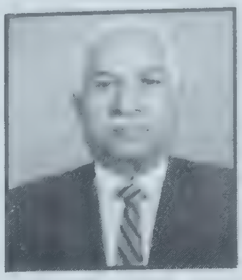

श्री दिनेश परनामी
समूह-2

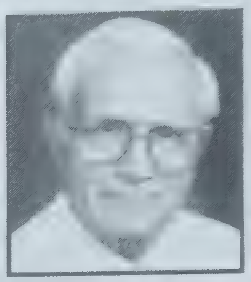

श्री सुरेन्द्र कुमार विजय
समूह-3

संस्था सदस्य जिन्होनें 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2018 के लिए भेंट
संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।

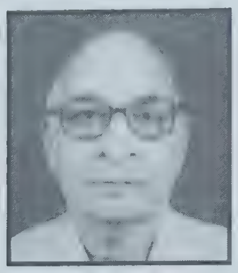

श्री विजयकरण गर्ग
समूह-3


श्री पी.के.बोगावत
समूह-4


श्री जे.एस.राजावत
समूह-4

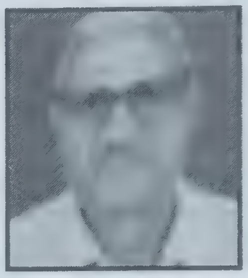

श्री आर.एल.टांक
समूह-4


श्री एन.सी.प
समूह-4


श्री आर.के.भार्गव
समूह-4


श्री ए.एम.सकलेचा
समूह-4


श्री लियाकत हुसैन
समूह-4

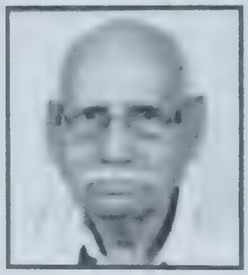

श्री एस.सी.मित्तल
समूह-4


श्री मकतूल
समूह-4


श्रीमती शान्ति गहलोत
समूह-4


श्री जे.पी.विजय
समूह-5


श्रीमती मनोहर विजय
समूह-5


श्री बी.एल.कटियार
समूह-5


श्री सादत क
समूह-5


श्री अमर सिंह शेखावत
समूह-5


श्री पी.एन.शर्मा
समूह-5


श्री धर्मीचन्द जैन
समूह-5

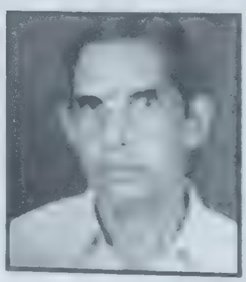

श्री आर.एन.तापड़िया
समूह-5


श्री दिनेश गो
समूह-5


श्री जी.के.कपिल
समूह-5

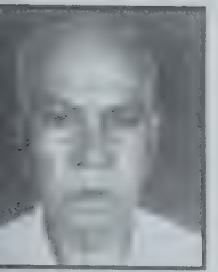

श्री सरदार राजेन्द्र सिंह
समूह-5


श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
समूह-5

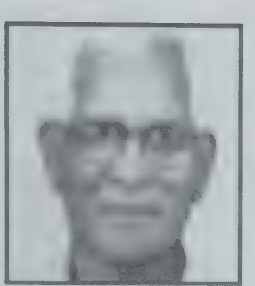

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा
समूह-5


डा. राजेन्द्र प
समूह-5

स्था सदस्य जिन्होंनें 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2018 के लिए भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।



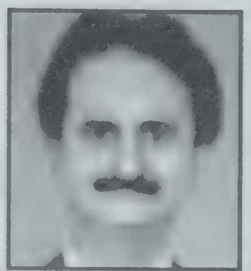
ी खेमचन्द्र चतुर्वेदी
समूह-5



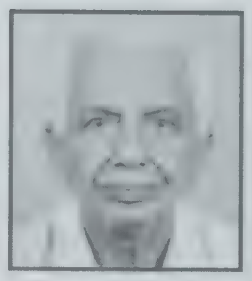
श्री गजसिंह यादव
समूह-5



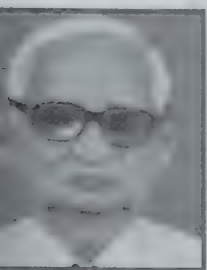
श्रीमती सत्या यादव
समूह-5



श्री वीरेन्द्र सिंह राठौड़
समूह-5



श्री शिव प्रकाश कौशिक
समूह-5



श्री झम्मन सिंह
समूह-5



श्री पी.टाईटस
समूह-5



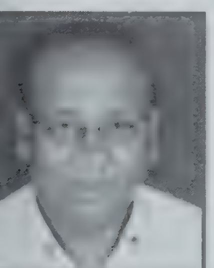
श्री लोकमनदास गोयल
समूह-6



श्रीमती लोचना देवी अग्रवाल
समूह-6



श्री चन्द्रनारायण अग्रवाल
समूह-6



श्री विष्णु गोयल
समूह-6



श्री मुरलीनारायण सिमलोट
समूह-6



श्रीनवलकिशोर टांक
समूह-6



श्री ओमप्रकाश शर्मा
समूह-6



श्री सुनील सक्सैना
समूह-6



लज्जा शंकर गोयल
समूह-6



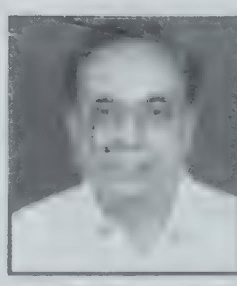
श्री रामदेव कुवांडा
समूह-6



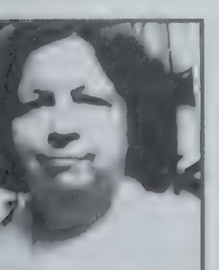
श्री बृजनारायण सारस्वत
समूह-6



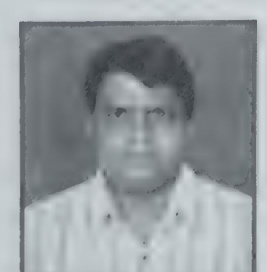
श्रीमती विद्या शास्त्री
समूह-6



श्री हरीप्रकाश शर्मा
समूह-6



ामती पुष्पा क्षेत्रपाल
समूह-6



श्री अर्जुन सिंह मकवाना
समूह-6



श्री रामकिशोर अग्रवाल
समूह-6



श्री भंवरलाल गोयल
समूह-7



श्री भगवानदास आसमादिया
समूह-9

संस्था सदस्य जिन्होनें 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2018 के लिए भेंट
संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।


श्री आर.सी.बजाज
समूह-9


श्रीमती कुसुम गौतम
समूह-9


श्रीमती सुशीला शर्मा
समूह-9


श्रीमती उषा वोहरा
समूह-9


श्री कश्मी
समूह-


श्री कीर्ती कुमार तामरा
समूह-9


श्री गोप मिरानी
समूह-9


श्री गिरीराज किशोर खण्डेलवाल
समूह-9

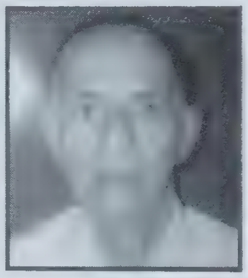

श्री गजराज सिंह चौहान
समूह-10


श्री मानकरण
समूह-

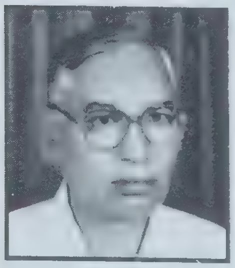

श्री प्रेमलता खण्डेलवाल
समूह-12


श्री के.जी.वैष्णव
समूह-12

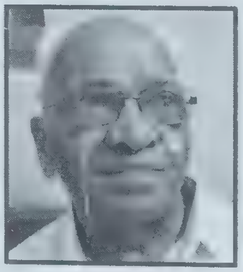

श्री सुरेश बंसल
समूह-12

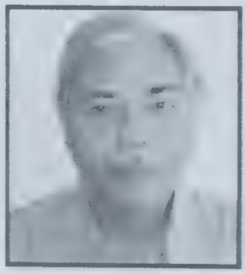

श्री अनिल बेदरकर
समूह-12

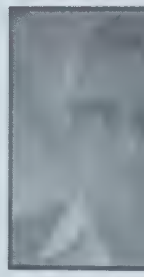

श्री त्रिवेदी प्र
समूह-


श्री एम.सी शर्मा
समूह-12


श्री यतीश झा
समूह-12


श्री मदन रवि
समूह-12


श्री के.एम.लवानिया
समूह-12

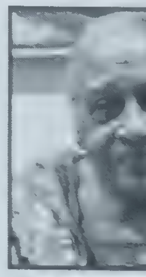

श्री सतीश
समूह-


श्रीमती गीता रवि
समूह-12


श्रीमती गीता तिवारी
समूह-12

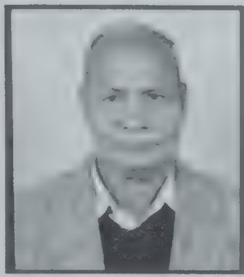

श्रीमती प्रभा रानी शर्मा
समूह-12

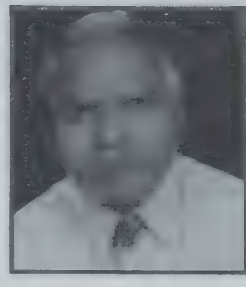

श्री ओम प्रकाश भारद्वाज
समूह-12

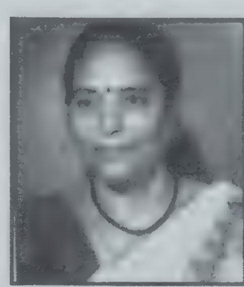

श्रीमती लक्ष्म
समूह-

स्था सदस्य जिन्होनें 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2018 के लिए भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।


मती कल्पना नागर
समूह-12


श्री ओमप्रकाश शर्मा
समूह-13


श्री सुरेश अग्रवाल
समूह-13

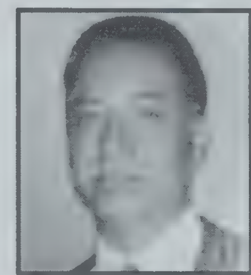

श्रीमती राधिका अग्रवाल
समूह-13

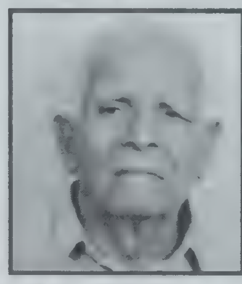

श्रीमती कैलाश पाराशर
समूह-13


लबीर सिंह गहलोत
समूह-13


श्रीमती उर्मिला शर्मा
समूह-13

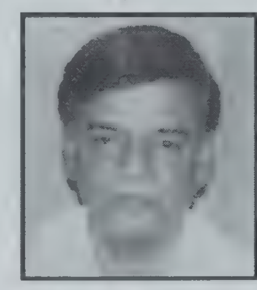

श्री बी.आर.दोहरे
समूह-13


श्री नरेन्द्र कुमार सौलंकी
समूह-13

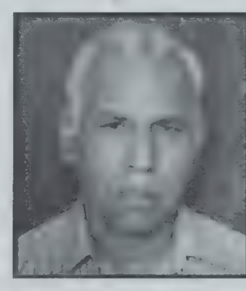

श्री किरोड़ीमल गुप्ता
समूह-13


ती द्वारका देवी शर्मा
समूह-13


श्री जे.पी.झा
समूह-13

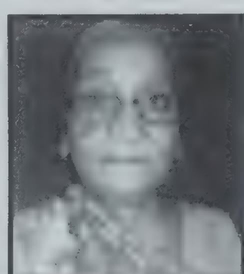

श्री चन्दन सिंह धनेरिया
समूह-13

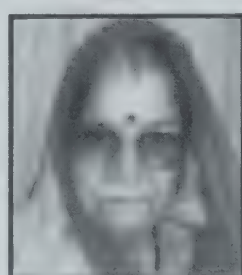

श्री मनोहरलाल मुरारिया
समूह-13


श्री राजेन्द्र कुमार संगेविया
समूह-13


ी प्रकाश कुमार
समूह-13


श्रीमती चन्द्रकला
समूह-13


श्रीमती शकुन्तला शर्मा
समूह-13


श्रीमती भवंरी देवी
समूह-13


श्री सेवाराम चौहान
समूह-13


प्रदीप कुमार चौहान
समूह-13


श्री विष्णुदेव शर्मा
समूह-13


श्री रमेशचंद
समूह-13

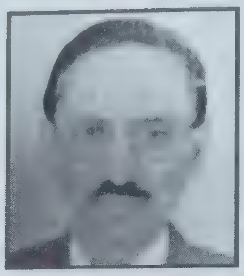

श्री श्री कृष्ण शर्मा
समूह-14


श्री लादूराम कच्छावा
समूह-14

संस्था सदस्य जिन्होनें 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2018 के लिए भेंट
संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।


डा. इन्द्रा दीक्षित
समूह-14


श्री एम.सी.भटनागर
समूह-15


श्री सुभाष अरोड़ा
समूह-15


श्री सीताराम खण्डेलवाल
समूह-15

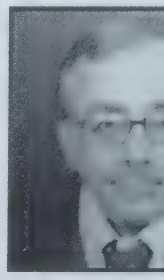

श्री डॉ.एस.के
समूह-1


श्री जे.पी.शर्मा
समूह-15


श्रीमती बीना मनचन्दानी
समूह-15


श्रीमती पुष्पा शर्मा
समूह-15

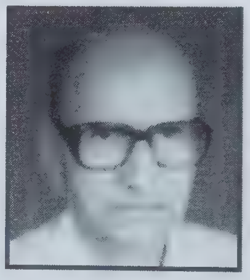

श्री दिलीप सिंह शर्मा
समूह-15

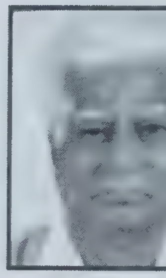

श्री हरीश पं
समूह-1

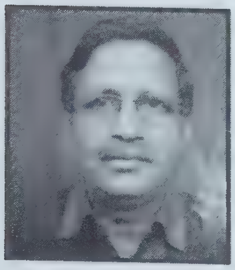

श्री आर.पी.गुप्ता
समूह-15


श्री प्रवीण कुमार शर्मा
समूह-15

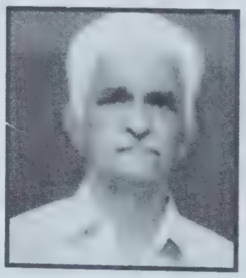

श्री मुरारी लाल सिंह
समूह-15


श्री पी.सी.गुप्ता
समूह-15

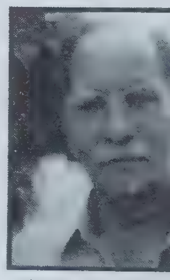

श्री लक्ष्मण म
समूह-15

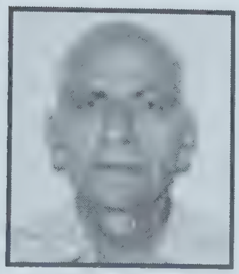

श्री डॉ. सुभाष माहेश्वरी
समूह-15


श्री आर.एन.शर्मा
समूह-15


श्री चतुर्भुज उबाना
समूह-15


श्री रतनलाल ऐरन
समूह-16

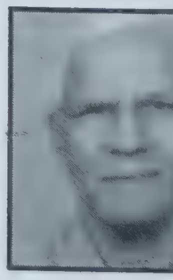

श्री दिनेश चन्द
समूह-17


श्री आर.सी.माहेश्वरी
समूह-17

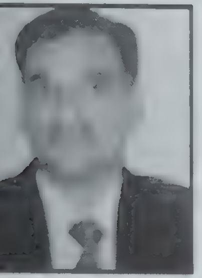

श्रीमती मंजू माहेश्वरी
समूह-17

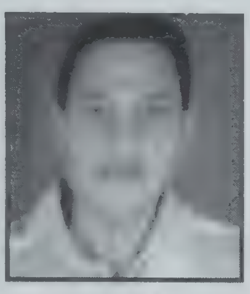

श्रीमती नाथीदेवी बाछलीवाल
समूह-17


श्रीमती शिवा पाण्डे
समूह-17


श्री नारायण शि
समूह-17

स्था सदस्य जिन्होंनें 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2018 के लिए भेंट की,
संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।


ी आर.के.गोयल
समूह-17


श्री बहादुर सिंह भाटी
समूह-17


श्री के.के.गौड़
समूह-18


श्री सुरेन्द्र कुमार सत्यावना
समूह-18


श्री वीररत्न आर्य
समूह-18

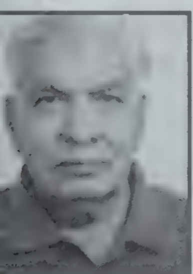

वीना रामसिंघानी
समूह-18


श्री एम.सी.गुप्ता
समूह-18

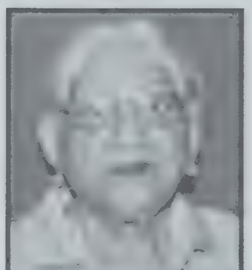

श्री दलजीत सिंह मकवाना
समूह-18

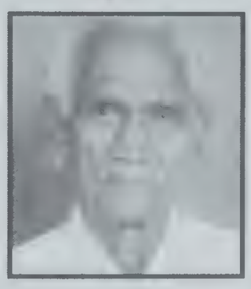

श्रीमती प्रभा शर्मा
समूह-18


श्री वी.पी.कपूर
समूह-18

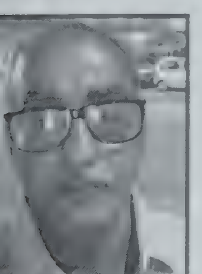

ी अर्जुन डांडानी
समूह-18


श्रीमती प्रेरणा गौड़
समूह-18


श्री सुरेन्द्र सोहल
समूह-18

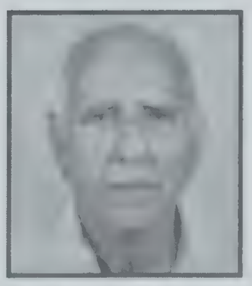

श्री डालचन्द जनूठिया
समूह-18

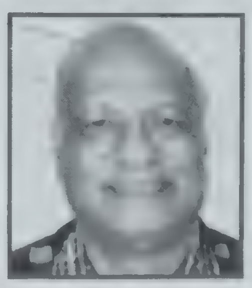

श्री सुनीता आर्य
समूह-18

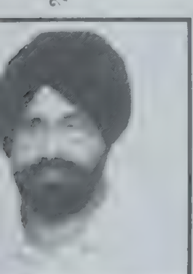

कैलाश टंकवानी
समूह-18

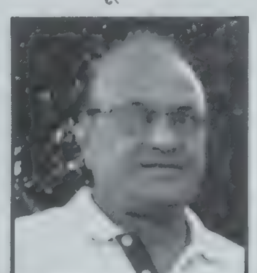

श्री विनोद कुमार माथुर
समूह-20


श्री बी.आर.सांघी
समूह-20


श्री एल.एन.राजपूत
समूह-20


श्री सुबोध कुमार गर्ग
समूह-20


ी जसवन्त सिंह
समूह-20


श्री रामेश्वर सिसोदिया
समूह-20

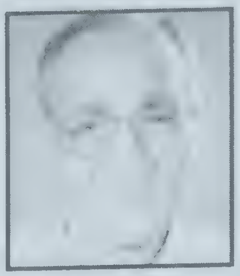

श्री यू.तुकाराम
समूह-20

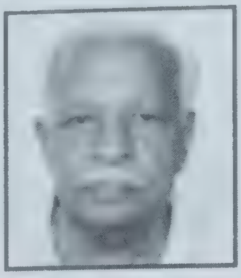

श्री वी.डी.गुप्ता
समूह-20


श्रीमती मंजू पंवार
समूह-20

संस्था सदस्य जिन्होनें 500 रू. या अधिक की राशि वृद्धजन समारोह वर्ष 2018 के लिए भेंट
संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।


श्री सुरेश चन्द गुप्ता
समूह-20


श्री एम.एस.सिंगला
समूह-20


श्री अमर सिंह क्षत्रीय
समूह-20


श्री के एल.दुखाड़िया
समूह-20


श्री पी.एन.मि
समूह-2


श्री एस.एम.जौहरी
समूह-20

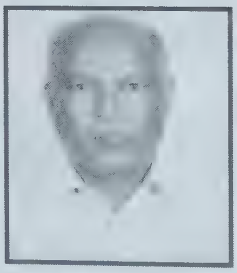

श्री बी.के.बाधवा
समूह-20


श्री प्रतोद कुमार शर्मा
समूह-20


श्री एस.एन.कपूर
समूह-20


श्री एच.एन.भ
समूह-2

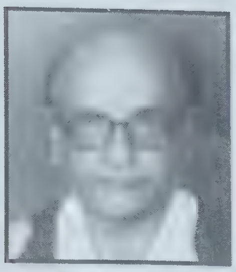

श्री सूरजमल अग्रवाल
समूह-20

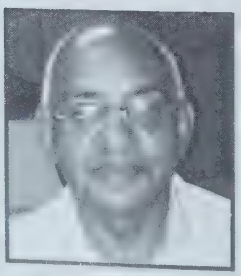

श्री महेन्द्र कनौजिया
समूह-20


श्रीमती चन्दर ऐबट
समूह-20

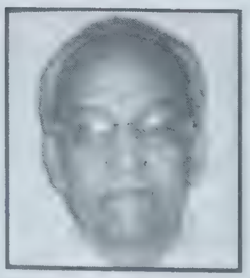

श्रीमती बीनारानी
समूह-20


श्री बी.आर.
समूह-2


श्री डी. के.जैन
समूह-20

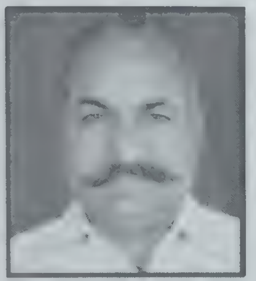

श्री आर.के. शिवहरे
समूह-20


श्री शैलेन्द्र वर्मा
समूह-20


श्री एस.एन.तोषनीवाल
समूह-21

संस्था सदस्य जिन्होनें 500 रू. या अधिक की राशि शहीद के परिवार हेतु भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।


जय कृष्ण राघानी
समूह-2

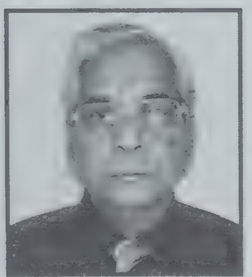

श्री कृष्ण कुमार टांक
समूह-2


श्री प्रताप सिंह थोरी
समूह-2


श्री जयदेव सांखला
समूह-2


श्री चिरंजीलाल शर्मा
समूह-2

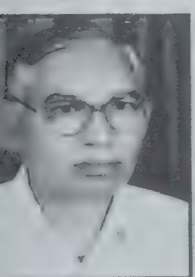

ी स्वर्ण कान्ता अरोड़ा
समूह-12


श्री जी.बी.मवाल
समूह-12


श्री यतीश झा
समूह-12

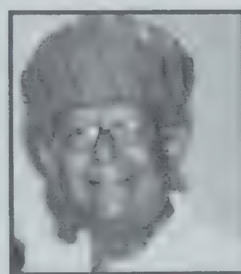

श्री सुभाष चतुर्वेदी
समूह-12


श्री गुलजीत सिंह
समूह-12


ी महेश शर्मा
समूह-12


श्री बिजेन्द्र गोयल
समूह-12


श्री सतीश चन्द शर्मा
समूह-12


श्री महिपाल सिंह राठौर
समूह-12


श्री प्रकाश कुमार
समूह-13

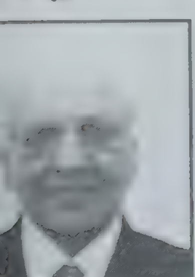

सुरेश अग्रवाल
समूह-13

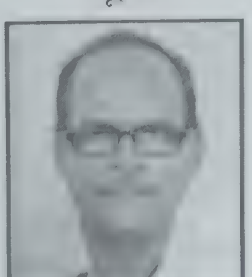

श्री गौरी शंकर शर्मा
समूह-13


श्री देवेन्द्र कुमार
समूह-13


श्री बलवीर सिंह गहलोत
समूह-13


श्री चिरंजीलाल शर्मा
समूह-13


बी.आर.दोहरे
समूह-13


श्री विजय कुमार गर्ग
समूह-13


डा. पी.के.शर्मा
समूह-13


श्री धर्मवीर शर्मा
समूह-13


श्री नरेन्द्र कुमार सौलंकी
समूह-13

संस्था सदस्य जिन्होनें 500 रू. या अधिक की राशि शहीद के परिवार हेतु भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।

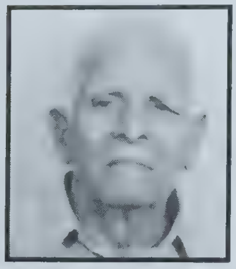

श्री राधेश्याम शर्मा
समूह-13

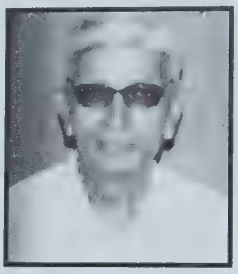

श्री कैलाश पाराशर
समूह-13


श्रीमती राजरानी गुंसाई
समूह-13


श्री बिशनलाल अग्रवाल
समूह-13


सुश्री अरूणा
समूह-1


श्री किरोड़ीमल गुप्ता
समूह-13


श्री श्री कृष्ण शर्मा
समूह-14


श्रीमती उषा शर्मा
समूह-14


श्री लादूराम कच्छावा
समूह-14

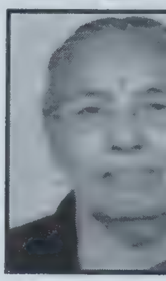

श्री मुकुट बिहारी
समूह-1


श्री चरण सिंह धारीवाल
समूह-14

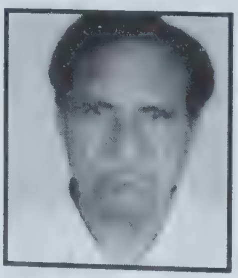

श्री राधेश्याम शर्मा
समूह-15


श्री के.एस.चड्डा
समूह-16


श्री प्रेमप्रकाश माथुर
समूह-17


श्रीमती शीला
समूह-17


श्री हरीशंकर शर्मा
समूह-17


श्री एम.सी.बाच्छीवाल
समूह-17


श्रीमती शैलबाला भारद्वाज
समूह-17


श्रीमती शिवा पाण्डेय
समूह-17


श्री हरिश प्रज
समूह-17


श्रीमति मंजू माहेश्वरी
समूह-17


श्री दयाल शिवानी
समूह-20


श्री अशोक जैकब
समूह-20

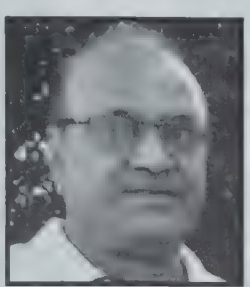

श्री एम.एस.सिंगला
समूह-20


श्री रधुवीर सि
समूह-20

संस्था सदस्य जिन्होनें 500 रू. या अधिक की राशि शहीद के परिवार हेतु भेंट की, संस्था इन सभी दानदाताओं का विशेष अभिनन्दन करती है।



मर सिंह क्षत्रिय
समूह-20



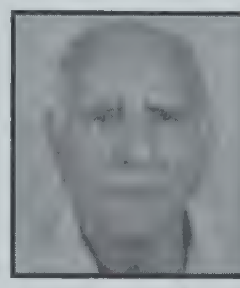
श्री रामेश्वर सिसौदिया
समूह-20



डॉ. एन.के.माथुर
समूह-20



श्री एस.पी.मित्तल
समूह-20



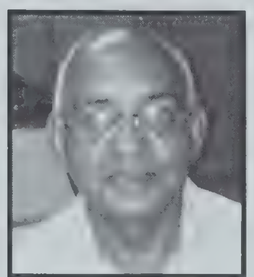
श्री एल.एन.राजपूत
समूह-20



एच.एन.भटनागर
समूह-20



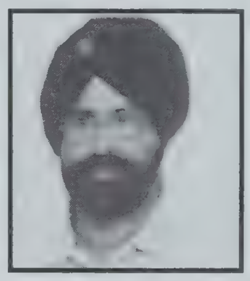
श्री मुकेश भार्गव
समूह-20



श्री राजेन्द्र शिवहरे
समूह-20



श्री पी.एन.मित्तल
समूह-20



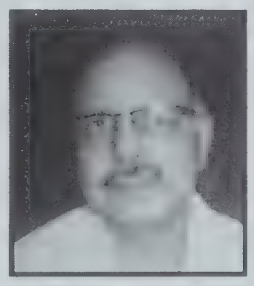
श्री जसवन्त सिंह
समूह-20



श्री सूरजमल अग्रवाल
समूह-20



श्री चन्दर ऐबट
समूह-20



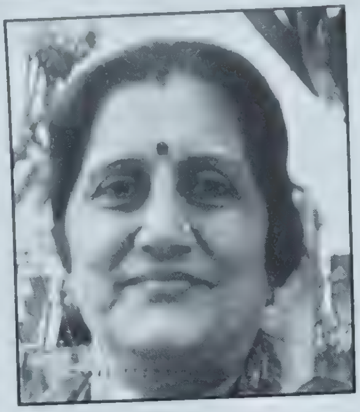
श्री पंकज माथुर
समूह-20



श्रीमती सुरेन्द्र बाला शर्मा
समूह-13



सीनियर सिटीजन सोसायटी द्वारा जिला कलेक्टर महोदय श्री विश्वमोहन शर्मा को पुलवामा में शहीद हुए सैनिको के निमित्त 7200 रू. की धनराशि भेट करते हुयें।



प्रेरणा गौड़

मैं उम्र बताना नहीं चाहती हूँ

मैं. उम्र बताना नहीं चाहती हूँ,
जब भी यह सवाल कोई पूछता है,
मैं सोच में पड़ जाती हूँ।
बात यह नहीं, कि मैं,
उम्र बताना नहीं चाहती हूँ
बात यह है कि
मैं हर उम्र के पड़ाव को,
फिर से जीना चाहती हूँ
इसलिए जवाब नहीं दे पाती हूँ।
मेरे हिसाब से तो उम्र,
बस एक संख्या ही है,
जब मैं, बच्चों के साथ बैठ
कार्टून फिल्म देखती हूँ,
उन्ही की हम-उम्र हो जाती हूँ,
उन्ही की तरह खुश हो जाती हूँ,
मैं भी तब सात-आठ साल की होती हूँ,
और जब गाने की धुन में पैर थिरकाती हूँ
तब मैं किशोरी बन जाती हूँ।
जब बड़ों के पास बैठ गप्पें सुनती हूँ
उनकी ही तरह, सोचने लगती हूँ,
दरअसल मैं एक साथ,
हर उम्र को जीना चाहती हूँ।

इसमें गलत ही क्या है?
क्या कभी किसी ने,
सूरज की रौशनी या
चाँद की चाँदनी से उम्र पूछी
या फिर कलकल करती,
बहती नदी की धारा से उम्र पूछ
फिर मुझ से ही क्यों?
बदलते रहना प्रकृति का नियम
मैं भी अपने आपको
समय के साथ बदल रही हूँ,
आज के हिसाब से,
ढलने की कोशिश कर रही ह
कितने साल की हो गयी मै
यह सोच कर क्या करना
कितनी उम्र और बची है
उसको जीभरकर जीना चाहत
एक दिन सबको यहाँ से विदा ल
वह पल, किसी के भी जीवन
कभी भी आ सकता है,
फिर क्यों न हम,
हर पल को मुट्ठी में, भरके जी
हर उम्र को फिर से,
एक बार जी ले.................



मन की पवित्रता विचारों को पवित्र करती है।
विचारों की पवित्रता समाज को पावन बनाती है।
डॉ. कृष्णानंद जी

सुविचार



ओम प्रकाश पीपल

व्यक्ति काम के बोझ से
नहीं थकता परन्तु वह काम के
नही समझाने से थकता है।
तारीफ करने वाले सिर्फ
आपको पहचानते होंगे
लेकिन फिक्र करने वाले
आपको ही पहचानते होंगे।
जिंदगी में निराशा को हावी
होने मत दो इससे आपकी
आशायें दब जाती है।
जो निःशुल्क है वही सबसे
ज्यादा कीमती है, नींद, शांति,
आनंद, हवा, पानी, प्रकाश,
और सांसे। अच्छे में बुराई दूढंना
तो दुनिया का रिवाज है बुरे में
अच्छाई दूढों तो कोई बात बने।
कष्ट और विपदा दो
श्रेष्ठ गुण हैं शिक्षा देने वाले
साहस से सामना करते है वे
सदैव सफल होते हैं। बुरा लग जाये
ऐसा सत्य जरूर बोलो लेकिन
सत्य लगे ऐसे झूठ कभी मत बोलों।
छोटी सोच शंका को जन्म देती है
और बड़ी सोच समाधान को।
सुनना सीख सको तो सहना
सीख जाओंगे और सहना
सीख गये जो रहना सीख जाओंगे।
दुख दर्द कितने खुश नसीब
जिसे पाकर लोग अपनो को
याद करते है। धन दौलत कितने
बदनसीब होते है जिसे पाकर लोग
अपनों को भूल जाते है।
84 लाख जीवों
में एक मानव ही धन कमाता है,
अन्य कोई जीव भूखा नहीं मरता,
मानव का पेट नहीं भरता है।
यदि भाग्य लिखने का हक माँ को होता
तो कोई इंसान बद नसीब नहीं होता।

□□□

शाश्वत सत्य

आत्मा के लिए किसी भी काल में न तो जन्म है न मृत्यु
यह एक बार अस्तित्व में आकर कभी नष्ट नहीं होता।
गीता 2/20

फिर भी न जाने क्यूँ ?



मंजू पँवार

कोई उम्मीद शेष नहीं है, अब तेरे लौट आने की
फिर भी न जाने क्यूँ ? आदत अभी गई नहीं है
हर आहट पर चौंक जोने की ? कोई भरोसा बाकी नहीं है
दुनिया में तेरे लौट आने का फिर भी न जाने क्यूँ ?
मन रहता है इन्तजार मैं तेरे, छत की कड़िया, गिनते
रहने का, कोई विश्वास अब शेष नहीं है
कोई आस अब शेष नहीं है, अब तुझसे मिलने की
फिर भी न जाने क्यूँ ? हर ब़ार बढ जाते है मेरे कदम
तेरी ही गलियों मे क्यूँ ?

□□□

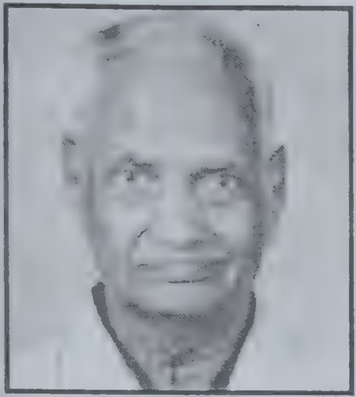
बाजरा की रोटी



सुशीला खंण्डेलवाल

बाजरा की रोटी खाले श्याम। चूरमा ने भूल जावे लो।
चूरमा ने भूल जावे लो तू तो लाडूडा ने भूल जावे लो।
जाटनी का हाथ की रोटी या कमाल की।
माथा पर हाँडी ल्याई दही और छाछ की।
गुड़ को डलोरे स्वाद। चूरमाने भूल जावे लो
बाजरा की रोटी खाले श्याम। चूरमा ने भूल जावे लो।
बाजरा की रोटी दही को सबड़ को।
खाया पाछे देवलो तू मूँछ क रगड़ को।
मोठारी दाल स्वाद चूरमा ने भूल जावेलो।
बाजरा की रोटी खाले श्याम । चूरमा ने भूल जावे लो।
बाजरा की रोटी शी कोनी लागें।
पाछे खाया श्याम तूं तो दस कोस भागे।
थारा गोड़ा में आसी जान। चूरमा ने भूल जावे लो श्याम
आखा अजमेर में तूं पृछ्तो फिरे लो, पूछतो फिरेलो म्हारो नाम,
चूरमा ने भूल जावें लो बाजरा की रोटी खाले श्याम। चूरमा ने भूल जावे लो।

□□□



भंवर लाल गोयल

संघर्ष

जीनव जीना आसान नही होता,
बिन संघर्ष कोई महान नहीं बनता।
जब तक न पड़े हथौड़े की चोट
पत्थर भी मूरत नहीं बनता।।
संघर्ष मार्ग पर चलने वाले
संसार बदल सकते हैं।
खुद की जंग जीतने वाले,
सूरज की भांति चमकते हैं।।
दरवाजा खटखटाओं,
रास्ता स्वयं मंजिल बता देता है।
मुश्किलें सदा हिम्मत बढ़ाती है,
कोई रास्ता रोके तो साहस और बढ़ जाता है,
फूलों में कीड़े भी पाये जाते हैं।
पत्थर में हीरे भी मिल जाते हैं।
निरंतर संघर्ष करते रहने से,
हर मुश्किल आसान बन जाती है।।
केवल भारत छोड़ो के नारे से,
वतन को आज़ादी नहीं मिली।
शहीदो के निरंतर संघर्ष व त्याग से ही
देश गुलामी से मुक्त हो पाया है।

□□□



सत्यनारायण सिंह राठौड़

सच्चाई का झण्डा

हिन्दोस्तान के लोगों को हो रहा है ये क्या।
पूर्वजों से मिला वो पौरूष मर गया क्या।।
इस युग के रामकृष्ण नानक ईशा हुसैन तुम हो,
जुल्मियों का तख्ता पलट दे वों भूचाल तुम हो
आज आ गई गंगा जमुना में फिर बाढ़।
थरथरा उठे हैं खामोंश खड़े ये मौन पहाड़।।
वक्त आ गया है आतंक के जुल्मियों को हिला डालों।
बढ़ते हुये कदमों से उनके जुल्मों को रोंद डालों।।
क्रांति की मशाल को तुम थाम आगे बढ़ जाओं।
आंतकियो के मनसूबो को अपनी हुंकार से मिटा डालों।।
इंसानियत और सच्चाई का झण्डा बुलंद कर दो।
समाज के नकली ठेकेदारों का तुम मुख बन्द कर दों।

□□□

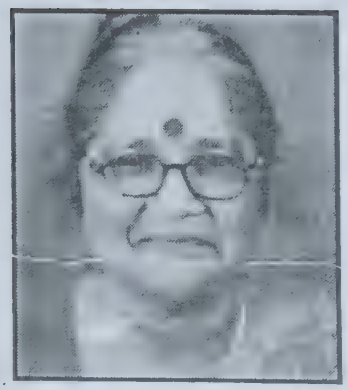


अशोक मिश्रा

मेरा भारत महान

मेरा भारत महान। मेरे देश की मिट्टी महान।
मेरे देश की संस्कृति और संस्कार महान।
एकता में अनेकता और अनेकता में एकता के दर्शन
जिस एक मात्र देश में होते हो उस भारत को प्रणाम।
महात्मा गांधी पं जवाहर लाल नेहरू, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस,
लौह पुरूष, सरदार वल्लभ भाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री
जैसे नेता जिस मिट्टी ने दिए हों उसको सलाम।
शहीद भगत सिंह जैसे सपूत जिस भारत माता ने
दिए हों उसे कोटि कोटि नमन। लालू मुलायम जैसे
बाहुबली फूलन देवी जैसी अपराध की दुनिया की
मल्लिकाओं व बादशाहों को भी संसद व विधानसभाओं
में पहुंचाकर उदारता का परिचय देती जनता को नमस्कार
भृष्टाचार, दुराचार, घोटाला, भाई भतीजावाद, नरसंहार
के संहारे राजनीति की बुलंदियों को छूने वाले राजनेताओं
को आदाब। और न जाने कितनी खूबियों, विभुतियों,
दिग्गजों से अटा पड़ा है यह देश। तभी तो प्रत्येक नागरिक
के अन्तर्मन से ये शब्द निकलते है,, मेरा भारत देश महान।

□□□



उर्मिला मिश्रा

बुजुर्ग और भक्ति

बुजुर्गो को घर के कोने से दिल
के कोने में बिठा लिजिए, आपकी दुनियाँ
दुआओं और आशीर्वाद से भर जायेगी।
हम तो बातों बातो में दिल की बात योहि
कह जाते है ऐसे भी है कुछ लोग जो गीता
पर हाथ रख सच जुंबा से नहीं कह पाते हैं।
भक्ति भोजन में मिलकर प्रसाद बन जाती है।
पानी में घुलती तो चरणामृत बन जाती है।
जब घर में मिलती है तो शान्त मन्दिर सी हो जाती है।
जब व्यक्ति के हृदय में समा जायें तो वह भक्ति बन जाती है।

□□□

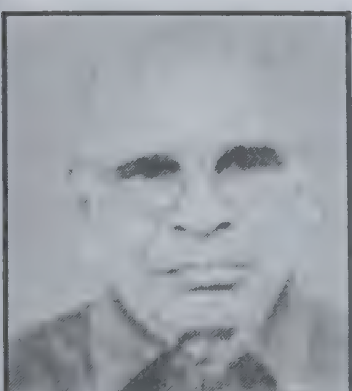


मंजुबेन पटेल

आनेवालो जाना होगा

ओ आनेवालो इतना समझ लो, इस जग से अपन को जाना ही होगा।
यदि रह गयी हो कुछ वांसनाऐं, उनके लिये फिर आना ही होगा।
जब तक किसी पर अधिकर रखकर जितना अधिक सुख हम भोगते हैं।
मानों न मानो जीवन में अपने, पुण्यों की पूंजी गवाना ही होगा।
दानाधिकारी बनकर किसी से, श्रद्धा के बाहर यदि धन लिया है,
हम देना भूले भले हो, जो ऋण लिया उसे चुकाना ही होगा।
जिसे किसी को दुःख हो रहा हो तो ऐसा अनर्थ कार्य होने न पाये,
सुख के लिये जो दुख दे किसी को उसको कभी दुःख उठाना ही होगा।
तुम दूसरो को वह देते रहना, जो उनसे स्वंय चाहते हो।
जैसा दोगे वैसा ही प्रकृति से, कई गुना तुमको पाना ही होगा।
कुछ जानना है तो अपने को जानो, मानना है तो प्रभु को ही मानो।
करना है तो सबकी सेवा करो, जीवन किसी विधि बिताना ही होगा।
छोड़ो अहंता ममता जगत की, परमात्मा से ही प्रीति जोड़ों।
देखो पथिक तुम जिनकी शरण हो, उन पर विश्वास लाना ही होगा।
मोक्ष पाने के लिए तुम्हे ''जय श्री कृष्ण, जय श्री राम'' गाना ही होगा।

□□□



प्रेम सिंह तॅवर

छोड़ दारु भविष्य सुधारो

शराब पीने वालो की सूरत ज़रा तुम देखिये, बरबाद हो रहते वे
घर न जलते है दिये। पैसा सारा फूंकते है, इज़्ज़त ताले में बन्द किये,
धक्के खाते फिरते है, हाथों में बोतल लिये। कर्ज लेते है, बहुत वे पिये
बिना नही रहते है, जब चुका नहीं पाते तो इज़्ज़त अपनी खो देते है।
बाल बच्चे रहे बिलखते भीख मांगते फिरते है, शिक्षा से रहते है वंचित,
पुस्तको से डरते है। गिर पड़ते है नाली में, कुत्ते चाटा करते है।,
पत्नी को पीटा करते, सिर धुन रोया करते है। टी.बी. तो होती ही है,
कॅसर भी हो जाता है। अल्प आयु स्वर्ग सिधारे, छोड़ दो अब दारू पीना,
अपना भविष्य सुधारो भाई पानी सी न उसे बहाओं, मेहनत से करी कमाई।
अच्छी शिक्षा दो बच्चों को, मत करवाओं बेगारी। प्रेम के संग
खर्च करो धन, फिर न रहेगी लाचारी।

□□□



हीरालाल पटेल

योग की मशाल

योग दिवस की बहुत बधाई सारे भारत वालों को,
योग को जीवन में भरने वाले ऐसे मनवालों को
योग ऋषियों की अनमोल धरोहर हमे मिली,
करे योग भगाये रोग शहर गांवों से देखो जी।
योग भोगो को तोड़ेगा ऐसे योग का सूत्र बनाना है,
जीनव भर खुशहाल रहे तन ये हमको समझानाहै,
हमने अपने भीतर फिर से भोगी को धिक्कारा है,
देश का सेवक बनकर मोदी ने इसको स्वीकारा है, मोदीजी तुमने यह काम
अनोखा कर डाला। देश की हर इक रक्त शिरा में फिर से जीवन भर डाला
गर्व हुआ शान बढ़ी योग की जग ने तुम्हे पहचााना है, भारत विश्व गुरू
बन जाए ये अपनी अभिलाषा है, भारतवासी हम यारो इसका अभिवादन करो,
आह्वान मेरा है उठो जवानो रक्त को तुम पानी न करो। सकल विश्व के
योगी ज्ञानी हो तुम, समझा दो तुम, आपने स्वाभिमान को जगा तुम
राष्ट्र प्रथम की भावनाको ऊपर लाना है, जन जन को योग मशालों से जगाना है।

□□□



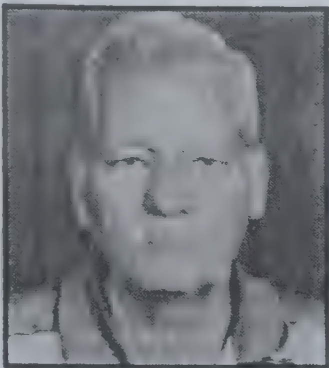
राजेश्वरी जोशी

वृद्धाश्रम

रिश्तों में अनुबन्ध तो नथे, आँचल के प्रतिबन्ध तो नथे।
संस्कारों से गढ़ा था बचपन, हसरतों के पैबन्द न थे।
खोई जवानी उम्र को गढ़ने में, जान सका न झुर्रियों को पढ़ने में।
प्रतिकार न माँगा मातृत्व का उनसे, क्यों छिटकाया हो परजाई के बस में।
जिन्दगी के पन्नों पर फेली स्याही हाशिये पर है अब उम्र की राही।
बोझिल मन, तर्क, कुतर्क को झेला, घर दहलीज को कदमों से ठेला।
पौध को है जब वृक्ष बनाया, उसकी छाया को जब न पाया।
बढ़ चले कदम निर्वाण की ओर, छोड़ा आशियाना बना वृद्धाश्रम ही ठौर।
बना खून ही खुद ही हरजाई, ममता को जब ठोकर दिखलाई।
बंधन में पड़ गई खटाई, सिल न सकी फटे आँचल की तुरपाई।

□□□

कटु सत्य



सीताराम खण्डेलवाल

परिंकर जी चले गये, सुषमा जी चली गयी, जेटली जी चले गये, इन सब घटनाओं से आपने क्या सीखा? ये सब बुढ़ापे की मौत नहीं गये, ये सब किसी ना किसी बिमारी से ग्रसित थे, आप ये भी नही कह सकते कि उनके खानपान में कोइ कमी होगी, 24 घंटे उत्तम स्तर की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध थी, विश्व के ऐशो आराम इनको उपलब्ध थे फिर ऐसा क्या हुआ कि इनकी मौत समय से पहले हो गई, सत्य ये है कि इस शरीर के दो बड़े गुण हैं, एक अत्यधिक, आराम, दूसरा मानसिक थकान आपके जीवन को इनसे बचायें कभी कोई गंभीर व्याधि नहीं आयेगी। किसी के लिए भी कभी भूखा प्यासा रहकर कार्य ना करें, अपने बच्चों के लिए भी नही, क्योकि आपका शरीर स्वस्थ है तो आप है और आप है तो उनको सहारा भी दे सकते हैं प्रत्येक व्यक्ति अपना भाग्य और कौशल साथ लेकर आता है इसलिए किसी के लिए भी अत्यधिक चिंता ना करें, इच्छाओं का अंत नही होता अत: संतुष्ट रहना भी सीखें। जीवन में पद महत्वपूर्ण वस्तु है लेकिन सबसे महत्वपूर्ण आपका अपना शरीर है, आपकी महता तभी तक है जब तक आपकाशरीर स्वस्थ है, यही आपका वास्तविक जीवन साथी है, जब तक आपका शरीर स्वस्थ है, आपका जीवन सार्थक है।

□□□

मनवीणा के तार



सुगनचन्द्र जोनवाल

छेड़ो री मन की वीणा के तार।
गाओ री सखियों मिल के मल्हार।।
आज पधारे है, मेरे गिरधारी
जग के ये प्यारे है, मेरे गिरधारी।
धूम है जग में सभी कृष्ण कन्हैया आये
डग मगाती हुई कश्ती के खिवैया आये
आओ मिलजुल के मसर्रत तराने गाये
जन्म दिवस है श्री कृष्ण के गीत गाये।
मन के पलने में कन्हैया को बिठाएें
सांस की डोर से फिर पलना झुलाऐं।

आरती के लिए चौमुख दीप जलाओं
आशाओं के फूलों के हार बनाओं।
आज हर गोपी से कहे करे सोलह श्रृंगार
कृष्ण दर्शन को चले, झूम के गाये मल्हार।
बिंदिया माथे पे हो और मांग सिन्दुरी
हर गोपी की जुबां पर हो श्री कृष्ण हरि।
रंज सब दूर हुए, दौर खुशी का आया
सारे संसार पे है अब्रे मसरत छाया।
सारे गम आज मसर्रत में बदल जायेंगे
मन की बगिया के कमल मुस्करायेगे।

□□□

भाव सुमन



जे. पी. शर्मा

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, है सम्मान तुम्हारा।
रखनी है यह बात याद प्रिय, भारत देश हमारा
प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, है सम्मान तुम्हारा।
निज स्वार्थों की बलि चढ़ाना, न कहने में आना।
जाति धर्म, संकीर्णता तजकर, मानवता अपनाना।
भ्रष्टाचार, गरीबी आदि ने तुम को है ललकारा
प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, है सम्मान तुम्हारा।

तुम्हीं देश के कर्णधार हो, तुम ही देश की शान।
तुम्हीं देश के राणा सांगा, लक्ष्मी बाई महान।
प्रतिभा का बल पास तुम्हारे, दुःख मिटावन हारा।
प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, है सम्मान तुम्हारा।
ज्ञान और विज्ञान छिपा है, तुम्हारी इस काया में।
इस रहस्य को प्रगट करने, काव्य पंक्ति लाया मैं।
बुद्धि बल और बाहुबल है, तुम में अपरम्पारा।
प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, है सम्मान तुम्हारा।
सदाचार युत्त और उद्यमी, प्रगति करते जाते।
व्यसनी और आलसी जन ही जीवन में पछताते।
जेपी की यह सीख प्रेम से, लो हृदय में धारा।
प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, है सम्मान तुम्हारा

□□□

मुबारक वादियाँ



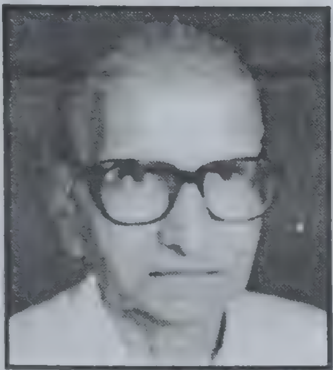
सुनिता बारिया

- मुबारक है वे जो दिल के गरीब है क्योकि आसमान की बादशाहत उन्हीं की है
- मुबारक है वे जो गमगीन हैं, क्योकि वह तसल्ली पायेंगे।
- मुबारक हैं वह जो हलीम हैं क्योकि वह जमीन के वारिस होंगे।
- मुबारक है वह जो रास्ताबाजी के भूखे-प्यासे है, क्योंकि वह आसदा होंगे।
- मुबारक हैं वह जो रहम दिल हैं, क्योकि वह खुदा को देखेंगे।
- मुबारक हैं वह जो सुलह कराते हैं, क्योकि वह खुदा के बेटे कहलायेंगे।
- मुबारक है वह जो रास्ताबाजी के सब़ब सताये गये है, क्योकि आसमान की बादशाहत उन्हीं की है।

जब मेरे सबब लोग तुम्हें लानतान करेंगे और सतायेंगे औरहर तरह की बुरी बाते तुम्हारी निस्बत नाहक़्क कहेंगे, तो तुम मुबारक होंगे, खुशी करना और निहायत शादमान होना, क्योंकि आसमान पर तुम्हारा अज्र बड़ा है इसलिये कि लोगों ने उन नबियों को भी जो तुम से पहले थे, इसी तरह सताया था।

□□□

जीवन में सुख दुख



पी. सी. गुप्ता

इंसान की जिंदगी मीठे और नमकीन का मिश्रण है। जीवन में मिठास का मतलब ही सुख है। जब सुख दुःख दोनों मिल जाये तो आप इसे नमकीन मान लीजिये। नमकीन की भी एक श्रेष्ठ श्रेणी है मिर्ची और अगर मिर्च अधिक हो जाये तो फिर दुःख ही दुख हो जाता है। अधिकतर लोग चाहते हैं कि जीवन में सुख ही बना रहे। यानी हर तरह से जीवन मीठा ही रहे। लेकिन यह भी सच है भोजन बिना मीठे के भी चल सकता है। इसलिये हमेशा सुख की चाह न रखें। फिर जरूरत पड़ती है नमकीन की। बिना नमक के तो भोजन हो ही नही सकता। यानी जीवन में सुख और दुःख दोनों की जरूरत है। हमारे शास्त्रों और वेदो में लवण का उल्लेख मिलता है यानी उस काल में भी नमक का महत्व था। नमक यानी जीवन में सुख और दुःख दोनो का संतुलन। यूरोप के मशहूर कवि ने नमक को स्वर्गीय पदार्थ बताया है। प्लेटो इसे देवताओं का प्रिय पदार्थ बताते थे, अरब वालों ने खुदा की नियामत कहा है। इसलिए सुख और दुःख जीवन के नमक है इसे खुशी से स्वीकार करें।

□□□

प्रत्यक्ष अनुभूति



श्रीमती अनिता बेदरकर

यह घटना आषाढ़ शुक्ल द्वितीया सन् 2008 की है, पुरी की ही भांति भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा प्रतिवर्ष रीवा (म.प्र.) में निकाली जाती है कहते है कि बाँधव गढ़ नरेश महाराज विश्वनाथ सिंह जगन्नाथ पुरी से भगवान जगन्नाथ के विग्रहों को यहां लेकर आये थे। जिन्हे उन्होंने चार धाम के मंदिर लक्ष्मण बाग मै स्थापित किया सुन्दर सुसज्जित कास्ट का रथ भी महाराजा रीवा ने यात्रा हेतु करवाया था। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को लक्ष्मण बाग स्थित किला तथा शहर को मध्य भागों से यह रथ यात्रा प्रतिवर्ष आज भी निकाली जाती है। भगवान अपने भक्तों को दर्शन देते हुए एक रात्रि मार्तण्ड स्कूल में विश्राम कर आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को पुनः अपने मंदिर में लक्ष्मण बाग में विराजमान होते है। मानस भवन बनने के बाद जिला प्रशासन एवं सामाजिक कार्यकर्ता के सुझाव पर मार्तण्ड स्कूल के स्थान पर मानस भवन में ही भगवान जगन्नाथ जी का विश्राम होने लगा। इससे लोगों को दर्शन लाभ सुगमता से होने लगा। क्योंकि यह स्थान नगर के मध्य में है। सन् 2008 में रीवा की सदस्यता के नाते भगवान की अगवानी तथा विशेष पूजा अर्चना को सौभाग्य प्राप्त हुआ। दूसरे दिन भण्डारे की तैयारी होनी थी। मेरी इच्छा हुई की भगवान को मालपुओं का भोग लगाया जायें। हलवाई से पूछा तो उसने 4000 रु. का अतिरिक्त खर्च बताया कोषाध्यक्ष ने खर्च अधिक होगा कहकर इस प्रस्ताव को स्थागित कर दिया। जिससे मेरा मन दुःखी हो गया। रात्रि के साढ़े 10 बज चुके थे। रसोई और हलवाई प्रबन्धन कर हम निवास स्थान पर लौट रहे थे कि एक महाशय आये और भण्डारे की व्यवस्था के बारे मैं पूछने लगे। मैंने उन्हे कोषाध्यक्ष

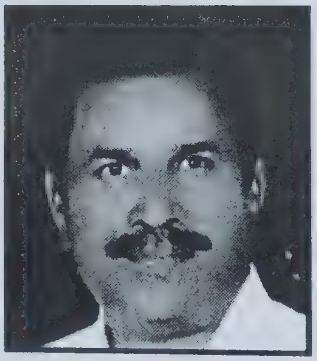
की बात बताई उन्होने कहा मालपुए का भोग लगना ही चाहिये। कितना अतिरिक्त और खर्च बताया। मैंने सादे चार हजार कहा उन्होंने तत्काल जेब से पैसे निकाल कर कहा ये लीजिये मालपुआ अवश्य बनने दीजिए एकाएक लगा जैसे गिनी हुई रकम को लेकर आये मैं आश्चर्य में पड़ गयी। भण्डारे के नाम से सौ रूपये देने में भी लोगो को तकलीफ होती है। इन्होंने पूरे साढ़े चार हजार दे दिये। इन महाशय को मैने पहले कभी नहीं देखा इसलिए पूछा मैने आपको पहचाना नहीं उन्होने कहां मै दशरथ का बेटा हूँ। शहडोल से आया हूँ और वापस जा रहा हूँ। यह कहकर वे चले गये। मै अवाक् होकर उनकी तरफ देखती रही और सुनती रही दी गई रकम भी स्वीकार कर ली। कुछ समझ ना सकी।

''अति सय प्रबंल देव तव माया'' इसी माया के चक्कर में भूल गयी कि दशरथ के पुत्र वे राम जी ही थें। जो मेरी मालपुआ के भोग लगाने की प्रबल इच्छा को पूर्ण करने प्रकट हुये और चले गये। फिर कभी नहीं दिखे। दुसरे दिन प्रेम से मालपुआ का भोग भगवान जगन्नाथ जी को सब भक्तों ने लगाया व पाया। मैंने चिन्तन किया और सोचने लगी प्रभु राम जी की ये कैसी कृपा हुई?

''अस प्रभु छोड़ि भजहि जे आना, ते नर पशु पूछ बिषाना।''

□□□

अनमोल मोती



एम. एल. बारिया

बेंच दे अपनी आन अपनी जुबां, अपना जमी।
फिर तेरे मुँह में सोने के निवाले होंगे।
सुविधा में बिके लोग, कोहनी पर टिके लोग करते हैं
बरगद की बात, गमले मे उगे लोग।
अच्छे दिन पाछे गये, किया न गुरू से हेत,
अब पछताये क्या होतं, जब चिड़िया ने चुग लिया खेत।
गैर कि ग़म का भी इस दिल पर असर होता है।
कोई रोता है तो, दामन मेरा भी तर होता है।
बन जाते है गैर भी अपने, जब जर पास होता है।
टूट जाता है, गरीब जो रिश्ता खास होता है।
चन्दन री चिमटी भली गाडे भला न काठ।
चातर तो एक ही भलों मूर्ख भला न साठ।
भलों तो भली विचारे, बुरो विचारें बोन्दू।
एक खेत में दो निपजें खरबूजों और कोन्दू।

□□□

क्षमा
दण्ड देने की सामर्थ्य रहते हुए किसी के अपराध को सहलेना और माफ कर देना क्षमा है।



ओम प्रकाश सोगानी

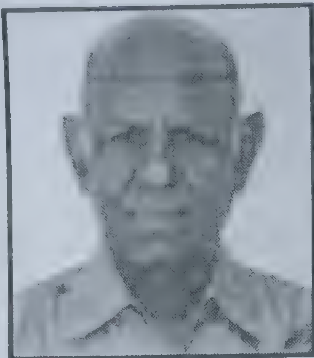
बाते महत्व की

बीमारी में आराम का घरो में काम का
बुढ़ापे में राम राम का बड़ा ही महत्व है
भारत में भारती का रथ में सारथी का
मंदिर में आरती का बड़ा ही महत्व है।
नारियल में गिरी का सामान मिलने में फ्री का
मंत्रो में श्री का बड़ा ही महत्व है।
युद्ध में सेनापति का चावल में बासमति का
देवियो में सरस्वती का बड़ा ही महत्व है।
डॉक्टरों में सर्जन का मेघो में गर्जन का
तीर चलाने में अर्जुन का बड़ा ही महत्व है।
चोंके में जूस का देशो में रूस का
सेठो में कंजूस का बड़ा ही महत्व है।
स्कूल में साथी का सर्कस में हाथी का
दीपक में बाती का बड़ा ही महत्व है।
आदमियों में लम्बू का गर्मी में नींबू का
द्विपो में जम्बू का बड़ा ही महत्व है।
दुकान में लाला का दरवाजे पर ताले का
मंदिर में माला का बड़ा ही महत्व है।
घर में खाट हरियाणा में जाट का
पूजा में शान्ति पाठ का बड़ा महत्व है।
पुस्तको में गीता का उद्घाटन में फीता का
सतियों में सीता का बड़ा ही महत्व है।
यात्रा में थकान का धंधे में दुकान का
भगवानों में हनुमान का बड़ा ही महत्व है
खिलाड़ियों में टीम का वृक्षों में नीम का
शांति में मन का बड़ा ही महत्व है।
छत में जाल का रत्नों में लाल का
बुढ़ापे में सफेद बाल का बड़ा ही महत्व है।
मथुरा में श्याम का अयोध्या में राम का
गर्मी में आराम का बड़ा ही महत्व है।
बर्तनों में झारी का धरती पर नारी का
जीवन में समझदारि का बड़ा ही महत्व है।
दूध में मलाई का हाथ में कलाई का
छोड़ने में बुराई का बड़ा ही महत्व है।
हिन्दी में मात्रा का स्कूल में छात्रा का
तीर्थो की यात्रा का बड़ा ही महत्व है।
चलने में पथ का लिखने में खत का
राम के पिता दशरथ का बड़ा ही महत्व है।
युवको मे टोली का रजाई खोली का
पर्वो में होली का बड़ा ही महत्व है।
शरीर में जान का सिर दर्द में बाम का
करने में आत्म ध्यान का बड़ा ही महत्व है।
करेले में कड़वाहट का परीक्षा में घबराहट का
मित्रों में मुस्कराहट का बड़ा ही महत्व है।
बैंक में जमा पूंजी का रात्रि में शमा का
बड़ा ही महत्व है।

□□□

स्वर्ग - नरक

स्वर्ग से आये प्राणी दान प्रवृति, मधुरवानी से संयुक्त संतुष्ट, शांति और सेवा में तत्पर रहते हैं। नरक से आये नित्य कलह विरोध रोग शोक दोष देखने व कटुवचन से युक्त रहते है। - स्वामी रामसुखदास



नारायण सिंह राठौड़

परहित सरस धर्म नहीं भाई

सृष्टि में प्रत्येक प्राणी का महत्व हैं ये अपने स्वभावनुसार किसी न किसी रूपमें हितकारी सहायक होते है। ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति मानव है। तुलसी जी ने कहा है - बड़े भाग मानुष तनु पावा, सुर दुर्लभ सब ग्रथन्हि गावा। इसलिए प्रत्येक को लोक-कल्याण में अपना योगदान देना चाहिए।

मनुष्य का जन्मोपरान्त बाल्यावस्था खेल-कूद,आमोद-प्रमोद एवं शिक्षा-दीक्षा में निकल जाता है। व्यवसाय से जुड़े, विवाह-बन्धन से बाँधे और सन्तान होने के साथ गृहस्थ-जीवन के चक्कर में पड़े हम मुख्य उद्देश्य से ही भटक जाते है। इसे मायावी संसार कहते है। लोभ,लालच, मोह,द्वेष,ईर्ष्या,वाद-विवाद,धनोपार्जन ही जीवन का ध्येय रह गया है। दान,दक्षिणा, मैत्री, करूणा, परमार्थ कार्य पीछे रहे गये है। मानव का स्वभाव आत्म-प्रशंसा,नाम एवं स्वार्थ सिद्ध करना रह गया है। बाल्यावस्था एवं प्रोढावस्था के पश्चात् जब व्यक्ति उम्र की वरिष्ठ श्रेणी में आता है तब धर्म-कर्म,तीर्थयात्रा भजन-भक्ति एवं परमार्थ सोचता है।कुछ को सेवा-निवृत्ति के पश्चात् जनसेवा की याद आती है। ज्ञान होता है कुछ जीवन बचा है, परहित कर ले। व्यक्ति जन्म से इच्छा से किसी न किसी सम्प्रदाय विशेष से जुड़ जाता है। रूचि के धर्मग्रन्थों व धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन करता है।ज्ञान होने पर कष्ट नहीं पहुंचाने की सोचता है।

''परहित सरिस धर्म नही भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई'' ।दूसरों की सहायता भलाई ही बड़ा धर्म है और कष्ट पहुचांना नीचता है। ''कर्म प्रधान विश्व करि राखा, जो जस करहि तस फल चाखा के अनुसार तुलसीदास जी ने स्पष्ट कहा है कि,''परहित बसहिं जिनके मन माहिं, तिन्हहु जग दुर्लभ कछु नाँहि''। जो दूसरों के कल्याण में समर्पित रहता है, उसे लोग सदैव याद करते है।सत्य भी है क्योंकि,''परहित रत तजहिं जो दे ही, संतत् संत प्रसंसहिं तेही''। में 18 पुराणों की रचना के पश्चात् सार बताने के लिये कहा कि''अष्ठादस पुराणेषु व्यासस्य वचसं द्वयं। परोपकार पुण्याय् पापाय! च पर पीड़नम्।। अर्थात अठारह पुराणों में श्री व्यासमुनि ने मूलतः दो वचन दर्शायें है। प्रथम है कि परोपकार से बढ़कर कोई पुण्य कर्म नहीं है और दूसरो को दुख देने से बड़ा कोई पाप कर्म नहीं। प्राणी मात्र जिनमें समस्त जलचर, नभचर व थलचर आ जाते हैं अथवा वे सभी प्राणी जो पिण्डज,अण्डज,उद्भज व श्वेदज किसी भी कारण -रूप से उत्पन्न हुये हैं, की मन-वचन-कर्म से सेवा करनी चाहिये। जिन्दगी के कुछ पल दूसरों की भलाई के लिये निकालें। सुकून मिलेगा।किसी ने कहा है कि, '' कुछ काम आ खलक और खुदा के, कि इससे बढ़कर कोई इबादत नही''। यदि हमने किसी निर्धन,रोगी,असहाय,जरूरतमन्द आदि की सहायता कर दी तो बहुत बड़ा कार्य हो गया सही मायने में यही ईश्वर सेवा है स्वामी विवेकानन्द ने स्पष्ट कहा है कि आपके सामने ईश्वर कई (रूपों) में खड़ा है।आप बेकार में ही खोजकर रहे हैं।प्रेम से जीवमात्र जागृत करते हुए आव्हान किया कि-

'' बहुरूपों में खड़े तुम्हारे आगे, और कहाँ है ईश।
व्यर्थ खोज! वह जीव-प्रेम की ही, सेवा पाते जगदीश।।''

हम अपनी सामर्थ के अनुसार जनहित में अपना समय देवें। विभिन्न संस्थाये,ट्रस्ट ,मठ,आश्रम आदि में योगदान करें।''जब जागे तभी सवेरा'' है। यह शरीर एक खेत है। मन-वचन-कर्म के सदृश्य पाप-पुण्य दो बीज़ है। जो बीज चाहे, बोदे।, जो बोयेंगे वही पैदा होकर हमें मिलेगा।''करता था सो क्यों किया,अब करे क्यों पछताय, बोया पेड़ बबूल का, आम कहा से खाय।''तुलसीदास जी ने लिखा है:- तुलसी यह तनु खेत है, मनवचन,कर्म किसान।पाप-पुण्य दो बीज है, जो बोयें सो लेवे निदान।।

पर हितार्थ मांगना भी पड़े तो संकोच नहीं करना यह कोई बुराई नहीं।अपने लिये माँगना अनुचित है।तभी तो कहा है''मर जाँऊ, माँगू नहीं अपने कारण काज, परमार्थ के कारण मोहि माँगत न आवे लाज''।कुछ दूसरों के लिए ही उत्पन्न होकर सर्वस्य निछावर कर देते है।''तरूवर, सरवर, सन्तजन और चौथे बरसे मेह, परमार्थ के कारण चारो धरि देह''ये सब अपना जीवन दूसरों के लिए अर्पण कर देते है सच है''तरूवर फल नही खात है, सरवर पीयत न पानि, परमारथ के कारण संपत्ति संचय सुजानि''इसलिए परमार्थी बनकर धन-संपत्ति दूसरों के कल्याण के लिये लगावें।

इसी में हमारा व अन्य सभी का कल्याण निहीत है''भवतु सव्व मंगलम।''

□□□

दुःखवा का से कहूँ?



रामकन्या जोशी

भरी दुपहरी में गहरी नींद में सो रही थी कि कालबेल की कर्कश आवाज ने जगा दिया। इच्छा हुई कि दरवाजा खोलूँ कि नहीं। बाद में मन ने कहा कोई दुखियारा होगा? सोच कर उठी, देखा मेरे ही दूर की एक रिश्तेदार सविता थी। वो तेजी से अन्दर आयी और फफक कर रो पड़ी।मैने हाथ फिराया और पानी पिलाया और रोने का कारण पूछा।वह सुबक सुबक कर रोने लगी।उसके मन में दबी पीड़ा छलक कर बाहर निक आयी और उसने बताया कि जीजी मेरे दाँतो में दर्द था पति डाक्टर के लेकर जाते रहें, पर एक ही घर में रहते हुये बेटे और बहू को पता ही नहीं चला कि हम डॉक्टर के चक्कर लगा रहे हैं? जीजी उम्र बढ़ती चली और मन शंकाओं में डूबता जाता है बेटियाँ विवाह कर अपनें घर चली और बेटे को बहू उड़ा कर ले गयी।सोचती हूँ अब जीवन कैसे कटेगा? पति कहते थोड़ा जीवन बचा है जैसे तैसे कट ही जायेगा। कहकर वे अपनें मोबाइल,टी.वी.लेपटॉप व पुस्तको में अपना गम छुपाने का प्रयास करते कभी-कभी आँसू भी बहा लेते हैं।माँ हूँ न. सब सहन नही होता मेरा मन भी बेटे के दो शब्दों के लिये तरसता है। वो ऑफिस के लिये निकलता है तो टक-टकी लगाकर देखती हूँ कि बात करेगा पर सब व्यर्थ, बेटा बहू दोनो तिरछी नजर कर चुपचाप निकल जाते हैं।पति से कहती हूँ तो कहतें है कि यह हमारें ही घर की नहीं हर घर-घर की कहानी है।तुम इन व्यर्थ की बातों को पालकर अपनी शूगर व ब्लड प्रेशर मत बढ़ाया करो।तुम ये सारी मन की पीड़ा निकाल दो।

□□□

सीखने की सीमा नहीं



बीनारानी

चांद ओर तारों से सीखें,
अंधेरे में सबको राह दिखाना।
अपनी धरासे सीखों,
कष्ट सहकर बोझ उठाना।
फूलो से सीखो, तोड़े जाने
पर भी महक देकर मुस्कुराना।
पवन से सीखो, स्वच्छता
से निरन्तर बढ़ते जाना।
सूर्य से सीखों नियति के
नियमों का पालन करना।

तितली से सीखों,
प्रतिक्षण आनंदित होना।
दूध और पानी से सीखों
प्रेम से घुल-मिल जाना।
वृक्षो की बेलों से सीखों,
सबको गले लगाना।
उम्र भर सीखते रहो,
सीखने की सीमा नही है।
दीये से सीखों,
अंधेरो से लड़कर जीवन देना।

□□□

अभी तो बहुत चलना है



गजराज सिंह चौहान

THE WOODS ARE LOVELY DARK AND DEEP,
AND I HAVE PROMISES TO KEEP,
AND MILES TO GO BEFORE I SLEEP,
AND MILES TO GO BEFORE I SLEEP.

अनुवादः-

गहन, सघन, मनमोहन, वन, तरू मुझको आज बुलाते हैं,
किन्तु किये जो वादे मैने, याद मुझे आ जाते हैं।
अरे अभी कहाँ आराम बदा, ये मूक निमन्त्रण छलना है,
अरे अभी तो मीलो, मुझको मीलो चलना हैं।

इसमें जीवन का सार छुपा है। इसे पं. जवाहर लाल नेहरू बहुत पसन्द करते थे। कहते है कि इसी की प्रेरणा से वे भारत के प्रधानमंत्री पद तक पहुँचे। रेल्वे ट्रेन ड्राइवर एवंम विद्यार्थियो को अपने लक्ष्य प्रप्ति का बोध कराती है। समय की निर्धारित सीमा में सदैव चलते रहो। इसे स्कूल, कॉलेज तथा शिक्षण संस्था के परिसर में बच्चो को प्रेरित करने के उद्देश्य से लगाना चाहिये।

□□□

गुरु सम्मान की रक्षा



ओ. पी. चौरासिया

बात उस समय की है, जब यामुनाचार्य की आयु केवल बारह वर्ष थी। गुरूदेव श्रीमद् भाष्याचार्य के पास अध्ययन किया करते थे। एक दिन गुरूदेव उन्हें आश्रम व्यवस्था सौंपकर किसी कार्य हेतु चले गये। यामुनाचार्य पाठ याद कर रहे थे कि तभी एक तीक्ष्णस्वर ने कानों को बींधा- 'तेरा गुरू कहाँ है?' यामुनाचार्य को शब्द अशिष्ट लगे, परन्तु धैर्य व नम्रता से पूछा- 'आप कौन हैं?' 'अरे, हमसे पूछता है हम कौन है?' हम महामना 'कोलाहल' के पास सौभाग्यशाली शिष्य हैं।

यामुनाचार्य -'कोलाहल' कौन है? मैंनें तो उनका नाम कभी नहीं सुना।

कोलाहल शिष्य - ''फिर तो तू अवश्य कोई मूर्ख होगा, जो हमारे गुरूदेव 'कोलाहल' से अपरिचित है। ये वे हैं जिनकी विद्याप्रभा से पूरा दक्षिण भारत प्रकाशित है। उन्होन तेरे गुरू के साथ सभी पण्डितों का गौरव क्षीण किया है। पाण्डेय नरेश भी उनकी विद्वता के कायल है। पर तू बता तेरा गुरू कहाँ है''? यामुनचार्य- 'आपको उनसे क्या काम है'? कोलाहल के शिष्य - काम नहीं हैं कर चाहिये, कर!

यामुनाचार्य - कर? क्यों? कोलाहल के शिष्य - ''गुरूदेव के साथ शास्त्रार्थ में हारे को दण्ड स्वरूप वार्षिक 'कर' देना पड़ता है। लगता है, तेरे गुरू को प्राणों से मोह नहीं तभी तो तीन वर्षो से 'कर' नहीं दिया है''।

यमुनाचार्य (कानों को बंद करे हुऐ) ''अब एक शब्द नहीं। गुरू के सम्मान को ठेस पहुँचाई, तो मैं.......''

कोलाहल शिष्य- सतो मैं......... क्या? क्या तुम? क्या दोबारा शास्त्रार्थ कर मूर्खता का परिचय देगा?''

यमुनाचार्य (घृणापूर्वक)-''छिः छिः......... कितने निम्न हो।''

''वृक्ष के गुण- अवगुण इसके फल से पता चल जाते है, वैसे ही तुम्हारी मूर्खता देखकर अज्ञानता का बोध हो गया है। अपने अहंकारी गुरू से कह दो, उनके घमण्ड को चूर करने श्रीमद् भाष्याचार्य जी का एक क्षुद्र शिष्य ही पर्याप्त है''।

कोलाहल के शिष्य पैर पटकते लौट आऐ और गुरू को सारी बात सुनाई। विद्वान कोलाहल राजसभा में पहुँचा। उसने पाण्डय नरेश से कहा- कि बालक ने मेरे पण्डित्य का अपमान किया हैं, उसे उसकी उद्दडता के लिए कठोर-से-कठोर सजा दी जाऐ।

पाण्डय नरेश ने यमुनाचार्य को लेने के लिऐ भेजा। यामुनाचार्य ने यह कहकर कि जब मैं पण्डित के साथ पण्डित की तरह तर्क करने के लिऐ तैयार हूँ, तो वे मुझे आदर सहित यहाँ से ले जायें। अन्यथा कोलाहल को यहाँ भेजे, मैं यही उनसे शास्त्रार्थ करूँगा।

सैनिको ने संदेश राजदरबार में कह सुनाया। तब यमुनाचार्य को लिवा लाने के लिऐ सौ पहरेदारों के साथ एक पालकी भेज दी गई। इधर जब भाष्याचार्य जी वापिस लौटे और घटना की जानकारी मिली, तो जड़वत हो गऐ। वे यमुनाचार्य से स्नेह करते थे और जानते थे कि वह मेधावी व शास्त्र-ग्रन्थों का प्रकाण्ड ज्ञाता है। गुरू को चिन्तित देखकर यमुनाचार्य ने विनम्र भाव से कहा- 'गुरूदेव, मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके आर्शीवाद और दिए गये ज्ञान के प्रभाव से मैं कोलाहल को निस्तेज कर दूँगा। गुरूदेव के चरणों की धुलि मस्तक पर लगाकर यामुनाचार्य चल पड़े।

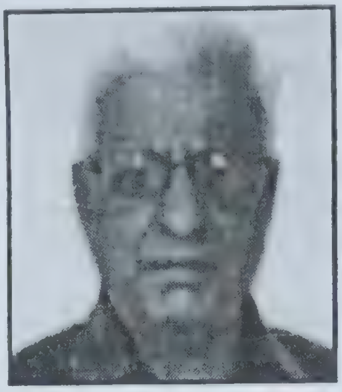
राजा के आदेश पर शास्त्रार्थ आरम्भ हुआ। कोलाहल ने आरम्भ किया। यामुनाचार्य के इस अनुपम चातुर्य, विवेक-बुद्धि, शास्त्र-प्रवीणता को देखकर सभासद 'साधु-साधु' कहने लगे। रानी ने हर्षातिरेक में कहा - 'आलवन्दार, आलवन्दार अर्थात कोलाहल, यह बालक सुचमुच तुमसे जीतने आया है।' तभी से यमुनाचार्य 'अलावन्दार' नाम से विख्यात हो गऐ।

राजा ने अपने वचनानुसार आधा राज्य उन्हें भेंट स्वरूप दे दिया, और कहा- 'हे आलवन्दर' आपने अपनी विद्वता से मुग्ध कर अहसास करा दिया है कि ज्ञान आयु पर निर्भर नहीं होता और ज्ञानी कभी अहंकारी नही होता। यह सुन सभी सभासद तुमुल हर्षध्वनि करने लगे।

बौद्धिक और भावनात्मक विकास से इंसान अपने पास की सम्पत्ति से सुतष्ट होता है और उसे बांट कर आनंद प्राप्त करता है।

□□□

'एक बेटे की व्यथा'



नाम

एक नारी सूरज की तरफ मुँहकर के रो रही थी। बार-बार कुछ बोल रही थी पर मेरे समझ में नही आया की वो क्या कह रही है। मैं बड़ी देर तक सोचती रही की इसको क्या दुःख है पर मेरे से रहा नही गया। मैं पूछ बैठी, बहन तुम्हे क्या दुःख है, वो नही बोली चुप रही, मैने फिर पूछा पर वह फिर भी चुप रही।

मेरे से चुप नही रहा गया मैंने चिल्लाकर पूछा आप कौन है, कहाँ से आई है और इस तरह सूरज की तरफ मुंह करके क्यों बोल रही थी। अबकी बार उसने मेरी तरफ मुँह किया और थोड़े शब्द बोली और कहा।

मैं स्वर्ग से आई हू पर बड़ी दूखी हूँ, अपनी कथा आपको सुनाऊँगी तो आप भी रो पडेगी। पर मैने धीरज बंधातें हुये कहाँ कि मैं नही रोऊगीं। बताईये मैं सुनने को बेक़रार हूँ। वो बोली मैं महाभारत की कुन्ती हूँ मैं पाँच पाण्डव की माँ हूँ जब महाभारत का युद्ध हुआ तब मुझे ज्ञात हुआ की मेरा एक पुत्र और भी है। मैंने आज त क अपने पाँच पुत्रो को नही बताया कि तुम्हारा भी एक भाई ओर भी है मैं दुनिया से डरती थी कि उसे नाजयाज कहाँ जायेगा।

बस इसी डर से आज में सूरज जी को याद कर रही थी। क्योंकि उनके ही आर्शीवाद से मेरा ये पुत्र हुआ, जिससे उनका नाम कर्ण रखा। क्योकि वा कान के द्वारा पैदा हुआ था आज उसकी बहुत याद आ रही थी इसलिए मैं सूर्य देव को याद कर रही थी कर्ण ने मुझे बहुत धिक्कारा पर मैं क्या करती चुप रही। करण बोला माँ आज तूने मुझे बता दिया की मैं तेरा पुत्र हूँ तूने मुझे नदी में बहा दिया,आँख खोली तो बहती नदी की गोद में अपने को पाया।

एक दासी ने मुझे सहारा दिया। ये सच्चाई बहुत दिनो तक मेरे से छुपी रही। एक दिन भेद खुल गया कि तुम्हारी माँ ने तुम्हें नदी में बहाया था।

माँ बताओ तुमने ऐसा क्यो किया। मुझको दूर क्यो किया? मेरा अपराध क्या था। जो मुझे पैदा होते ही जल प्रवाह कर दिया। माँ मैं अकेला हूँ माँ मुझे तुम्हारी गोद की तलाश है कहते है कि पुत्र, कुपुत्र हो सकता पर माता कुमाता नही हो सकती पर जिसकी माँ ने उसे ठुकरा दिया वह तो जीवित लाश के बराबर है। मैं तुम्हारे हाथो बिका हुआ एक दास हूँ, माँ मैं क्या बताऊँ मैं कितनी रात आराम से सोया नही, रातो में रोता रहता सोचता रहता मेरा क्या कसूर था जो माँ ने अपनी गोद से वंचित कर दिया। खैर आज माँ तुम्हारी गोद में सोऊँ और तुम मेरे सिर पर प्यार से हाथ फेरकर सुलाओ जिसके लिये मैं बरसो से तरस रहा हूँ।

माँ फिर से मुझे नदी में मत बहाना अपनी छाती से लगाकर प्यार से दूध पिलाना मैं जब भी पृथ्वी पर आऊँ माँ मुझे तुम्हारी ही गोद मिले। हर बार माँ तुम्ही मेरी माँ बनो। प्रार्थना है कि तुम मेरी व्यथा समझोगी माँ मैं जब भी जन्म लू मैं कुन्ती पुत्र कहलाऊँ। मुझे हमेशा अपनी बाहों का सहारा देना और सदा मेरे साथ रहना। मैं आज सोचता हूँ कि पाँचो भाईयों के साथ रहना और हमेशा जेष्ठपुत्र ही कहलाता। सीने से लगाकर रखता। खैर किस्मत में ये सुख नही था। जैसी भगवान की इच्छा। अब तो जो रच गया। उसे ही अपना भाग्य समझ लिया।अच्छा माँ अलविदा मैंने वचन दिया है कि तेरे पाँचो पुत्र ही तेरे साथ रहेगें। मेरा उन भाईयो को बहुत-बहुत आर्शीवाद है भगवान उनकी सदा रक्षा करे।

ऐसा कह कर कर्ण मां को प्रणाम कर चल पड़ा।

□□□

हमारा व्यवहार हमारी पहचान



कशमीर सिंह

हमारा व्यवहार कैसा हो ? यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है । तुलसीदास जी तो कहते है कि ''तुलसी इस संसार में भाँति-भाँति के लोग'' सबसे हिलमिल चालिए नदी नाव संजोग ।'' जिसका सीधा सा था अभिप्राय यह निकाला जा सकता है कि हमें सबके साथ मित्रतापूर्वक एवं प्रेम पूर्ण व्यवहार करना और निभाना चाहिए। समाज में आत्मीयतापूर्ण व्यवहार वाले प्राणियों की अलग ही पहचान बन जाती है । आम जीवन में आपका व्यवहार आपकी पहचान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है ।

तुलसीदास जी ने यह भी कहा है कि

'' नैनो में आदर नहीं मन में नहीं स्नेह, तुलसी वहां न जाइए बरसे कंचन मेह''

यहां तुलसीदास जी हमारा मार्गदर्शन करते हुए हमें समझाने का यह सफल प्रयास कर रहे हैं । कि आपको अपने आत्मसम्मान व स्वाभिमान की पूरी रक्षा करनी है । दूसरे की आर्थिक सम्पन्नता आपके अपमान का कारक यदि बनती है तो ऐसे लोगो से दूरी बनाए रखने में ही बुद्धिमता है । नम्रता से बात करना हर एक का आदर करना, शुक्रिया अदा करना और यदि आवश्यक हो तो माफी भी मांग लेना ये गुण जिसके पास है वो सदा सबके करीब और सबके लिए खास बन जाता है । हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे व्यवहार में क्रोध का कोई स्थान नही होना चाहिए । हम क्रोध करके अपना नुकसान ही तो करते है। अकारण क्रोध हमारे व्यक्तित्व के विकास में तो बाधक होता ही है । साथ ही हमारे स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव भी डालता है । क्रोध से लिया गया निर्णय हमेशा आत्मघाती होता है । असहाय, अकेलापन, आत्मीयता का अभाव, पीढ़ियो का अन्तराल अनावश्यक रूप से हस्तक्षेप करना आदि कुछ ऐसे कारक है जो वृद्धावस्था में मानव की सोच व कार्यप्रणाली को तो प्रभावित करते रहते है । साथ ही हमारे शांतिपूर्वक जीवन में सबकुछ होते हुए अवरोध उत्पन्न करते है । सामाजिक कार्यो में सहभागिता का अभाव, हमारी ऊर्जा का पूर्ण उपयोग न कर एकांत में रहकर अकेलेपन को साथी बनाना हमारी निष्क्रियता को बढ़ाता है ।

अत: यह अनिवार्य हो जाता है कि हम सबके प्रति भाई -भाई की दृष्टि रखे, परिणाम स्वरूप हम सदा प्रेमयुक्त रह सकेगें । कोलाहल में रहने व कोलाहल में सहभागिता निभाने से तो अच्छा यही है कि हम मौन रहे । हमेशा मौन रहना और कभी मुंह न खोलना भी अच्छी बात नहीं होती है । हमारा दृष्टिकोण यह होना चाहिए की हमे दूसरो से परिवार के सदस्यों समाज से हमेशा यह अपेक्षा नही करनी चाहिए कि दूसरे हमसे प्यार करेगें व हमारा ध्यान रखे । अच्छा यही होगा कि हम दूसरों से प्यार करे और उनका ध्यान रखे ।

हमारी बोली दूसरो को बता देती है कि इन्सान कैसा है । बहस बता देती है कि ज्ञान कैसा है । घमंड बता देता है कि कितना पैसा है, संस्कार बता देते है कि परिवार कैसा है बहुत बोलना और ऊँचा बोलना यह समझदारी नहीं मूर्खता की निशानी है । मौन रहकर भी बहुत कुछ कहा जा सकता है तथा बहुत कुछ पाया जा सकता है। हँसता हुआ चेहरा हमारी निशानी बढ़ाता है ।

लेकिन हमें कुछ इस तरह सीखना चाहिए जैसे हम वर्षो से जीने वाले है । हमें हमारे मन को नियंत्रित करना आना चाहिए क्योंकि जो मन को नियंत्रित नही कर सकते है उनके लिए मन दुश्मन का कार्य करती है । आदर प्राप्त करने का एक मात्र उपाय यह है कि पहले आप दूसरों का आदर करे । हम दूसरो से जैसे व्यवहार की अपेक्षा करते है पहले हमें दूसरो को वैसा व्यवहार देना होगा ।''लगाके आए हो तुम पेड़ बबूलो के तुम्ही बताओं कहां से गुलाब निकलेगा ।''

हमेशा हमारे मानस पटल पर अंकित रहना चाहिए मतभेद होने पर अपनी आवाज ऊँची करने से ज्यादा बेहतर है कि हम अपने तर्कों को बेहतर करें। यहां यह भी स्मरणीय है कि "सकारात्मक सोच" Positive Thinking व Positive Vision के साथ दृढ़ निश्चय जोश व जुनून के साथ किए गए कार्य ही लक्ष्यो को साधने में अहम् भूमिका निभाते है। ईर्ष्या या घृणा के विचार मन में प्रवेश होते ही खुशी को गायब कर देते है। प्रेम व शुभकामना युक्त विचारों से उदासी दूर हो जाती है।

आपके अपने स्वभाव के सिवाए कोई आपको दुःख नहीं देता अपना स्वभाव मधुर प्रेमयुक्त बनाए तथा सबका दिल जीते। 'दूसरो को कष्ट देकर कोई व्यक्ति खुश नहीं रहें सकता दूसरो की मुसीबत सुनने पर उसकी मदद करना भी इबादत मानी जाती है। गुलाब का फूल कांटो के बीच भी सुरक्षित रहता है। आपका अपने बारे में क्या विचार है'।

यदि आप पर कोई हँसता है तो खिन्न न हो क्योंकि कम से कम उसे खुशी तो दे रहे है। हमें स्मरण होना चाहिए खुशी से बढ़कर पौष्टिक खुराक कोई नही है। दूसरो को खुशी देना सबसे बड़ा पुण्य का काम है।

व्यक्ति की पहचान उसकी संगति से होती है। हमें अपने व्यवहार में पारदर्शिता लानी चाहिए। ईश्वर के अतिरिक्त कोई भी तो इस संसार में पूर्ण नहीं है फिर अपनी कमियों को छिपाने का क्या लाभ है ? गन्ना टेडा हो सकता है। मगर उसका रस सीधे तौर पर मीठा ही होता है। दूसरो की खुशी चाहते है तो सहानुभूति अपनाए स्वयं खुश होना चाहते है तो भी आपको सहानुभूति ही अपनानी चाहिए दूखो मे रोना छोड़कर कांटो में भी फूल की तरह मुस्कराने की आदत डालनी चाहिए। संकट के समय धैर्य का परिचय देने वाला आधी लड़ाई तो पहले ही जीत चुका होता है। अतः यदि आप में सहनशीलता है तो सबसे बड़ी मुश्किल हल हो जायेगी। सफलता की सीढ़ियो पर चढ़ चुके मानव को भी अपने नैतिक मूल्य नही खोने चाहिए उसका भी श्रेष्ठ संस्कारो से बंधा होना आवश्यक है।

अतः एक दूसरे की बात मानना और सम्मान करना हर चिन्ता को समाप्त कर देता है प्रेम एक ऐसा अनुभव है जो मनुष्य की चिन्ता को समाप्त कर देता है। प्रेम एक ऐसा अनुभव है जो मनुष्य को कभी हारने नहीं देता और घृणा एक ऐसा अनुभव है जो इसांन को कभी शांति से बैठ जीतने नहीं देती एक संत ने कहा है -

"ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोए, औरन को शीतल करें, आपहु शीतल होए'

□□□

"'निंदा" से घबराकर अपने "'लक्ष्य" को ना छोड़े क्योंकि....
"लक्ष्य" मिलते ही निंदा करने वालों की "राय" बदल जाती है।

परिवार के साथ समय बिताये



जे. पी. विजय

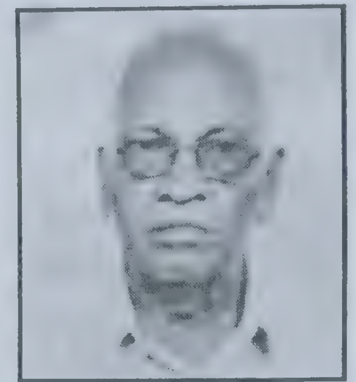
जिंदगी ईमानदार को खुशियां देती है। जिनका जुड़ाव परिवार मित्र, परिजन से है। जो जिम्मेदारी का निर्वहन ठीक तरह से करते है। यकीन माने उनके पास खुशियाँ बेशुमार है। समस्याएँ दूरियों से बढ़ती है और नजदीकियों से कम होती है। कम पढ़े लिखे और अल्प बुद्धि के लोग समस्याओं से घिरे रहते है। जबकि ज्ञानी, विवेकी और बुद्धिमान मस्त, खुशहाल परिवार में रहते है। प्राथमिक जरूरते अभाव क्लेश उत्पन्न करते है। ऐसे में बच्चें डिप्रेशन, अकेलेपन और माता-पिता के प्यार से वचिंत ही नहीं होते, उन्हें नशे, सट्टे व गलत शोक घेर लेते है। जिस व्यक्ति का लक्ष्य नहीं वह भटकेगा। आनंद, खुशी और स्वास्थ्य के लिए निश्चित लक्ष्य होना। चाहिये। लक्ष्य फौलादी पटरी है। सच तो यह है कि पल-पल मजेदार होना चाहिये। जो हँसता है, खुश रहता है उसके पास गम नही आते। जिंदगी को ऊर्जा, खुशी के पेट्रोल से मिलती है। जीवन में तेजी से आगे बढ़ना है। तो अपने लिए खुशी ढूढ़ लो।

दोस्त, मित्र और परिजन के रिश्ते खट्टे-मीठे मानवीय संबंधो पर आधारित होते है, इन्हें संभालना पड़ता है। अपने स्वार्थ, लाभ और हित छोड़कर उन्हें महत्व दे तो लम्बे समय चलेगें। कभी डाक्टर, वकील और बिजनेस मेन को देखना वे इंसानी सम्बन्धों में निवेश करते है। मीठा बोलना, आवभगत करना और चेहरे की मधुर मुस्कान के विज्ञापन से वे व्यक्तित्व को बढ़ा देते है। जिस घर में नौकर-चाकर सेवक रहते हैं। उन्हें तो बोलने, चलने और निर्णय में भी सावधानी बरतनी पड़ेगी। अन्यथा घर की सब बातें लीक होकर सड़क, गली, मुहल्ले और चौराहे पर चली जावेगी। परिवार समर्पण, मेहनत और विश्वास का आईना है। अच्छे माता-पिता, पति-पत्नी, बच्चे, दोस्त और परिजन जिन्होने लम्बे समय साथ रहने का अवसर मिला है। वे प्राथमिकता से एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते है। उनकी सफलता पारिवारिक खुशिओं पर टिकी होती है। नियंत्रण दूसरो पर नहीं अपने आप पर रखे। विचार जितने शुद्ध, सात्विक और बेहतरीन होगें। लोग जुड़ने का प्रयास करेगे। दिमाग अच्छा ही नहीं बहुत अच्छा होना चाहिये शक, संदेह का इस्तेमाल सच जानने में हो। बेवजह संदेह सम्बन्धों को तार-तार करता है। वही बोले जिससे सम्बन्धों को बल मिले।

अपने दुःख, दर्द, तनाव और समस्याओं को संभाले। दूसरो को बताकर उपहास का पात्र न बने। यहां किसी को बताकर लाभ कम, हानि अधिक होगी। जब परिवार का मामला हो तब तो आप अधिक सावधान रहे। जो सावधान रहते है, उन्हें अफसोस नहीं करना पड़ता। स्वयं पर नियंत्रण से थकान नहीं होती। सतत् ऊर्जा बनी रहेगी। कुछ घटनाये प्राकृतिक होती है उन्हें सहज में लेवें, हल निकल आयेगा। पूरी उम्र शरीर स्वस्थ, निरोग और ऊर्जावान रहे, उसके लिए टोका टांकी, आलोचना, कमियां, दोष खोजना बंद करे। जो जैसा है उसके वैसा ही रहने दे। उसे अपने उपयोग में कैसे लाया जा सकता है पर विचार करें? सभी अपनी उपयोगिता को सिद्ध करने आये है। किसी को कमतर नहीं समझे। प्रकृति ने भिन्न-भिन्न कार्यो के लिए भिन्न-भिन्न प्रकृति दी है। इस सत्य को समझ कर परिवार में आनंद-खुशी का माहौल बनाये। आपको आन्तरिक खुशियाँ सदैव मिलती रहेगी।

□□□

शबरी की निस्वार्थ-भक्ति


मदन रवि

शबरी शब्द भील आदिवासी और भक्ति शब्द की पराकाष्टा का सूचक है। यह पूर्व जन्म में एक राजा की सुन्दर, सुशील कन्या थी, जो धर्म और विमुक्ति की राह पर चलने को उद्धत हुई। उस पर राजा-रानी का मोह ज्यादा था। जब वह युवती हुई, राजा ने उसका विवाह तश्यपुर के राजकुमार से करा दिया। शारीरिक सौन्दर्य से राजकुमार इतना मोहित था कि वह राज्य के सभी कार्य ठीक ढंग से न कर विमुक्त रहने लगा। वह ईश्वर से प्रार्थना करती कि उसे इतना सौदर्य क्यों दिया ? अब वह अगले जन्म में सुन्दर नहीं बनाये। वितृष्णा से उसने प्राण त्याग दिये। संस्कार स्वरूप दूसरे जन्म में शवर कुल के भील आदिवासी राजा की कन्या के रूप में हुआ। पूर्व जन्म के संस्कार से उसमें ईश्वर भक्ति, दया और करूणा भावना रहने लगी। इसलिये वह वन के शुद्ध फलों पर ही रहने लगी। परिवार ने उसका विवाह एक क्रूर युवक के साथ कर दिया।

अनेक पशु विवाह के अवसर पर बलि हेतु लाये गये। इस दृश्य से उसका मन विचलित और अत्यन्त दुःखी हुआ। उसने अपने पिता के अपशय की परवाह छोड़कर एक रात्रि को घर से निकल गयी। और जंगल में निवास करने लगी। उसके मन में ईश्वर भक्ति की दृढ इच्छा थी। संतो की सेवा के लिए वह छिपकर ऋषि आश्रमों के पास कुटिया बनाकर रहने लगी।

वह नित्य प्रति ऋषि मार्गों की साफ-सफाई करती और कुटिया के निकट लकड़ी का गठ्ठर रखकर चली जाती। सभी ऋषि जो मार्ग से जाते वह संग्रहित लकड़ियां देख आश्चर्यचकित होते। उसी वन में ऋषि मतंग भी रहते थे। मतंग ऋषि ने अपने शिष्यों से इस भक्त की तन्मयता और त्याग का पता लगाने का आदेश दिया कि ऐसा कौनसा भक्त है ? उसका पता लगायें। शिष्य रात भर सतर्क रहे और शबरी को पकड़ कर मतंग ऋषि के पास लाये। शबरी डरी, सहमी और कांपती हुई उनके पैरों पर गिर पड़ी।

मतंग ऋषि ने पूर्व जन्म के संस्कार व भक्ति के प्रभाव को समझ अपने आश्रम में स्थान दे दिया। और सीताराम मंत्र जपने को दिया कहा कि इस कुटिया में रहो- राम चलकर एक दिन स्वयं तुम्हारे पास आयेंगे। वे वृद्ध थे। यह कहकर मतंग ऋषि ने कुछ समय पश्चात् अपना शरीर त्याग दिया।

शबरी को मतंग ऋषि के चले जाने पर दुःख हुआ। एक दिन वह रास्ता साफ कर रही थी, तो कुछ संत उसे अछूत समझ कर डांटने-फटकारने लगें, शबरी ग्लानी से भरी कुटिया में चली गयी। लेकिन सरोवर के पानी में पैर रखते ही संतो को अनेक कीड़ो का भान हुआ, और वे अशुद्धता महसूस करने लगे। लगा जल रूधिरमय है। यह शबरी के स्पर्श से अपवित्र हुआ है।

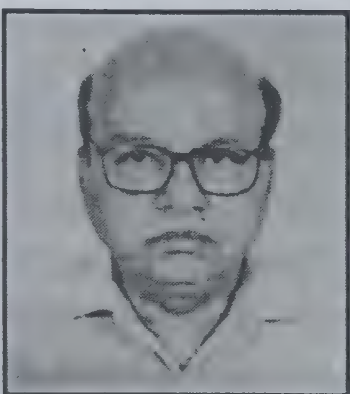
शबरी नित्य राम नाम स्मरण में रहती, वृक्षो के मीठे फल संग्रहित करती और बैठने के आसन को साफ सुथरा कोमल रखने की चेष्टा करती। इस प्रकार बहुत दिन बीत गये। एक दिन राम जी आये और वह सभी दुःखो को भूल संकोचवश छिप गई। उसे अपने नीच कुल का ध्यान आया। वह इधर-उधर लुकती-छिपती रही। भगवान राम शबरी का आश्रम ऋषियों को पूछकर उसकी कुटिया में गये। शबरी ने दूर से राम को देखा और साष्टांग दंडवत प्रणाम किया। शबरी के नेत्रों से, प्रफुल्लित होने से आंसू बहने लगे। राम ने शबरी को उठाकर हृदय से लगाया, और आसन पर बैठ गये। शबरी ने श्रद्धापूर्वक फलों का भोग लगाया। भगवान ने कहा कि बड़े ही अद्‌भुत स्वादिष्ट फल हैं, मैंने कभी नहीं खाये। सभी ऋषियों ने राम से सरोवर शुद्धि का उपाय पूछा।

सभी ऋषि एकत्र हो कहने लगे भगवन् सभी तीर्थो का जल स्नान स्थल पर डालकर देख लिया है। अशुद्धता ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। कृपया शुद्धि का निदान समझाईये। राम ने समझाया आप लोगो ने मेरे भक्त का अपमान अस्पृशता भेदभाव करके किया, इसलिएं यह जल अपवित्र हुआ है। शबरी के चरणों से जल स्पर्श करा दें तो यह जल पुनः शुद्ध हो जायेगा।

सभी ऋषियों ने शबरी से क्षमा मांगी। चरणों से जल का स्पर्श कराया, तो जल तुरंत शुद्ध हो गया। महर्षि मतंग की वाणी आज सत्य हुयी। वृद्ध शबरी के प्राण छूट गये। वह परमधाम में चली गयी, उसकी भक्ति प्रेरणा बन गई।

□□□

बेटी को जीने दो



दीलीप कुमार शर्मा

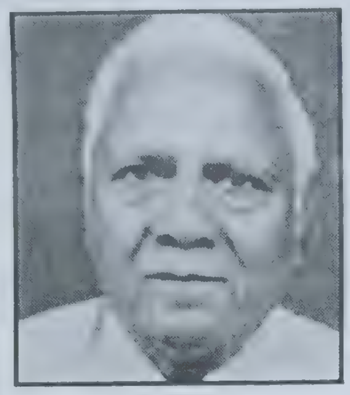
एक गरीब परिवार था। जिस में माता-पिता और उनकी एक बेटी रहती थी। दिन के साथ बेटी बड़ी होती जा रही थी। माता ने पिता से कहा- सुनते हो, बेटी बड़ी हो रही है, उसकी शादी का खर्च हम कहाँ से लायेंगे। हमें दो वक्त की रोटी नसीब नहीं होती कैसे इसकी शादी करेंगे। वार्तालाप कर निर्णय लिया कि बेटी को मार कर गाड़ देगें। अगले दिन का सूरज निकला। माँ ने बेटी को सुबह-सुबह उठा कर नहलाया। प्यार से खाना बनाकर खिलाया, और उसे चूमती रही। यह देख बेटी बोली माँ मुझे कही दूर भेज रही हो क्या ? इतना सुनने पर माँ की आँखो में आँसू गिरने लगे। थोड़ी देर में पिता दरवाजे से अन्दर आये। उनके हाथ में कुल्हाडी और चाकू था। माँ ने बेटी को पिता के साथ जाने को कहा। पुत्री पिता के साथ जंगल की ओर निकल पड़ी। रास्ते में पिता के पैरों में काँटा लग गया। वह अचानक वही बैंठ गये। यह देख पुत्री ने चुंदरी का एक हिस्सा फाड़कर पिता के पैरों में बांध दिया, और जंगल की ओर आगे बढ़े।

जंगल में पहुच कर पिता ने बेटी को कहा, तुम बैठ जाओ। उन्होने गढ़ा खोदना शुरू कर दिया। बेटी पिता को देख रही थी। पिता को पसीना आने लगा तो बेटी बोली पिताजी यह लीजिये मेरा दुपट्टा और पसीना साफ कर लीजिये। पिता ने धक्का देकर कहा तू चुपचाप बैठ जा। समय बीतने के साथ पिता गढा खोदते-खोदते थक गए। बेटी से रहा नहीं गया। पास जाकर बोली-लाईये पिताजी मैं गढ़ा खोद देती हूं। यह सुन पिता ने बेटी को गले लगा लिया। और वह फूट-फूट कर रोने लगे। पिता बोले बेटी माफ कर दे, यह गढ़ा मैं तेरे लिए खोद रहा था और तू मेरी चिंता कर रही है। अब जो होगा देखा जायेगा। तू मेरे कलेजा का टुकड़ा बनकर रहेगी। मैं मेहनत करूँगा और तेरी शादी धूमधाम से करूँगा। कहते हुए, उसे घर ले आया और पत्नी को सारी घटना बताई।

□□□

कथनी मीठी खांड सी, करनी विष की लोय।
कथनी तज करनी करे, तो विष से अमृत होय।।
- कबीर -

स्वस्थ जीवन के उपाय



ओमप्रकाश भारद्वाज

मनुष्य जीवन अमूल्य हैं। शुभ कर्मो के बाद मानव जीवन मिला हैं। ऋषि मुनियों ने भी ''जीवेम शरदः शतम'' की अभिलाषा की है। बुजुर्ग अपनी दिनचर्या में इन बातों का समावेश करे-

* सूर्योदय से पहले आलस्य त्यागकर उठे, हल्का व्यायाम करें और ईश्वर को नमन करे।
* जीवन में स्वस्थ रहना है तो कर्ज से मुक्त रहो, कर्ज रात को आराम से सोने नही देता।
* चिन्ता से बचों, यहां सब बीमारियों का इलाज है, चिन्ता का इलाज नही हैं। चिंता मरे हुये को जलाती है। चिन्ता जीते हुए को जलाकर राख कर देती हैं
* मल, मूत्र, छींक अर्थात् वेग को कभी रोक कर कोई काम मत करो।
* काम करने से पहले सोचें, जिससे पीछें पछताना ना पड़े।
* स्त्री की अवज्ञा मत करो किंतु उसपर अत्यंत विश्वास कर गुप्त बात मत कहो।
* मांसाहार, बीड़ी, तम्बाकू, गुटखा शराब के सेवन से उम्र और धन का नाश होता है, इनसे बचो।
* जुआं खेलकर कर कोई धनवान नहीं बना। इसलिए कभी मत खेलों।
* भोजन चबा-चबा कर ऐकान्त में करो, इस समय किसी से बातचीत ना करो।
* गुस्सा आवे तो किसी के नाश करने पर उतारू न हो, और खुश हो कर अपना सर्वस्व मत दे डालो।
* वेद, रामायण, गीता, महाभारत जैसी पुस्तकों का अध्ययन करो, इससे विद्या-बुद्धि बढ़ती है।
* जिस काम सें, शारीरिक और मानसिक पीड़ा अधिक हो, उसे मत करो।
* धन कमानें में आलस्य मत करो तथा अपने खर्च और आमदनी पर हमेशा विचार करते रहो।
* न राजद्रोही बनो और न ऐसे लोगो का संग करो।
* परिवार में सामन्जस्य बनाकर रखो। कलह से बचो, चरित्रवान के साथ रहो।
* शत्रु की दी हुई कोई वस्तु न लेओ न खाओ।
* रात्रि में हल्का खाना खाओ। दही, सत्तू और अचार का सेवन मत करो।
* अच्छे काम में वृथा दोष मत निकालो और न ही किसी को बेवजह अपमानित करो।
* दुष्ट स्वभाव, अविश्वासी और कंजूस मालिक की नौकरी कभी मत करो।
* माता-पिता, गुरू और बुजुर्ग की सेवा में हमेशा तत्पर रहो।

□□□

प्राण इन्द्रियों को तृप्त करने से मलिन क्षुब्ध और कमजोर होते है
इन्हें ध्यान व प्राणायाम से पुनः शुद्ध प्रखर करने की विधी को योग कहते है।
पाताजंलि

शिव की न्याय प्रियता



श्रीमती संतोष भार्गव

एक दिन ब्रह्मा, विष्णु से बोले, मै बड़ा हूँ और तुम छोटे। मेरे दाढ़ी भी है। विष्णु बोले तुम मेरे से उत्पन्न हुए हो इसलिये मै बड़ा हूँ। तुम मेरी नाभी से प्रकट कमल के फूल की डंडी से पैदा हुए हो इसलिये तुम मेरे पुत्र भी हुए। मैं तुम्हारा पिता हुआ। दोनो में बहस होती रही। दोनो ने आवेश में आकर अपने शस्त्र निकाल लिए। देवताओं ने सोचा कि इस स्थिति से तो प्रलय हो सकता है। तब सब देवता शंकर भगवान के पास पँहुचे, और स्थिति बताई। शंकर ने दोनो के बीच में एक खम्बा प्रकट कर दिया। ब्रह्मा और विष्णु को समझ नहीं पड़ा की बीच में यह खम्बा कैसे खड़ा हो गया। इसका ओर-छोर कुछ भी मालूम नहीं पड़ रहा था। शिव ने दोनो को इसके छोर पता करने को कहा। वह बोले पता करो यह कहा से प्रकट हुआ है और कहाँ समाप्त हो रहा है। इसका पता करने विष्णु पाताल-लोक ओर ब्रह्मा आकाश लोक की ओर गये।

विष्णु पाताल में वर्षो तक खोजते रहे। कहीं मालूम नहीं पड़ा। ब्रह्मा का इन्तजार करने लगे। दोनो में शर्त लगी थी, कि जो पहले मालूम करेगा वो दोनो में बड़ा होगा, इसलिये विष्णु तो हार मान रहे थें। ब्रह्मा ब्रह्मलोक में वर्षो तक खोजते रहे, परन्तु खम्बे का कहीं अंत नही मिला। उन्होंने सोचा कि चलते हैं, विष्णु को क्या मालूम चलेगा कि अंत मिला या नहीं। वर्षो पश्चात् लौटे, बोलने लगे मुझे मालूम हो गया कि खम्बा कहाँ से प्रकट हुआ है। शंकर वहीं थे। उन्हें ब्रह्मा के झूठ पर क्रोध आया और ब्रह्मा के पाँच शीश में से एक शीश न्याय स्वरूप काट दिया। तब ब्रह्मा ने क्षमा माँगी और शंकर के चरणों में गिर पड़े। सभी देवताओं ने व विष्णु ने उनके क्रोध को शांत कराया। तब शंकर ने कहा कि संसार में तुम्हारी पूजा नहीं होगी। ब्रह्मा के बहुत मांफी मांगने पर शंकर ने कहा कि यह कटा हुआ शीश ऊपर उछाला जाये और जिस स्थान पर नीचे गिरे, उसी स्थान पर तुम्हारी पूजा हो। ब्रह्मा का शीश पुष्करराज में आ कर गिरा, तब से एक मात्र पुष्करराज में ही ब्रह्मा का मंदिर है। विष्णु सत्यनिष्टा से श्रेष्ट व पूजनीय कहलाये।

शंकर ने कहा यह खम्बा मेरा ही प्रतिरूप है। इसे अब से शिवलिंग के नाम से पुकारा जावेगा। जिस दिन इसकी स्थापना हुई उस दिन फागुन महीने की चौदस का दिन था। जिसे शिवरात्री का नाम दिया गया। इसकी प्रथम पूजा ब्रह्मा व विष्णु के द्वारा की गयी। श्रावण के पूरे महीने इसी की पूजा होती है। कहा जाता है, कि बड़े-बड़े तीर्थस्थानों पर शिव ने तप किये वहां शिवलिंग प्रकट हुए जो मोक्ष देने वाले हैं। ब्रह्मा ने भी पुष्करराज में तप कर प्रायश्चित किया तथा सृष्टि रचना का कार्य प्रारम्भ किया।

□□□

> कर्त्ता - धर्ता परमात्मा को जान लेने से सबकुछ ज्ञात हो जाता है।
> डर शंका व शिकायत मिट जाते है।
> मुण्डकोपनिषद्

जगमग दीपावली

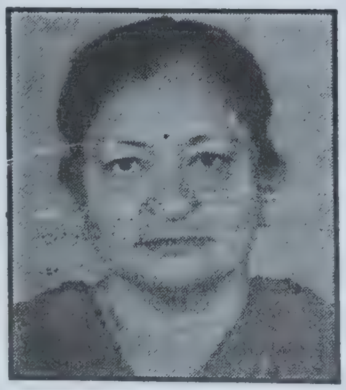


श्रीमती सरला गम्भीर

एक थे राजा राम, सुनो समय की बात। राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघन भाई थे चार। मिलजुल कर रहते थे, अवध के लोग हजार। खेलकूद कर बड़े हुए, बीते बचपन के साल। मुनि वशिष्ट के आश्रम में, वे पढ़ने गये साथ। पढ़ लिख विद्या प्राप्त कर, घर आए एक साथ।मुनि विश्वामित्र आये दशरथ जी के पास।। अब राम लक्ष्मण बड़े हुए हैं, कृपया भेजो मेरे साथ। दुष्ट दैत्यों को मारकर, राक्षसों का किया संहार। स्वयंवर हेतु जनकपुर पहुंचे, विश्वामित्र के साथ। तोड़ धनुष किया स्वयंवर, जीते राजा राम। जनक सुपुत्री सीता प्यारी, ले आयी वरमाला। वापस लौटे अवधपुरी में, राम सीता के साथ। अवध में कैकई हठकर बैठी, दशरथ से दो वर माँग। राम लक्ष्मण सीता निकले, चौदह वर्ष वनवास। निषाद गुह के पास रहकर, किया पंचवटी में वास। सीता रानी बड़ी सयानी, ना जाने कोई फरेब झूठ। पंचवटी से सीता चुराई, रावण ने बना साधु का रूप। रोई-चिल्लाई जानकी, जटायू ने लगा दी,बाजी प्राण की। हनुमान ने जाकर पता लगाया, लंका को जलाकर भस्म किया। आकर रामचंद्र को संदेश सुनाया, कहा राक्षसों का वध करो। राम वानर सेना लेकर, चले किया समन्दर पार। दोनों में फिर शुरू हुई, और खूब छिड़ी लड़ाई। उसमें मारी गई सेना सारी, रावण बेटा और भाई। रावण मरा सीता मिली, राम की सेना ने खुशी मनाई अवध में घर घर दिये जले,और खूब बँटी मिठाई। उसी रोज से सब लोगों ने, जगमग दिपावली मनाई।

□□□

बेटीयो की माँ रानी



डॉ. स्वर्णकान्ता अरोड़ा

फोन पर आवाज सुन, बिटिया ने
पहचान लिया आज मां की आवाज
बदली-बदली सी है, क्या हो गया है माँ?
मेरे लाख मना करने पर भी वह नहीं मानी।
मैंने फोन बंद कर दिया लेकिन घंटी फिर
बज उठी। सच-सच बताओ, क्या हो गया है?
आपकी आवाज ही कह रही है
कुछ है, आप जिसे छिपा रही हैं।
मेरे भीतर की पीड़ा ज्यादा समय तक रूक
नहीं पायी, आँसुओं के रास्ते सीधे, बिटीयां के
पास पहुँच गयी। तुम बहुत दूर बैठी हो, बेकार
ही परेशान हो जाओगी, अब सब ठीक हो जायेगा,
परन्तु वह कहाँ मानने वाली थी,
हार कर मुझे अपनी पीड़ा बतानी ही पड़ी।
दूर बैठी बेटी मानने वाली नहीं थी,
वहीं से उसने समाधान की भरपूर चेष्टा की।
जब तक समाधान का रास्ता नहीं देख लिया,
वो नहीं मानी सच, ऐसी होती हैं बेटियाँ।
तभी तो बेटियों को हमारे पूर्वज,
बेटियो को माँ होती रानी कहते।
अब न जाने कौनसी हवा चली,
हमने बेटियों को दुत्कारना शुरू कर दिया
ऐसा मत करो, बेटी-बेटी है वह माँ
को समझती है, बेटियाँ माँ के
लिये तड़प उठती है, उसे वह माँ की
रानी (महारानी) कहते हैं।

□□□

शक्तिशाली इंसान



श्रीमती गीता तिवारी

एक पिता ने अपने पुत्र की बहुत अच्छी तरह से परवरिश की। उसे अच्छी तरह से पढ़ाया-लिखाया, और एक सफल इंसान बना दिया। पिता अब बुजुर्ग हो चला।

एक दिन पिता पुत्र से मिलने उसके ऑफिस गया। वहाँ देखा की एक शानदार ऑफिस में वह अधिकारी बना हुआ है। सैंकड़ों कर्मचारी उसके Under में कार्य कर रहे हैं। ये सब देख पिता का सीना गर्व से फूल गया। वो चुपके से उसके चेम्बर में पीछे से जाकर उसके कंधे पर हाथ रख कर खड़ा हो गया और प्यार से अपने पुत्र से पूछा- इस दुनिया का सबसे शक्तिशाली इंसान कौन है ?''

पुत्र ने अपने पिता को हँसते हुए कहा ''मेरे अलावा कौन हो सकता है। पिता को इस जवाब की आशा नहीं थी, उसे विश्वास था कि उसका बेटा गर्व से कहेगा कि पिताजी इस दुनिया के सबसे शक्तिशाली इंसान आप हैं, जिन्होंने मुझे इतना योग्य बनाया। उनकी आँखें छलछला आई, वो चेम्बर के गेट को खोलकर बाहर निकलने लगे। उन्होनें एक बार पीछे मुड़कर पुनः पूछा बताओ, ''इस दुनिया का सबसे शक्तिशाली इंसान कौन है ?''

पुत्र ने इस बार कहा ''पिताजी आप है, इस दुनिया के सबसे शक्तिशाली इंसान'' पिता सुनकर आश्चर्यचकित हो गये, उन्होने कहा ''अभी तो तुम अपने आप को इस दुनिया का सबसे शक्तिशाली इंसान बता रहे थे अब तुम मुझे बता रहे हो ?''

पुत्र ने उन्हे रोक कर हंसते हुए सामने बिठाते हुए कहा ''पिताजी उस समय आप का हाथ मेरे कंधे पर था, जिस पुत्र के कंधे पर, सिर पर पिता का हाथ हो वो पुत्र ही दुनिया का सबसे शक्तिशाली इंसान होगा न''। इस बार पिता की आँखें भर आई। उन्होंने अपने पुत्र को कसकर गले लगा लिया। सचमुच पिता इस दुनिया का सबसे शक्तिशाली इंसान होता है। बच्चो की सफलता के पीछे बड़े-बुजुर्ग हैं, उनका प्यार-आशीर्वाद परिवार पर बना रहे तो हर परिवार स्वर्ग हो जाय।

□□□

वेन्टीलेटर की जिन्दगी

डॉ. अम्बेडकर योगयता से आगे बढ़े। जाति बन्धुओं ने अपने हित जोड़कर उनको वेन्टीलेटर ही समझ लिया। यह (आरक्षण) बीमार को सपोर्ट देता हैं। स्वस्थ को नहीं। स्वस्थ इस सिस्टम में हीनता, अक्षम, अयोग्य और नकारा का शिकार हो जाता है। ऊर्जा बढ़ाये, घटायें नहीं।

- अज्ञात

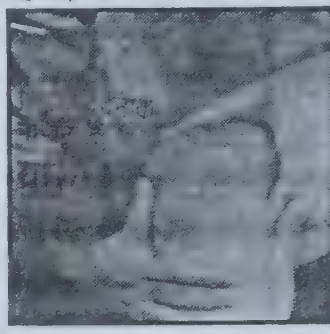
रोगो से बचने के उपाय



डॉ कीर्ति कुमार तामरा

आजकल की भागदौड़ भरी जीवनशैली में गाउट, ऑस्टियो पोरेसिस, रुमेटाईट आदि रोगों के होने का खतरा बढ़ गया हैं। स्त्री-पुरुष इनसे ग्रसित होकर असहनीय पीड़ा भोग रहे है। **बीमारी के मुख्य कारण एवं लक्षण**- जोड़ों में सूजन, दर्द, जकड़न, चुभन एवं भारीपन होना।

शरीर के अंगों में असहनीय पीड़ा एवं चुभन होना। अधिकांश चलने-फिरने में घुटने, कमर, हाथ-पैरों की उंगलियों, स्पाईन, कलाई, कोहनी, कंधे तथा टखनों में अधिक पीड़ा होने के कारण रोगी की व्याकुलता बढ़ जाती हैं। जीवन से अकर्मण्यता के कारण छुटकारा पाने की चाह रोगी को आत्महत्या करने को बाध्य कर देती है। इन रोगों का मुख्य कारण शरीर में यूरिक एसिड का बढ़ना और जोंड़ों में जमाव सबसे बड़ा कारण है। गाउट रोंगों के कारणों में वंशानुगत एवं मोटापा भी प्रमुख कारण बन जाता है। यूरिक एसिड बढ़ने का कारण जीवनशैली एवं खान-पान के बाई प्रोडक्ट से एसिड का बढ़ना व जमना पाया जाता है। भोजन में दालें, राजमा, काली दाल(उड़द), मटर,



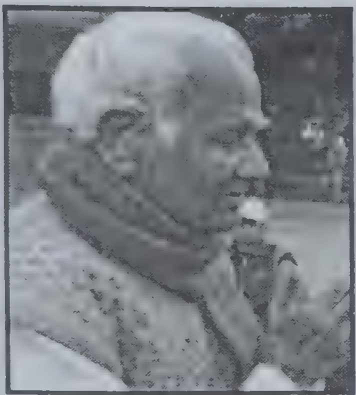
चावल, काबुली चने, चने की दाल, फूल गोभी, आलू, अरबी, पनीर, मशरुम, भिंडी, पालक, टमाटर और प्रोटिन युक्त भोजन से बचना चाहिये। भोजन में पत्ते वाली सब्जियां मेथी, चंदलाई, लौकी, तुरई, पत्तागोभी, शलजम, चुकंदर, मूली, गाजर, पत्ते वाले प्याज, अदरक, सौंठ, हल्दी व लहसुन का अधिक सेवन उपयोगी व लाभकारी रहता है एवं रोगो में रामबाण का कार्य करता हैं। काली मिर्च, सैंधा नमक, काला नमक का उपयोग बहुत लाभकारी एवं रोग में अंकुश लगाने में रामबाण का कार्य करते हैं। मुख्यतया तीन चीजों(जहर) (सफेद नमक, शक्कर, मैदा) का प्रयोग बिल्कुल बंद कर देना चाहिये। फलों मे अनार, पपीता, सेव, नाशपाती, बाबूगोशा, आलूबुखारा, अंगूर, मौसम्मी, माल्टा एवं अमरुद का सेवन लाभकारी होता है। वसारहित दही, दूध भी लाभकारी है। सूखे मेवों में बादाम, अखरोट, किशमिश, मुनक्का, पिंडखजूर एवं मखाने का सेवन लाभदायक रहते हैं। इसी प्रकार मसालों में दाल चीनी, हींग, जीरा, धनिया, इलाइची, अजवायन बहुत ही लाभदायक रहता हैं। अधिक मात्रा में पानी एवं ताजे नींबू का रस सेवन करने से अधिक मात्रा में मूत्र त्यागने से यूरिक एसिड़ शरीर से बाहर आने से गुर्दो को साफ और जमाव की स्थिति पर अंकुश लगाता है और रोगी को दर्द में काफी आराम मिलता है। असहनीय दर्द की स्थिति में बर्फ का सेक या आईस जैली के पैड से बहुत आराम मिलना है। इसी प्रकार गर्म पानी में नमक डालकर दर्द वाले हिस्से पर मोटे कपड़े पर गर्म पानी डालकर सेंक करने से भी आराम मिलता है। गर्म पानी की भाप सेक से दर्द वाले हिस्से पर लगाने से तथा अरण्डी के तेल में लहसून की कलियों के टुकड़ो को जलाकर तेल की मालिश से दर्द में बहुत आराम मिलता हैं। उपरोक्त लक्षणों के साथ आरामदायी जीवन की अपेक्षा शरीर के लिये प्रतिदिन व्यायाम एवं पैदल चलने से दर्द कम होकर शरीर में स्फूर्ति और ताजगी बनी रहती हैं। बीमारी के अधिक बढ़ने पर रोकथाम के लिये डॉक्टर से सम्पर्क कर उचित ईलाज लेना अवश्ंयभावी हैं।

अधिक जानकारी के लिये फोन नं. 6377547352 पर सम्पर्क कर परामर्श ले सकते हैं।

□□□

परोक्ष प्रिया इव हि देवाः। परमात्मा 'इ दन्द्र' भीतर है।
इस भाव को देवताओं ने इन्द्र कह कर छुपा लिया।
– तेतियोपनिषद्

सृष्टि रचना का उद्देश्य



एम. एल. गोयल

संसार में कोई प्राणी पूर्णतया सुखी नहीं है। चाहे वह कितना भी धन-सम्पन्नशाली हो। मनुष्यजीवन का मुख्य उद्देश्य ईश्वर के साक्षात्कार की अनूभूति करके जीवन मरण के बन्धन से मुक्त मोक्ष प्राप्ति है। अन्यथा संसार में विभिन्न योनियों यथा मनुष्य, पशु-पक्षी, कीट, पतंग आदि में जन्म लेना व मरते रहने का सतत चक्र चलता रहेगा। हमें जो यह संसार दिखाई दे रहा है इसका उपादान कारण प्रकृति है। प्रकृति अत्यन्त सूक्ष्म परमाणुओं, सत्वगुण, तमोगुण व रजोगुण का नाम है। परमाणु का अर्थ इतनी सूक्ष्म वस्तु जिसे पुनः काटा नहीं जा सकता। 60 परमाणुओ से 1 अणु बनता है व दो अणुओ (120 परमाणु) को एक द्वियगनुक कहते है।

ईश्वर अपनी अनन्त शक्ति से एक द्वयणुक से वायु बनाता है, तीनद्वियणुक से अग्नि, चार द्वियणुक से जल व पाँच द्वियणुक (600 परमाणुओं) से पृथ्वी को बनाया है। ये परमाणु जड़ पदार्थ है, इनमे चेतनता व ज्ञान नहीं हैं। ये परमांणु न कभी उत्पन्न होते है, न ही कभी नष्ट होते है। परमात्मा इस सृष्टि का नैमत्तिक कारण है, परमात्मा ही इन परमाणुओं को जोड़कर सर्वप्रथम महतत्व- बुद्धि नामक पदार्थ बनाते है, जिससे हम बाह्य व आंतरिक विषयों का ज्ञान करते हैं। तत्पश्चात महत्व से अहंकार पदार्थ बनाते हैं, जिससे जीवात्मा अपने अस्तित्व-सत्ता की अनुभूति करता हैं। अहंकार से निम्न 16 पदार्थ बनते हैं:-
पाँच ज्ञानेन्द्रिया (नाक, चक्षु, श्रोत्र, त्वचा, रसना) पाँच कर्मेन्द्रिया (हाथ, पैर, वाणी, गुदा, उपस्थ)
पाँच तन्मात्राएं (सूक्ष्म भूत) गन्ध, रूप, शब्द, स्पर्श) व सोलहवाँ मन बताते हैं, जिससे हम संकल्प, विकल्प आदि अनेक कार्य करते है- इन पांच तन्मात्राओ से ईश्वर ने पाँच स्थूल- भूत, पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश को बनाया हैं, जिनसे पशु-पक्षी, कीट-पतंग का शरीर बनता हैं।

इन्ही स्थूल भूतों से सूर्य, चन्द्रमा, विभिन्न नक्षत्र, ग्रह-उपग्रहो आदि को बनाया गया है- यह संसार 4 अरब 32 करोड़ वर्ष तक रहता है, तत्पश्चात कारण रूप प्रकृति में विलिन हो जाता है, अर्थात् 4 अरब 32 करोड़ वर्ष तक ही प्रलय अवस्था रहती हैं।

ईश्वर द्वारा इस सृष्टि की रचना मनुष्यो द्वारा किये गये शुभ या अशुभ कर्मो के अनुसार मनुष्य, पशु-पक्षी, वृक्ष, कीट-पतंग का शरीर पाकर तदानुसार सांसारिक भोगों को भोगता है ! मनुष्य योनिमें नवीन कर्म भी किये जाते है, जिनका फल अगली योनियो में मिलता हैं। नवीन कर्म नही माने जाते है। मनुष्य योनि ही मात्र ऐसी योनि जिसमे सदकर्म करते हुए ज्ञान प्राप्त करके, ईश्वर चिन्तन करके उसके साक्षात्कार की अनुभूति करके जीवन-मरण के बन्धन से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त कर सकता है। मोक्ष की अवधि 31 नील, 10खरब, 40 अरब वर्ष तक अर्थात् 36000 बार सृष्टि का 36000 बार प्रलय अवस्था के बराबर रहती है, तत्पश्चात वह पुनः मनुष्य योनी में आता हैं। मनुष्य जन्म पाकर जो सांसारिक भोगो में लिप्त रहता है, उसे बार-बार जन्म लेना व बार बार मरण को प्राप्त होता रहता हैं व दुःखो को भोगना पड़ता हैं।

मनुस्मृति व सूर्य सिद्धान्त के अनुसार पूरा सृष्टिकाल (4 अरब, 32 करोड़ वर्ष) को 14 मन्वन्तरों में विभक्त किया गया है, उनके नाम क्रमशः स्वायम्भव, स्वरोचिष, औत्तमि, तामस, रेवत, चाक्षुण वैवस्वत सावर्णि, दस-सावर्णि, ब्रह्म सावर्णि, धर्म सावर्णि, रूद्र सावर्णि, देव-सावर्णि व इन्द्र सावर्णि। वर्तमान सृष्टि काल के प्रथम छः मनवन्तर समाप्त हो चुके हैं। अभी सातवां मनवन्तर वैवस्वत चालू है। एक मनवन्तर में 71 चतुर्युगी होती हैं।

सतयुग के 1728000 वर्ष, त्रेता के 1296000 वर्ष द्वापर के 864000 वर्ष व कलयुग के चतुर्युगों में 432000 वर्ष होते हैं। अभी वैवस्वत मनवन्तर मे कलंयुग चल रहा है जिसकी 27 चतुर्युगिया बीत चुकी हैं। 28 वी चतुर्युगी के सतयुग, त्रैता व द्वापर समाप्त होने पर कलयुग के संवत् 2076 (सन् 2019) तक 5120 वर्ष व्यतीत हो चुके हैं। गणना करने पर अब तक सृष्टि के 1960853120 व्यतीत हो चुके हैं व 2359146880 वर्ष शेष हैं।

ईश्वर सर्वव्यापक, अन्तर्यामी अजन्मा, अविनाशी, अजर-अमर व अनादी है, इसका जन्म-मरण नहीं होने से उसकी कोई मूर्ति सशरीर हाथ-पैर, आँख, नाक आदि वाली हो ही नहीं सकती है। ईश्वर ने इस संसार को प्राणियों के हेतू चार वेदों को ज्ञान ऋषियों के हृदय में दिया है। अग्नि ऋषि को ऋगवेद, वायु ऋषि को यर्जुवेद, आदित्य ऋषि को सामवेद व अंगीरा ऋषि को अथर्ववेद का ज्ञान दिया है- इनमे संसार का सारा ज्ञान निहीत हैं। वेद ईश्वरीय ज्ञान होने से सर्वोच्च, ईश्वर की वाणी व आदेश है, ईश्वर की आज्ञा पालन ही धर्म व वेदो के विरूद्ध आचरण अधर्म हं- यजुर्वेद के अध्याय 40 के मंत्र 9 के अनुसारः- अन्धतमः प्र विशन्ति ये ऽ सम्भूति मुयासेतं। ततो भूयऽइव ते तमो म ऽ उ सम्भूत्या छ रताः। यजु 40-9 का इसका अर्थ है, जो मनुष्य प्रकुति-जड़पदार्थ की उपासना करता है, वह महान अन्धकार को प्राप्त होता है तथा जो मनुष्य प्रकुति (जड़ पदार्थ) से उत्पन्न जड़ पदार्थों की उपासना करता है वह और भी ज्यादा घोर अन्धकार (दुःखों) को प्राप्त होता हैं।

गीता में भी श्रीकृष्ण ने कहा है-

यान्ति देवव्रता देवान्पि तृन्यान्ति पितृव्रताः।
भूतानि यान्ति भूतेज्या यान्ति मद्याजिनोऽपिमाम्।। (9/25)

अर्थात् - देवताओ को पूजने वाला देवताओ को, पित्तरो को पूजने वाला पित्तरों को, भूतो को पूजने वाला भूतों को तथा मेरे को (वेदों) मानने वाले को पुर्नजन्म नही होता।

□□□

अन्तिम निर्णय


भारत भूषण सिन्हा

सुषमा के आगमन की सूचना ने सुधीन्द्र के मन-मस्तिष्क को जड़वत कर दिया। हृदय अपेक्षा कर रहा कि यह दिवा-स्वप्न तो नहीं। किन्तु यथार्थ वस्तु-स्थिति का ज्ञान कराया तो, सुषमा उससे लिपट रो रही थी। किं कर्तव्य विमूढ़ सा, दो शब्द भी उसके मुख से न निकल सके। उस का श्वेत परिधान, परिचय दे रहा था।

परिधान की सफेदी में आँखे पथरा सी गई। लगा जैसे हिमपात ने ढक लिया हो। उसे रक्त जमता प्रतीत हुआ। उसने कल्पना नहीं की, कि सुषमा इस रूप में उपस्थित होगी। क्या सोचा, और क्या सामने आया ? इस प्रयास में अतीत के पृष्ठों को टटोलने लगा। कॉलेज के 'इंगलिश-सेमीनार' में उसे रीड करना था- 'कॉलरिड्ज के सुपरनेचुर्लिज्म' पर। इसी तैयारी में लगा हुआ था, एक दिन शेष बचा था और मेटर अधूरा पड़ा था। उसके चाहने पर भी उसे 'शैली' अथवा 'कीट्स' विषय नहीं दिया गया जो उसके फेवरेट कवि थे। विचारों में लीन था कि तभी सुषमा ने आकर उसे मार्केटिंग के लिए साथ चलने को कहा।

एकाग्रता में आये दखल ने विचलित भी किया। मनस्थिति को समझते हुए तभी सुषमा ने बिखरे कागज़-किताबों को समेटना शुरू कर दिया।
स्पर्श कर कहा ''ओह ! प्लीज, उठिये, मुश्किल से डेडी को मनाया है और आप'' वह आँख से सब बयां कर गयी।

''सुषी' ! तुम जिद्दी हो, मेरे हर काम में हस्तक्षेप, पढ़ाई में व्यवधान और यह अधिकार की भावना..... ..।'' सुधीन्द्र के कथन में जिज्ञासा थी। 'हॉ' मैं जिद्दी हूँ। किन्तु कभी सोचा है कि इन सब के पीछे कारण क्या है ?'' उसकी आवाज रूंध सी गई। ......सुधीन्द्र निरूत्तर निहारता रहा। ....''कारण तुम हो। ....केवल तुम!'' कथन के साथ वह रो पड़ी थी। फिर मुखरित हो उठी ....''तुमने कभी भी विरोध न किया । जो सही-गलत करती, भावना अधिकारिक को निर्विरोध स्वीकार लेनें की तुम्हारी प्रकृति ने मेरी कल्पना को संबल, विश्वास देकर स्थापित किया कि तुम मेरे हो''। मैं कुछ कर पाता कि सुषमा पुनः बोल उठी - ''निखिल के साथ मेरे विवाह के प्रस्ताव में अपनी सहमति देकर तुमने डेडी का विश्वास अवश्य हासिल कर लिया। अपने व्यक्तित्व के आदर्श को स्थापित कर मेरी आकांक्षा और स्वप्नों को तो तोड़ दिया.............. ।''

सुषमा की व्यथा ने सुधीन्द्र को झुकझोर दिया। फिर साहस बटोरते कहा ''सुषी! जीवन में कुछ सीमाएं, मर्यादा होती हैं।'' मैं छोटा था, तब पिताजी की मृत्यु हो गई, मुझे और मां को आश्रय संरक्षण दिया आपके पिताश्री ने। मैने पोस्ट ग्रेजुऐशन उनके संरक्षण, पालन-पोषण में किया। उनके निःस्वार्थ भाव स्नेह को विस्मृत तो नहीं किया जा सकता। ....तुम उनका सपना, जीवन आधार और आस्था हो, मैं उसें कैसे तोड़ देता'' ? सुधीन्द्र के कथन मे जैसे स्पष्टता थी। ''चाचाजी बेटी का विवाह सैन्य अधिकारी के साथ करना चाहते थे। ....निखिल मिलिट्री-ऑफिसर, उस के सानिध्य ने मुझे प्रभावित किया। विश्वास पैदा किया की उसके साथ जीवन सुखी रहेगा''। और विचारो को अभिव्यक्त कर पाता, उसके पूर्व ही सुषमा वहाँ से जा चुकी थी।

सुषमा का विवाह निखिल के साथ हुआ। कभी-कभी सुख और शांति के साम्राज्य की अवधि सीमित होती है, यह विचार मन में नहीं आया। देश की स्वतंत्रता-हिन्दुस्तान-पाकिस्तान के रूप में स्थापित हुई। काश्मीर भारत का अभिन्न अंग होने के उपरान्त भी पाक ने चाल और नीति में प्रतिशोध को प्रश्रय दिया। आंतकी घुसपैठ और आतंक के दमन में अनेक वीर-सैनिक शहीद हो चले, इसमें निखिल भी वीरता को समर्पित हो गया।

पहले चाचाजी का स्वर्गवास अब निखिल का बलिदान। एक क्रम सा बंध गया। सुषमा का वैधव्य, निष्प्राण शरीर, जीवन की निःसारिता का बोध करा रही थी। सुधीन्द्र विस्मित निहार रहा था तभी आवाज आई। ''आज की न्यूज सुनी, अखबार पढ़ा'' ? वाणी में कम्पन्न नही खुशी थी। बता रही थी - 'सुधी! आज निखिल का ही नहीं करोड़ो देश-प्रेमियों वीर सैनिकों का सपना साकार हो गया।' सरकार ने 'अनुच्छेद 370' को हटा दिया है। विश्व के सभी देशों ने राष्ट्र की इस नीति को पूर्ण समर्थन दिया है। इससे कश्मीर के लोगों को, न्याय मिलेगा। 'सुधी ! मैने कश्मीर लौट जाने का निर्णय कर लिया है।' जिस प्रयास में निखिल ने जीवन की आहुति दी, मेरा यह निर्णय उन्हे केवल श्रद्धाजंलि ही नहीं बल्कि मेरे देश प्रेम का प्रतीक भी है''। सुधीन्द्र यह सुनकर सुषमा के निर्णय के प्रति गौरव से भर उठा।

□□□

प्रकृति की अनबूझ पहेली



तेजपाल भावलिया

किसे सम्बोधन किया जाए। नर-नारी, भाई-बहन को ? किंतु माता-पिता को विशिष्ट दर्जा दिया गया है। जीवन की भूमिका निभाने हेतू काम शक्ति एक आधार है। यही से नवजीवन की शूरूआत होती हैं।

प्रकृति ने आदम/हब्बा से कहा था। प्रकृति में सभी उपलब्ध फल खाना, किन्तु कामरूपी पेड़ का फल मत खाना। प्रकृति एक सलाह दे गई। प्रकृति के जंगल मे आदम/हब्बा, घूम घूमकर, खाते-पीते आनन्द ले रहे थे। और क्यों ना, मन उपजे विचार ही, उन्हे अद्भूत पेड़ के पास ले गये। उस पेड़ के सुन्दर, अद्भुत फल आच्छादित थे, उनके मन को ललचा गये।

आखिर मन तो मन है, मन में उठे विचारो को, बाहर जाने से रोकने के लिये, बुद्धि और क्रियावचन के शरीर ही मुख्य है। यही बुजुर्गो की एक सीख प्रस्तुत होती है, जो समस्त प्राणी जगत की सोच को प्रभावित करती हैं। ''मन जाये तो जाने दो'' ''नियंत्रण करो शरीर '' किन्तु आदम/हब्बा, अपने शैशवकाल, कुमार्य अवस्था पश्चात् यौवन अवस्था तक आ चुके थें। यही अवस्था भले/बुरे का ज्ञान खो देती है, एवं अपनी मर्जी करने को आतुर होती है। और फिर यही हुआ, आदम/हब्बा ने कामरूपी पेड़ के फल खाकर, अपनी भूख शांत करने की कोशिश में फल पर फल खा लिए। फल खाने के पश्चात् उन्हे अपनी असलियत का अहसास हुआ। जैसे नवजात शिशु को बढ़ते बढ़ते आने वाली संधिकाल का अहसास नहीं होता। अब उन्हे अपने प्रकृति प्रदत्त अंगो का अहसास हुआ। प्रकृति का झकझोर देने वाला ऐसा झोंक दिया, अचानक ठंड कभी, शरीर को ढ़कने/छिपाने। ठंड़ से बचने हेतु एक कन्दरा में शरण ली। योवन तो योवन है इस पर किसी का नियंत्रण हो ही नहीं पा रहा है। नियंत्रण खोने बाद, आज भी यही होता आ रहा है। उमंगो, तरंगो और अपनी योवन रूपी कामनाओं को एकाकर कर, संसार बसाते चले आ रहें हैं। यदि प्रकृति आदम/हब्बा को उनका अपना आशय नहीं बताती तो आज समय पूर्व, अनादिकाल, प्रागैहासिककाल, पाषाणदिककाल, वीरगाथाकाल, रीतिकाल, भक्तिकाल और अब आधुनिककाल अथवा कलयुग जो (अब कलहयुग में तब्दिल हो चुका है) का ज्ञान अधूरा ही रहा होता।

मित्रों काल सें सभी भयभीत है। क्योकि एक दिन काल का ग्रास सभी को बनना है। काल की व्याख्या जैसे अवस्था रही, ऋषि, मुनि, संत, महात्मा, ज्ञानी, ध्यानी एवं शरीर विज्ञानियों द्वारा समय अनुसार की जाती रही है। ''काल तो काल है।'' एक ऐतिहासिक चरित्र का विवरण है, ''रावण'' जो सदैव कहता रहा, ''अहम ब्रह्मास्मि, ना भूतो ना भविष्यति'' अत्यन्त सामर्थ्यवान भी समर्थ नहीं हो पाया, जबकी स्वयं अति विद्वान, समस्त वेद-पुराण, उपनिषद, युद्धकौशल, वायु, अग्नि, जल, नभ, थल एवं पाताल को विध्वंस किये जाने वाली विद्याओं की क्षमतावान चरित्र रहा।

सारांश यही है, हम सभी कलेन्डर, पसन्द की तारीख, याद रख अपने कर्म करने हेतू क्रियाशील हैं। किन्तु क्या मजाल है, सोच का, जिन्दगी का, इस भूल-भुलैया में हमें अपनी सांस की तारीख (जीवन से विदाई की तारीख) कब आयेगी, यह कह नहीं सकतें।

''एक जोड़े के समागम से पैदा हुआ यह संसार'' यह जीव तब तक जीवित व इसमें जीवन है, अन्त में सब जीवन का अंतिम संस्कार है। किसी ने कहा है-

देते है जो अपना श्रेष्ट, जीवन उनका वादा है।
बचे रहे कुछ काषाय, ये सभी कीचड़ और कादा है।
जीवन में परण-मरण, ये मुख्य धाराएं है।
जन्म खुशी-परण खुशी, मरण पर सन्नाटा है।

□□□

वीर झलकारी बाई



डालचंद जनूठिया

गरीब सदोबा के घर जनम लिया जमना मां ने खुशी मनाई,
तीन साल की हुई उमर तो ईश्वर ने तोय मां से बिछडाई।
घर के सारे काम काज में बापू (दद्दू) का हाथ बटाया,
गरीबी के कारण झलकारी ने शिक्षा कछु न पाई।
दस वर्ष की हुई तो झलकारी ने ऐसा कमाल दिखाया,
जंगल से लकड़ी लाते वक्त एक चीता रास्ते में आया।
लुंगी बंधी कुल्हाड़ी थामी, झपटी ज्यों काली माई,
एक ही बार में चीता मारो, जरा भी ना घबराई।
घर आ बापू को बताया, दद्दू ने पीठ थपथपाई,
सुबह हुई तो सादोबा ने गांव वारे कू सब बात बताई।
गांव वारेन ने मरो चीता देखो तों उनके मन में सच्चाई आई,
झलकारी को बुलायो सबने वाकी करी बढ़ाई।
देख ब्रहादुरी याकी भाईयों, पूरे गांव में खुशी मनाई,
बात फेली दूसरे गांवन में तो कोरियन की हुई बढ़ाई।
दूसरे गांव खबर चली तो मूलचंद खलीफा के मन भाई,
पूरन पहलवान था उसका बेटा, उसको झलकारी ब्याई।
शादी के बाद झलकारी, झांसी रानी के सम्पर्क में आई,
रानी ने जब सुनी प्रशंसा, रानी भी खूब गहमाई।
रानी ने सब महिलाओं को बुलाकर एक सेना बनाई,
बहादुरी देख झलकारी को सेना की कमान थमाई।
तीर तलवार, बंदूक में, झलकारी ने महारत पाइ
अंग्रजों की अंतिम लडाई में उसने रानी की जान बचाई।
अंत में अंग्रजी खेमें में, बड़े जोरों से दहाड़ लगाई,
मैं हुँ रानी झाँसी की, आत्म समर्पण करने आई।
अंग्रेजों ने जब इसे पहचाना, ये तो है झलकारी बाई,
मारो नहीं ये बहादूर औरत है, कह इसे जेल भिजवाई।
धन्य धन्य है झलकारी तूने कोलियों का मान बढ़ाया,
ऐसी ना होगी इस जग में, ना पहले कोई बतलाई।
सुनो भाईयों जनूठिया ने ये सुनी सुनाई गाई,
छोटे रूप में मैंने झलकारी बाई की गाथा गाई।
आ जाओ झलकारी फिर से अपने देश सूर्मतिया
ताई वापस करो रानी के भेष-झलकारी बाई

नोट:- झलकारी बाई, कोलन रानी झाँसी की महिला सेना फौज को संभालने वाली पहली कमान्डर थी। इसका पति पूरन कोली तोपची था। रानी झाँसी को बचाने खुद लड़ते लड़ते अंग्रेजी फौज से जा भिड़ी और पकड़ी गई।

□□□

भगवती महामाया



पं. नारायणदास शर्मा
(स्वामी जी)

महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती- ये तीनों नाम भगवती महामाया की चिति शक्ति के हैं। यह शक्तिमाया का आश्रय ले कर पुरूष या स्त्री रूप से अवतीर्ण होती है। पुरूषवेष में इसे ब्रह्मा, विष्णु, महेश, आदि नामो से तथा स्त्री रूप में उन्हें महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती कहते है। जिस प्रकार ब्रह्मा, विष्णु, महेश, रज, सत्त्व और तभः प्रधान हैं, उसी प्रकार चिति शक्ति के रूप भी सत्त्व, रज, तभ की अधिकता के अनुसार वेष धारण करते हुए कार्य करते हैं। रौद्ररूप को महाकाली, रजःप्रधान ब्राह्मीशक्ति को सरस्वती सत्य गुण को लक्ष्मी स्वरूप कहा गया है। एक कथा है- स्वरोचिष-मन्वन्तर में चक्रवती राजा सुरथ राज्य करता था। वह शत्रुओं द्वारा पराजित होकर अपने राज्य में आकर शासन करने लगा, परन्तु वहाँ पर भी उसके शत्रुओं ने आक्रमण कर दिया। जिससे दुःखी होकर वह शिकार के बहाने वन में जाकर मेधा मुनि के आश्रम में रहने लगा। वहाँ भी उसे रात-दिन राज्य की चिन्ता घेरे रहती थी। राजा आश्रम के निकट घूम रहा था कि उसकी दृष्टि एक वैश्य पर पड़ी। उसे उदास देखकर राजा ने पूछा कि 'तुम कौन हो और यहाँ क्यो आए हो ? तुम्हारा मुख उदास और चिन्तित प्रतीत होता है ?' राजा के वचन सुनकर विनिय भाव से वैश्य कहने लगा कि महाराज ! मेरा नाम समाधि है। मैं उच्च कुल में उत्पन्न वैश्य हूँ, परन्तु दुर्भाग्य वश मेरे दुष्ट पुत्रों ने मेरा धन छीनकर मुझे निकाल दिया, जिससे मैं इस वन में भटकता फिरता हूँ।

मुझे अपने स्वजनों के कुशल-समाचार नही प्राप्त होने से मैं सर्वदा चिन्तित रहता हूँ। यद्यपि अर्थलोलुप पुत्रों ने मुझे निकाल दिया, फिर भी मेरा चित उनके मोह को नहीं छोड़ता। इस प्रकार परस्पर बातें करते वे दोनो आश्रम में गये और राजा ने ऋषि के आगे विनीत भाव से कहा कि 'क्या कारण है कि मेरी आसक्ति बनी हुई है और यही दशा इस वैश्य की हो रही है' आप हमें उपदेश देकर चिंता से छुड़ाईये। मुनि ने कहा - राजन् ! महामाया की विचित्र लीला के द्वारा समस्त प्राणी ममता और मोह के गर्त में पडे हुए है-

महामाया हरेश्चैवा तथा सम्मोह्यते जगत्। ज्ञानिनामपि चेतांसि देवी भगवती हि सा।।
बलादाकृष्य मोहाय, महामाया प्रयच्छति। तथा विसृज्यते मोहाय, महामाया प्रयच्छति।
तथा विसृज्यते विश्चं जगदेतच्चराचरम्।। (श्री दुर्गाशप्तशती 1/55-56)

जिसके द्वारा सम्पूर्ण जगत मोहित हो रहा है, वह भगवान विष्णु की महामाया है। वह महामाया देवी भगवती ज्ञानियों के चित्त को भी बलपूर्वक आकृष्ट कर मोह में डाल देती है। उसी के द्वारा यह सम्पूर्ण चराचर जगत् रचा गया है। वह जिस पर प्रसन्न होती है, उसे मुक्ति प्रदान करती है। संसार के बन्धन का हेतु और भुता सनातनी पराविद्या जो मोक्ष प्रदान करती है।

राजा ने पूछा यह, महामाया देवी कौन है और कैसे उत्पन्न हुई ? उसके गुण, कर्म, प्रभाव और स्वरूप कैसे है ? ऋषि ने कहा-वह नित्या है, समस्त जगत् उसकी मूर्ति हैं, उसके द्वारा यह चराचर जगत् व्याप्त हैं। फिर भी देवकार्य करने के लिये वह जब प्रकट होती है, तब उसे उत्पन्न हुई कहते हैं।

□□□

श्री नारायण कवच महात्म्य

श्री नारायण कवच को धारण करने वाला पुरूष स्त्री जिसे नेत्र से देख ले अथवा पैर से छू ले तो वह तत्काल प्रभाव से भय मुक्त हो जाता है।

पार्टी प्रजातंत्र

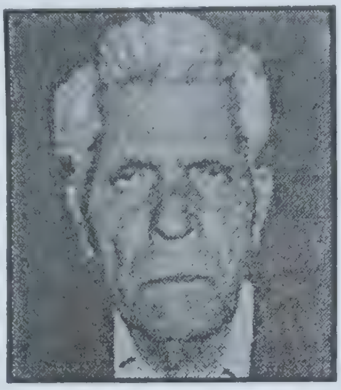


तेजसिंह कच्छवा "भ्रमर"

क्या होगा ऐसे प्रजातंत्र का, जिसकी बुनियादें ढीली हों।
नेता जिसके हो भ्रष्ट-स्वार्थी, प्रजा की आँखें गीली हों।।
चलते हो जहां जूते चप्पल, राजनीति जिनकी नशीली हो।
राष्ट्रहित हो या मुद्दा जन हित का, सोच जिनकी सदा भड़कीली हों।।
क्या निहाल करेंगे वो नेता, जो भीड़ किराये पर करते हों।
कुर्सी हथियाने के खातिर, ईमान अपना दिन-रात पलटते हों।
खुद पकड़ करवाते मासूमों की, और खुद ही छुड़वाने जाते हों।
सहानुभूति बटोरने जनता की, नित माल मिठाई खाते हो।
चोर लुटेरे सरकार बनाते यहाँ पर, प्रजातंत्र तुम्हारी जय हो जय हों।
देशभक्त नित खाते गोली सीने पर, देशद्रोही नित भरते झोली हो।
रहने सत्ता पर काबिज यहाँ, समाजवादी की जलती होली हो।
जातिवाद पर वोट बटोरकर, बैसाखी पर सरकारे चलती हो।।
प्रतिभायें यहां धूल चाटती, घड़ियाली नेताओं की टोली हो।
जन-जन तो रहता रोटी के जुगाड़ में, भाग्य विधाता गुण्डे और मवाली हो।
न्याय बिकता यहाँ चंद सिक्को में, लेलो जिसका खीसा ढीला हो।
कार्यप्रणाली में नित नेतागण, संविधान से खेलते आँख मिचौली हो।।
पार्टी का टिकिट लेने के खातिर, नित जहाँ पर लगती बोली हो।
कैसे जीवित रहेगा प्रजातंत्र, जिसकी हर सांसे जहरीली हो।।
प्रजातंत्र को जीवित रखने के खातिर, अपनी सोच नवीन बना डालो।
कहें 'भ्रमर' बदलो परिपाटी, जिससे आँख नम ना गीली हो।।

□□□

धर्म को जानकर व्यवहार में लावें



ओमप्रकाश कच्छावा

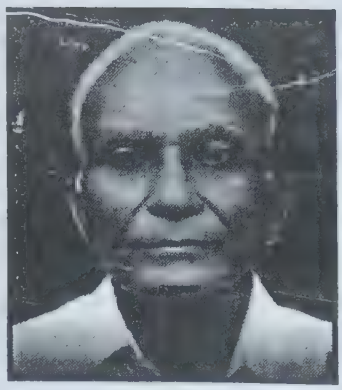
Religion is three fourth character. अर्थात् उत्तम चरित्रवान व्यक्ति ही धार्मिक होगा। धर्म का मूल सत्य है और वही उसकी आत्मा (soal) है। सत्य को सत्य और मिथ्या को मिथ्या कहा जावे, उसी का नाम धर्म है। अपने कर्त्तव्य का पालन करने का नाम धर्म हैं

सत्य, असत्य को जानना, पहचानना व भेद कर पाना ही धर्म है। नेत्रों में सुदृष्टि है तो धर्म, कुदृष्टि है तो वह अधर्म। वाणी धर्म है सत्य-प्रिय करना। मिथ्या उच्चारण करती है, कटु बोलती है, क्रोध व अभिमान प्रदर्शित करती है, तो 'अधर्म' है। कर्त्तव्य से विमुख होना धर्म है। सत्य, तप, दान और दया से मानव जीवन सुन्दर बनता है। मनुष्य को अंधकार से प्रकाश में लाने का नाम धर्म है। धर्म व्यापक है।
जिस कार्य को करने में भय, शंका या लज्जा उत्पन्न हो वह पाप है। हिंसा भी वाणी से प्रारम्भ होती है, किसी को दुखी करना, अपमानित करना, हानि पहुंचाना हिंसा है। संक्षेप में पवित्रता धर्म है।

जिन्दगी बाहर से धार्मिक मिक्सन हो। भीतर से अनैतिक नही हो। प्रसन्नता में कुटिलता ऊपर सामाजि एकता, भीतर से दुरावन हो। ध्यान रखें धार्मिकता सजकता है। इसे व्यवहार में लाकर शांति, प्रसन्नता व अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त कर सकते है

□□□

शब्द



तानसिंह शेखावत

शब्द, छिने-छिने से, शब्द भिने-भिने से, कुछ शब्द कांटे, कुछ शब्द डांटे,
कुछ शब्द अडियल, कुछ शब्द मरियल, कुछ शब्दो ने रास्ता दिखलाया,
कुछ शब्दो ने रास्ता भटकाया, कुछ शब्द पटरी पर दौड़ पड़े,
कुछ शब्द होठों पर दब मरें, शब्द छिने-छिने से, भिने-भिने से।
सुबह बैठा रहता और ईश्वर मेरे लिए कविता लेकर आते, शब्द शब्द नहीं।
आसमान विशाल, उस पार, ईश्वर भाव-सरिता, पवन उस ओर,
सूर्य भगवान संकोचित्त नही, उदार ही उदार, ईश्वर ही ईश्वर।

हास परिहास

1. शादी के बाद सोनम अपनी सहेली से मिली। सहेली- क्या बात है, शादी के बाद परेशान सी रहने लगी हो?
सोनम- क्या बताऊं यार। काम करूं तो मेरी सांस फूल जाती है, और न करूं तो सास फूल जाती है।
2. एक लड़की ने गिफ्ट की दुकान से काफी गिफ्ट देखने के बाद एक गिफ्ट की तरफ इशारा करते हुए पुछा, 'यह हंसती हुई चुडैल कितने की है?'
दुकानदार - मैड्म जी यह आईना है।
3. एक शराबी छत पर से नीचे गिर गया। सब लोग भागे आये और पूछने लगे कि क्या हुआ?
शराबी - पता नहीं भाई..... मैं भी अभी ही नीचे आया हूँ।

□□□

जैसा भोजन, वैसा मन



श्रीमती पुष्पा कच्छवा

जन्म लेते ही बच्चा रोने लगता है। माँ समझती है कि इसे भूख लगी है। वह अपना दूध पिलाने लगती है। बच्चे का आहार दूध है। रोते हुए को दूध पिलाना स्वास्थ्य के विपरीत है। पहले उसे चुप शांत कराये तब दूध पिलाये।

शर्म, संकोच व अन्य कारणों से कुछ माताएँ डेयरी दूध पिला देती है- जिसका दुष्परिणाम बच्चों को भुगतना पड़ता है।

शालाओं में भी कई बच्चे अपनें लन्चबॉक्स में मैगी, चाउमीन इत्यादी फास्ट फूड ले आते हैं, जो स्वास्थ्य के अनुकूल नही। इससे लाभ नहीं हानि हो सकती है। रोटी, सब्जी, अचार जो भी घर में बना हो उसे दिया जाय। मना करें तो भूखा रहने दें, स्वतः ही घर का बना खाना पसन्द करने लगेगा।

बच्चों की अनावश्यक जिद्द पूरी नहीं करें। वाजिब, आवश्यक का ध्यान रखे। अधिकांश वयस्क भोजन की महत्ता, आवश्यकता, गुण आदि की अवहेलना करते निम्न बातो का विशेष ध्यान रखें:-

1. डब्बा बंद खाद्य पदार्थो में रंग, खुशबू, प्रियजर्वेटिव आदि रासायनिक पदार्थों का उपयोग होता है, जो रोग का घर हैं।

2. आमाशय का आधा हिस्सा आहार, चौथाई पानी व शेष चौथाई स्थान वायु के लिए रखें। देखा जाता है कि व्यक्ति हर समय कुछ न कुछ खाते रहते है, जो अहितकर है।

3. विज्ञान सम्मत भोजन आहार कहलाता है। अनियमित भोजन विष का कार्य करता है। ''पेट साफ तो रोग नहीं होता।''

5. भोजन शुद्ध शाकाहारी करें। बदहजमी स्वास्थ्य के लिए घातक, विष तुल्य है।

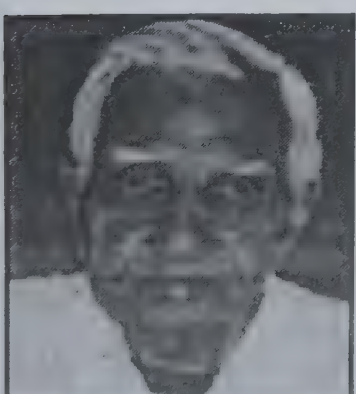
6. भोजन खूब चबा-चबा कर शांति से करें। टी.वी. देखते हुए भोजन नहीं करें।

7. भोजन व्यक्तित्व बनाता हैं। हमारे कर्म, भाव, विचार इत्यादी का गहरा सबंध भोजन से है इसलिए क्रोध, हिंसा से मुक्त स्थान को भोजन हेतु चुनें।

8. भोजन के बीच अनावश्यक पानी नहीं पीयें। इससे जठराग्नि क्षीण हो जाती है। अन्न आमाशय में सड़ने लगता है। जिससे बीमारियाँ होती हैं।

□□□

सरस्वती वंदना



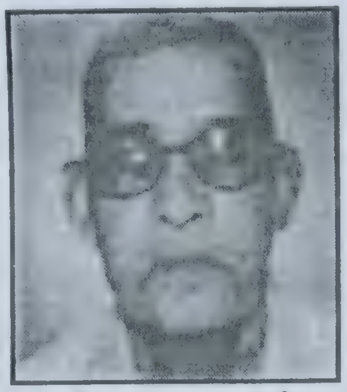
जसवन्त सिंह चौहान

सरस्वती वरदान दो, मन स्वच्छ देश महान हो।
सब विश्व ही परिवार हो, सब के दिलो में प्यार हो।
देश की सेवा करें, मिलन सरिता साथ हो।
आदर्श लग्न हमारा हो, बस आपका सहारा हो।
इस वीर भूमि के लिये, सब के दिलो मैं प्यार हो।

कर कमलो मै पुष्प लेकर, हम विनती कर रहे।
सब को विश्वास आप का है, नेक कार्य कर रहे।
हंस बन कर मोती चुगें, शेर दिल हमारा हो।
हम किसी से ना डरें, हम सभी वीर दिलेर हो।
वीर बन दुश्मन से, हम सदैव टक्कर लेते रहें।
मां सरस्वती वरदान दो, प्रार्थना हम कर रहें।

□□□

सुख–दुःख की परिधि



कैलाश चन्द्र शर्मा

आज के समय में अधिकांश लोग सुख प्राप्ति के लिए हर सम्भव प्रयास करतें हैं। जरा सोचो भगवान ने हमें मानव जीवन देकर हम पर बड़ा उपकार किया है, फिर भी हम दुःखी क्यों है? प्रथमता हमें यह जानना होगा कि दुःख और सुख मनस्थिति के कारण होता है।

उदाहरण के लिए जो व्यक्ति नकारात्मक विचार रखता है वह सदैव दुःखी रहेगा, और जो सकारात्मक विचार रखेंगा व सदैव सुखी रहेगा। क्या कारण है कि एक व्यक्ति के पास दुनिया के समस्त भौतिक सुख-साधन होने के बावजूद वह यह नही कहता लेकिन व सुखी हैं।

हकीकत यह है, कि जिसके पास अधिक साधन है, वह अधिक दुःखी है। क्योकि वह उन साधनों की सुविधा का आदी हो गया हो जाता है। सुविचार के अभाव से उसे जीवन नरक लगता है। कई बार सम्पदा अधिक होने पर मनुष्य मावनता भी भूल जाता है और दूसरो को अनावश्यक हानि पहुँचता है। आप क्या हो रहा हैं, मानव मानवता को ही नष्ट करने के लिए घातक हथियार निर्माण में प्रतिस्पर्धा में लगा हुआ हैं। ऐसे में सुख कैसे सम्भव है?

समाज और परिवार में भी, मैं और मेरा तक सीमित हो गया है। हम और हमारा वाली संस्कृति लुप्त हो गयी हैं। क्योकि हमने अपने स्वार्थ व लालच पर नियंत्रण खो दिया है। परिवार और समाज का इसलिए विघटन हो रहा है। यदि हम वास्तव में सुखी होना चाहते है तो हमें अमने सुख से पहले दुसरे के सुख को प्राथमिकता देनी होगी। हमें अपने आप को जानने की आवश्यकता है कि मैं कौन हूँ, कहॉ से आया हूँ और क्यो आया हूँ। क्या मैं एक शरीर हाड़मास का पुतला हुँ, यह तो पशु पक्षी में भी होते हैं।

वास्तव में हम भौतिक जगत में रहतें है, इसलिए इससे अधिक न तो हमें ज्ञान हैं, और ना ही हम जानना चाहते है, जबकी हमें शरीर में एक शक्ति है, जो हमें विचलित करती है, जिसे आत्मा कहतें है, और वह परमात्मा का ही अंश है। अतः जिन लोगो ने आत्मा को जानने का यत्न किया उसे भौतिकता में सीमित रूचि होती है और वह सुखी है। जो भी भौतिक वस्तु है, वह इस भौतिक शरीर से सम्बन्धित है, इन से ना तो अधिक लगाव होना चाहिए और न ही अधिक दुराव, क्योंकि यह ही दुःख का कारण होता है।

सारांश यह है, कि आत्मिक सुख ही वास्तविक सुख है, न ही क्षणिक भौतिक सुख। अतः हमें अपने आप को पहचान कर जीवन सार्थक करना चाहिए।

□□□

नज्म



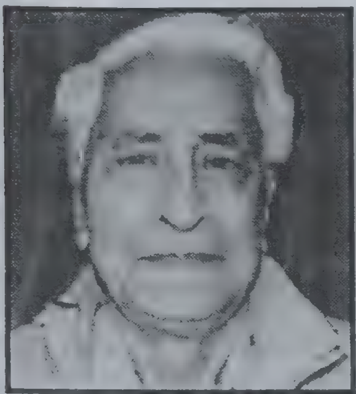
वी. पी. श्रीवास्तव

देखता हूँ इश्तहार गुमशुदा की तलाश में,
मैं खुद ही था अपने ही पास में,
जिन्दगी की जंग लड़ता रहा उम्र भर,
हौसला था इतना मेरी सांस में,
मजलूम, मुफलिसों का लिए दर्द सीने में,
फटेहालों को देखकर हूँ उदास मैं,

यूँ तो कई ऊँचाईया छूली थी,
गिनती हुई न मेरी खास में,
जमाने के आज बदल गये है, दस्तूर,
पूजे जाते है, वो जो रहतें उजास में,
गुमनामी के अंधेरों में थी जीने की चाह,
रफ्ता रफ्ता होता रहा, यूँ खलास में।

<u>इश्तहार</u> – विज्ञापन, गुमशुदा, खोया हुआ, मज़लूम, अपंग, अपाहिज, मुफलिसो, निर्धन, गरीब, दस्तुर–रीति रिवाज, रफ्ता–रफ्ता, शनैः–शनैः

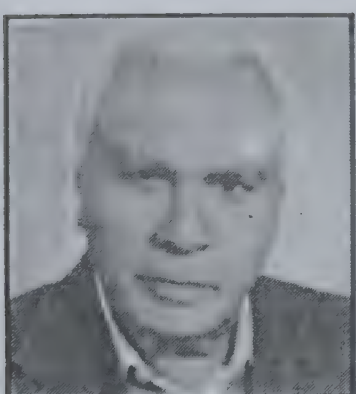
सुख के दिन आने वाले हैं



धर्मीचन्द जैन

बीते दुर्दिन मत याद करो, सुख के दिन आने वाले हैं।
पीड़ा के कारण भी हम ही, अहसास कराने वाले हैं। सुख के ....
आकाश सितोर टुटते हैं, क्या वह उदास हो जाता है?
बगीया के फूल भी झड़ते है, क्या वहां शोक छा जाता है?
यह कुछ भी नहीं सब नियति नियम, हमें याद दिलाने वाले हैं।। सुख के ....
ज्वालामुख जब ज्वाला उगलें, धरती उजाड़ हो जाती है,
पर फिर भी नहीं आहें भरती, वहां फिर बहार आ जाती है,
यह प्रक्रिया शाश्वत है, प्रियजन संदेश सुनाने वाले हैं।। सुख के ......
काली अंधेरी रातों का, सन्नाटा धरती पर छाता,
यदि मिलें साथ तूफानों का, विकराल रूप है, धर जाता,
लेकिन इसका भी अंत निकट, रश्मिदल आने वाले है।। सुख के ....
नश्वर सुख पर प्रिय मत फूलो, यह तो बस कुछ ही पल का,
जीवन का तो बस लक्ष्य बनें, शिव-सुख आधार बने कल का,
जीवन जब सरल सहज बनें, सुख मेघ बरसने वाले है।। सुख के ......
जीवन में सुख-दुःख दोनों है, सिक्के के दो पहलू हैं सुनों,
समभाव में हम रहना सीखें, महापुरूषो का संदेश सुनो,
स्थित प्रज्ञ बनें गीता कहती, यही मुक्ति दिलाने वाले हैं।।
सुख के .... □□□

शौर्य का अभिनन्दन



जगदीश चंद शर्मा

तू भारत मात का चन्दन है।
तेरा शत-शत अभिनन्दन है।।
तू भारत मात का चन्दन है।
तेरा शत-शत अभिनन्दन है।।
तेरे जैसे ही वीरों से,
भारत में रक्षा अभिनन्दन है। तेरा...
तेरे शौर्य को देख-देख,
पाक कर रहा, क्रन्दन है। तेरा...
ए-16 को मार गिराया,
भारत, तेरा कर रहा वन्दन है।

तू भारत मां की धड़कन है। तेरा...
रखी भारत की आन-बान,
सेना का बढ़ाया मान-शान,
इसलिए चहूं दिशि तेरा हो रहा,
हार्दिक अभिनन्दन है। तेरा...
तेरा गुणगान कहां तक हो,
धरती-आसमान जहां तक हो।
तू भारत मां की स्पन्दन है।
तेरा शत-शत अभिनन्दन है। तेरा...

□□□

महत्व की बातें



श्रीमती प्रेम शर्मा

वृद्धावस्था में,

- अपने स्वयं के स्थायी निवास पर रहें, ताकि जीने का आनंद ले सकें।
- अपना बैंक बेलेंस और भौतिक संपत्ति प्रेम में पड़कर उसके नाम करने की ना सोचें।
- बच्चों के वादे पर निर्भर ना रहें, समय के साथ प्राथमिकता बदल जाती है और चाहते हुए भी कुछ नहीं कर पाते।
- उन लोगों को अपने मित्र समूह में शामिल रखें जो आपको प्रसन्न देखना चाहते हैं,
- किसी के साथ तुलना ना करें और ना उनसे कोई उम्मीद रखें।
- अपनी संतानो के जीवन में दखलन्दाजी ना करें, उन्हें अपने तरीके से जीने दें और स्वयं जीएं।
- वृद्धावस्था को लाचारी बनाकर किसी की सेवा लेने अथवा उनसे सम्मान पाने का कभी प्रयास न करें।
- सुने सबकी लेकिन निर्णय मन से लें।
- भगवान से प्रार्थना करते समय भीख के स्वर न हो उनसे क्षमा और हिम्मत का वरदान मांगे।
- अपने स्वास्थ्य का स्वयं ध्यान रखें, चिकित्सीय परीक्षण के साथ अपने आर्थिक सामर्थ्य अनुसार अच्छा पौष्टिक भोजन खाएं और स्वयं अपना काम करें। कष्टों पर ध्यान ना दें, उम्र के साथ शारीरिक परेशानियां सदैव चलती रहती हैं।
- जीवन को उल्लास से स्वयं प्रसन्न रहें और दूसरों को भी प्रसन्न रखें।
- प्रति वर्ष अपने जीवन साथी के साथ भ्रमण/यात्रा पर अवश्य जाएं, इससे जीने का नजरिया बदलेगा।
- किसी भी टकराव को टालें एवं तनाव रहित होकर जिएें।
- यहां स्थायी कुछ भी नही सबकुछ चलचित्र है खुशी चिंताएं स्थिर नहीं है। न स्वयं चिंतित होवे न परेशानी व्यक्त करें।
- सामाजिक जिम्मेदारियों को रिटायरमेंट से पूर्व पूरा कर लें, याद रखें जब तक आप अपने लिए जीना शुरू नहीं करते तब तक आप जीवित नहीं हैं।

□□□

ग्रेट व्हाइट पेलिकन पक्षी

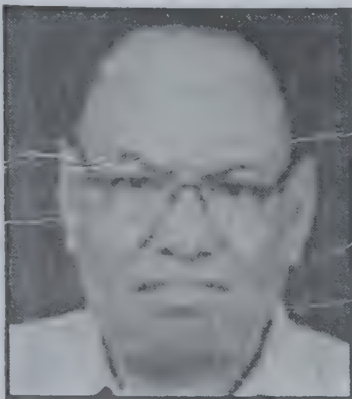


श्रीमती कैलाश उपाध्याय

यह पक्षी सूदूरपूर्वी यूरोप केरोमालिया और बलगारिया जैसे देशो से आना सागर झील मे पिछले 3-4 महिने से बड़ी संख्या में पड़ाव डाले रहते हैं। ग्रेट व्हाइट पेलिकिन यह पक्षी अगले कुछ दिनों में जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी यह सब पक्षी झुण्ड के झुण्ड के रूप में वापस लौटना शुरू कर देते है। नाव में बैठे लोग आनन्द लेते हैं खुश रहते है। आना सागर में सौकल्यागाँव और दूर के गाँव शहर के कभी गोड पक्षी भी आते है। यह भी अच्छे लगते हैं आने वाले आदमी औरते बालक बालिकाएँ कैमरे में फोटो खिच कर आने वाले मेहमानो को दिखाते हैं।

□□□

मातृ–पितृ देवो भवः



डॉ. राजेश शर्मा

भारतीय संस्कृति विश्व में एक अनूठी, अजेय एवं गौरवशाली संस्कृति रही है। हमारे मंत्रदृष्टा ऋषियों ने विश्व को अध्यात्म, चिकित्सा, दर्शन, वैदिकी गणित और ज्योतिष की अभूतपूर्व देन दी है। इस संस्कृति के जीवन मूल्य सनातन है एवं मानव धर्म का चिन्तन केन्द्रीय और आधारभूत तत्व है।

इसमें जन्म से मृत्युपर्यन्त सोलह संस्कारों से सुसज्जित कर मानवता को सेवार्थ श्रृंखला बनायीं है। बाल्यकाल में गुरू शिष्य को शिक्षा देते हुए कहता है– ''मातृदेवो भवः'', ''पितृ देवो भवः'',''आचार्य देवो भवः'' के संस्कारो से संस्कारित करता है।

जीवन और समाज की जीवन्तता और धड़कन को जीवित रखने में मातृ एवं पितृ दोनो की समान सहभागिता है। जन्मदात्री माता बालक की प्रथम गुरू होती है, साथ ही पिता पहले कुलपति, इसलिए शास्त्रो में माता का स्थान पिता से सहस्त्र गुना अधिक वर्णित किया गया है। इसलिए वैदिक काल में मातृसत्तात्मक व्यवस्था मिलती है। केवल जन्मदात्री माँ ही नहीं अपितु भारतीय संस्कृति में पृथ्वी, गौ, नदी को भी माता का दर्जा प्रदान किया गया है।

रामायण काल में जन्मदात्री माँ और जन्मभूमि को स्वर्ग से भी महान माना गया– ''जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी''। अथर्ववेद संहिता में लिखा है– भूमि मेरी माता है और मैं उसका पुत्र हूँ।'' वैदिक काल में वसुधैव कुटुम्बकम''का वेद वाक्य विश्व–रंगमंच पर हमारी अस्मिता बनाए हुए है।

वैदिक ऋचाओं में अनेक आर्य नारियों का हाथ रहा है। अनुसूया, मैत्रेयी, गार्गी और लोपमुद्रा जैसी विदुषी नारियों ने साहित्य–सृजन किया। मातृशक्ति का सम्मान हमारे उदार चिन्तन का परिचायक है। इसलिए संस्कृत साहित्य में ठीक ही कहा गया है–''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्रः देवता।''

हिन्दी साहित्य के छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद ने ''नारी तुम केवल श्रद्धा हो।'' तथा सुमित्रानन्दन पंत ने नारी के उदात्त एवं अन्तः सौन्दर्य का बखान ''यदि स्वर्ग कहीं है पृथ्वी पर, तो वह नारी उर के भीतर में है है''

आज भौतिकता की चकाचौंध, ग्लोबलाइजेशन व उपभोक्तावादी संस्कृति ने सामाजिक परिदृश्य को बदल दिया है। दुनिया तेजी से बदल रही है और बहुत कुछ बदला जा रहा है। इसके हम सभी साक्षी है। पारिवारिक रिश्तों में बदलाव आधुनिक सोच का परिचायक है। संयुक्त परिवार की अवधारणा सिमटती गई है स्त्रियाँ घर की देहरी लाँघ कर कामकाजी हो गई। पिता–पुत्र के रिश्तों में सतत् संघर्ष और पीढ़ियों का टकराव अब धीरे–धीरे पिता दोस्त की भूमिका में आने लगा है। साठ के दशक की कहानियों में पिता–पुत्र के संघर्ष की स्थिति ने स्थान बदल उदारीकरण और माता–पिता के अकेलेपन पर सिमट गई है। अकेले वृद्धो की दुनिया का आज संसार का एक कटु यथार्थ है। संस्कारों के अभाव में, वृद्धाश्रमों की संख्या में इजाफा होता चला गया। इस संदर्भ में प्रसिद्ध रूसी कवि रसूल हमजातोब की एक पंक्ति है कि ''अगर तुम अतीत पर गोली चलाओगे तो भविष्य तुम पर तोप से गोले बरसाएगा।'' आज स्थिति यह है कि बेटे–बहू नौकरी व केरियर तथा नाती–पोते, लेपटोप व इन्टरनेट की दुनिया में व्यस्त हैं। अब तो विज्ञान पिता की भूमिका पर ही प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। टेस्ट ट्यूब बेबी से शुरू हुई प्रक्रिया कृत्रिम शुक्राणु और कृत्रिम गर्भाधान तक पहुंच गई है।

पितृसत्तात्मक समाज की शक्तियाँ भूमण्डलीकरण के दौर में फादर्स डे और माँ की सभी आदर्श संस्कृतियाँ ''मदर्स डे''की आत्मीय एवं भावनात्मक स्मृतियाँ बन गई है।

हमारी सांस्कृतिक जड़े बहुत गहरी है, इसलिए माता-पिता की भूमिका स्थायी है। सांस्कृतिक प्रदूषण की आँधी में बदलाव आते-जाते रहेंगे। किन्तु देव ऋण, ऋषि ऋण पितृ ऋण की संस्कृति से ऋण नहीं हुआ जा सकेगा। भगवद्गीता के छठे अध्याय में श्री कृष्ण कहते हैं-'' नहिं कल्याणकृत् कश्चिद् दुर्गतिंतात गच्छति।''

अर्थात अच्छे कर्म का फल सदैव अच्छा ही होता है। ऐसे व्यक्ति का कभी बुरा हो ही नहीं सकता नयी पीढ़ी सकारात्मक सोच रखते हुए, गूगल और इन्टरनेट की दुनिया से बाहर निकल वृद्ध माँ-बाप का हाथ थामें तो पुरातन और वर्तमान संस्कृतियों के बीच की खाई कम हो सकती है इससे नई पीढ़ी सामाजिक समरसता को अक्षुण्ण बनाने में समर्थ हो सकेगी।

□□□

पिता-पुत्र के संवाद



सुधाकर बंधु

पुत्र - वयोवृद्ध है आप पिता श्री, कुछ ही केश रहें है शेष- जो न हुए हो धवल रजत सम, लगते जैसे इंदु अरोज। हष्ट-पुष्ट है, स्नेहसिक्त है, छलक रहा है उर उत्साह, इस वय में भी श्रेष्ठ स्वास्थ्य का, कारण सुनने की है चाह।।

पिता - वत्स युवावस्था में मेरी, स्मृति में जगा रहा यह भान, क्षणभंगुर है यौवन पल में उड़ जाता है सुरभि समान। अतः स्वास्थ्य का और शक्ति का, करता रहा सदा संचय, दरूपयोग से, दुर्भोगो मे, किया नहीं उसका अवव्यय।।

पुत्र - वयोवृद्ध है आप पिता श्री, और युवावस्था के संग, सुख यौवन के उड़ जाते है, स्वप्न सभी हो जाते भंग। फिर भी विगत दिनों की स्मृत्ति में, भरते आप नहीं है आह, इस वय में भी मुक्त हास्य का, कारण सुनने की है चाह।।

पिता - वत्स! युवावस्था में मेरी, स्मृत्ति वीथी में यह आलोक-जगमग करता रहा कि यौवन अक्षय नहीं, वृथा है शोक। रखभविष्य का ध्यान सदा ही, अतः चला में ऐसी राह, ताकि न मुझे जलाने पाये, कटु अतीत की दुःख मय दाह।।

पुत्र - वयोवृद्ध है आप पिता श्री, और आपकी जीवनधार, द्रुत यों दौड़ रही है मानो, शीघ्र पहुंचना है उस पार। फिर भी मुदित मृत्यु की चर्चा, करते सहित प्रीति उत्साह, खिले सुमन से मस्तआप है, कारण सुनने की है चाह।।

पिता- वत्स! मुदित हूँ मस्त हृदय हूँ, भरा हृदय आनन्द अथाह, सुनो ध्यान से कारण इसका क्यों न तनिक भी अन्तर्दाह। सदा युवावस्था में मैंने, अपने प्रभु को रक्खा याद, वृद्ध अवस्था में अब मुझको, वह न भुलाता, रखता याद।।

□□□

अमर वचन

काई सांस्कारिक भय ज्ञानी मनुष्य को नहीं दहला सका चाहे कितना ही निकट पहुंच जाये, जैसे तीर ठोस शीला को नहीं भेद पाता।

जनमानस तीर्थ– राम मन्दिर



नवरत्न चौधरी

पुराणों में एक कथा आती है कि एक बार लक्ष्मण तीर्थ यात्रा जाने के लिए प्रभु राम से प्रार्थना करने लगे । श्रीराम बोले अच्छी बात है किन्तु आप अयोध्यापुरी की व्यवस्था करके पधारें यह कहकर प्रभु मुस्कराने लगे। लक्ष्मण ने पूछा प्रभुदास से कौन सी त्रुटि हुई जो आप मुस्करा रहे है। राम ने कहा यह समय आने पर आप समझ जायेंगे। प्रभु श्री राम की आज्ञा मिलने पर लक्ष्मण तीर्थयात्रा की तैयारी करने लगे गुरू व शिष्य ने मुहूर्त श्रावण शुक्ल पंचमी का निकाला। अयोध्यापुरी की सब व्यवस्था व यात्रा की व्यवस्था करते करते रात्रि के दो बजे गये।

लक्ष्मण सोचने लगे प्रातः पांच बजे निकलना है और अब विश्राम करूंगा तो बिलम्ब होगा अब ब्रह्ममुर्हूत होने वाला है अतः पहले जाकर सरयू में स्नान कर लूँ। ऐसा निश्चय कर लक्ष्मणजी जी सरयू के किनारे पधारे । वहाँ बहुत प्रकाश हो रहा था। हजारो लोग स्नान कर आकाश मार्ग से आ जा रहे थे। लक्ष्मण ने सोचा आज तो कोई पर्व नहीं फिर भी भीड़ कैसी कोई एक-दूसरे से बोलता नहीं पर सब प्रसन्न मुद्रा में स्नानकर अभिभूत है। लक्ष्मण ने हाथ जोड़ प्रणाम किया और पूछा-महाराज मैं आप का परिचय लेना चाहता हूँ। कई राजाओं ने एक स्वर से कहा हम लोग काशी , गया, जगन्नाथपुरी , बद्रीनाथ , केदारनाथ, रामेश्वरम आदि करोड़ो देवी-देवताओं का रूप धारण कर नित्यप्रति श्री अयोध्या का दर्शन एवं सरयू का स्नान करने आते है। महिलाओं के घाट पर भी लक्ष्मण को यही उत्तर मिला कि हम गंगा, यमुना, सरस्वती आदि नदियां भी सरयू में नित्यप्रति स्नान करने आती है। अगले दिन लक्ष्मण प्रभु के सामने उपस्थित हुए। रामजी ने पूछा लक्ष्मण तुम्हें तो आज सूर्योदय से पूर्व ही तीर्थ के लिए प्रस्थान करना था तुम गये नहीं ?

लक्ष्मण राम जी के चरणो में प्रणाम किया और रात्रि का सब वृतांत सुनाया। प्रभू जब करोड़ो तीर्थ अयोध्या दर्शन और सरयू स्नान करने नित्य यहीं पर आते हैं तो यह अवधपुरी और सरयूजी धन्य है इनसे बड़ा तीर्थ कोई नहीं ?

संत तुलसीदास का जन्म सन् 1497 में हुआ। भगवान राम की कृपा से उन्होने रामायण को सरल भाषा में काव्य रूप में 'रामचरितमानस' की रचना देव योग व हनुमान कृपा से ही सम्भव हुई है। इस ग्रंथ की रचना से पूर्व तुलसीदास ने कई वर्ष अयोध्या और बनारस में व्यतीत किये। जिज्ञासा रही की उन्हें भगवान के जन्म स्थान का दर्शन हो। बालकांड में तुलसीदासजी महाराज का यह दोहाः-

''बदेउँ बाल रूप सो रामू! सब सिधि सुलभ जपत जिस नामू''।।

मंगल भवन अमंगल हारी। द्रवउ सो दशरथ अजिर बिहारी।।

ऐसे भगवान जिनका नाम लेने से सब सिद्धि मिल जाये और मोक्ष मिल जाय। अमंगल मंगल हो जाय। ऐसे रामजी जिनका नाम जन्म से लेकर मृत्यु तक सत्य है, वह आज भी अस्थित्व के लिए निश्चित है। अदालत जन्म, वंश का प्रमाण मांग वर्षो तक अदालतो में जन्मभूमि उनके जन्म, वंश का प्रमाण मांग रही है। वाद को किसी न किसी बहाने लम्बित कर लोगो में आस जगी कि मामला सुलझेगा, किन्तु यह तो और पेंचिदा बन गया। आज राम के होने के का प्रमाण यहां का जनमानस दे रहा है। दुःख होता है जब नेता जनमानस की भावना से खेल कर उसका परिहास करते है। जनमानस की यह भावना है, की भव्य मन्दिर का निर्माण हो और यह मामला सुलझे। फिर यह विचार आता है कि यह विलम्ब कहि ! माता सीता की अग्नि परीक्षा का परिणाम तो नही ?

□□□

कर्मा का फल



किशन आर. खुराना

कहते है कि जैसे कर्म करोगे वैसा ही फल मिलेगा। इसीलिए सभी संत,महात्मा विद्वान बुजुर्ग कर्मो को सुधारने की सीख देते है एक किस्सा याद आता है कि धनी सेठ था उसकी बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियाँ थी जिसमें हजारो लोग कार्यरत थे। कभी भी किसी पर दया नहीं करता,बीमारी की मुश्किल परिस्थितियों में आर्थिक सहायता नहीं करता उसका व्यवहार कठोर था। एक दिन उस सेठ का निधन हो गया। उसकी आत्मा परलोक पहुंची तो धरमराज ने खाता खोला और पाया कि पूरे जीवन में कोई अच्छा कार्य नही किया है। धरमराज तुरंत ब्रह्मा के पास पहुंचे जानकारी दी ब्रह्मा ने कहा कोई गुण न हो असम्भव कर्मो की वीडियो
देखने के निर्देश दिए ध्यान से देखा कि सेठ प्रत्येक रात घर जाते समय चींटियो को मुठ्ठी भर मुश्ती खिलाते जाते धर्मराज से कहा चींटियो के पोषण का पुण्य कर्म सेठ के खाते में है। सेठ को पहले स्वर्ग में भेजा जाये पश्चात् नर्क में रखा जाये।

इस प्रकार सेठ को एक अच्छे कर्म के कारण स्वर्ग में जगह मिली इंसान को सदा अच्छे कर्म करते रहना चाहिए ताकि उसे अच्छे कर्मो का अच्छा फल मिल सके।

□□□

जीवन उपदेश

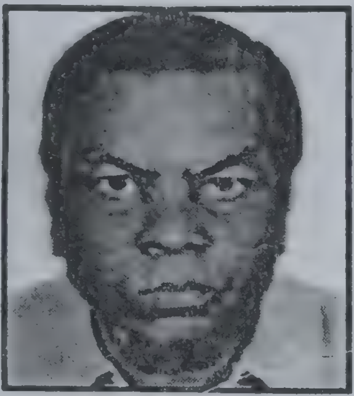


रामजी अरोड़ा (करूण)

* सर्वोत्तम दिन-आज
* सबसे बड़ा पाप- भय
* सबसे खतरनाक वस्तु-घृणा
* सबसे उपर्युक्त समय-अभी
* सबसे बड़ी आवश्यकता-सामान्य ज्ञान
* सबसे विश्वसनीय मित्र-आपका अपना हाथ
* सबसे बड़ी भूल-समय की बर्बादी
* सबसे बड़ी बाधा-अधिक बोलना
* सबसे बुरी भावना-ईर्ष्या
* सबसे भाग्यशाली व्यक्ति-जो अपने काम में संलग्न हो।
* सबसे सरल काम-दूसरो की गलतियां निकालना।
* सबसे बड़ा शिक्षक-जो आपको सीखने की प्रेरणा दे।
* सबसे बड़ा दिवालिया-जिसने अपना उत्साह खो दिया।
* सब धर्मो का निचोड़-सच्चाई ईमानदारी व विनम्रता

□□□

प्रभु–भक्ति



भीम सेन बतरा

प्रभु तुझसे भक्ति का वरदान चाहूँ
नजरे-करम तेरी भगवान चाहूँ।
जग में नहीं है कोई किसी का,
तू मीत साचा है प्रभु सभी का,
नाता तुझी से ऐ मेहरबान चाहूँ।
नश्वर जगत को दिल से भुलाऊँ,
हर यत्न करके तुझे मैं रिझाऊँ,
तेरा प्यार हरपल दयानिधान चाहूँ।
निष्काम भक्ति हमेशा करूँ मैं,
हिरदे में केवल तेरा ध्यान चाहूँ।
'दास' को बिन भक्ति कुछ न सुहाये,
कोई और वस्तु न दिल में समाये,
भक्ति का ही बस प्रभु दान चाहूँ।
यह 'दास' सदा चाहे प्रभु कृपा तुम्हारी,
तुम स्वामी हो मेरे मैं तुम्हारा हूँ पुजारी,
अपनी शरण में रखकर भक्ति का समर चाहूँ।

□□□

धरती राजस्थान री

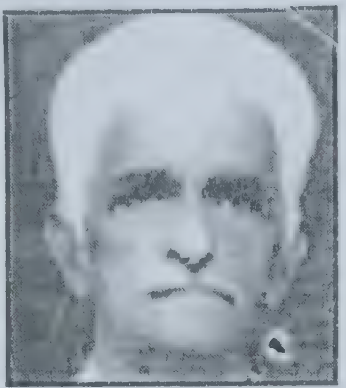


सी. एम. राठी

आ धरती राजस्थान री, वीरां रा बलिदान री।
'आन-बान' और शान री, गौरव गरिमा ज्ञान री।
आ धरती राजस्थान री, मारवाड़ मेवाड़ री।
ई धरती रो रूतबो ऊँचो, आ बात कहवै कूँचौ-कूँचौ।
आ धरती गौरां धोरां री, आ धरती मीठा मोरां री।
आ धरती राजस्थान री, आ धरती राजस्थान री।
रंग-रंगीली, सुरंग (स्वर्ग से), सुहासी(सुन्दर) लागे।
निपजै मोंठ, मतीरा है, रेतीली धरती पर नाची,
भगत शीरोमणि मीरां है, बजरंगगढ़ हनुमान बिराजै।
आनासागर तीरां है, मूण्ड (गर्दन) कटी,
पर रूण्ड (स्वाभिमान) तजी ना
अठे कटी शमशीरा (वीरांगनाएँ) हैं।
रंग-रंगीली, छैल-छबिली, रातां मीठी लोरियां है।
तीज, तिंवारा, त्योहारो पर, धमचक नॉचै,
निरत घूमर करै, गणगोर्‌या है।
बाँध मौडलो सिरपैच बनडो दूल्हा जावै,
जौहर री बिन्दोर्‌या है, आ धरती राजस्थान री।

□□□

वरिष्ट नागरिको



चतुर्भुज उबाना

जीवन को जीत के अन्दाज में, कामयाबी की मंजिल तक पहुंचाने के बाद ट्रंक पर आ पहुँचे मेरे आदरणीय भाईयों....

आज हरेक व्यक्ति बिना लक्ष्य के भाग रहा है। जाना कहीं और मुड़कर पहुँच कहीं जाता है। जहाँ से वापस लौटने की न हिम्मत रहती है और न निश्चिन्तता का भाव कौन सही दिशा देगा ?

प्रत्येक अनुभव, संजीवनी से कम नहीं

आप लोगों को एक साथ समूह में बैठै देखा तो ख्याल आया कि एक निवेदन कर लिया जाये, भाइयों सेवानिवृत्त चुनाव आयुक्त टी.एन.शेषन का इन्टरव्यू पढ़ा, जिसमें उनसे पूछा गया कि अवकाश के बाद वे क्या करेंगे ? उन्होंने बड़ी सहजता से जवाब दिया कि मेरे पास अच्छी नस्ल के चार कुत्ते हैं, मैं उनकी सेवा करूंगा। यह अच्छी बात है कि हर किसी को, कुछ समय निकालकर प्राणियों की सेवा करनी चाहिए। परन्तु मेरा भाव यह रहा कि वे मनोबल से मानव सेवा में लग जाते तो कितनों का कल्याण हो जाता। अपने अनुभवों को, युवा जगत को सिर्फ कहानी की तरह ही सुनायें तो नौनिहालो को संजीवनी मिल सकती है। जिसने भी जीवन के 60 बसन्त पार कर लिये उसनें कुछ कमाया हो या ना कमाया हो पर अनुभवों का धनी तो वह होता ही है। इस धन को संसार की किसी भी दौलत से खरीदा नहीं जा सकता। हम सभी अनमोल खजानों से संपन्न हैं। आप किसी के बहकते कदमों व फिसलते मन का दिशा देने में सक्षम है।

अन्तिम पड़ाव ही उत्तम ठहराव है।

बचपन की चंचलता को छोड़, उतावलद-जोशिली तरूणाई अब रोबीले दंभ भरे युवाकाल को पीछे कर आगे आ पहुंची, जहाँ धैर्य, सब्र, सन्तुष्टि है। जिन्दगी आनन्द व स्थिरता के साथ जी रहे हैं। सभी के मन में है कि इसे एकाग्रता, निश्चिन्तता और जिम्मेदारियों से मुक्त हो कर जीयेंगे। आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। परन्तु आज अनेक चिन्ताओं का निवारण किसी समूह से जुड़कर ही किया जा सकता है। आप परमात्मा, साथी सामाजिक,घरेलू, बागवानी किसी से भी जुड़े । सकून मिलेगा शांति मिलेगी। आप अपने से मित्रता कर लो तो कभी अकेलापन नहीं होगा।

> महत्वपूर्ण यह नहिं की क्या नहिं है।
> महत्वपूर्ण यह है कि आप किसको कैसे उपयोग करते है।
> एच. जी. वेल्स

□□□

कर्म सुख-दुख के कारण



कैलाश जोशी

परमात्मा पाप के बदले दुःख नहीं देता है। यह बिल्कुल गलत व गैरजिम्मादाराना बात है. ईश्वर के पास हमारे पाप का हिसाब है। पापो के कारण जो नुकसान दुःख-तकलीफ झेलनी पड़ती है, उसकी जिम्मेदारी केवल हमारी अपनी है। अगर हम दुःखी है, तो यह हमारे कर्मो का ही परिणाम है। हमारे गलत कर्म ही विघ्न के कारण हैं। सुख-दुःख के लिए अपनी जिम्मेवारी समझें। परमात्मा हमें सत्कर्म करने का सही ज्ञान देते है, विकर्म भस्म करने की योग विधी सिखाते हैं, लेकिन करना तो हमें ही है।

ये ही कारण है की जीवन के अंत मे किये कर्मो का लेखा-जोखा हर व्यक्ति की बुद्धि के सामने आता है और महसूस होता है कि हम खुद ही अपने सुख-दुःख के कारण हैं।

संतो, योगियो, ऋषियो ने अपनी साधना से सिद्धियाँ पायी। कुछ सिद्धियो का प्रयोग कर उन्होने भक्तों के दुःख दूर किये। लोग धीरे-धीरे उन्ही से दुःख दूर करने की आशा करने लगें। कृपा, शक्ति, आशीर्वाद माँगने लगें। योगी बनने का प्रयास नहीं किया, लोग परमात्मा की भक्ति भी इच्छापूर्ति, स्वार्थ सिद्धिं के लिए ही करने लगे। परमपिता परमात्मा हमें सत्य का ज्ञान देते हैं। हम हिम्मत करते हैं तो मदद भी करते हैं। उनसे डरें नाही नाही उनसे मांगे। अच्छा कर्म करे नेक शिक्षाओं पर चलें तो कभी कष्ट-दुःख नहीं आयेगा।

□□□

उम्र की सेंचुरी



कमला राठी

हँसते रहो हजारो के बीच, जैसे फूल खिलते हैं, बहारों के बीच।
रोशन हो दुनिया में इस तरह जैसे चाँद होता है सितारो के बीच।

ये जो अपनी आयु का सैकड़ा पार कर चुके हैं। जीवन की प्रत्याशा करते आ रहे हैं। जापानियों की उन्मुक्त जीवन शैली के संघ की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार सन् 2050 में बुजुर्ग और युवा बराबरी पर पहुँच जायेंगें। उम्र की सेंचुरी लगाने के लिए इन्हे आजमाएंः- लोगो के संग मिले-जुले व ठहाका लगायेः- सदैव प्रसन्न मुद्रा में रहें तथा आस-पास के लोगो व पडोसियों से जिन्दादिली से मिलें। दोस्तो के संग पुरानी यादे ताजा करें। शोधकर्त्ता डेन बटलर कहते हैं कि दोस्ती व जिन्दादिली बुजुर्गो को स्वस्थ व खुश रखती है।

ढूंढ ले जीने का मकसद :- जो किसी खास मकसद से जीते है या किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिये प्रयत्नशील रहते हैं, उनमें जिन्दगी के प्रति उमंग रहती है। साथ ही वे मानसिक और शारिरिक रूप से क्रियाशील रहते है, ऐसे लोग जरूरी रूप से लम्बी आयु को प्राप्त होते हैं।

दोपहर में लेवे झपकीः- काम करते हैं, परिश्रम करते हैं और दोपहर में थोड़ी झपकी लेकर, आराम करते है, उनकी उम्रकी सेंचुरी हो जाती है। यह तथ्य हावर्ड युनिवर्सिटी के एक शोध में सामने आया है।

फल -सब्जियाँ ज्यादा खायेः-मिशिगन विश्व विद्यालय के एक शोध में यह बात सामने आई है कि फल व सब्जियां ज्यादा खाने वाली महिलाओं की उम्र न खाने वाली महिलाओं की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक होती है। जापान में प्रति लाख 50 लोग सौ वर्षीय है इसका कारण कन्दमूल फल का सेवन है।

आशावादी बनो :- आप जिन्दा दिल, हँसोड़ व आशावादी हैं, तब तो आयु 100 के पार जाना बड़ा आसान है। ऐजिंग जर्नल के एक शोध के अनुसार ऐसे लोग जो स्ट्रेस व एंजाइटी से परेशान नहीं होते, उनकी आयु सरल स्वभाव वाले लोगों की तुलना में ज्यादा होती है।

हैल्दी डाईट लें :- खान-पान में साबुत और अंकुरित अन्न, मेवे, ऑलिव आईल, फलो और सब्जियों को शामिल करें। इससे पोषण के साथ-साथ कोशिकाओं के निर्माण में भी सहायता मिलती है। सुबह शाम सैर करें। आपकी जीवन प्रत्याशा 100 को अवश्य पार करेगी।

सकारात्मक रहे:- सकरात्मक लोग अधिक जीते है किसी ने कहा है सोच को बदलो, सितारे बदल जायेंगे। नजर को बदलो, नजारे बदल जायेंगे, जरूरत नहीं है किश्ती बदलने की, पतवार को बदलो, किनारे बदल जायेंगे।

□□□

अहंकार से सावधान



अंजू अग्रवाल

अहंकार एवं बड़ेपन की भावना जीवन की अजीब विसंगति है। मनुष्य चाहकर भी अंह को झुका नहीं पाता, अंह की पकड़ को ढीली नहीं कर पाता। यह जानते हुए भी कि स्वयं को बड़ा मानने का अंह जीवन के हर मोड़ पर व्यक्ति को अकेला कर देता है। हर मनुष्य में अंहकार की मनोवृत्ति होती है। वह दूसरे को नीचा दिखाकर अपने को ऊंचा दिखाना चाहता है। आदमी का सबसे बड़ा रस इस बात में होता है कि और सब छोटे बने रहें, मैं बड़ा बन जाऊं। कितना स्वार्थी एवं संकीर्ण बन गया इंसान कि उसे अपने सुख के सिवाय कुछ और नजर ही नहीं आता। स्वयं की अस्मिता को ऊंचाईयां देने के लिए वह कितनों के श्रम का शोषण, भावनाओं से खिलवाड़ एवं सुख का सौदा करता है। उसकी अंतहीन महत्वाकांक्षाएं पर्यावरण तक को जख्मी बना रही है। आखिर इस अनर्थकारी परंपरा एवं सोच पर कैसे नियंत्रण स्थापित हो ?

चाहे पचास व्यक्तियों पर हुकूमत करो या पचास हजार पर, हुकूमत तो हुकूमत होती है पर उसकी सीमा तो है कोई भी एक व्यक्ति ऐसा नहीं है जो समस्त विश्व पर शासन करता हो। सबकी सीमा है। कोई जाने या न जाने, माने या न माने, कहे या न कहे, यह अहंकार प्रत्येक व्यक्ति के अन्त:करण में ऐसा प्रतिष्ठित है कि वह छूटता ही नही। वह चाहता यही है कि मैं बड़ा रहूं, दूसरे छोटे रहें। यदि दूसरे छोटे न हो तो बड़ा बनने का अर्थ ही क्या रहा ? तो फिर बहुत कुछ धन, पदार्थ, पद सत्ता होने का भी अर्थ क्या है ? यह एक कठिन समस्या है। इसी से जब सत्ता का अंहम जागा तो विलासिता और क्रूरता आई। ज्ञान का अहं जागा तो युद्ध के खतरों ने भयभीत किया और समृद्धि का अंह जागा तो मनुष्य-मनुष्य के बीच असमानताएं आ खड़ी हुई।

जीवन में कई दफा ऐसा ही होता है, जब हमें अपने आप पर बहुत गर्व होता है पर धीरे-धीरे यह स्वाभिमान अहंकार का रूप लेने लगता है। हम अंहकारी बन जाते हैं और दूसरों के सामने दिखावा करने लगते है। यह भूल जाते हैं कि हम चाहें कितने ही सफल क्यों न हो जाएं, व्यर्थ के अहंकार और झूठे दिखावें में पड़ना हमें शर्मिन्दा कर सकता है। फिर भी मनुष्य की यह दुर्बलता कायम है कि उसे कभी अपनी भूल नजर नही आती जबकि औरो की छोटी सी भूल उसे अपराध लगती है। काश! पड़ोसी के छत पर बिखरा गंदगी का उलाहना देने से पहले हम अपने दरवाजे की सीढ़ियां देख लें कि कितनी साफ है। सच तो यह है कि अहं ने सदा अपनी भूलों का दंड पाया है। अहंकार सफलता और संतुष्टि दोनों का दुश्मन है। इस पर कड़ी नजर बनाएं रखना जरूरी है।

□□□

गृहस्थ जीवन में चार सुख



प्रमेलता

कौन से चार सुख ?

एक समय श्रावस्ती के जेतवन विहर में भगवान तथागत बुद्ध विराजमान थे। उस समय श्रावस्ती नगर के सेठ व धम्म के परम उपासक अनाथपिडंक वहां आए और तथागत बुद्ध से सुख के बारे में जानना चाहा।

भगवान ने कहा -

❖ पहला सुख सम्पत्ति के स्वामित्व का होना है। एक गृहस्थ के पास जो सम्पति होती है जिसे वह मेहनत, ईमानदारी व न्यायसंगत ढंग से कमाता है। उस व्यक्ति को यह सोचकर खुशी होती है कि उसके पास ईमानदारी से कमाया धन है।

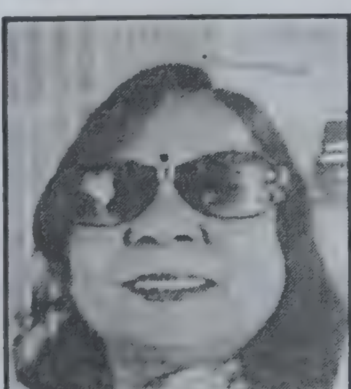
❖ दूसरा सुख सम्पत्ति को भोगने का होता है। मेहनत, ईमानदारी से अर्जित धन को घर परविार में खर्च करता है, दान करता है तो उसे यह सोचकर खुशी होती है कि ईमानदारी से कमाए धन से दान पुण्य कर रहा है।

❖ तीसरा सुख कर्ज से मुक्त होने का है। जिस गृहस्थ के ऊपर छोटा बड़ा कोई भी कर्ज नहीं होता है तो उसे यह सोचकर खुशी होती है कि उसे किसी को बकाया चुकाना नहीं है।

❖ चौथा सुख किसी दोष से मुक्त होने का है। एक गुहस्थ शरीर, मन व वाणी से दोषरहित होता है तो उसे इस बात की प्रसन्नता होती है कि उसने शरीर, मन व वाणी से किसी का बुरा नहीं किया।

तथागत बुद्ध ने कहा, अनाथपिंडक ! ये चार प्रकार के सुख है जिसके लिए एक गृहसथ सतत कोशिश करता रहे तो उन्हें हासिल करता रहता है।

मातृभाषा हिन्दी



सुमन गोयल

हिन्दी महज एक भाषा नही ,यह जन-जन की अभिलाषा है-
क्रांतिकारियों की लेखनी को अलंकृत करती है।
हिन्दी मेरे रोम-रोम में , हिन्दी की मैं पूजा करती
हिन्दुस्तान की जायी हूँ, सबसे सुन्दर भाषा हिन्दी
सूर,जायसी, तुलसी कवियो, की सरित लेखनी से बही हिन्दी........
हिन्दी से पहचान हमारी, माँ की कोख से जाना जिसको
माँ, ब्रह्मा सखी सहेली हिन्दी........, निज भाषा पर गर्व जो करते,
छू लेते आसमां न डरते,शत्-शत् प्रणाम सब
उनको करते स्वाभिमान अभिमान है हिन्दी।

□□□

ज्ञान गंगा–अमृत वाणी



मेवालाल जादम

आग लगी आकाश में झर–झर पड़े अंगार। संत न होते जगत में, जल जाता संसार
चिन्ता ऐसी डाकनी, काट कलेजा खाय। वेद विचार क्या करे, कहाँ तक दवा लगाय।। जब रहेगी जिन्दगी, उलझे रहोगे ममता प्यार से। कुछ समय श्री राम में लगा लो, सुलझा देवेंगे संसार से।। गुरू बिना माला फेरते, गुरू बिन देते दान। गुरू बिन दान हराम है, पूछो बगद पुराण।। गुरू कसम शिष्य स्त्रीनित प्रीति संगम होय। वचन बिज झंले बांझ कहावे सोय।। पांच सुधारे देश को सन्त सती और शूर। उपकारी धर्मात्मा दुःख कर दे सब दूर।। तीन सजावत जगत को सन्त सती और शूर। तीन लजावत जगत को कायर कुलटा कुरूर।।

काम क्रोध मद लोभ की जब तक घर में खान। तुलसी पण्डित मुर्खा दोनो एक समान।।
नारायन हरि भगत में ये पांच ना सुहाय। विषय भोग निद्रा हंसी जगत प्रीत भव बात।।
सोना सज्जन साधु जन टूट जुड़े सो बार। दुर्जन कुम्भ खुमार का धक्का लगत दरार।।
दुर्जन तजे न दुष्टता सज्जन तजे न हेत। कागज तजे न श्यामता मोती तजेन न स्वेत।।
कांच कटोरा नयन जल मोती और मन। इतना टूटा न जुड़े लाख करो जतन।।
गोधन गजधन बाजधन और रत्नधन खान। जब आवे संतोष धन तो सब धन सुर समान।।
मन मतंग माने नहीं जब तक खता न खाय। जैसे विधवा स्त्री गर्भ रहे पछताय।।
मुर्ख को समझाने ज्ञान गांठ का जाय। कोयला उजला न हुआ नोमण साबुन लगाय।।
सत्संग रूपी बाग है सतगुरू दीना सीच। असली तो अमृत पीए नकल करे वो नीच।।
नम्र पुरूष प्रिय राम का नित ले राम प्रसाद। अभिमानी निज दोष से भोंगे सदा विषाद।।
कबीरा सब जग निर्धना धनवन्ता न कोय। धनवन्ता सोई जानिए जाके राम नाम धन होय।।
माया होवे नागनी रहा जग लिपटाय। जो इसकी सेवा करे अंत उसी को खाय।।
रहीमन धागा प्रेम का मत तोडो चिटकाय। टूटन से फिर ना जुड़े,जुडे गांठ पड़ जाय।।

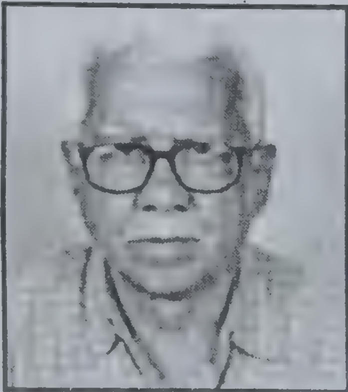
नोट:– अपने जीवन में असली ज्ञान की प्राप्ति के लिए गुरू अवश्य बनाये। जब से बना गुरू उसी दिन से आपका जीवन शुरू।

प्रातः स्मरणीय श्लोक

ब्रह्म मुरारी त्रिपुरान्तकारी भानु : शशि भुमिसुतो बुधश्च।
गुरूश्च शुक्र : शनि राहुकेतव : कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्।।

मार्केण्डय

मायावी श्रीकृष्ण



गोपालदास नागरानी

एक दिन भगवान श्रीकृष्ण तथा सुदामा यमुना नदी की ओर नहाने जा रहे थे। सुदामा ने भगवान श्री कृष्ण से पूछा-कान्हा सुना है आप मायावी हैं। पर मैंने कभी ऐसी बात नहीं देखी। श्री कृष्ण ने जबाब दिया आप मेरी माया देखना चाहते हैं।

सुदामा ने कहा -'हाँ'

श्री कृष्ण ने कहा अच्छा पहले नहा कर आते हैं फिर मैं आपको कुछ दिखाऊंगा। दोनो नदी में कपड़े उतार कर घुसे तथा दोनो ने नदी में डूबकी लगाई। सुदामा जी ने देखा कि व अन्जान शहर में जा रहे थे। थोड़ी दूर जाने पर उसे लगा उसके पीछे सैनिक आ रहे हैं तथा सुदामा जी से रूकने को कह रहे है। सैनिकों की आवाज सुनकर सुदामा रूक गए।

सैनिको ने सुदामा के नजदीक आकर प्रणाम किया तथा कहा महाराज की जय हो। महाराज आप हमारे महल में चलें। सुदामा ने सोचा कोई पूजा करवानी होगी इसलिए मुझे महल में ले जा रहे हैं। महल में पहुंचते ही पूरा दरबार 'महाराज' की जय हो कि उद्घोषणा करते हुए महामंत्री सुदामा के नजदीक आकर झुककर प्रणाम किया तथा कहा महाराज हमारे राज्य के नियमानुसार यहां के राजा की मृत्यु के बाद दूसरे दिन प्रातः सैनिक महलों से निकलते है। रास्ते में जो कोई पुरूष मिलता है उसे हम महाराज के सिंहासन पर बिठाते है तथा उन्हें राजा मानते है हमारे राजा की मृत्यु के पश्चात् सवेरे-सवेरे आपही के दर्शन हुए हैं अतः आप ही हमारे राजा है। सुदामा को दासियों ने खूब उबटन लगाकर गुलाब के जल से नहलाया। राजकीय वस्त्र पहनाये तथा उसे राज्य सिंहासन पर बैठाकर राज्याभिषेक किया गया और उन्हें राजा घोषित किया गया। एक राजकुमारी के साथ विवाह करवाकर उसे रानी बनाया गया। समय के साथ सुदामा के दो बच्चे हो गए। सुदामा उनमें मस्त हो गए।

समय व्यतीत होता गया सुदामा अपने राज्य कार्य में व्यस्त हो गए। काफी समय बीत गया अचानक एक दिन महारानी की तबीयत खराब हो गई। राज्य वैद्य को बुलाया गया। इलाज करवाया परन्तु रानी को कोई सुधार नही हुआ। दिन गुजरते गए तथा रानी की तबीयत बिगड़ती गई रानी जी काफी कमजोर हो गई तथा एक दिन रानी की मृत्यु हो गई। सारे महल में शोक छा गया। सुदामा भी काफी चिंतित हो गए। रानी के दाह संस्कार की तैयारी की गई। चित्ता चंदन की लकड़ी से सजाई गई। रानी को चिता पर लिटाकर सैनिक सुदामा की ओर आकर प्रणाम कहने लगे 'महाराज आप भी चलिये' चिता पर बैठिये सुदामा चौंक गए कहा 'यह क्या बदतमीजी है ?

महामंत्री ने आकर कहा कि महाराज यहां की प्रथा अनुसार अगर रानी की मृत्यु होती है तो राजा का भी उसके साथ बैठाकर दाह संस्कार किया जाता है। सुदामा चिल्लाए ''पर मैं नहीं बैठुंगा।''

इस पर सैनिक जबरदस्ती कर ले जाने को आए तो सुदामा हाथ छुड़ाकर भाग खड़ा हुआ। आगे आगे सुदामा भागते जा रहे थे पीछे-पीछे सैनिक आ रहे थे सुदामा चिल्लाने लगे बचाओ-बचाओ-बचाओ और यमुना नदी से भागते हुए वापस आए।

भगवान ने कहा सुदामा क्या हुआ। क्यो चिल्ला रहे हो। सुदामा ने आंखे खोली-सामने भगवान श्री कृष्ण मुस्करा रहे थे। सुदामा चिल्लाये कान्हा मुझे बचाओ और श्री कृष्ण को पकड़ लिया।

श्री कृष्ण ने इशारा कर दिखाया पर वहां तो कोई नहीं था यमुना नदी की धारा बह रही थी।

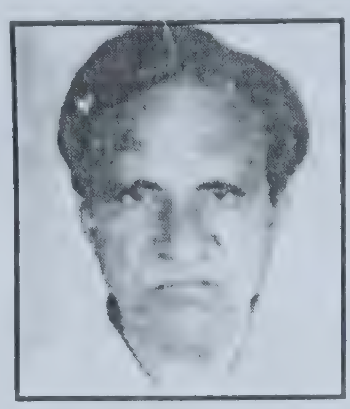
यहां तो कोई नही हैं तो फिर कान्हां वो क्या था श्री कृष्ण ने कहा सुदामा यही मेरी माया है। सुदामा हक्का बक्का रह गये।

□□□

शिव - महिमा

भज मन : शिवमेव निरन्तरम्, रट मनः शिवमेव निरन्तरम्।
जप मनः शिवमेव निरन्तरम्, स्मर मनः शिवमेव निरन्तरम्।।

महिम्न स्तोत्र



एम सी बाछी बाल

नारी-शक्ति

नारी को मत पैरों की जूती समझों। यह देवी है, देवी ही समझो।।
नारी अब अबला नही यह सबला है। अब इसका भी समय बदला है।
इसकी हस्ती को समझों। यह देवी है, देवी ही समझो।।
नारी अपनी गृहस्थी चलाती है, अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा संस्कार देती है।
इसे गृहस्थी की धुरी समझों। यह देवी है इसे देवी ही समझों।।
नारी पुरूष संग अर्थ कमाती हैं। बड़े-बड़े प्रशासनिक व संगठनों में काम करती हैं।
अपना व देश की अर्थव्यवस्था का विकास करती हैं। इसकी महत्ता को समझों
यह देवी है देवी ही समझो।। नारी साहित्य व कला में भी देश का नाम रोशन करती है
इसे महादेवी वर्मा और माधुरी दीक्षित समझो यह देवी है, देवी ही समझों।।
नारी खेल जगत में पदक जीतकर ,देश का नाम रोशन करती है।
इसे आज की सिन्धु व मिताली राज समझो। यह देवी है देवी ही समझों।।
आज नारी पायलट बन हवा में उड़ती है सेना और नौ-सेना में अपना नाम कमाती है
इन्हे आज की झांसी की रानी समझो, यह देवी है, देवी ही समझों।।
इसकी एक विशेषता है, यह पुरूष को पुरूष बनाती है।
इससे प्रकृति का गहरा राज समझों, यह देवी हैं इसे देवी ही समझों।।

□□□



कृष्णा जैन

माँ

माँ सदैव है, भावना है, अहसास है,माँ जीवन के फूलों में खुशबू का वास है,
माँ रोते हुये बच्चो का,खुशनुमा पालना है, माँ लोरी है, गीत है, प्यारी-सी थाप है।
माँ पूजा की थाली है, मंत्रो का जाप है, माँ त्याग है, तपस्या है, सेवा है।
माँ फूंक से ठंडा किया कलेवा है,माँ कलम है, दवात है,स्याही है।
माँ परमात्मा की स्वंय एक गवाही है, माँ अनुष्ठान,साधना,जीवन का हवन है।
माँ जिन्दगी के मौहल्ले में, आत्मा का भवन है,माँ काशी,काबा और चारों तीर्थ धाम है।
माँ चिन्ता है, याद है, हिचकी है,माँ बच्चे की चोट पर सिसकी है। माँ पृथ्वी है, जगत है,धूरी है,
माँ बिना इस दृष्टि की कल्पना अधूरी है। माँ का महत्व कोई कम नहीं कर सकता।
माँ जैसा दुनिया में कोई हो नहीं सकता।

□□□

दोस्ताना रिश्ते
जिंदगी को खुबसूरत बनाने के लिये मिया बीवी एक दूसरे के
दोस्त बनकर रहें । यकीन मानों खुश रहेंगे। एक रिपोर्ट



पुष्पा क्षेत्रपाल

मेरी कोई दोस्त बूढ़ी नहीं

सच्चाई में ढली है, सब अब भी मनचली है।
कृपा है सब पें रब की, पर्वत सी सब खड़ी है।।
ना दर्द कोई दिल में छा जाएं वो महफिल में।
वो सबके काम आये जो भी हो मुश्किल में।।
ना ही कोई है घमंडी, ना ही पैसे का गुरूर।
यारों के काम आयें, बस ये ही इक सुरूर है।।
इक दूसरे पे जान ये छिड़कती है, सब की सब।
मिलते ही ये कहेंगी, फिर अब मिलेंगे कब।।
कोई पी रही है ग्रीन टी, कोई बन गयी है साधिका।
पर सब जी रही है, मस्ती में उड़ रही है।।
बालों में डाई सबके, हाई हील में सब मटके।
करते नहीं थकती है, कट जाती कई रातें।।
बच्चे है बराबर के, और सब ही सयाने हैं।
पर शाहरुख से रनवीर तक ये अब भी सबकी दीवानी है।
हे प्रभु मेरे खुदा वंद इन सब को स्वास्थ्य रखना।
जितनी थी कभी पहले, इन्हें और मस्त रखना।।

□□□



शारदा जिंदल

जीवन क्या है?

जीवन एक सागर है,
जिसमें लहरें आती और चली जाती है
जीवन एक नदी है, जिसके सुख-दुःख दो किनारे हैं।
जीवन एक हवा का झोंका है,
आता है और चला जाता है। जीवन एक जंग है,
जिसमें कहीं हार है तो कहीं जीत है।
जीवन एक चुनौती है,
जिसे कोई स्वीकार करता है तो कोई अस्वीकार।
जीवन एक परीक्षा है, जिसमें कोई फेल है तो कोई पास है।
जीवन सुख-दुःख का मेल है,
यही तो जीवन का खेल है।

□□□

क्रेन का अविष्कार डेरिक ने किया। प्रभु ने मानवता को उठाने के लिए हमें दो हाथ क्रेन की भांति दिये। प्रयत्न करें और उसे धन्यवाद देवें। शांति मिलेगी।

जीवन की सांझ



परमानंद यादव

जीवन क्षण भंगुर है व पानी के बुलबुलों के समान हैं। जीवन अति मूल्यवान व महत्वशाली होने के उपरान्त बाल्यअवस्था, यौवन व वृद्धा अवस्था की स्थितियों से गुजरता हुआ समाप्त हो जाता हैं। जीवन की विषम व सुगम, सुख-दुःख के ताने-बाने में भ्रमण करता हुआ जीवन इति को प्राप्त होता है। जीवन की सांझ एक ढलती दशा को दर्शाती हैं। जीवन की ताकत, सौन्दर्य, प्रतिभा धीरे-धीरे ह्यस होकर जर्जर व असहाय सी हो जाती है जीवन की सांझ की चादर में मलिनता, निराशा व असहनीय पीड़ा का दर्द छटपटाता रहता है। पंखविहिन व दयनीय जिन्दगी बन जाती है। अहसनीय पीड़ा व दर्द की असहनीय छटपटाहट जिन्दगी को संकट से भर देती है। जीवन की सांझ में मनुष्य बोझिल, निष्क्रिय व पंगु सा प्रतीत होता है। समस्त आशाएं, आकाक्षाएं, सुनहले स्वप्न व सुकोमल भावनाएं विलुप्त हो जाती है। जीवन की सांझ जीवन को घनघोर अन्धेरे के गर्त में डुबो देती हैं। जीवन के हर क्रियाकलाप शिथिल हो जाते हैं।

जीवन की सांझ के दूसरे पहलू पर दृष्टिपात करें तो प्रतीत होगा कि जीवन की सांझ निराशा व पगुपंन की निशानी नही है, बल्कि जीवन की सांझ अमूल्य अनुभवों की एक सच्ची कसौटी है। साथ ही संचित अनुभवों का एक अमूल्य खजाना है। विषम व सुगम परिस्थितियों के चक्र से गुजरते हुए जीवन की सांझ एक परिपक्व व असंख्य अनुभवों का लेखा-जोखा होती है। जीवन की लम्बी यात्रा का सच्चा इतिहास का बोध कराती है। क्या जीवन में पाया व खोया का सच्चा बयान करती है। जीवन की सांझ की लालिमा सूर्योदय व सूर्यास्त के समय की ललिमा से कम नहीं होती है। जीवन की सांझ एक ललकभरी व अपार अनुभवों, सुख-दुख का सच्चा दिग्दर्शन कराती है। जीवन की सांझ उस शेर की दहाड़ के समान होती है जो कभी मन्द नही पड़ती है। जीवन की सांझ की लौ सदैव प्रज्जवलित होती है जो जीवन के सच्चे प्रकाश का उजाला कर जीवन के यर्थात का सच्चा बोध करा देती है।

जीवन की सांझ सच्चे अनुभवों व उतार-चढ़ाव की बेमिसाल आदर्श गाथा होती है, जो सदैव कठिनाईयों को पार करते हुए विजय पथ की ओर बढ़ते रहने की प्रेरणा देती है व बिजली बनकर जीवन को सच्चा सुख व सुकून देती है। जीवन की सांझ को समझो, सकारात्मक सोच की मिसाल व जीवन की दुर्गम पंगडड़ियों को पार करते हुए अपनी मंजिल तक पहुंचाने में कामयाब सिद्ध होती है। जीवन की सांझ को एक कठोर सत्य व सुदृढ आधारशिला जानकर उसे खुशहाल व नर्म गलीचे की सेज बनाकर इसे सार्थक व सफल बनाओ, यही जीवन की सांझ का सार है।

□□□

झगड़े, कलह मनमुटाव आपसी सामंजस्य की कमी से होते है
खुशियों के लिये एक-दूसरे को समझे। पार्टनर को गुस्सा आये तो
शांत रहे प्रशंसा करे। लाईफ बन जायेगी। एक रिसर्च

दान कर पछतावें नहीं



पी.डी.अग्रवाल

श्रीवस्ती के एक निःसंतान सेठ के मर जाने के बाद कौशल नरेश ने सात दिन तक उसके धन को गाड़ियों में ढुलवाकर राजमहल में मंगवाया। इन सात दिनों तक धन ढुलवाने में वह ऐसा उलझा कि भगवान बुद्ध के पास एक दिन भी न जा पाया। वेसे वह आमतौर पर रोज सुबह भगवान के दर्शन और सत्संग के लिए जाता था। जब धन राजमहल में लाने का काम पूरा हुआ तो उसे भगवान की याद आई। वह तपती दोपहर में ही उनके पास चला गया। बुद्ध ने उससे दोपहर में आने का कारण पूछा। राजा ने पूरी बात बताते हुए कहा, ''भगवन् सेठ के पास इतना धन था कि राजमहल लाने में सात दिन लग गए। फिर भी वह रूखा-सूखा खाता था, फटे पुराने कपड़े पहनता था और टूटे-फूटे रथ पर सवारी करता था।'' बुद्ध ने कहा, 'महाराज उसने पूर्व जन्म में तगरशिखी बुद्ध को दान दिया था। दान तो मामूली था, क्योंकि उसकी हैसियत नहीं थी पर उसका विराट परिणाम हुआ और इस जीवन में इतनी संपत्ति मिली। लेकिन दान देकर पछताया बहुत था कि वह भी किन बातों में आ गया। कैसी भूल कर दी। पछतावा उसका पीछा कर रहा था। पछतावे के कारण धन हाथ से छोड़ने की उसकी क्षमता ही खत्म हो गई थी। दान से दो परिणाम हुए, दिया तो बहुत मिला और पछताया तो जीवन कंजूसी से भर गया। खुद खा-पी ना सकता था, अच्छे कपड़े नहीं पहन सकता था। महाकंजूस हो गया। संपत्ति के लिए ही अपने भाई के मरने पर उसके इकलौते बेटे को जंगल में ले जाकर मार डाला, जिसके परिणाम में उसे संतान नही हुई। मरकर वह महाघोर नर्क में गया है, क्योंकि पुराना पुण्य समाप्त हो गया, नया कोई किया नहीं।'

राजा ने कहा-'भंते बड़ा बुरा कर्म किया, जो आप जैसे बुद्ध के पास ही रहते हुए भी न दान दिया, न धर्म-श्रवण किया और न अपने धन का सदुपयोग किया।' बुद्ध हसे और बोले, 'बुद्धिहीन पुरूष धन-संपत्ति पाकर भी धर्म की ओर नहीं जाते और धन-सम्पत्ति के कारण उत्पन्न तृष्णा उनका दीर्घकाल तक हनन करती है' तब उन्होंने यह गाथा कही,'संसार से पार होने की कोशिश नहीं करने वाले दुर्बुद्धि मनुष्य को भोग नष्ट कर डालते हैं। भोग की तृष्णा में पड़कर वह दुर्बुद्धि पराए की तरह अपना ही घात करता है।'

खास बातें

दुःख सचेत और बुद्धिमान बनाने आता है। गिर गये तो खड़े हो जाइंत। रूकावटें असफल को रोकती है। सफल को ताकत व सुरक्षा देती है। चलते चलते रास्ता भटक जाना आम बात है लेकिन लक्ष्य पर अपने में बदलाव और चुनौतियों का सामना कर पहुँच जाना खास बात है। जो लड़ते झगड़ते कलह करते रहते है। उन्हे यह एक दिन ऐसे ही खत्म कर देता है। जो विश्वास हालात से तालमेल बिठा लेते है उन्हें हर परिस्थिति श्रेष्ठ और महत्वतपूर्ण बना देती है।

– सुकरात

□□□



शन्नो देवी गुप्ता

समूह क्या है?

(समूह की बैठक में जाने के पश्चात् होने वाले
अहसास को, जीवन में समूह के महत्तव को
शब्दों की माला में पिरोने का प्रयास किया है।)

हम वृद्धों की शान है 'समूह'
हम वृद्धों का मान 'समूह'।
वृद्धावस्था में खुशियों का दाता है 'समूह'
हमारी प्रसन्नता का द्योतक है 'समूह'
हमारे लिए ज्ञान की दृष्टि है 'समूह'
संस्कारों की साक्षात् सृष्टि है समूह
खुशियों के फूलों सा बाग है 'समूह'
बहती हुई नदी की निर्मलधारा है 'समूह'
सभी के साथ शाश्वत रहने वाला
समाज सेवियों का भंडार है 'समूह'
हमारे बच्चों के साथ न होने पर
साथ निभाने वाला साया है 'समूह'
किसी उद्यमी नर की छाया है 'समूह'
जीवन के पल की (दो क्षण) खुशियों से भर दे
नव जीवन में अनमोल खुदा है 'समूह'
वृद्धजनों के जीवन में मोक्ष है 'समूह'
सितारों की भाँति अनेकता में एकता है 'समूह'
हमारे लिए भगवान का वरदान है 'समूह'
धरती पर दिया गया आशीर्वाद 'समूह'
हमारा मान है समूह, हमारी शान है 'समूह'
हमारी आस है समूह हमारी आस है 'समूह'



तकदीर बदल जाती है जब किसी जिन्दगी का हो कोई मकसद,
वरना उम्र कट जाती है तकदीर को इल्जाम देते देते।।



Benefits Provided Senior Citizens by the Indian Constritution

Written, Compiled and Edited by CA Sugita Tamra and CA Lowe Tamra, Ajmer

The origin of Taxation dates back to centuries ago. For the proper administration of day to day affairs, for better functioning of the economy justifiable, appropriate and and an even rate taxation is a must. Particularly in an economy marked by vicissitudes where the difference between the haves and have-nots is considerable, taxation plays a very important role.

Taxation can be levied in two forms-one is **Direct Taxes,** as the name suggests, these are taxes that are directly paid to the government by the taxpayer. It is a tax applied on individuals and organizations directly by the government e.g. income tax, corporation tax, wealth tax etc.

The second is Indirect taxation wherein tax is levied on the expenditure incurred by an individual. It is also known as expenditure tax. **Indirect Taxes** are applied on the manufacture or sale of goods and services. These are initially paid to the government by an intermediary, who then adds the amount of the tax paid to the value of the goods/ services and passes on the total amount to the end user. Examples of these are sales tax, service tax excise duty etc.

Tax slab rates

The income tax slab rates for the senior citizens are different from the general (non-senior citizens)public.The table below explains the tax rates for individual's income up to Rs 5 lakh.

Tax rate	Non-Senior citizens	Senior Citizens (Age: 60 years and above	Super-Senior Citizens (Age :80 years and above
Tax Free	Income between Rs 2.5 lakh and Rs. 5 lakh	Income between Rs.3 Lakh and Rs.5 lakh NA	

However, after the interim budget 2019, individual taxpayers having annual up to Rs.5 lakh will get 100% tax rebate under Section87A. The income tax slabs remain unchanged for the Financial Year (FY) 2020 when income exceeds 5 lakh.

Interest Income Exemption under Section 80TTB

During the budget announcement in 2018, the Finance Minister of India had announced the introduction of a new Section 80TTB for the senior citizens to be effective from the Fy2019. Under this section, the income earned through interest on all kinds of deposits up to Rs.50,000 are exempted from tax and the amount earned over Rs. 50,000 are taxable as per the applicable senior citizen tax slab. This section continues to be effective in the current FY 2020.

Deductions for payment of medical insurance premium under Section 80D

This scheme, however, has a lock in period of 15 years.+

- If the policyholder is diagnosed with a critical illness then one can make an early withdrawal.
- Under this scheme the beneficiary will also get tax exemptions.
- If for some reason you are not satisfied with the scheme then you have 15 days from the start date to cancel it.
- You can opt to get the pension payout mothly, quarterly, half-yearly or annually.
- This is a single premium policy and the premium will vary depending on the pension amount you want.
- Single premium of Rs 6,66,665 enables the policyholder to receive Rs. 5,000 per month and an annual premium of Rs. 6,39,610 affords the pensioner a sum of Rs. 60,000 per annum.

4- Rasthriya Vayohri Yojana (RVY)

- Lanuched in 2017 by the Ministry of Social justice & Empowerment of Government of India.
- The scheme is only available to those senior citizens who are below poverty line, that is are BPL cardholders.
- Senior citizen suffering from low vision, hearing impairment, loss of teeth, and locomotor disability will be provided with assisted-living devices.
- A Committee chaired by the Deputy Commissioner or District Collector with the help of the State governments identifies those who are eligible for this scheme.
- 30 per cent of the beneficiaries from each district will be women.
- Walking sticks, elbow crutches, walkers, hearing aids, wheelchairs, and artificial dentures are some of the aids that are provided under this scheme.
- The scheme will be implemented in 260 districts and benefit almost 5 lakh plus beneficiaries in 2019-2020.

5- Indira Gandhi National Old Age Pension Scheme

- Introduced in 2007 by the Ministry of Rural Development of India, this scheme is popularly known as National Old Age Pension Scheme (NOAPS).
- This scheme provides social assistance benefits to senior citizens, widows, and those with disabilities.
- Under this scheme the beneficiary will receive a monthly pension.
- The interesting part about this scheme is that it is a non-contributing scheme, which means that the beneficiary does not have to contribute any amount to receive the pension.
- The beneficiary must be a BPL cardholder and have no regular source of financial support from any other source.
- If the beneficiary is between 60 to 79 years old, a monthly amount of Rs. 200 is given and for those above 80 years, a sum of Rs. 500.
- The pension amount will be credited to the bank account as furnished by the beneficiary or post office account.

Availability of Concession/Discounts to Senior Citizens Subject to fulfillment of certain conditions.

Indian Airlines is providing 50 per cent Senior Citizen Discount on Normal Economy Class fare for all domestic flights to Indian senior citizens who have completed the age of 65 years in the case of male senior citizens and 63 years in the case of female senior citizens subject to certain conditions.

Air india offers 50% discount for senior citizens. Indian citizens aged over 60 years will be able to avail of a 50% discount on Air india's basic fare for economy class tickets in domestic flights. To avail of the scheme, people need to produce valid ID proof.

Senior citizens, both male and female, are eligible for concession of up 50 percent of the train ticket fare. According to the prescribed guidelines by the Indian Railways, all the males with age of 60 years or more and all the females with age of 58 years or more are qualified as senior citizens.

In this way we can conclude that the government of India has in its cap various schemes for the benefit of the senior citizen. But before investing in these schemes, It is imperative that proper understanding of the schems should be carried out so that one may get hassle free access to these and maximize the amount of benefits which the scheme may entail.

for the non-senior citizens, under Section80D, the deduction allowed for the payment of medical insurance premium is Rs. 25,000 and for senior citizens the deduction is extended up to Rs.50,000. The deduction for the senior citizens was earlier Rs. 30,000 the new deduction came into effect from April 1, 2018.

Special tax benefit under the reverse mortgage scheme

The reverse mortgage scheme is a special scheme for the senior citizens wherin they can monetise their property and get Equated Monthly Instalments (EMIs) in return, even as they retain the ownership of the property. It is the exact opposite of the home Lone scheme, and the amount paid to them under this scheme is exempted from tax.

Exemption from advance tax payment

As per Section 208, every individual whose estimated tax liability exceeds Rs. 10,000 is liable to pay advance tax by the due dates. However, Section 207 exempts a resident senior citizen (age 60 years or above) from paying advance taxes if the individual does not have any business or profession. A senior citizen may receive income from various sources such as rental income, interests from bank deposits or pension, or dividends. Unless the income falls under the head of "income from business or profession" the individual is not liable for any advance tax.

All the above tax benefits available for the senior citizens can help them live a financially independent post retirement life.

1. Senior Citizens Saving Scheme (SCSS)

- This is a government- backed savings instrument offered to Indian residents above the age of 60.
- The deposit matures in five years and can be extended once for an additional three year period.
- One can avail this scheme either through a public/private bank or through the Indian Post office.
- Interest rate for January to March 2019 has been set at 8.6 per cent and is reviewed by the government every quarter.
- The accrued interest is compounded and credited quarterly.
- A minimum deposit of Rs. 1,000 and a maximum of Rs. 15 lakh can be made via this scheme.
- Investments made under this scheme are eligible for tax exemptions.
- If, for some reason, you wish to withdraw money before the scheme matures, then there will be a penalty charge of 1.5 percent of deposit amount deducted in case the withdrawal is before two years, and 1% after two years.

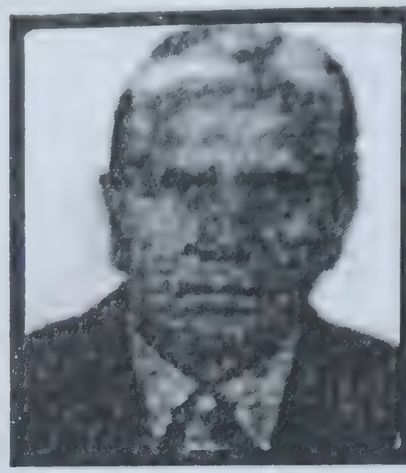
2. Pradhan Mantri Vaya Vandana Yojana (PMVVY)

- The scheme is managed by the life Insurance Corporation of India (LIC).
- Under this scheme the beneficiary is assured of 8 percent per annum return on the deposit. The 'Pension', or the return will be payable for a period of 10 years and the beneficiary has the option of choosing the tenure of payment.
- One can subscribe to this until 30 March 2020.
- Under this scheme there is a cap on the amount that can be invested, an individual can invest upto Rs. 15 lakh and a minimum of Rs.1,000.
- The scheme has no tax benefits.
- In case of death of the beneficiary before the completion of the tenure, the Principal amount will be credited to the nominated beneficiary's account.
- This scheme also has the provision for a premature exit in case of critical illness of self or spouse. In such a case 2 percent will be withheld as sa penalty charge.

3. Varishta Pension Bima Yojana

- Launched by the LIC, this scheme provides its beneficiaries with a steady 8 percent per annum interest rate for a period of 10 years.
- Unlike other schemes, one doesn't have to go throgh any medical check-ups to avail its benefits.

With Best Compliments From :



Ram Chandra Sharma (Jangid)
MA,LLB (Mumbai), DIS, CAiiB

Advocate (Raj. High Court)

ADVOCATE

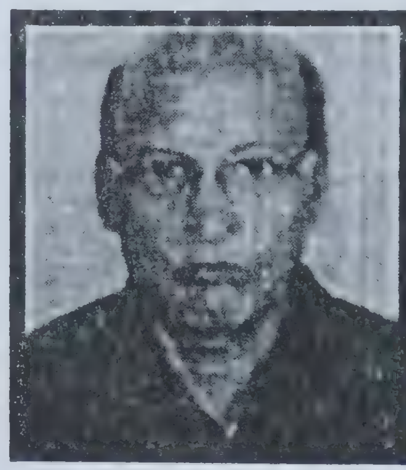
President
Bharat Vikas Parishad, Ajmer (Adarsh)

KRINVANTO - VISHVA MARYAM

Uttishthata - Jagrat

Resi . : C-53 RIICO AVASIYA colony, Makhupura, Ajmer
Mob. : 9413163513, Email : advocatercs@gmail.com

हार्दिक शुभकामनाओ सहित



प्रो. यतीश चन्द्र शर्मा

पूजा गैस रिपेयर सेन्टर

यहाँ पर गैस चूल्हे व गैस भट्टी की मरम्मत
किफायती व गारन्टी के साथ की जाती है,
घर पर जाने की सुविधा उपलब्ध है।

म. नं. 792/28, सात पीपली बालाजी मंदिर वाली गली,
शिव नगर, बिहारी गंज, अजमेर Ph - 0145-2663540, 9269999468



प्रो. रमेशचन्द्र अग्रवाल

ॐ

सर्वे भवन्तु निरामयाः

पतंजलि चिकित्सालय

पतंजलि यागपीठ, हरिद्वार द्वारा संचालित

1-छ- जनता कॉलोनी, वैशाली नगर, अजमेर



संपर्कः	समय : प्रात : 9.00 बजे से
0145- 2640249, 9414220757	सायं 8.00 बजे तक प्रतदिन

प. पू. स्वामी रामेदव महाराज के सानिध्य में निम्न सेवाएं उपलब्ध हैः

- पतंजलि योगपीठ आश्रम द्वारा निर्मित सभी खाद्य पदार्थ व दैनिक उपयोगी वस्तुएं।
- दिव्य फार्मेसी द्वारा निर्मित आयुर्वेदिक दवाएं।
- योग एवं प्राणायाम साहित्य (पुस्तकें व वीसीडी।)
- यहां पर पतंजलि योग पीठ से प्रशिक्षित वैद्य द्वारा प्रतिदिन
- निःशुल्क चिकित्सा परामर्श दिया जाता है।
- सभी प्रकार के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी व दिशा निर्देश भी दिये जाते है।

सभी पतंजलि उत्पादों पर पाएँ 5 % 10% तक की विशेष छूट (कैश बेक) स्वदेशी समृद्धि कार्ड बनवाने पर

सभी प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर

स्वदेशी बनें-शुद्धता के साथ जिएं

करो योग रहो निरोग - प्रात : 5 से 8 बजे तक - आस्था चैनल

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

प्रो. अजय टांक
9887074000

नेशनल ट्रेडर्स



अजय टांक

हमारे यहां फ्रीज,
वाशिंग मशीन,
एयर कंडीशनर,
माईक्रोवेव ओवन,
वॉटर कूलर,
डीप फ्रीज के
स्पेयर पार्ट्स व एसेसरीज मिलती है।



एन. के. टांक

गौतम स्कूल के पास, हाथी भाटा, अजमेर

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

प्रो. आशीष टांक
9887061909

शिवांगी एन्टरप्राईजेज



आशीष टांक

हमारे यहां वाशिंग मशीन, माईक्रोवेव
ओवन, डीप फ्रीज,
आईस केण्डी, एल.पी.जी गैस
फिटिंग व आर. ओ. के स्पेयर पाटर्स
व ऐसेसरीज मिलती है।



एन. के. टांक

गौतम स्कूल के पास, हाथी भाटा, अजमेर

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

अभिषेक खण्डेलवाल
9414259454

गौरी शंकर खण्डेलवाल
9461478988

भोलाराम नारायणलाल खण्डेलवाल

आनाज एवं किराणा के व्यापारी
रामगंज अजमेर



आशिष खण्डेलवाल
9829106300

भण्डारिया ब्रदर्स

जनरल मर्चेंट
रामगंज, अजमेर



जय भोले

टेलर पॉइंट

जय भोले

टे ल र पॉ इ न्ट



फुल सुट, शेरवानी, जैकेट, ब्लेजर,
कुर्ता, पजामा, इन्डोवेस्टर्न

रेमण्ड, सियाराम, OCM, रीड एण्ड
टेलर आदि ब्राण्डेड् कपड़ो में



टे ल र पॉ इ न्ट

सिन्धी धर्मशाला के सामने, सिन्धी कालोनी, मदनगंज, किशनगढ़ (अजमेर)

कमलकान्त खण्डेलवाल 9829270731, 9214806335
अमर खण्डेलवाल 8560828134, (अजमेर वाले)

" अश्रुपूरित श्रद्धा - सुमन "



स्व. गुलशन हजेला
पुत्र श्री भारत भूषण
जन्म : 21 जून 1971
मृत्यु 01 मइ 2018



स्व. श्रीमती शीला सक्सेना
धर्मपत्नि श्री भारत भूषण सिन्हा
जन्म : 03 जनवरी 1945
मृत्यू 11 फरवरी 2019

कठिनाईयों की डगर में साथ दिया मिलकर
दुःख – दर्द सहे, निःश्चल अविरल
खुशियों की सौगात लिए
परिजनों की जीवन सरल – सुफल, आसान किया।

द्दग – सीप के मोती तरल समर्पित
श्रद्धान्वत
श्रीमती विभा हजेला (पत्नी)
विक्रान्त हजेला (पुत्र) एवं
उर्वषी हजेला (पुत्री) एवं
भारत भूषण सिन्हा

पता : फ्लोरिड़ा पब्लिक स्कूल, चन्द्रवरदाई नगर, अजयनगर - अजमेर
मो. 9214669585

" अश्रुपूरित
श्रद्धा - सुमन "



स्व. श्री राधे कृष्ण जी मंगल
22/01/1922-10/02/1982

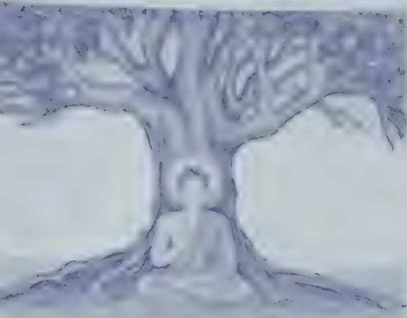


स्व. श्रीमती राजकुमारी जी मंगल
01/11/1922 - 08/11/2018

" आपके उच्च विचारों की रोशनी, दीया
बन के हमारा मार्ग प्रशस्त करती रहें"।

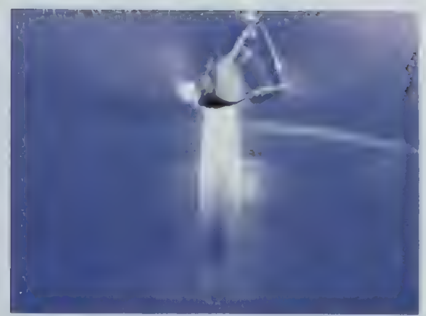
26, इंकम टैक्स कॉलोनी वैशाली नगर
अजमेर

स्नेहलता मंगल (पुत्रवधु)
नरेन्द्र कुमार मंगल (पुत्र)



चरैवती चरैवती चरैवती





अप दीपो भव

LAXMI NARAYAN MEDICAL STORE
CHEMISTRY & DRUGGISTS

Opp. Police Post, Ramganj, Ajmer (Raj)
Ph 0145-2693743, M : +91-9828171003

With Best Compliments From :

Vasudev Lalwani
M: +91-9214933122

Harish Punjabi
M : +91- 9587775151

Prakash Punjabi
M : +91-9829125120

Gopal Lalwani
M : 91-9829655886
Wa : 8963855494
gopallalwani@rediffmail.com

Sunil Punjabi
M : + 91-8764180542
Sunil92punjabi@gmail.com

हार्दिक शुभकामनाएं



रामजीलाल अरोड़ा
एम. कॉम., एल.एल.बी.

वार्षिक स्मारिका - वरिष्ठ नागरिक
समस्त वरिष्ठ नागरिक एवं सदस्यों को
हार्दिक शुभकामनाएं

रामजीलाल अरोड़ा

एम. कॉम., एल.एल.बी.

एडवोकेट	- नोटरी पब्लिक
संस्थापक सदस्य	- वरिष्ठ नागरिक एसोसियेशन अजमेर वर्ष 1995
नगर संयोजक	- अखिल भारतीय साहित्य परिषद्
सहमंत्री	- नगर आर्य समाज, अजमेर
प्रतिनिधि सदस्य	- हयूमन राइट एवं करप्शन फ्रेडिक्शन, यूनियन परमानन्द चौक, दिल्ली
सदस्य	- भारत विकास परिषद, सहकार भारतीय
सदस्य	- अधिवक्ता परिषद, अजमेर न्यायालय
सदस्य	- अखिल भारतीय, ग्राहक परिषद, दिल्ली

निवास :-

180, पार्श्वनाथ कॉलोनी, आतेड़ रोड़, अजमेर
मो. : 9413779588
वरिष्ठ नागरिक ग्रुप. नं0. 1 वैशाली नगर, अजमेर

हार्दिक शुभकामनाओं सहित ....

दन्त चिकित्सक





ओम प्रकाश (पेडवाल)

(साली वाले)

द.स.चि. मुम्बई
(चिकित्सक रजिस्टर नं. 6049)

0145-2422197 (clinic)
0145-2670917 (Resi.)
Mob . : 9460972323

समस्त दाँतों की बिमारी का ईलाज एवं नये दाँत बनवाने हेतु एकमात्र समाज का चिकित्सालय, दाँतों में किसी भी प्रकार की बीमारी / रोग हेतु सम्पर्क करें।

**मृदंग सिनेमा के पास, श्रीनगर रोड़
अजमेर (राज.)**

समय : प्रात:9 से 1 बजे तक   सांय 5 से 7 बजे तक

गुरुवार का अवकाश

विनम्र श्रद्धाजंलि





मेजर आर.एस. चौहान
01-02-1923 - 29-02-2016

स्व. श्रीमती राजेश्वरी चौहान
25-06 -1926 - 27-03-2011

हमारे पूज्य पिताजी मेजर आर.एस.चौहान (रिटायर्ड) का जन्म 1 फरवरी 1923 को पहाड़पुर गाँव, उन्ना जिला, उत्तरप्रदेश में हुआ तथा उनकी शिक्षा अजमेर में हुई थी। शिक्षा के बाद मेजर चौहान की नियुक्ति ग्वालियर लांस में 2 लेफ्टिनेंट के पद पर हुई। देश की आजादी के बाद राज्यों के सैन्यबल के एकीकरण के पश्चात्‌मेजर चौहान क नियुक्ति 13 ग्रेनेडियर, बीकानेर में कैप्टन के रूप में हुई। उन्होने अजमेर में एन.सी.सी. हेडक्वार्टस में प्रशासनि अधिकारी के रूप में भी अपनी सेवाएं दी। आर्मी में सेवारत रहते हुए वे सन् 1962, 1967 व 1971 में चीन व पाकिस्ता के विरूद्ध हुए युद्ध में बहादुरी से लड़े। यह अत्यन्त गर्व का विषय है कि उन्होंने दिल्ली में राजपथ पर आयोजित गणतं दिवस समारोह 1962, 13 ग्रेनेडियर, कैमल ट्रुप का कुशल नेतृत्व किया। वे कर्मठ, अनुशासनप्रिय एवं परिश्रमी व्यक्ति थे। निःस्वार्थ रूप से देश की सेवा करते हुए सन् 1972 में मेजर के पद पर कार्यरत रहते हुए सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृ के पश्चात् अपने जीवन को एक उद्‌देश्य व समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सन् 1976 में अंग्रेजी माध्यम **''ईस्ट पॉइन्ट स्कूल''** की स्थापना मात्र 10 बच्चों के साथ की। आज यह स्कूल अपनी एक अलग पहचान बन चुका है। उन्होंने ही स्कूल को **"Keep Your Aim High"** अर्थात् अपने लक्ष्य को सदा ऊँचा रखने का सिद्धान्त दिया उनका अनुशासन व विनम्र स्वभाव आज भी हमारे लिए प्रेरणा स्त्रोत है और हमेशा बना रहेगा। आपके द्वारा स्थापि शिक्षण संस्थान आज सभी क्षेत्रों में अपना विशेष स्थान रखता है। आप अपने पीछे सम्पन्न परिवार छोड़ गए है। इनक ज्येष्ठ पुत्र कमल सिंह चौहान सीमा सुरक्षा बल से डी.आई.जी.के पद से सेवानिवृत्त हैं, पुत्री आशा सिंह, छोटे पुत्र गोपाल सिंह चौहान व पुत्रवधु श्रीमती विनीता चौहान, मेजर आर. एस. चौहान द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थान को सफलतापूर्व संचालित कर रहे हैं। इनके छोटे जामाता श्री एस.पी.एस. सौलंकी आई.ए.एस., यू. पी. कैडर से कमिश्नर के पद

शोकाकुल परिवार

श्रीमती आशा सिंह (पुत्री)
श्री कमल सिंह चौहान - श्रीमती सुधा चौहान (पुत्र-पुत्रवधु)
श्री गोपाल सिंह चौहान - श्रीमती विनीता चौहान (पुत्र-पुत्रवधु)
अमित सिंह चौहान- अनुराधा चौहान (पौत्र-पौत्रवधु)
विक्रम सिंह चौहान - दीपिका चौहान (पौत्र-पौत्रवधु)
सिद्धार्थ सिंह चौहान - अंकिता चौहान (पौत्र-पौत्रवधु)
अभिमन्यु सिंह चौहान (पौत्र), राजश्री चौहान, वसुधा चौहान, आरिनी सिंह (प्रपौत्री)

श्रीमती उषा चौहान - श्री एस.पी.एस. सोलंकी (पुत्री-दामाद
कार्तिकेय सोलंकी-ज्योत्सना सोलंकी (नाती-नाती वधु
स्वास्तिक सोलंकी - मोनिका सोलंकी (नाती-नाती वधु
युवराज आदित्य सिंह (प्रपौत्र
आराधना सिंह (प्रपौत्री

योग से आनन्दमय जीवन – एक संवाद (25.11.2019)

















M.S.ENTERPRISES



Rohit Verma

हमारे यहाँ सभी प्रकार के बिल, ऑनलाइन फार्म,
पुलिस सत्यापन रिपोर्ट, पासपोर्ट सेवा, ड्राइविंग लाइसेंसेस,
जाती प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, पेन कार्ड, आधार कार्ड प्रिंट,
भामाशाह कार्ड, बायोडेटा, जमाबंदी,डॉक्यूमेंट स्कैन,
फोटो स्टेट, ब्लैक न वाइट और कलर प्रिंटआउट
आदि का कार्य किया जाता है

चौधरी होटल के पास, ब्यावर रोड, रामगंज अजमेर

मोबाइल नो:- 9461070445, 7014485141

Email:-msenterprisejmer@gmail.com

अधिशाषी परिषद् , सीनियर सिटीजन सोसाइटी एवं परिवार की ओर से अश्रुपूरित श्रद्धांजली



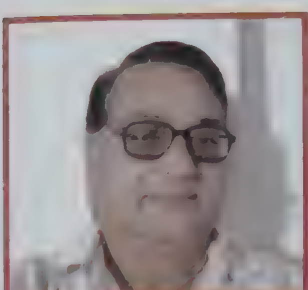
शत शत नमन

श्रीमती भारती सक्सैना

शत शत नमन

जन्म दिवस : 26.01.1960 **स्वर्गवास : 24.08.2018**

बिछुड़ गये हो बीच राह में, दिलो से नही जा पाओगे।
आँखो में आँसू है गम के, उम्र भर याद आओगे।।



सुनील सक्सैना
सचिव (प्रशासन)
सीनियर सोसायटी अजमेर



मुदित (पुत्र)



नेहा (पुत्र वधू)



ग्रंथ (पौत्र)



साक्षी (पुत्री)



रोहित (दामाद)



कबीर (दोहिता)



WITH BEST COMPLIMENTS FROM

ओम प्रकाश कच्छावा

समूह संख्या – 10
पाल बीचला, अजमेर

पुष्पा कच्छावा

महिला सदस्य
सीनियर सिटीजन सोसायटी
अजमेर



With Best Compliments From



Rajendra Kumar Shivhare

Coordinator Group 20
Naka Madar, Ajmer
Mob : 9414272722











best Wishes From





J.P. SHARMA

General Secretary
Senior Citizen Society Ajmer
Add. : B-19, Maya Mansion
Chandravardai Nagar,
Ph : 0145-2690901
Mob : 941466901

Sunder Press Ajmer 0145-2626901 - 9351510022